FOREWORD

Preached, written and published By the Author:
Pastor Dalton Bruce - Bethel {The House Of God},
Co-Authors: **Kenneth Mcgahee & Gerald Renner -**
Grace Covenant Church Conn. U.S.A., in August 2006.

परिचय

इस पुस्तक का शीर्षक ''सात कलीसियाई कालों की पुस्तक–कुपन्थों का अन्तःक्षेपीकरण, डा0 वेले एवं कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा'' है। यह सात कलीसिया काल की पुस्तक से सम्बन्धित है। यह पुस्तक डा0 ली. वेले ने वि0 मे0 ब्रन्हम, मलाकी 4:5–6 के लिए लिपिबद्ध की है। यह पुस्तक दिसम्बर 1965 में भविष्यवक्ता के देहान्त से कुछ सप्ताह पूर्व प्रकाशित हुई थी। इस पर लेखक के रूप में भविष्यवक्ता का नाम लिखा है।

यह कार्य उन तीन भ्रान्तियों या भूलों का खुलासा करता है जिन्हें भविष्यवक्ता द्वारा 1960 में प्रचारित मूल कलीसिया काल संदेशों के प्रकाशन में समावेशित कर दिया गया है। यह संदेश प्रकाशितवाक्य अध्याय 1–4 पर आधारित ''यीशु मसीह का प्रकाशन'' नाम के संदेश की एक लम्बी श्रंखला के एक भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अन्त समय का संदेश, 'जिसमें सात कलीसिया काल का संदेश भी शामिल है, एक सिद्ध संदेश है। इस प्रकार यह कार्य भविष्यवक्ता की शिक्षाओं में सुधार करने के लिए नहीं परन्तु वि0 मे0 ब्रन्हम द्वारा दिव्य प्रेरणा से लिखी गई सा. क. काल की पुस्तक में घुसाई गई तीन बड़ी भ्रान्तियों को अलग करना है। यह नहीं कहा जा रहा है कि सात कलीसिया काल की पुस्तक को डा0 वेले की पुस्तक समझकर या विरोधों और कुपन्थों से भरी पुस्तक समझ कर अस्वीकार कर देना चा हिए। यद्यपि कुछ लोग ऐसी मनोवृति प्राप्त कर लेते हैं, मैं ऐसी नास्ति कता के साथ सम्बन्धित नहीं हूँ। मैं घोषित करता हूँ कि कलीसियाई कालों का प्रकाशन भविष्यवक्ता द्वारा प्रचारे गए महानतम संदेशों में से एक है। इस लिए इस कार्य का उद्देश्य संदेश की, सात कलीसियाई काल संदेश की, और इस पुस्तक में पायी जाने वाली दिव्य प्रेरणा से प्राप्त शिक्षाओं की सम्पूर्णता की रक्षा करना है। इस संदेश की प्राप्ति के लिए सात कलीसिया काल पुस्तक की उन तीन बड़ी भ्रान्तियों की पहचान और कुपन्थों के रूप में उनका खुलासा आवश्यक है।

यह कार्य डा0 वेले ने किया ना कि भविष्यवक्ता ने, इस कारण से मैं सा. क. काल पुस्तक में अन्तःक्षेपित उसके कुपन्थों का सीधा ही खुलासा कर रहा हूँ इन भ्रान्तियों की ओर स्थानीय सेवकों का ध्यान वर्ष 1972 में ही चला गया था और विदेशी सेवको ने इस पुस्तक का प्रकाशन होने के पश्चात इस पर ध्यान दिया। हमारे मंच से इनका सुधार किया गया, परन्तु डा0 वेले और सात कलीसिया काल की पुस्तक के प्रति हमारे मन में सम्मान के कारण, और यह बात दृष्टिगत रखते हुए कि इस पुस्तक के लेखक का नाम भाई वि0 मे0 ब्रन्हम है, और यह कि इस बात का सार्वजनिक किया जाना भविष्यवक्ता और उसके संदेश पर लांछन लगा सकता है हमने इस समय तक ऐसा कभी नहीं किया।

यद्यपि एक संक्षिप्त लेख नि0 कु0 का खुलासा की 12 वीं पुस्तक के 89 पृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था, साथ ही यथोचित सम्मान के साथ डा0 वेले को भूल के लिए

क्षमा कर दिया गया था।

डा0 ली. वेले के उत्तराधिकारी एवं प्रतिनिधि पास्टर ब्रायन कोसोरेक ने अगस्त 2008 में इस लेख के लिखने और प्रकाशित होने के चार वर्ष पश्चात (2004 में लिखी और प्रकाशित हुई) इस पर अपनी आपत्ति व्यक्त करी। मैंने सातवीं मुहर, सात गर्जन के विषय में उन से एक वार्तालाप आरम्भ किया। मैंने उन्हें सात कलीसियाई काल की पुस्तक में अन्तःक्षेपित कर दी गई अन्य भूलों के ऊपर एक मित्रतापूर्ण वार्तालाप में शामिल होने के लिए निमन्त्रित किया। जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

उन वार्तालापों ने इस पुस्तक के अधिकतर भागों की रचना की, साथ ही इसमें पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया शामिल है जो कि बहुत शत्रुतापूर्ण और वचन विरुद्ध थी। उन का बचाव इस घृणित झूठ पर आधारित था कि मैं भविष्यवक्ता की गलतियाँ सुध ाार रहा हूँ हमारे वार्तालाप की प्रक्रिया के मध्य में ही उसने इस सब विषय को अपने मंच से प्रचार दिया एवं अपनी बेबसाइट पर भी प्रकाशित कर दिया। इस पर मैंने उन्हें एक कायर और नपुंसक होने के लिए धमकाया।

डा0 वेले के इस प्रचार के लिए मैंने पास्टर कोसोरेक को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अपनी बेबसाइट पर आम जन के लिए जो विज्ञापन किया जो निरन्तर होता रहना चाहिए। मैं संदेश और हमारे प्रकाशन का सार्वजनिक रूप से कोसोरेक के झूठ से बचाव के लिए कृतज्ञ हूँ इस कारण से इस कार्य में डा0 वेले और कोसोरेक के अन्य कुपन्थ भी शामिल किए गए हैं ; जिनका वचन और मलाकी 4:5–6 के द्वारा खुलासा किया गया है। मैं डा0 वेले के प्रति अपने सम्मान के कारण यह समझौता कभी स्वीकार नहीं कर सकता कि लोग स्वर्गारोहण को छोड़ बैठें। मैं उन्हें प्रेम करता हूँ परन्तु वे गलत हैं और पास्टर कोसोरेक उनकी भूलों पर चलकर उन्हें और मजबूत कर रहे हैं।

मैं विश्वास करता हूँ कि हमारा यह कार्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संदेश के विश्वासियों के लिए एक अच्छा उदाहरण ठहरेगा। मैं सुनिश्चित हूँ कि बहुतेरे उन तीन बड़े कुपन्थों से छुटकारा पाएंगे जो सात क. काल में घुसेड़े गए हैं। उन में से दो कुपन्थ प्रभु के लोगों को धरती से बांधे रखने के लिए शैतान ने रचे हैं जैसा कि उन्हें टोकन के साथ करना है, कि या तो प्राप्त करो या नाश हो जाओ। ऐसा ही उन्हें देह परिवर्तन लायक विश्वास और स्वर्गारोहण की सामर्थ के लिए सात गर्जन के साथ करना है। जो भी हो चुने हुए पहले से ठहराये गए हैं कि वे सत्य को जाने और प्रभु की आवाज को सुनें।

यूहन्ना 10:4 – 5 और जब वह अपनी सब भेड़ों को बाहर निकाल चुकता है, तो उनके आगे आगे चलता है, और भेड़ें उसके पीछे पीछे हो लेती है; क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं। परन्तु वे पराये के पीछे नही जाएंगी, परन्तु उससे भागेंगी, क्योंकि वे परायों का शब्द नहीं पहचानतीं।

पास्टर डाल्टन ब्रूस द्वारा नवम्बर 2008 में लिखित एवं प्रकाशित नि0 कु0 का खुलासा बैथेल (प्रभु का घर) फ्रीपोर्ट, त्रिनिदाद वेस्ट इंडीज

सात कलीसिया काल – अन्तःक्षेपित कुपन्थ
(डा0 वेले एवं कोसोरेक के कुपन्थ)

प्रस्तावना

पास्टर ब्रायन कोसोरेक ने डा0 ली वेले और सा. क. काल पुस्तक में घुसेड़ी गई उनकी भ्रांतियों को सार्वजनिक कर दिया, जबकि नि0 कु0 का खुलासा और इसके लेखको और संदेश के अन्य सेवकों ने इस मामले को दशकों से अपनी निचली प्राथमिकताओं में बनाकर रखा था। कोसोरेक का यह नीच कर्म उस वृद्ध प्राचीन को हृदयघात पहुँचा देने में सक्षम था। पास्टर कोसोरेक एक उत्तराधिकारी, रक्षक और अपने मालिक का रखवाली करने वाला एक तुच्छ कुत्ता है।

डा0 वेले के मित्र सहयोगी और रखवाली के उग्र कुत्ते के बर्बर कृत्य के कारण वचन का और भविष्यवक्ता का जो सार्वजनिक रूप बचाव हुआ था उसके लिए नि0 कु0 का खुलासा आभारी था। उसे अपने परामर्शदाता के प्रति अपने इस शरारतपूर्ण कार्य के लिए शर्मिन्दा होना चाहिए, जबकि हम सेवकगण डा0 वेले के सम्बन्ध में कुछ छापने के प्रति बहुत ही सर्तक रहते थे और ऐसा प्रयास करते थे कि किसी लेख में उनका नाम ना छापा जाए। नि0 कु0 का खुलासा 12. पृष्ठ 89 और पुस्तक 13. पृष्ठ 96 इसका गवाह है कि वहाँ उसके कुपन्थों का खुलासा कितने अव्यक्तिक तरीके से किया गया है। वह आदर जो भाई ब्रन्हम डा0 वेले के प्रति प्रगट किया करते थे जबकि वो उनके साथ सिद्धान्त सम्बन्धी शिक्षाओं पर घंटो तर्क वितर्क किया करते थे, का अनुसरण करते हुए संदेश के विश्वासियों के छुटकारे के लिए बहुत कुछ लिखा गया था।। डा0 वेले के कुपन्थों को इतनी बुद्धिमानी के साथ निपटाया गया कि यह रखवाली का कुत्ता भौंक न सका क्योंकि वह सो रहा था। इस पुस्तक के सातवें अध्याय में इसका वर्णन किया गया है।

पास्टर कोसोरेक ; ''श्रद्धेय'', जैसा कि वह अपने आप को

कहलवाना पसन्द करते हैं, नि0 कु0 का खुल0 पुस्तक के ग्राहक थे और मेरे सम्पर्क में थे, जब तक उन्होंने पुस्तक 12 में उस लेख पर ध्यान नहीं दिया जो कि सा0 क0 काल में डा0 वेले द्वारा एक भ्रांति घुसेड़े जाने से सम्बन्धित था। यदि वह डा0 वेले की सेवकाई का एक वास्तविक रक्षक था तो उसका ध्यान इस लेख पर इसके प्रकाशन के समय अर्थात् वर्ष 2004 में ही चला जाना चाहिए था। परन्तु वह अपनी जड़निद्रा से केवल कुछ सप्ताह पहले ही जागा और वहाँ पहुँच गया जहाँ स्वर्गदूत भी पैर रखने से डरते हैं। और जैसा यीशु ने फरीसियों से कहा, उसने एक मच्छर पर तो हाय तौबा मचा दी परन्तु ऊँट को निगल गया। इस हार से वह अवाक् रह गया जबकि उसने सत्य के और नि0 कु0 का खुलासा पुस्तकों में संकलित भविष्यवक्ता के संदेशों के विरुद्ध आक्रमण करने के लिए समस्त झूठों, धोखों और पाखंडों का सहारा लिया था।

श्रद्धेय कोसोरेक ने डा0 वेले को संसार के सामने बेनकाब क्यों कर दिया? मैं

विश्वास करता हूँ कि उसके लक्ष्य एवं उददेश्य स्वार्थ पर आधारित थे। डा0 वेले के बाद संदेश के अभिषिक्त रक्षक के रूप में वह इस बात को संदेश जगत की दृष्टि में बहुत बड़ा बनाना चाहता था : और साथ ही वह अपने आप को 183 राष्ट्रों में स्थापित करने की इच्छा रखता था, जैसा कि वह गप्प मारता था कि वे उसे डा0 वेले के योग्य शिक्षक के रूप में सुनते हैं। इस संदेश को प्राप्त करने के लिए उसने नि0 कु0 का खुलासा की अखण्डता, विश्वसनीयता और लोकप्रियता को नष्ट करने का कुटिल प्रयास किया। प्रभु ने उसे नीचा दिखाया क्योंकि उसने अपने आपको प्रभु के सितारों से ऊँचा किया। वह मेघों पर चढ़ने में असफल रहा और धरती पर गिरा दिया गया।

पास्टर कोसोरेक के साथ सात क0 काल पुस्तक पर आधारित वार्तालाप को जब मैंने बन्द किया, तब उसने बड़े धूर्तता पूर्ण तरीके से अपने कुपन्थों को सार्वजनिक होने से रोकने का प्रयत्न किया, उसने बहुत क्रोधित प्रतिक्रिया को प्रदर्शित किया कि, लोग मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे, मेरी मनोवृत्ति छिपी नहीं रहेगी, मैं बेपरदा हो गया हूँ और इससे भाग नहीं सकता हूँ , मेरी वेबसाइट शैतान का हथियार है, और यदि मेरे पास कुछ अच्छा लिखने के लिए न हो तो मैं न लिखूं, मेरी आत्मा नीच और घृणित है, उसने मुझे नर्क, श्वेत सिंहासन के न्याय और ईशनिन्दा से धमकाया। उसने मुझे एक बेहूदी बहस में लपेटने का प्रयत्न किया परन्तु मैं उसकी चाल में नहीं फंसा।

उसके बहुत से पत्रों से मुझे यह अनुभव हुआ कि वह बेचैन हो गया है उसकी नींद उड़ गई है और वह अपने कुपन्थों का राज खुल जाने के भय से भयभीत हो गया है। वह फिर से भेड़ की खाल में घुस गया कि वह प्रार्थना कर रहा है कि प्रभु मेरे हृदय को धृणा रहित और प्रेम से परिपूर्ण कर दें, और कि मुझे क्रोध पर नियंन्त्रण करने के प्रबंध की आवश्यक्ता है।

मेरे द्वारा अपनी वेबसाइड पर उसके सार्वजनिक खुलासे को रोकने के उसके असफल व निराशाजनक प्रयत्न के पश्चात वह भेड़ की खाल से बाहर निकल आया।

मेरे साथ हुए वार्तालाप, को उसने वेबसाइट पर प्रदर्शित करा था कि यदि मैने कलीसिया कालों की पुस्तक की भ्रान्तियों के मेरे खुलासे का पश्चताप नहीं किया तो उस वार्तालाप के विज्ञापन की धमकी दी थी, उसने उस वार्तालाप से मेरा नाम हटा दिया। मैंने सत्य की राह पर होने के कारण पश्चाताप से इंकार कर दिया। जब उसने मेरी पुस्तक के आवरण पर अपने और डा0 वेले के चित्रों को देखा और मेरी वेबसाइट पर उसके शीघ्र आगमन की सूचना देखी तो वह क्रोधित और संत्रस्त हो गया।

पास्टर कोसोरेक का सबसे बड़ा भय अपने आधारहीन अहंकारी और अधर्मी बचाव के प्रकाशित होने का था, जिसे उसने अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं किया था। उसके कुपन्थों का पूरी तरह खुलासा हो गया था। इस प्रकार वह अपने बचाव के तरीकों का सामना करने की आशंका से त्रस्त हो गया। उसके ग्राहक और अंशदाता उसे उस के भेड़ के छदम्वेश के बिना देखेंगे। जब पास्टर कोसोरेक को उसके कुपन्थों के प्रकाशन के सम्बंध में नोटिस दिया गया तो उसने इस प्रकार प्रतिकिया दी। उसने मुझे इंटरनेट

का एक 'लिंक' भेजा। यह उस ने मुझे और अपने दोस्तों को भेजा, लेकिन सार्वजनिक रुप से देखे जाने से छुपा लिया। उसने सत्य के विरुद्ध, पिन्तेकुस्तल कुपन्थियों का सांसारिक हथियार प्रयोग किया। जब मैंने इंटरनेट पर इस लिंक को खोला तो उसे इस प्रकार पाया :

पास्टर कोसोरेक : '' भाई डाल्टन तुम्हारे खेल की तरह ही.....मैं इसे तुम पर ही थोप रहा हूँ..... भाई ब्रायन।

संदेश – शिक्षा, *इस समय का वचन, मुक्त संदेश खोज, डाउन लोड।*

संदेश के कुपन्थों का शिकारी सब के सामने एक घटिया कुपन्थी के रूप में बेनकाब।

लेख 1 लेख 2.

हमारी वेबसाइट 183 देशों में देखी जाती है।

उपरोक्त, इस मनुष्य के वास्तविक स्वभाव की अभिव्यक्ति है जो अपने अन्दर प्रभु का प्रेम होने का दावा करता है और शत्रु डाल्टन ब्रूस के लिए प्रार्थना करता है। वह उस कानून पर आधारित है : आँख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत, और लहू के बदले लहू जिसकी उसने ऊपर इतनी उज्जवल अभिव्यक्ति की है।

''कुपन्थियों का शिकारी'' पारिभाषिक शब्द पिन्तेकुस्तलीय दायरे में कुपन्थियों के मध्य में बहुत प्रचलित है जो प्रभु के उस सच्चे सेवक से घृणा करते और तुच्छ समझते हैं जो कुपन्थों का खुलासा करता और झूठे मसीहों और भविष्यवक्ताओं और आधुनिक धर्म प्रचारकों को प्रभु के वचन के द्वारा सुधारता है। ऐसे लोग भाई ब्रन्हम और संदेश के अन्य बहुत से प्रचारकों को इसी वर्ग में रखते हैं।

इस प्रकार पास्टर कोसोरेक पिन्तेकुस्तल वाद में ठहर गए। वह अपना जन्म एंव बपतिस्मा तथाकथित पिन्तेकुस्तलों में से लाए। वह वचन को बिलकुल ऐसे लड़ते हैं जैसे भाई ब्रन्हम को घृणा करने वाले पिन्तेकुस्तल। उन्होंने यहाँ तक कहा कि हमें ब्रन्हमाइट नहीं पुकारा जाना चाहिए। प्रभु का धन्यवाद हो कि हम नि0 कु0 का खुलासा के लेखक एवं हमारे अंशदाता यीशु की भर्त्सना सहन करने में और ब्रन्हमाइट कहलाने में आनन्द अनुभव करते हैं, बजाए इसके कि वह कोसोरेक के कुपन्थों के साथ पहचाने जाएं। यदि उसका तात्पर्य सही है तो सारे प्रेरित और स्वयं यीशु ''कुपन्थों के शिकारी'' हैं, क्योंकि उन्होंने फरीसियों के सब कुपन्थों को बेनकाब किया। मत्ती 23. में यीशु ने उनके कुपन्थों को खोला है। इरेनियस इन कुपन्थों के विरुद्ध था।

यह सब प्री–नीसियन फादर्स नामक पुस्तक में वर्णित है। कलीसिया कालों के प्रत्येक संदेश वाहक ने धर्म के और अपने समय के संदेश के कुपन्थों का खुलासा किया। इसी कड़ी में वि0 मे0 ब्रन्हम ने कैथोलिक कलीसिया और अन्य संगठनों जिनमें पिन्तेकुस्तलवाद भी शामिल है का खुलासा किया। इस प्रकार पास्टर कोसोरेक इन सब महान व्यक्तियों पर दोष लगाने के अपराधी हैं। वह या तो पश्चाताप करेगा या नाश हो जाएगा। उसके उपरोक्त कुपन्थ उसके ऊपर शोक को लेकर आएंगे जिसमें उसने मुझ

प्रभु और उसके संदेशवाहक के साथ अपनी पहचान बनने के कारण अति **प्रसन्न हूँ।** भाई पौलूस ने कहा :

प्रेरितों के काम. 24:14 परन्तु मैं यह तेरे सामने मान लेता हूँ कि जिस पन्थ को वे कुपन्थ कहते हैं, उसी की रीति पर मैं अपने बाप दादों के प्रभु की सेवा करता हूँ : और जो बातें व्यवस्था और भविष्यक्ताओं की पुस्तक में लिखी हैं, उन सब की प्रतीति करता हूँ।

उसने एक डूबते हुए मनुष्य की भाँति, तरस पाने की चाहत में, एक आखिरी तिनके का सहारा लिया। यह बेचारी धोखा खायी आत्मा जिसने डा0 वेले को अपनी मूरत बना लिया, इस कारण वह अंधा हो गया,उसने मुझे चोर ठहराया कि मैंने उसकी वेबसाइट से दो चित्रों को लिया, उसने मुझे कानूनी कार्यवाही का भय दिखाया। उसने मुझे एक कापी राइट नोटिस भेजा, जो किसकी रक्षा के लिए था ये मुझे नहीं पता, क्योंकि वह खुद बताने में असफल था। उस वेबसाइट की सामग्री बिना किसी बंदिश के डाऊन लोड करने के लिए थी। और यह उस पर प्रदर्शित भी था।

उसका पत्र बताता था कि मेरे पास लिखित अनुमति है परन्तु मैं एक चोर हूँ। यह बात हर उस व्यक्ति को चोर घोषित करती है जो उनकी वेबसाइट से डाउन लोड करता है।

कोसोरेक का कथनः ''और अब मैंने तुम्हें अपनी वेबसाइट से चित्रों को उठाते हुए, 'ऐसा करने की लिखित अनुमति के साथ,' एक चोर की भाँति पकड़ लिया है।

वह नहीं सो रहा परन्तु मैं सो रहा हूँ। उसकी झूठी जुबान के कारण, बहन मीडा ब्रन्हम के विषय में बोले गए उसके झूठ के सबूत उपलब्ध हैं। मैं उसकी अनुमति को लेकर संशय में हूँ। मैं जेल जानेके लिये तैयार नहीं हूँ, और उसके पास एक आत्मा है जो इस दुष्ट इच्छा से परे नहीं है और यह कुरन्थियों 6 के विपरीत है। निसंदेह उसके पास मुझे जेल भेजने हेतु पर्याप्त धन है; परन्तु मेरे पास अपनी मुक्ति को खरीदने हेतु धन नहीं है। यद्यपि मैं उसकी आत्मा और उसकी नीचता से सर्तक हूँ, परन्तु उसके कुपन्थों को पहचानने के लिए हमारे अंशदाताओं को उसे देखना आवश्यक है, उसके विषय में सिर्फ सुन लेना काफी नहीं है।

पास्टर कोसोरेक को प्रेरित करने वाली आत्मा की यह ठीक पहचान है। यह शैतान की वह राजनीतिक आत्मा है जिसने फरीसियों को काबू कर रखा था। उन्होंने यीशु को रोमी कानून को सौंप दिया और चिल्लाए कि इसे क्रूस पर चढ़ा दो। बिल्कुल वही क्रोधोन्माद पास्टर कोसोरेक ने प्रदर्शित किया और वह इतना ज्यादा था कि मैं उसकी आवाज में यह प्रतिध्वनि सुन सकता था कि ''इसे क्रूस पर चढ़ा दो।'' उसने मुझ पर सिंगापुर के कुपन्थी गैन की पत्नि और पुत्री के अपहरण और बलात्कार का आरोप लगाया, जब कि वह कभी यहाँ नहीं आया और ना मैं कभी उसके पास गया। क्या वह गैन

का और उसके कुपन्थों का सहयोगी है? ऐसा ही प्रतीत होता है। उसने उस वार्तालाप को फिर से आरम्भ कर दिया जिस पर हम पहले ही विमर्श कर चुके थे, उसने मेरी वेबसाइट से कुपन्थों को खोजने और सार्वजनिक करने की अपनी क्षमता की गप्पें हाँकी। वर्तमान में वह एक भ्रमित व्यक्ति है, वह समुद्र की क्रोधित लहरों की तरह अपनी शर्मिन्दगी की झाग बना रहा है। बेनकाब होने से बचने के उसके सारे प्रयास असफल हो गए। वे उसके कुपन्थों का खुलासा होने से नहीं बचा सके। उसने डा0 वेले को बेपर्दा कर दिया, परन्तु अपने स्वार्थपूर्ण उददेश्यों की पूर्ती हेतु उसमें से मेरा नाम हटा दिया। उसके कुपन्थों का खुलासा, प्रभु के लोगों के छुटकारे के लिए सम्पूर्ण जगत में भेजा जाना चाहिए।

नि0 कु0 का खुलासा की प्रतिक्रिया

तुम्हारा भेद खुल चुका है। तुम्हारे बचने के सब रास्ते बन्द हो गए हैं। तुम्हारा सांसारिक न्याय शैतान का है। प्रभु एक झूठे की प्रार्थना नहीं सुनता है। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तुमने मुझे नहीं बल्कि अपने आपको लोगों के सामने प्रकट कर दिया है। अब तुम अपनी शर्मिन्दगी का बोझ वहन नहीं कर सकते हो। तुम एक बड़े पाखण्डी मनुष्य हो। और खुलासे जल्दी होने वाले हैं। तुम एक बेशर्म इन्सान हो, यहाँ तक कि अपनी वर्तनी में भी।

अपना समय नष्ट मत करो प्रभु झूठों की प्रार्थना नहीं सुनता है। तुम्हारी समझ कमजोर है। तुम एक मनुष्य के खिलाफ झूठ बोलना चाहते थे कि वह संदेश, ब्रन्हम और सात कलीसिया काल पुस्तक के विरुद्ध है और तब एक पाखण्डी की तरह कहते हो कि तुम उस के लिए प्रार्थना कर रहे हो। मेरी वेबसाइट का निरीक्षण करना नहीं भूलना कि तुम्हारी और डा0 वेले के चित्रों के साथ और क्या आने जा रहा है।

डा0 वेले से सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को श्रद्धेय कोसोरेक को पकड़ना चाहिए जो उस महान, प्रसिद्ध और सा0 क0 काल पुस्तक के प्रिय लेखक के इस प्रचार के लिए जिम्मेदार है, उसने उस बुजुर्ग प्राचीन का नाम तो प्रकाशित कर दिया परन्तु वार्तालाप से मेरा नाम ही हटा दिया। उसे यह बताने दिया जाए कि उसने डा0 वेले के विरुद्ध इतने दुष्टतापूर्ण तरीके से कार्य क्यों किया। पास्टर कोसोरेक ने ऐसे दर्शाया जैसे डा0 वेले से ज्यादा ज्ञान रखता हो, जैसे वे अब पहले जैसे

सावधान ना रह गए हों और अपने मामलों को सम्हाल न सकते हों। उसने सात कलीसिया काल पुस्तक में उनके बयानो को परिवर्तित कर दिया, अगर वह अब ऐसा कर सकता है तो वह तब क्या करेगा जब डा0 वेले हमारे मध्य ना होंगे। यह समझना बहुत कठिन नहीं है कि उसने भविष्यवक्ता के प्रकाशन के ज्ञान से किस प्रकार अस्वीकार, इंकार और उसे विकृत कर दिया। यह साबित हो चुका है कि वह अपने में और शैतान के पाश में लिपटा हुआ है।

श्रद्धेय कोसोरेक के सभी शुभ चिंतक, समर्थक और इस कार्य के द्वारा बेनकाब कुपन्थों के रक्षक, इसे चुनौती देने के लिए स्वतंत्र हैं, परन्तु उनकी सारी आपत्तियाँ प्रभु के वचन और भविष्यवक्ता के संदेश से समर्थित होनी चाहिए। सलाहों और दृष्टिकोणों में मेरी रुचि नहीं है। कुपन्थ, कुपन्थ की रक्षा नहीं कर सकता है। यह सलाह मैं देना चाहुँगा कि इस खुलासे के विरुद्ध जो बचाव और आपत्तियाँ हैं, वह उनके लेखकों के नाम के साथ सार्वजनिक की जाएंगी, क्योंकि वे स्वयंमेव इस सार्वजनिक युद्ध में शामिल हो गए हैं जो यीशु के शत्रुओं को उस के पाँव की चौकी बनने तक निरन्तर जारी रहेगा। आमीन। विदा।

विषय सूची

परिचय.....1
प्रस्तावना.....4

अध्याय एक

सात कलीसिया काल पुस्तक – कुपन्थ अन्तःक्षेपित–डा0 ली वेले एवं कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा.....19
सात कलीसिया काल का प्रकाशन.....19.
डा0 वेले का विलियम मेरियन ब्रन्हम के साथ तर्क वितर्क.....20
निकुलेईवाद.....21
सा0 क0 का0 में अन्तःक्षेपित विपरीत शिक्षाएं सार्वजनिक की गई.....22
कोसोरेक–पुस्तक 12 को चुनौती–डा0 वेले का लेख.....23
कोसोरेक की गवाही.....23.
तीन मुख्य कुपन्थ.....24
अंहकार पूर्ण प्रतिक्रिया.....25
कोसोरेक को मेरा पत्र.....25
कोसोरेक द्वारा व्यक्तिगत वार्तालाप को वेबसाइट पर ले जाना.....26
बहन ब्रन्हम के विषय में कोसोरेक का झूठ.....27
डा0 वेले के प्रति दुष्टता.....27
सात कलीसिया काल पुस्तक पर वार्ता ; भ्राँतियों का खुलासा.....27
वार्तालाप के नियम एवं शर्तें.....28
कोसोरेक की प्रकाशित नीति.....28
घोषणा : क0 का0 पु0 को चुनौती नहीं केवल तीन भ्राँतियाँ.....29

विवाह एवं तलाक–कलीसिया काल पुस्तक पृष्ठ 104

प्रथम भ्राँति–कुपन्थीय लेख सं0 688–690

688: एक व्यभिचारिणी विवाहित नहीं.....30
689: एक व्यभिचारिणी अपने पति के साथ फिर से एक नहीं 30
690: आदम का पापः उसने अपनी हव्वा को फिर वापस ले लिया.....32
डा0 वेले का कुपन्थ – व्यवस्था विवरण 24: 1–4.....32

अध्याय – दो
पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया
नि0 कु0 का खुलासा का उत्तर
कुपन्थीय लेख सं0 691 – 705

691: क0 का0 पुस्तक में कही सब बातें विलियम मेरियन ब्रन्हम की शिक्षा है.....36
692: वेले की भ्रांतियों का आरोप वि0 मे0 ब्रन्हम पर.....36
693: सा0 क0 काल पुस्तक कुपन्थों से भरी है.....36
694: सा0 क0 काल पुस्तक में सब सही लिखा है.....37
695: कुपन्थों का खुलासा सा0 क0 का0 पुस्तक पर एक आक्रमण है.....37
696: नि0 कु0 एवं इसके लेखक ने झूठ निगला है.....38
697: नि0 कु0 का खु0 पूर्व अभ्यास नहीं करती है.....38
698: कलीसिया काल पुस्तक की भ्रांतियाँ डा0 वेले की नहीं हैं.....39
699: नि0 क0 का खु0 ने भविष्यवक्ता पर दोष लगाएं हैं.....39
700: नि0 कु0 का खु0 ने वि0 मे0 की शिक्षा पर प्रश्न उठाया है.....40
701: डा0 वेले ने पवित्रात्मा द्वारा भविष्यवक्ता के नये जन्म की शिक्षा में 40
702: नि0 कु0 का खु0 ने क0 का0 पु0 के विषय में झूठ बोला है.....41
703: नि0 कु0 का खु0 आग में जलाने हेतु ठीक है.....41
704: नि0 कु0 का खु0 ने वि0 मे0 की शिक्षाओं को चुनौती दी है.....41
705: क0 का0 पुस्तक के खुलासे का बड़ा मोल चुकाना होगा.....42

तीसरा अध्याय
पास्टर कोसोरेक की वेबसाइट की प्रतिक्रिया
पहली भ्राँति
(नि0 कु0 का खु0 का उत्तर)
कुपन्थीय लेख संख्या 706–721

परिचय.....42.
कोसोरेक की वेबसाइट की प्रतिक्रिया.....46
युद्ध के सांसारिक हथियार.....47
कलीसिया काल पुस्तक का इतिहास.....48
विवाह एवं तलाक–क0 का0 पुस्तक–पृष्ठ 104–पहली भ्राँति.....49
706: प्रेम के बिना भाषा डंक मारती है.....50
707: आदम के पाप का इंकार.....50

708: आदम का पाप–प्रभु के आदेश की अवज्ञा थी.....51
709: व्यभिचार करने पर स्त्री अपने पति की विवाहिता नहीं रह पाएगी.....51
710: रोमियों 7:3 का तात्पर्य विवाह नहीं है.....52
711: वचन से साबित करने को कहना प्रेम की आत्मा नहीं है.....53
712: व्यभिचार तलाक के लिए उचित कारण है.....53
713: यीशु ने व्यभिचारिणी स्त्री को अपने पति के पास लौट जाने के लिए नहीं कहा.54
714: स्त्रियों को एक बार व्यभिचार करने की अनुमति दी गई.....55
715: नि0 कु0 का खु0 ने बहनों के लिए व्यभिचार करना आसान कर दिया.....55
716: अशुद्धता का अर्थ है कि वह कुंवारी नहीं थी.....56
717: तलाकशुदा महिला पुनर्विवाह के लिए स्वतन्त्र है.....57
718: कलुषित महिला का पुनर्विवाह वैद्य है.....57
719: व्यवस्था विवरण 24:1–4 का अर्थ वो नहीं है जो बाइबिल कहती है.....57
720: क0 का0 पुस्तक की भ्रांतियों का खुलासा भाई वि0 मे0 ब्रन्हम पर आक्रमण है....59
721: नि0 कु0 का खु0 पुस्तक 12 डा0 वेले पर आक्रमण है.....59

चौथा अध्याय
पवित्रात्मा का बपतिस्मा–नया जन्म
सुनने वाला कान–क0 का0 पुस्तक पृष्ठ 139–148
दूसरी भ्रांति– कु0 ले0 सं0 722–723

परिचय.....60
722: पवित्रात्मा का बपतिस्मा संदेश स्वीकारने के लिए – सुनने वाले कान.....67
अ...वह जिसके पास सुनने वाले कान हों –पवित्रात्मा के बपतिस्में का प्रमाण.....67
ब...1 कुरन्थियों 2:6–16 का गलत अर्थ लगाया गया है.....69
स–सन्त पिन्तेकुस्तलीय अनुभव के बिना ही आत्मिक रूप से परखे गए.....71
723: नया जन्म एवं बपतिस्मा एक ही बात है.....71
डा0 वेले बनाम् वि0 मै0 ब्रन्हम.....71
यीशु एवं प्रेरित – पहले नया जन्म पाया तब बपतिस्मा लिया.....72
पिरामिड सम्बन्धी शिक्षा – पहले नया जन्म तब बपतिस्मा.....75

पाँचवा अध्याय
पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया
दूसरी भ्रांति
कुपन्थीय लेखन संख्या 724–737

724: नि0 कु0 का खु0 को संदेश विरूद्ध प्रमाणित करने की चाल.....79
725: सा0 क0 काल पुस्तक वह नहीं कह रही है जो उसने समय के अनुसार आत्मा से भरे वचन को प्राप्त करने के विषय में कहा.....80
726: एक मनुष्य को वचन प्राप्त करने के लिए पहले आत्मा प्राप्त करना आवश्यक है, का इंकार.....82
727: नि0 कु0 का खु0 वि0 मे0 के वक्तव्यों को चुनौती दे रही है.....83
728: पवित्रात्मा का बपतिस्मा पिन्तेकुस्त का भाग नहीं है.....83
729: बपतिस्मा नया जन्म है.....84
730: नि0 कु0 का खु0 का लेखक पढ़ नहीं सकता.....85
731: बपतिस्मा से पहले कोई आत्मिक प्रकाशन नहीं.....87
732: नये जन्म का आत्मिक प्रकाशन ही बपतिस्मा है.....88
733: पुराने नियम के संतों के पास पिन्तेकुस्त के दिन जैसा बपतिस्मा था.....89
734: पवित्रात्मा के बपतिस्में से पूर्व नया जन्म नहीं.....90
735: पतरस ने मत्ती 16 में नया जन्म नहीं पाया था.....92
736: आत्मा के दो बपतिस्में.....93
737: एक विकारशील बीज द्वारा नये जन्म का अनुभव.....95

छठा अध्याय
सातवीं मुहर/सात गर्जनों का कुपन्थ
तीसरी भ्रांति
नि0 कु0 का खु0 के उत्तर
कुपन्थीय लेखन सं0 738–745

परिचय.....97.
सातवीं मुहर/सात गर्जनों का कुपन्थ–तीसरी भ्रांति–नि0 कु0 का खु0 के उत्तर.....102
738: बहन मैडा ब्रन्हम के विषय में कोसोरेक का झूठ.....103
739: क0 का0 पु0 में जो कुछ भी है वह ''यहोवा यूँ फरमाता है''.....103
740: चौथी सील का घटनाक्रम पहले ही घट चुका है.....104
741: सातवीं मुहर प्रकाशित हो चुकी है परन्तु घटित नहीं हुई है.....104
742: प्रभु का द्वितीय आगमन प्रकाशित हो चुका है.....106

743: प्रकाशित वाक्य 10:7 अभी पूर्ण रूपेण समाप्त नहीं हुआ है.....106
744: मसीह का द्वितीय आगमन में ज्यादा समय नहीं.....107
745: 'डान पारनेल्स' की गर्जन विषयक शिक्षाएं कलीसिया काल पृष्ठ 327 पर आधारित नही.....109
कोसोरेक द्वारा डा0 वेले का बचाव.....111

सातवां अध्याय
पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया – सात गर्जन
नि0 कु0 का खु0 के उत्तर
कुपन्थीय लेखन संख्या 746 – 752

746: वि0 मे0 ब्रन्हम ने सात मुहरें प्रकाशित की और छठी नहीं.....114
747: सातवी मुहर वि0 मे0 ने अपूर्ण प्रकाशित की.....115
748: एक मुहर दूसरी मुहरों के बिना नहीं खुल सकती.....115
749: नि0 कु0 का खुलासा डा0 वेले को समझ नहीं पाया है.....116
750: नि0 कु0 का खुलासा के लेखक संदेश के प्रति अंधे है.....117
751: भविष्यवक्ता ने कहा सातों मुहरें खुल चुकी है.....117
752: भविष्यवक्ता ने यह नहीं कहा कि छः मुहरें खुल गई थीं.....117

आठवां अध्याय
सात गर्जनों का कुपन्थ और इसका विकास
पास्टर कोसोरेक की क्रोधित प्रतिक्रिया

सात गर्जनों के कुपन्थ का विकास.....120
डा0 वेले की अर्थ गर्भित शर्तें.....121
पा0 कोसोरेक की क्रोधित प्रतिक्रिया (नि0 कु0 का खु0 के उत्तर).....123
सारांश.....132

नौवां अध्याय
सात गर्जनों के कुपन्थ
खुलासा 2004
कुपन्थीय लेखन संख्या 509–514

डा0 वेले की भ्रांति में वृद्धि.....137
509: सातवीं मुहर गर्जनों का या एक गर्जन का भाग है.....138
510: सातवीं मुहर/सात गर्जन चिल्लाहट के आखिरी भाग हैं.....138

511: सातवीं मुहर का आखिरी भाग लोगों के लिए 1965 में स्वर्गारोहण द्वारा खोला गया.....139
512: प्रकाशित वाक्य 10:7 सातवीं मुहर, संदेश 1946–1965 है.....139
513: सातवीं मुहर स्वर्गारोहण है.....140
514: मुहरे, संदेश और चोटी का पत्थर हैं.....141

दसवां अध्याय
सात गर्जनों के कुपन्थ
खुलासा 2008
कुपन्थीय लेखन संख्या 753–762

753: मल्कीसेदेक का प्रकाशन सात गर्जनों में से एक का भाग है.....143
754: सात गर्जनों का भेद प्रकाशित वाक्य 10:7 का प्रकाशन है.....144
755: सात गर्जन और मुहरें एक ही चीज है.....145
756: सातवीं मुहर गुप्त रूप से 1963 में खोल दी गई थी.....145
757: प्रकाशित वाक्य 10:1 यहुदा के गोत्र का सिंह नहीं है.....146
758: स्वर्गारोहण त्रिस्तरीय रूप में है.....147
759: सातवीं मुहर सार्वजनिक रूप से खोल दी गई है.....148
760: स्वर्गारोहण एक भेद है, और दुल्हन का उठाया जाना एक समय में एक या दो की संख्या में होना है.....149
761: चिहन के पीछे आने वाली आवाज स्वर्गारोहण नामक संदेश है.....151
762: सहस्त्राब्दि में अन्दर प्रवेश कराना अब.....152

ग्यारहवाँ अध्याय
कोसोरेक के कुपन्थ
कुपन्थीय लेखन संख्या 763–782

परिचय.....153
अशान्त कोसोरेक.....153
डा0 वेले अश्लील प्रश्न के आरोपी.....153
स्वयं को उत्कर्ष दिखाने का स्वभाव.....154
''भविष्यवक्ता'' – मगरमच्छी प्रार्थनाएं.....155
वेबसाइट पर वचन विरुद्ध सलाह.....155
डा0 वेले अपने उपदेशों का कभी भी छापना या टेप होना नहीं चाहते थे.....155
डा0 वेले ने कहा कि यदि गलत सिखाया हो तो मुझे ना सुनें.....156

मसीह के आने की पहचान एक मनुष्य द्वारा.....157
दो भिन्न अनुवाद.....157
पास्टर कोसोरेक के कुपन्थ.....158
पास्टर कोसोरेक और डा0 वेले के कुपन्थ.....159
पास्टर कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा.....160
763: डा0 वेले ने अपनी डाक्टर की उपाधि प्रभु से प्राप्त की.....160
764: डा0 वेले की भांति किसी अन्य मनुष्य की समझ नहीं है.....162
765: संदेश के सेवकों एवं विश्वासियों को अपने प्रश्न डा0 वेले के पास लाने चाहिए..162
766: पास्टर कोसोरेक विश्व भर के सेवकों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अधिकृत थे.....163
767: जो भी क0 का0 पु0 की भ्रांतियों को चुनौती देगा उसके अन्दर प्रकाश नहीं है.164
768: डा0 वेले एक सुसमाचार लेखक हैं.....164
769: प्रभु ने कभी भी एक क्षेत्र से एक व्यक्ति को और विश्व के दूसरे भाग से दूसरे व्यक्ति को खड़ा नहीं किया है.....166
770: जो लोग संदेश वाहक को नहीं जानते उनसे निरन्तर प्रकाश नहीं आता है.....167
771: जो संदेश वाहक को जानते और उसके साथ वचन का अध्ययन करते हैं उनसे पीढ़ी दर पीढ़ी प्रकाश आता रहता है.....168
772: कोसोरेक संदेश के सत्य को निष्ठापूर्वक प्रचार कर रहे हैं.....169
773: ब्रायन कोसोरेक संदेश के सेवकों के मध्य आत्मिक नेता.....169
774: कोसोरेक सम्पूर्ण विश्व में लोगों को प्रशिक्षित करने और संदेश की शिक्षा देने के योग्य.....170
775: प्रकाशितवाक्य 10: धरती और समुद्र अमरीका और योरोप हैं.....171
776: मुहरों के खुलने और प्रकाशित होने में अंतर है.....172
777: पुराने नियम के संत अपने देहों से पहले ही जाग.....172
778: वह आत्मा जिसने यीशु को मृतको में जिलाया, पुराने नियम के संतों में थी.....173
779: वही पवित्र आत्मा पुराने और नए नियम.....176
780: अगर तुम्हारे अन्दर वचन है तो पवित्र आत्मा भी है.....176
781: दुल्हन केवल नये नियम के संत ही नहीं हैं.....177
782: एक विश्वव्यपी बेदारी अब हो रही है.....178

बारहवाँ अध्याय
कोसोरेक के कुपन्थ
स्वर्गारोहण, पुनुरुत्थान आरम्भ हो गया – मसीह का पुनःआगमन
कुपन्थीय लेखन संख्या 783–788

स्वर्गारोहण सम्बन्धी कुपन्थों का आधार – पुनःआगमन.....181
783: स्वर्गारोहण लूथर के समय में आरम्भ.....182
784: पुनुरुत्थान पहले ही आरम्भ हो चुका है.....183
785: पुनुरुत्थान की आवाज सोयी हुई दुल्हन को जगाती है.....185
786: स्वर्गारोहण तीन स्तरों में, चिल्लाहट, आवाज एवं तुरही.....186
787: स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है.....189
788: मेमना पिता के न्यायसिंहासन पर बिचवई का कार्य कर रहा है.....190

तेरहवाँ अध्याय
कोसोरेक के कुपन्थ – ईश्वरत्व
कुपन्थीय लेखन संख्या 789–794

परिचय.....195
कोसोरेक ने वेले को बेपर्दा किया.....195
एकत्ववादी कुपन्थ के खुलासे का प्रयास – बड़ी भूलें.....196
कोसोरेक वेले – ईश्वरत्व.....197
कोसोरेक के कुपन्थ.....197
डा0 वेले की शिक्षाएं – ईश्वरत्व.....198
प्रेम में होते हुए खुलासा.....199
789: यीशु उत्पत्ति 1:3 में प्रभु का पुत्र रचा गया.....200
790: उत्पत्ति में यीशु का जन्म हुआ.....202
791: जब प्रभु ने यीशु को जन्म दिया.....203
792: आरम्भ में दो थे, जिनमें एक प्रभु नहीं था.....205
793: यीशु के यरदन नदी के तट पर आने तक प्रभु,, यीशु के अन्दर नहीं था.....209
794: कुलस्सियों का वह व्यक्ति प्रभु नहीं था.....212

डा0 ली. वेले के 1969 के संदेश के कुपन्थ
" सात मोहरें और सात गर्जन "
कुपन्थीय लेखन संख्या 795–800

डा0 वेले अपनी आत्मा में ठीक थे परन्तु अपनी शिक्षा में गलत.....217
795: तम्बू के दर्शन का शब्दशः वर्णन इस संसार में ठीक नहीं बैठता.....218
796: तम्बू का दर्शन सातवीं मुहर का प्रतीक और और गर्जन का भाग है.....220
797: आध घड़ी का सन्नाटा 1955–1976.....220
798: प्रतीक का अनुवाद "मेरे लोगों को क्षमा मिली है".....221
799: विवाह एवं तलाक सातवीं मुहर का प्रतीक है.....221
800: किसी प्रचारक के पास कोई **समर्थन** नहीं है.....222

सात कलीसियाई काल – कुपन्थों का अन्तःक्षेपिकरण
(डा0 वेले और कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा)
पहला अध्याय
सात कलीसियाई काल का प्रकाशन

सात मुहरों से अलग, सात कलीसियाई काल का प्रकाशन भविष्यवक्ता द्वारा 1960 में प्रचारा गया महानतम् प्रकाशन है। इसने मसीही विरोधी को ऐसे बेपर्दा कर दिया जैसा मानव इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। इसने 1963 में सात मुहरों के खोले जाने के द्वारा मसीही विरोधी का और अधिक खुलासा किए जाने का मार्ग भी प्रशस्त किया। भविष्यद्धक्ता के पास ऐसा ज्ञान होने के कारण उसके हृदय में सात कलीसियाई काल संदेशों को एक पुस्तक के रूप में प्रलेखन किए जाने की अभिलाषा ने जन्म लिया जिसमें लौदीकियाई संदेश वाहक की हैसियत से उसके संदेश की अधिकतर सभी शिक्षाओं का समावेश होना था (प्रकाशित वाक्य 3:14, 10:7)

डा0 वेले का सम्पादक के रूप में चुनाव

इस उत्कृष्ट कार्य हेतु भविष्यद्धक्ता के एक अच्छे मित्र एवं सहयोगी को चुना गया। वह एक बैप्टिस्ट सेवक थे जिनकी भाई ब्रन्हम ने एक विद्धान, धर्मशास्त्री और शिक्षक के रूप में प्रशंसा की थी। डा0 वेले अन्त समय के संदेश से बहुत अधिक परिचित नहीं थे और यहाँ तक कि 1963 में मुहरों के पश्चात तक भी पुनः बपतिस्मा की आवश्यकता को नहीं समझ पाए थे। इसके विपरीत उन्होंने प्रेरित 2:38 के मसीही बपतिस्मे को लिए बिना दो वर्षो तक इस पुस्तक पर कार्य किया।

वि0 मे0 ब्र0 : "भाई ली वेले आज यहीं थे। मैंने आज उन्हें यहाँ बपतिस्मे की सेवकाई के दौरान बपतिस्मा दिया है।" (पौलुस एक कैदी 17/7/63)

पुस्तक 1965 में प्रकाशित हुई

भाई ब्रन्हम ने कहा कि उनके द्वारा सात कलीसिया काल संदेश डा0 वेले को भेजे जाने के पश्चात डा0 वेले और उनकी पत्नि ने साथ–साथ इस पुस्तक का व्याकरण सम्बन्धी कार्य किया। उसने कहा कि इस पुस्तक ने लगभग चार वर्ष लिए। 1965 के अगस्त और यहाँ तक कि 1965 के नवम्बर तक भी भविष्यद्धक्ता यही कह रहे थे कि यह पुस्तक शीघ्र आने वाली है। 1965 के दिसम्बर में भविष्यद्धक्ता की मृत्यु से पूर्व कितनी पुस्तकें प्रचलन में थीं, मैं निश्चय पूर्वक नहीं कह सकता । हाँ यह अवश्य है कि कलीसिया काल टेप्स 1960 में प्रचारे जाने के पश्चात से ही प्रचलन में थे।

डा0 वेले की भविष्यद्धक्ता के साथ तर्क वितर्क

डा0 ली. वेले का वचन के प्रति अपना अलग दृष्टिकोण था और उन्होंने विभिन्न अवसरों पर, इस पुस्तक का व्याकरण सम्बन्धी कार्य करने से पूर्व और यहाँ तक कि उस दौरान भी भविष्यद्धक्ता के साथ बहस करी थी। यह तथ्य भविष्यद्धक्ता के निम्नांकित वक्तव्यों में स्पष्टता से देखा जा सकता है।

वि0 मे0 ब्र0 : ई–55 एक दिन हमारे एक प्रबन्धक, डा0 वेले और मैंने लगभग डेढ़ घन्टे तक तर्क वितर्क किए। वह यह कहने का प्रयत्न कर रहा था कि आशा और विश्वास एक ही बात है। मैंन कहा, "नहीं, आशा वह है जिसकी आप प्रतीक्षा कर रहे हों, और विश्वास वह है जो आपने आशा के द्वारा पा लिया है।" यह सही बात है। अवश्य ही। जब आप कुछ प्राप्त कर लेते हैं तब वह आशा नहीं रह जाती है। अब यह आपकी है। यह अब आपके अधिकार में है ; आप इसे प्राप्त करके आनन्दित हो सकते हैं, क्योंकि यह आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय है। (श्रीमानों हम यीशु को देखेंगे 57–1211)

194 : भाई ली0 वेले , यदि आप इसे पकड़ पाएं तो यह यहाँ पर है। यह एकमात्र प्रश्न है जिस पर हम असहमत हैं ; वह विश्वास करते हैं कि कलीसिया न्याय में होकर गुजरेगी। मैं इससे असहमत हूँ। (एकत्व 62– 0211)

यह स्वयं डा0 वेले की गवाही है कि किस प्रकार जो भविष्यद्धक्ता ने कहा, वह उसके साथ बिल्कुल भी सहमत नहीं थे।

डा0 ली0 वेले : स्वंय हमारी पुत्री ने तलाक और पुनर्विवाह किया है। मैं इस कलीसिया में किसी को क्या कह सकता हूँ ?.....मैं इस का पूर्णतयः विरोधी हूँ , और भाई ब्रनहम ने कहा, "कैरोल, अपने पिता से इस विषय पर बात मत करो क्योंकि हम दोनो एकमत नहीं है। उसने कहा , मैं इस विषय पर बात करुंगा।" उसने यह मेरी पुत्री से कहा क्योंकि उसने यह मेरे साथ मिल कर निपटाया था.....(ली0 वेले–प्रश्न एवं उत्तर #10 पास्टर# 10–विवाह एवं तलाक)

कृप्या ध्यान दें कि यह घटनाक्रम प्रभु के जन, भाई ब्रन्हम को पर्वत पर हुए अनुभव (विवाह एवं तलाक) के द्वारा, लोगों को उनकी वैवाहिक समस्याओं के लिए क्षमा करने के पश्चात ही हो सकता था।

उनका दृष्टिकोण नहीं मांगा गया था

डा0 वेले की सेवाएं सात कलीसिया काल के टेपों के व्याकरण सम्बन्धी कार्यों हेतु मांगी गई थी। डा0 वेले को यह नहीं कहा गया था कि वे उसमें अपने विचार घुसा दें या भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं में सुधार करें और न ही उन्हें भाई ब्रन्हम द्वारा प्रचारी गई शिक्षाओं को उसमें से निकालना था। उसने विभिन्न वक्तव्यों के द्वारा यह स्पष्ट कर दिया था कि उसका कार्य केवल व्याकरण की अशुद्धियों को दूर करना है और उसने इसमें से निकाले जाने वाले हिस्सों को उदाहरण देकर समझाया था, जिसमें उसके कैन्टकी की स्थानीय भाषा के शब्द शामिल थे जैसे टोटे, फेच, हेन्ट, यॉन्डर इत्यादि। भविष्यद्धक्ता की सहमति से उसमें कुछ शिक्षाओं को जोड़ा गया था जो कि मूल संदेश में शामिल नही थी। वे बड़ी अनूकूलता से संदेश में एकरूप हो गई।

क0 का0 पु0 में घुसाई गई विपरीत शिक्षाओं का सार्वजनिक किया जाना

डा0 वेले ने सात कलीसियाई संदेशों की व्याकरण सम्बन्धी अशुद्धियों को दूर करने का और संदेश को ग्रन्थाकार रूप देने का बड़ा शानदार कार्य किया तथा भविष्यद्धक्ता ने उन्हें महत्वपूर्ण शिक्षा सम्बन्धी विषयों पर व्यकितगत रूप से निर्देशित किया था। डा0 वेले का कार्य अतुलनीय एवं वचन के अनुसार है। तिस पर भी, डा0 वेले ने भविष्द्धक्ता की इच्छाओं के विरुद्ध कार्य किया, और पुस्तक के अन्दर बहुत सी शिक्षाओं को घुसा दिया जो कि भविष्यद्धक्ता के संदेशों और सात कलीसिया काल के टेपों की शिक्षाओं के प्रतिकूल, और अशुद्ध थी। वे उद्धारसंगत थी और उसमें नया जन्म, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, सात गर्जन, ओर स्वर्गारोहण शामिल है। फिर भी उनकी सही पहचान भविष्यद्धक्ता की सच्ची शिक्षाओं और सात कलीसियाई काल संदेशों के व्याकरण अशुद्धियों को सुधारे गए संस्करण में घुसाए गए कुपन्थों के रूप में ही है। "सात कलीसिया काल पुस्तक के शुद्ध व्याकरणीय संस्करण में डा0 ली वेले द्वारा घुसाए गए कुपन्थ" नामक हमारा विषय इन कुपन्थों को विलग करता है, भाई ब्रन्हम द्वारा प्रचारे गए वास्तविक संदेशों को नहीं।

पहली बार सार्वजनिक किया जाना

यह कार्य लिखित वचन और मलाकी 4:5–6 के प्रभु के भविष्यद्धक्ता, विलियम ब्रन्हम की शिक्षाओं के द्वारा ऐसे कुपन्थों का खुलासा करना है। हमने इस सबसे ज्यादा विवादास्पद विषय पर आरोहण किया है और हम जिन तथ्यों को पहली बार सार्वजनिक करने के लिए विवश हैं उनके विरुद्ध आने वाले किसी भी विरोध का सामना करने के लिए हम स्वयं को पूर्ण सुसज्जित अनुभव कर रहे हैं। यद्यपि यह कुपन्थ 1989 में पूरी तरह खोले जा चुके थे और बैथेल और सहयोगी कलीसियाओं तक सीमित रखे गए थे। अभी हाल में डा0 वेले के प्रतिनिधि, पास्टर ब्रायन कोसोरेक के साथ हुए वार्तालाप के कारण यह आवश्यक हो गया था कि इस अति महत्वपूर्ण विषय पर संदेश के सभी विश्वासियों का ध्यान आकर्षित किया जाए। संदेश के सेवकों एवं विश्वासियों को इन भ्रमित करने वाली शिक्षाओं के प्रति सचेत करना आवश्यक है जो कि भविष्यद्धक्ता की सात कलीसियाई काल पुस्तक की शिक्षाओं में धूर्ततापूर्वक समावेश कर दी गई है। बहुतेरों ने इन कुपन्थों को स्वीकार कर अपनी कलीसियाओं में स्थापित कर लिया है कि यह भविष्यद्धक्ता की पुस्तक है जो उसके लिए डा0 वेले द्वारा सम्पादित की गई है।

निकुलईवाद

यह जानना और समझना बहुत ही विस्मयकारी है कि जिस निकुलइयों की आत्मा

का भविष्यद्धक्ता ने जिस सात कलीसिया काल के प्रकाशन में खुलासा किया था, उसने डा0 वेले के कुपन्थों की सहायता से उसी पुस्तक के भीतर तक अपनी पहुँच बना ली। इस आत्मा ने बहुतेरे प्राणों को यह विश्वास दिला कर उन पर अधिकार कर लिया है कि वे स्वर्गारोहण के लिए तैयार हैं जबकि वे हैं नहीं। यह कार्य अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे प्राणों की मुक्ति का उद्देश्य है।

मैं प्रत्येक व्यक्ति को चुनौती देता हूँ

मैं सुस्पष्ट रूप से घोषित करता हूँ कि भविष्यद्धक्ता की सात कलीसिया काल विषय की समस्त शिक्षाएं "यहोवा यूँ फरमाता है" हैं। ऐसी सब शिक्षाएं जो सात कलीसिया काल के व्याकरण शुद्ध अनुवादों में भी शामिल हैं को यही विश्वसनीयता हासिल है। अत मैं सम्पूर्ण पुस्तक को कुपन्थों से भरा, भ्रमपूर्ण या इसे अस्वीकार करने को नहीं कह रहा हूँ। तथापि मैने व्यक्ति विशेष के प्रति सम्मान न दिखाते हुए यह स्पष्ट रूप से घोषित किया है कि डा0 वेले ने कलीसिया काल पुस्तक में भ्रांतियों और कुपन्थों को घुसाया है। मैं इस कार्य की रक्षा करने के लिए तैयार खड़ा हूँ और मैं किसी भी मनुष्य को चुनौती देता हूँ कि वह इससे अलग कुछ प्रमाणित करके दिखाए, जैसा कि मैंने डा0 वेले और उसके छात्र पास्टर कोसोरेक को चुनौती दी है।

कलीसिया काल पुस्तक के कालों में काट छाँट की गई है

डा0 वेले की आयु 94 वर्ष की हो गई है। भविष्यद्धक्ता के कलीसिया काल संदेशों के प्रकाशन में अपना दृष्टिकोण जोड़ने की उसकी प्रवृत्ति में अभी तक परिवर्तन नहीं हुआ है। कलीसिया काल पुस्तक, 'जिसमें भविष्यद्धक्ता ने प्रत्येक कलीसिया काल की अवधि को प्रभु की प्रेरणा से निर्धारित किया है,' के प्रकाशन के पश्चात डा0 वेले ने कई कलीसिया कालों की अवधि में काट छाँट की है। उसने सात गर्जनों पर एक विवाद खड़ा किया कि इनका प्रकाशन भाई ब्रन्हम का 1965 का स्वर्गारोहण उपदेश है, स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है, **स्वर्गारोहण तीन तहों (फोल्ड) की मानिन्द है, सातवीं मुहर गर्जनों का एक भाग या गर्जन है, मल्किसिदीक का प्रकाशन गर्जन का भाग या एक गर्जन है,** सातवीं मुहर का आखिरी हिस्सा 1965 में सार्वजनिक रूप से खोला गया, अब सहस्त्राब्दि में प्रवेश का समय है। इस विषय पर और अधिक सामग्री को एवं अन्य कुपन्थों को इस पुस्तक में बाद में शामिल किया गया है।

कलीसिया कालों की अवधि में काट छाँट

भाई ब्रन्हम की कलीसिया काल अवधियाँ : तब इफिसियों कलीसिया काल के पश्चात जो 53 से 170 थी, तब स्मुरना काल का आरम्भ हुआ जो 170 से 312 तक चला। तब पिरगमुस कलीसिया काल आया जो 312 से 606 तक चला। फिर थुआतीरा कलीसिया काल जिसकी अवधि 606 से आरम्भ होकर 1520 तक चली जो अंधकारपूर्ण काल है। तब सरदीस

की कलीसिया 1520 से आरम्भ होकर 1750 तक चली, यह लूथर का युग था। तब फिलादेलफिया की कलीसिया का समय आया, यह वैसली का समय था ; यह 1750 से आरम्भ होकर 1906 तक चला गया। और तब 1906 में लौदीकियाई कलीसिया काल आरम्भ हुआ, और मैं नहीं जानता कि उसका अन्त कहाँ पर होगा, पर मैं भविष्यवाणी करता हूँ कि 1977 में होगा। यह मैं भविष्यवाणी कर रहा हूँ ; प्रभु ने मुझे ऐसा नहीं बताया है। (इफिसियन कलीसिया काल 60–1205)

डा0 वेले ने सरदीस, थुआतीरा और स्मुरना के कलीसिया कालों की अवधि को परिवर्तित कर दिया, और कहा कि इफिसियों कलीसिया काल की समाप्ति की कोई निश्चित तिथि निर्धारित नहीं की जा सकती।

डा0 वेले की कलीसिया काल अवधि : पौलुस इफिसियों काल का संदेश वाहक था. ....हम इस काल की समाप्ति की कोई निश्चित तिथि
निर्धारित नहीं कर सकते हैं। एक निश्चित तिथि की आवश्यकता भी नहीं है क्योंकि कलीसिया काल भी प्रभु के समय के और युगों की भाँति एक दूसरे को ढके हुए प्रतीत होते हैं.....सामर्थ की वास्तविक अवनति के
निर्धारण से यह कलीसिया काल 170 ई0 से ज्यादा नहीं था। वचन और इतिहास के संदर्भ से कलीसिया कालों का निर्धारण करते हुए.....सरदीस.....यह काल 1550 से लगभग 1750 ई0 तक होना जाना जाता हैं.....चौथा युग.....सब कालों में सबसे ज्यादा अन्धकारमय युग. ....यह काल छठी शताब्दी के आरम्भ से मध्य तक चला.....तीसरा काल.....पिरगमुस की कलीसिया की अवधि चौथी शताब्दी के आरम्भ से सातवीं शताब्दी के आरम्भ तक थी. ....स्मुरना काल 200 से 300 ई0 तक रहा। (बीसवीं शताब्दी का भविष्यद्धक्ता। लौदीकियाई काल के लिए संदेश वाहक – इतिहास से कलीसिया कालों का निर्धारण)

कोसोरेक की पुस्तक 12 को चुनौती–डा0 वेले का लेख

अगस्त 2008 में मुझे पास्टर कोसोरेक का एक पत्र हमारे एक बहुत ही विनीत वक्तव्य के विरोध में प्राप्त हुआ। यह वक्तव्य हमने सात कलीसिया काल पृष्ठ 327 के सम्बन्ध में प्रकाशित किया था, यह लेख सात गर्जनों के प्रकाशन के विषय में था (नि0 कु0 का खु0 पु0 12 पृष्ठ 89)। इस पत्र ने मेरे और पास्टर कोसोरेक जो कि डा0 वेले और उसकी सेवकाई का स्थान ले रहा है के मध्य में एक वार्तालाप को आरम्भ कर दिया।

कोसोरेक की गवाही

यह पास्टर ब्रायन कोसोरेक की एक संक्षिप्त गवाही है : वह ग्रेस फैलोशिप टेबरनेकल 2380 जैफरसन स्ट्रीट हाइलैन्ड हाइट्स, के. वाइ. 41076 का पास्टर है। वह 1974 में संदेश में आया ; संदेश में रहते हुए भी उसने फुटबाल खेली ; 1976 में डा0 वेले के प्रचार को सुना ; फुटबाल खेलने का दोषी सिद्ध हुआ। इसकी एक वेबसाइट है : मैसेजडॉक्टरिन डॉटनैट, जिस पर वह अपने और डा0 वेले के उपदेश प्रकाशित करता है। उसकी एक विश्वव्यापी सेवकाई है जो 183 देशों में फैली हुई है। उसने मनुष्य द्वारा निवास किए जाने वाले सभी

महाद्वीपों की यात्रा की है और विश्व स्तर पर सैकड़ो सेवकों को सैद्धान्तिक शिक्षाओं से सुशिक्षित किया है। उसने कहा कि डा0 वेले वर्षो तक उसके परामर्श दाता रहे है, इसलिए यह उसका कर्तव्य बनता है कि डा0 वेले की शिक्षा का सच साम्हने लाने में सहायता करें। डा0 वेले ने उसे सेवकों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए यह जानते हुए अधिकृत किया है कि उन्हें भरोसा है कि वह और किसी भी मनुष्य से बेहतर संदेश की समझ रखता है।

वेले द्वारा जैक से सम्पर्क किया जाना

नि0 कु0 का खु0 ने डा0 वेले से वर्ष 2002 के आसपास सात कलीसिया काल में घुसाए गए कुपन्थों में से एक के विषय में सम्पर्क किया, और उन्होंने हमें भाई कोसोरेक की ओर भेज दिया। उन्हें वि0 मे0 ब्र0 के बहुत से उद्धरण यह प्रमाणित करने के लिए भेजे गए कि नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक बात नहीं है। उन्होंने बाद में टेलीफोन के द्वारा हमारे एक सम्पादक भाई रोनाल्ड जैक को अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने उसे सलाह दी कि वह सात कलीसिया काल के व्याकरण शुद्ध संस्करण के साथ बने रहें। फिर भी उन्होंने यह स्वीकार किया कि भविष्यद्वक्ता ने पवित्र आत्मा के बपतिस्में से सम्बन्धित नये जन्म विषय पर जो सिखाया है, वह उससे भिन्न है जिसका उन्होंने कलीसिया काल पुस्तक में प्रलेखन किया है, और उन्होंने यह भी कहा कि मुहरे सब कुछ सुधारने के लिए थीं, परन्तु वे नहीं जानते यदि कहीं भविष्द्धक्ता ने उनकी शिक्षा को सुधारा हो कि नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक नहीं है। डा0 वेले मौखिक रूप से बात करने में बहुत ईमानदार, दयालु, सम्मानपूर्ण, प्रेम पूर्ण, नम्र थे और उन्होंने बड़ी तर्कसंगत बात की। उन्होंने अपने व्यवहार और नम्र व्यक्तित्व से हमारा सम्मान प्राप्त कर लिया। हम उस मनुष्य को उसकी भ्रांतियों से विलग करने में सक्षम हो गए थे। विशेष यह कि वह 94 वर्ष की आयु के हैं। और हमने अपने समस्त लेखन में उस बुजुर्ग प्राचीन के प्रति कभी असम्मान प्रकट नहीं किया।

तीन मुख्य कुपन्थ

यह कार्य उन तीन मुक्ष्य कुपन्थों को सम्बोधित करता है जो सात कलीसिया काल पुस्तक (क0 का0 पु0) में अन्तःक्षेपित किए गए हैं।

1. (क0 का0 पु0 पृष्ठ 104) ; विषय : विवाह एवं तलाक, पत्नि के व्यभिचार करने की स्थिति में एक व्यक्ति अपनी पत्नि को वापस स्वीकार नहीं कर सकता है, उसे अपनी पत्नि को अपने से दूर करना होगा। आदम का यही पाप था।

2. (क0 का0 पु0 पृष्ठ 139–148) ; विषय : नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा समान बात है, साथ में अन्य बहुत सम्बन्धित विषय–कुपन्थ।

3. (क0 का0 पु0 पृष्ठ 327) ; विषय : मलाकी 4:5–6 के द्वारा सात गर्जन प्रकट किए गए। उपरोक्त विषयों पर मैंने पास्टर ब्रायन कोसोरेक और परोक्ष रूप से डा0 ली वेले को एक मित्रतापूर्ण वार्तालाप में उलझा लिया।

अंधकार पूर्ण प्रतिक्रिया

पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया मेरे लिए किसी सदमें से कम नहीं थी, क्योंकि वर्षो से हमारे मध्य बड़े मित्रता पूर्ण सम्बन्ध रहे थे। क्योंकि वह डा0 वेले के खुलासे को गलत प्रमाणित करने में अक्षम था अतः उसकी प्रतिक्रिया बड़ी अक्खड, क्रोधित, अहंकार पूर्ण, निरादरपूर्ण, झूठों से भरी हुई और व्यंगात्मक थी। यह कलीसिया काल पुस्तक में घुसाए गए कुपन्थों के खुलासे और खंडन को झूठा साबित करने के लिए थी, परन्तु यह वचन के किसी प्रमाण या भाई ब्रन्हम के एक भी उद्धरण के बिना थी। तथापि उसने युद्ध के सांसारिक हथियारों का प्रयोग किया। उसने अपने बचाव के लिए एक झूठ गढ़ा कि मैं संदेश और ब्रन्हम का विरोधी हूँ, भविष्यद्धक्ताओं की शिक्षा पर आक्रमण कर रहा हूँ, और कह रहा हूँ कि क0 का0 पुस्तक कुपन्थों से भरी हुई है। वह पूरी तरह जानता था कि मैंने अपने आपको क0 का0 पुस्तक का एक विश्वासी घोषित किया है, परन्तु मेरा वार्तालाप क0 का0 पुस्तक में घुसाए गए तीन कुपन्थों पर आधारित है। उसकी बेईमानी ने मुझे अचंभित कर दिया, क्योंकि मैं आशा कर रहा था कि जो व्यक्ति महान डा0 वेले का स्थान लेने जा रहा है उसका एक विशिष्ट व्यक्तित्व होगा।

कोसोरेक को मेरा पत्र

प्रिय भाई पास्टर कोसोरेक, यीशु नाम में शुभ कामनाएं। मेरे वार्तालाप संख्या एक व दो के प्रयुत्तर के लिए धन्यवाद। मुझे सातवीं मुहर/सातवें गर्जन पर तुम्हारी प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई। मैं दोनों पत्रो का उत्तर तुम्हें भेज रहा हूँ। तुम उत्तर देने के लिए स्वतन्त्र हो क्योंकि अब हमारा वार्तालाव समाप्त होने के करीब है।

पिछले वर्षो में हमारा पत्र व्यवहार बड़ा सुखद रहा है। मैं हमारी संगति और डा0 वेले के साथ तुम्हारे जुड़ाव को जानने के कारण तुम्हें श्रद्धा के साथ देखता था, क्योंकि मैं डा0 वेले का बहुत सम्मान करता हूँ। तुम्हारे पत्र ने मुझे अचंभे में डाल दिया क्योंकि यह बिल्कुल ही विपरीत मनोवृत्ति का परिचायक था जो कि अत्यंत अप्रिय था। इसने मेरे मन में प्रभु के सेवक वाली तुम्हारी छवि को बिलकुल बदल के रख दिया।

डा0 ली वेले के ऐसे योग्य शिक्षक के रूप में तुम्हारा परिचय होने के कारण, ' जो कि उसके स्थान पर प्रश्नों का उत्तर देने के लिए पूर्णतयः अधिकृत हो,' मैं आशा करता था कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने और डा0 वेले के भ्रमपूर्ण शिक्षाओं के खंडन का विरोधी लिखित वचन और विलियम मेरियन ब्रन्हम, भविष्यद्धक्ता के संदेशों से करने की अपनी प्रकाशित नीति के प्रति वफादार रहोगे। इसके बजाय तुमने अपनी वेबसाइट पर अपनी डींगे हाँकते हुए बिल्कुल एक अपरिचित की तरह व्यवहार किया।

अपने प्रत्युत्तर में तुमने बड़े अहंकार, क्रोध, धमकी और घृणित झूठों का प्रदर्शन किया, यहाँ तक कि तुमने बहन मीडा ब्रन्हम को भाई वेले के लिए ऐसी रीति से बोलता दिखाकर जैसी रीति से उन्होंने कभी नहीं बोला था उस बहन के विरुद्ध भी झूठ बोला है। तुमने अपने आप को व्यक्त किया और मेरे विरुद्ध एक दुष्ट और आवारा की भाँति कार्य किया। तुम्हारे

नीच और अहंकारपूर्ण मनोवृत्ति के द्वारा मैंने यह अनुभव किया कि तुम खेल कूद की आत्मा से नियन्त्रित हो, और अभी तक तुम फुटबाल के ही खिलाड़ी हो परन्तु वचन प्रचार के मैदान में खेलते हो। तुमने प्रभु के वचन और भविष्यद्वक्ता के वक्तव्यों को शैतान के लिए गोल करने के लिए किक मारी है।

मेरे द्वारा तुम्हें और डा0 वेले को दी गई चुनौती और खुलासे को तुमने वचन और संदेश से सम्बोधित नहीं किया, परन्तु अपने अहंकार, मूर्खतापूर्ण वक्तव्यों और झूठों के द्वारा तुम इस मामले से कतराकर निकल गए। मुझे संदेह है कि तुम इस वार्तालाप और खुलासे को डा0 वेले के संज्ञान में लाए हो या नहीं। यदि तुमने ऐसा किया है, और उसने प्रतिक्रिया व्यक्त की है तो वह अपने आप को एक सच्चे लेखक और एक सभ्य व्यक्ति के रूप में पेश करेगा, और अपनी बुद्धि की सामर्थ के अनुसार वह वार्तालाप को वचन के दायरे में ही रखेगा, चाहे वह अपनी शिक्षा में गलत ही हो। यह उसके उस नम्र और आदरपूर्ण लहजे से प्रमाणित होता है जिसमें उन्होंने हमारे सम्पादक से फोन पर बात की थी और यही वजह बनी कि पुस्तक 12 के पृष्ठ 89 में हमने डा0 वेले को बहुत सम्मान के साथ एक ऐसे महान भाई के रूप में वर्णित किया था जिसने अनजाने में कलीसिया काल पुस्तक में गलत शिक्षाओं को घुसा दिया हो। परन्तु तुम्हारी अहंकारपूर्ण मनोवृत्ति ने ना सिर्फ यह परन्तु और भी खुलासों को लोगों के साम्हने प्रकट कर दिया है क्योंकि तुम संदेश के श्रेष्ठजन की तरह व्यवहार करना चाहते हो तुमने एक डकारते हुए सुअर की भाँति व्यवहार किया है। और इस मूर्खतापूर्ण मनोवृत्ति के द्वारा तुम किसी से भी पश्चताप नहीं करा सकते, चाहे वह अपनी शिक्षाओं में गलत ही हो।

कोसोरेक द्वारा निजी वार्तालाप को वेबसाइट पर ले जाना

हमारा वार्तालाप व्यक्तिगत रूप से चल रहा था, परन्तु तुमने उसे अपने पुलपिट से प्रचार करके एवं वेबसाइट पर लाकर दुनिया के साम्हने ला दिया और मुझे यह सूचना दी कि मैं अपना बचाव इस वेबसाइट पर ढूँढूँ। तुम्हारे बचाव के दो चेहरे है, व्यक्तिगत रूप से जब मुझे लिखते हो तो तुम्हारी भाषा एक दुष्ट की होती है। और अपनी वेबसाइट पर तुम प्रेम और करुणा से भरे हुए प्रभु के सेवक होते हो। मैं तुम्हारे सार्वजनिक बचाव को अलग से सम्बोधित करुँगा। और जब तुम्हारे दोनो बचावों की तुलना होगी तो यह संसार जान लेगा कि तुम कितने बड़े अभिनेता हो।

तुम महान एवं सम्मानीय लेखक ली वेले के सबसे घटिया उदाहरण हो। तुम एक प्रश्न का उत्तर देने में उसकी जूती के बराबर भी नहीं हो। तुम केवल उसका प्रतिनिधितव कर रहो हो उसकी सेवकाई का नहीं। यह बात तुमने मेरे साथ पत्र व्यवहार में स्पष्ट रूप से प्रमाणित कर दिया है।

मेरा अनुमान है कि तुम्हारे दिमाग में बस यही था कि तुम डा0 वेले की सेवकाई को प्राप्त करने जा रहे हो ; तुम्हारा गर्व और महत्वाकांक्षा ने तुम पर विजय प्राप्त कर ली। वचन

का अध्ययन कर प्रभु से अपना अनुमोदन स्वीकारे जाने योग्य होना दर्शाने और सही रीति से प्रभु का वचन बांटने के बजाय तुमने अपने विश्वास को डा0 वेले की भविष्यद्वक्ता द्वारा करी गई सराहना पर दफन कर दिया।

बहन ब्रन्हम पर कोसोरेक का झूठ

पास्टर कोसोरेक का वक्तव्य : अब मैं भाई वेले को 26 वर्षो से जानता हूँ और उनकी शिक्षाओं को बिल्कुल सही रीति से जानता हूँ। आगे, मैं जानता हूँ कि भाई ब्रन्हम ने उनके विषय में क्या कहा था और बहन मीडा ने अपनी मृत्यु से एक महीने पहले मुझ से बात की थी और पुष्टि की थी कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, "और कोई मनुष्य मुझे और मेरे संदेश को इतना नहीं समझता जितना भाई वेले।"(ब्रायन कोसोरेक की गवाही)

पास्टर कोसोरेक का वक्तव्य : बहन ब्रन्हम की मृत्यु से एक माह पूर्व मैंने उनसे पूछा, "कि कभी भाई ब्रन्हम ने ऐसा कहा था कि, 'और कोइ मनुष्य मुझे और मेरे संदेश को इतना नहीं समझता जितना भाई वेले ?" और उन्होंने उत्तर दिया, "भाई कार दुर्घटना के पश्चात मेरी स्मृति का काफी ह्रास हो गया है, परन्तु ऐसा लगता है कि उन्होंने यह कहा होगा, क्योंकि वह ली0 वेले का बहुत सम्मान करते थे।

डा0 वेले के प्रति दुष्टता

अब बिल्कुल वही झूठी आत्मा तुम्हारे ऊपर है, तुमने 183 देशों में झूठ बोलने का प्रयत्न किया कि मैं सात कलीसिया काल पुस्तक की भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं पर आक्रमण कर रहा हूँ, जबकि मैंने यह स्पष्ट कर दिया था कि हमारा वार्तालाप सात कलीसिया काल के व्याकरण शुद्व किए गये संस्करण में घुसाई गई तीन मुख्य कुपन्थों पर आधारित रहेगा। तुम यह जानते थे परन्तु तुमने संसार से झूठ बोलना चुना। जबकि तुमने इस विषय को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया तो तुम डा0 वेले और प्रभु के प्रति वेले की भ्राँतियों को प्रकाशित करने के जिम्मेदार हो। मैंने वर्ष 1972 से लोगों से इसके पूरे दृष्य को छिपाए रखा यहाँ तक कि 1989 में जब मैने इसका खुलासा किया तब भी। मुझे खेद है कि तुमने डा0 वेले के साथ यह किया है। मैं तुम्हारी अज्ञानी मनोवृत्ति के कारण क0 का0 पु0 में घुसाई गई भ्राँतियों की कुपन्थ के रूप में पहचान कराने को विवश हुआ। इसके अलावा तुम्हारी वेबसाइट पर विज्ञापित किए गए तुम्हारे सार्वजनिक झूठों के कारण मैंने तुम्हारी और डा0 वेले के प्रत्येक कुपन्थ की पहचान की है। प्रत्येक कुपन्थ को एक संख्या दी गई है। आगे इस पुस्तक के लेखक और पास्टर कोसोरेक के मध्य हुए वार्तालाप को वर्णित किया गया है।

सात कलीसिया काल पर वार्तालाप
डा0 वेले द्वारा किया गया व्याकरण शुद्ध अनुवाद
कुपन्थों का खुलासा

तुम्हारे दिनांक 2/08/08 को लिखे गए पत्र के संदर्भ में मै यह कहना चाहता हूँ

कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुम सा0 क0 का0 पुस्तक के शिक्षा सम्बन्धी मसले पर हमारे मध्य होने वाली मित्रता पूर्ण वार्तालाप में डा0 वेले का प्रतिनिधित्व कर सकते हो। यह विषय संदेश के विश्वासियों के मध्य लम्बे समय से चला आ रहा है। बहुत वर्ष पहले हमारे एक सम्पादक ने डा0 वेले से पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, नया जन्म जैसे विषयों पर सम्पर्क किया था। टेलीफोन पर उनका प्रत्युत्तर अस्पष्ट और विचारोत्तेजक था। उसने तुम्हें अपना प्रतिनिधि नियुक्त करके हमें तुम्हारे पास भेजना चाहा था परन्तु हमने इस विकल्प को तब तक नहीं अपनाया जब तक कि इस समय में जब तुमने मेरे द्वारा सात मुहरों/सात गर्जन पर
डा0 वेले की शिक्षाओं में किए गए सुधारों से डा0 वेले का बचाव करने की नहीं ठानी। हमने तुम्हारी वेबसाइट पर प्रश्नों एवं उत्तरों में यह भी ध्यान दिया कि डा0 वेले ने तुम्हें सब प्रश्नों का उत्तर देने और आवश्यकता पड़ने पर उन की सहायता लेने को अधिकृत किया है। मेरी इच्छा है कि तुम मेरे द्वारा उठाये गये इस मसले पर डा0 वेले से सम्पर्क करो, क्योंकि वह कलीसिया काल पुस्तक के लेखक हैं।

वार्ता के नियम एवं शर्तें

यह मेरा विनम्र निवेदन है कि हम अपने वार्तालाप को प्रभु के लिखित वचन में सीमित रखेंगे जो कि मलाकी 4:5–6 के संदेश के द्वारा समर्पित हो, और साथ ही हम प्रचलित और व्यक्तिगत विचारों को एक तरफ रखेंगे, और ऐसा ही तुमने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित भी किया है।

कोसोरेक की प्रकाशित नीति

पास्टर कोसोरेक का वक्तव्य : इस प्रकार जो भी उत्तर मैं तुम्हें दूँगा , वह या तो वचन से होगा या भाई ब्रन्हम के संदेशों से, और मैं तुम्हें अपना विचार नहीं दूँगा जबकि वह वचन और प्रभु के अन्त समय के भविष्यद्वक्ता विलियम ब्रन्हम के द्वारा पूर्ण समर्थित नहीं होगा।

तुम्हारे प्रश्नों का सही उत्तर देने के लिए मेरे पास अपनी कोई सम्मति नहीं है। मेरा मत वही होगा जो प्रभु ने या तो अपने पुत्र के द्वारा कहा था या अपने सेवक विलियम ब्रन्हम के द्वारा। अब यदि इस टेप के सुनने में कोई समस्या है तो वह आपकी समस्या है। मैं जानता हूँ कि एक दिन मैं अपने शब्दों के लिए प्रभु को जबाब दूँगा और मैं आशा करता हूँ कि तुम भी यह बात जान लो। (प्रश्न एवं उत्तर सं0 1 क्यों बहुतेरों ने संदेश का गलत अर्थ समझा है ?)

पास्टर कोसोरेक आपने बहुत अच्छी बात कही है। मैं स्वयं इन सिद्धान्तों पर खड़ा हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि तुम अपनी नीति पर बने रहोगे।

पिछले वर्षो में हमारा सम्प्रेषण प्रेम और आदर की एक मसीही आत्मा में रहा है। मैंने इसी आत्मा को अपने वार्तालाप में बनाए रखने का प्रयत्न किया है, वैसे मैं शिक्षा जैसे मामलो

पर बहस नहीं करता हूँ फिर भी मैं कुपन्थों के खुलासे के लिए बड़ी दृढ़ता के साथ सत्य के ऊपर खड़ा हूँ।

मैंने यह देखते हुए कि तुम डा0 वेले की सेवकाई का उसके अधिकार के साथ प्रतिनिधित्व कर रहे हो, मैं तुम्हें और डा0 वेले को मेरे खण्डनों का जबाब देने के लिए सम्बोधित कर रहा हूँ।

कुछ लोगों ने धर्म के विरुद्ध दुस्साहस और भविष्यद्वक्ता की प्रमाणिक शिक्षा नहीं है, कहकर पुस्तक को अस्वीकार कर दिया और दूसरो ने यह विश्वास किया जो कुछ भी इसमें प्रलेखित किया गया है वह भविष्यद्वक्ता की शिक्षाएं है।

नि0 कु0 का खु0 के सम्पादक की हैसियत से मेरा कहना है कि शिक्षा सम्बन्धी प्रमुख मसले भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं के अनुरूप नहीं हैं, वचन के विरुद्ध और भ्राँतिपूर्ण हैं। यह हमारे वार्तालाप का आधार है।

घोषणा : क0 का0 पु0 को नहीं परन्तु तीन भ्राँतियों को चुनौती दी गई है

मैंने अपने आप को पूर्णतयः स्पष्ट कर दिया है कि मैं भाई ब्रन्हम की मूल कलीसिया काल शिक्षाओं को चुनौती नहीं दे रहा हूँ और न ही उस में सुधार कर रहा हूँ परन्तु उसके संदेश के प्रकाशन की रक्षा कर रहा हूँ। मेरा वार्तालाप केवल डा0 ली वेले द्वारा व्याकरण शुद्ध अनुवाद में घुसाए गए तीन कुपन्थो पर आधारित है। यह कहना या विश्वास करना झूठ होगा कि इस वार्तालाप का उद्देश्य भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं को
सुधारना है।

मैं दृढ़ता पूर्वक घोषणा करता हूँ कि सात कलीसिया कालों का प्रकाशन जो मलाकी 4:5–6 को दिया गया, "वह यहोवा यूँ फरमाता है," परन्तु उसमें वह सब भ्रान्तियाँ शामिल नहीं हैं जो इसके व्याकरण शुद्ध अनुवाद में घुसा दी गई।

वर्तमान में डा0 वेले द्वारा क0 का0 पुस्तक में घुसाई गई तीन मुख्य भ्रान्तियों को सम्बोधित करुँगा, जो निम्न प्रकार हैं।

1) विवाह एवं तलाक (क0 का0 पुस्तक पृष्ठ 104)

2) नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक बात है (क0 का0 पुस्तक पृष्ठ 139–148) साथ में विभिन्न सम्बन्धित विषय।

3) मलाकी 4:5–6 के द्वारा सात गर्जन का भेद खोल दिया गया (क0 का0 पुस्तक पृष्ठ 327)

विवाह एवं तलाक–क0 का0 पुस्तक पृष्ठ 104
भ्रान्ति संख्या–एक
कुपन्थीय लेखन संख्या–688–690

डा0 ली0 वेले कलीसिया काल पुस्तक से : 104–1...लोग मुझ से पूछते हैं, " हव्वा तो उस रीति से गिर गई थी, परन्तु आदम ने क्या किया, कि प्रभु ने दोष आदम पर डाला ?"...अब वचन हमें सिखाता है कि यदि एक स्त्री अपने पति को छोड़कर दूसरे पुरुष के पास जाती है तो वह व्यभिचारिणी है और वह अपने पति की ब्याहता नहीं रही और पति उसे वापस स्वीकार नहीं कर सकता है। यह वचन आदम में भी उतना सत्य था जितना व्यवस्था में मूसा द्वारा लिखते समय। वचन बदल नहीं सकता। आदम ने उसे फिर ले लिया। वह जानता था कि वह क्या कर रहा है, परन्तु उसने फिर भी किया (इफिसियन कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय – 3)

भाई वेले एक बहुत ही गहरे वचन के प्रश्न से निपट रहे हैं। वह यह है कि हव्वा ने अदन के बाग में व्यभिचार किया, और यह ही वर्जित फल था, तब आदम का पाप क्या था ? वह यह इशारा कर रहा था कि आदम ने अपनी पत्नि के साथ ही व्यभिचार किया।

मैं कह रहा हूँ कि जो शिक्षा और स्पष्टीकरण वह इस वचन पर दे रहा है वह प्रभु के वचन से समर्थित नहीं है। वह वचन जिसकी ओर उसने अपने वाद को समर्थन देने के लिए संकेत किया है वह इसे समर्थन नहीं करता। उसने वचन को अव्यवस्थित किया, गलत जगह पर रखा और गलत अनुवाद किया है जिसे की भविष्यद्वक्ता ने हमें कभी न करने के लिए आदेशित किया है। (अनुच्छेद 72 मसीह अपने ही वचन में प्रकट हुआ है 65–0822 प्रातः) मैं तीन खण्डों क–ख–ग में इसे सम्बोधित करुँगा।

कुपन्थीय लेखन सं0 688 : एक व्यभिचारिणी विवाहिता नहीं रही

(क) यदि एक स्त्री अपने पति को छोड़ कर दूसरे पुरुष के साथ जाती है तो वह व्यभिचारिणी है और ब्याहता नहीं रही।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह कहना वचन विरुद्ध और भ्रान्तिपूर्ण है कि एक स्त्री व्याभिचार करने पर अपनी पति की ब्याहता नहीं रही। रोमियों 7:2 और 1. कुरन्थियों के आधार पर वह अपने पति के साथ तब तक बन्धी हुई है जब तक कि पति की मृत्यु न हो जाए, ना कि जब तक कि व्याभिचार ना कर ले।

रोमियो 7:2 क्योंकि विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बन्धी हुई है, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई।

1. कुरन्थियों 7:39 जब तक किसी स्त्री का पति जीवित रहता है, वह तब तक वह उससे बन्धी हुई, परन्तु जब उसका पति मर जाए तो जिससे चाहे उससे विवाह कर सकती है, परन्तु केवल प्रभु में।

डा0 वेले या भाई कोसोरेक मैं इस भ्रान्तिपूर्ण और झूठी शिक्षा को समर्थन करने के लिए केवल एक वचन और भाई ब्रन्हम के एक वक्तव्य की माँग करता हूँ।

कुपन्थीय लेखन सं0 689 : "पत्नि के किसी अन्य पुरुष के साथ व्यभिचार करने पर पति फिर से उसके साथ एक नहीं हो सकता।"

(ख) पति को उसे फिर स्वीकार नहीं करना है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह वचन विरुद्ध और भ्रान्तिपूर्ण है कि पत्नि के व्यभिचार करने पर पति उसे फिर से स्वीकार नहीं कर सकता है। अगर यह ऐसा है तो यह हमें, हमारे अपराधियों को क्षमा करने की प्रभु की इच्छा रद्ध कर देता है। फिर यह भी प्रमाणित करता है कि भाई ब्रन्हम ने हमें गलत शिक्षा दी है। परन्तु वह सही था और तुम गलत हो। यीशु ने उस व्यभिचारिणी स्त्री से कहा : "....मैं भी तुझ पर दण्ड की आज्ञा नहीं देता : जा, और फिर पाप न करना।" (युहन्ना 8:11) उसने ऐसा नहीं कहा कि अब तू अपने पति की ब्याहता नहीं रही और तेरा पति तुझे वापस ग्रहण नहीं कर सकता।

मत्ती 6 :14–15 इसलिए यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हे क्षमा करेगा। और यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।

मत्ती 12:31 इस लिए मैं तुमसे कहता हूँ , कि मनुष्य का सब प्रकार का पाप और निन्दा क्षमा की जाएगी, पर आत्मा की निन्दा क्षमा ना की जाएगी।

मैं अपनी पत्नि को क्षमा कर सकता हूँ

वि0 मे0 ब्र0 711–109 मैं अपनी पत्नि के लिए इसलिए सत्यनिष्ठ नहीं हूँ कि मैं डरता हूँ कि कहीं वह मुझे तलाक न दे दे। परन्तु मैं उसे प्रेम करने के कारण उसके प्रति सत्यनिष्ठ हूँ। संसार में कोई और स्त्री नहीं परन्तु केवल वह.....यदि मैंने कोई भूल कर दी और वे सोचते हैं कि मैंने कुछ गलत किया है, तो मैं उसके पास जा कर कहूँगा, "मीडा, मैने ऐसा जान बूझ कर नहीं किया है।" और वह मुझे इसके लिए क्षमा कर देगी ; मैं जानता हूँ कि वह कर देगी। मैं भी उसे क्षमा कर दूँगा ; मैं उससे प्रेम करता हूँ। निश्चय ही मैं उसे क्षमा कर दूँगा : और वह मुझे क्षमा कर देगी। परन्तु मैं किसी भी कारण से कुछ गलत नहीं करुँगा ; मैं नहीं कर सकता क्योंकि मैं उसे बहुत प्रेम करता हूँ (प्रश्न एवं उत्तर 62–0527)

भविष्यद्वक्ता ने हमें प्रेम करना सिखाया और कहा कि वह अपनी पत्नि को क्षमा कर देगा और एक व्यक्ति को ऐसा करने का अधिकार प्राप्त है। डा0 वेले की शिक्षा व्यवस्थावादी, वचन विरुद्ध और वि0 मे0 ब्रन्हम की शिक्षा के विरुद्ध है।

अब, निश्चय ही हम जानते हैं कि भविष्यद्वक्ता केवल एक बात समझा रहा था। हमारा भविष्यद्वक्ता व्यभिचारी नहीं था, उस पर पवित्र आत्मा की छाप थी और शैतान उस छाप को नहीं तोड़ सकता था।

यह पति पर निर्भर करता है कि वह पत्नि के साथ रहना चाहता है

वि0 मे0 ब्रन्हम 1014–86 तुमने अपने पति के विरुद्ध व्यभिचार किया है। तुम अपने पति के पास गई और उससे क्षमा माँगी और सब कुछ स्पष्ट कर लिया : तब तुम अपने पति के साथ उस दूसरे पुरुष के पास गई और तुमने वहाँ भी क्षमा माँग कर सब कुछ सही कर

लिया। अब तुम अपनी जगह ठीक हो। अब यह तुम्हारे पति पर निर्भर करता है कि वह तुम्हारे साथ रहना चाहता है या नहीं। अब उसे ऐसा करना मंजूर नही है, परन्तु यदि वह तुम्हे क्षमा करना चाहता है और तुम्हारे साथ रहना चाहता है तो तुम्हे निश्चित रूप से ऐसा कार्य दोबारा नहीं करना चाहिए। (प्रश्न एवं उत्तर 64–0823 ई.)

संदेशवाहक यह कह रहा है कि यदि एक व्यक्ति अपनी पत्नि में दोष पाता है, तो वह उसे क्षमा कर सकता है और उसे अपनी पत्नि बने रहने दे सकता है, परन्तु वह उसे फिर से स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं है, यह उसकी अपनी इच्छा, अपना मसला है। वह उस स्त्री को क्षमा करके उसे एक पत्नि के रूप में रख सकता है। भाई ब्रन्हम ने कहा कि उस स्त्री को ऐसा होना चाहिए कि वह फिर से ऐसा कार्य ना करे।

बाइबिल में ऐसा कोई वचन नहीं है और विलियम मेरियन ब्रन्हम ने कभी ऐसी भ्रान्तियुक्त शिक्षा नहीं दी कि स्त्री के व्यभिचार करने की दशा में एक व्यक्ति को उसे तलाक के द्वारा अपने से दूर कर देना अवश्य है।

कुपन्थीय लेखन सं0 690 : आदम का पाप : उसने अपनी पत्नि को वापस ले लिया।

(ग) डा0 वेले ने कहा कि आदम ने अपनी पत्नि को वापस स्वीकार कर लिया और उसके साथ संसर्ग किया, यह व्यवस्था विवरण 24:1–4 के खिलाफ है।

नि0 कु0 का खु0 : यह कहना वचन विरुद्ध एवं भ्रान्तिपूर्ण है कि हव्वा के व्यभिचार करने के पश्चात उसे फिर से पत्नि के रूप में स्वीकार करना आदम का पाप था, विशेष रूप से जब इसे व्यवस्था 24:1–4 पर आधारित किया जाए।

भाई वेले और भाई कोसोरेक इस भ्रान्ति को आधार बनाकर क्या आप अपने अनुयायियों को उस कारण से अपनी पत्नियों को तलाक देने की शिक्षा देंगे ?

यदि नहीं, तो तुम अपने दर्शन में विश्वास नहीं करते हो, यदि हाँ, तब तुम संदेश के विरोध में कार्य कर रहे हो।

क0 का0 पुस्तक पहले ही सम्पूर्ण विश्व में पहुँच चुकी है और 1965 में अपने प्रकाशन के समय से ही इसने इन भ्रान्तियों को चहुँ और स्थापित कर दिया है। यदि तुम इस भ्रान्तिपूर्ण शिक्षा के प्रचार में और व्यवहार में विश्वास नहीं करते हो तो एक विनीत पश्चताप के द्वारा इनका सुधार करो। डा0 वेले यह केवल समय ही बताएगा कि इन भ्रान्तियों के कारण कितने परिवारों का जीवन तबाह हो गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है परन्तु यह एक विध्वंसक भ्रान्ति है। एक स्त्री के पश्चाताप के आँसुओं को उसके पति द्वारा अस्वीकारे जाने और उसके बच्चों के दुःख दर्द, और हमेशा के लिए पहुँचे नुकसान का प्रभु को कौन हिसाब देगा।

डा0 वेले के भ्रान्तिपूर्ण उत्तर व्यवस्था विवरण 24:1–4 में सही नहीं बैठते हैं

(क) आदम ने अपनी पत्नि हव्वा की अशुद्धता के कारण उसे अपने से दूर नहीं किया था। अदन के बाग की इस घटना में, हव्वा ने सर्प के साथ केवल एक बह कृत्य किया।

(ख) हव्वा ने किसी और पुरुष के साथ विवाह नहीं किया था। सर्प एक पुरुष था भी नहीं।

(ग) सर्प ने हव्वा को तलाक नहीं दिया था।

(घ) आदम ने हव्वा को विवाह के द्वारा पुनः स्वीकार नहीं किया था, क्योंकि वह उस कृत्य के पश्चात भी उसकी पत्नि थी।

यह हव्वा के छले जाने की घटना थी। यह हव्वा की एक बार सर्प के साथ संसर्ग करने तथा दूसरी बार आदम के साथ संसर्ग की घटना थी। यह हव्वा का दूसरे पुरुष के साथ विवाह करना नहीं था। इस घटनाक्रम में हव्वा को तलाक का पत्र नहीं दिया गया था। यह दूसरे पति द्वारा उसे घर से निकाले जाने और उसके वापस पहले पति के पास आने की घटना नहीं थी।

यदि यह शिक्षा सही है, तब इस संदेश का अनुकरण करने वाला प्रत्येक पुरुष, जिसकी पत्नि ने व्यभिचार किया हो, को अपनी पत्नि को किसी समाधान से परे अपने से दूर कर देना चाहिए : अन्यथा वह उसी पाप को दोहरायेगा जिसने आदम को गिराया था। मैं कह रहा हूँ कि यह शिक्षा गलत है।

अब वचन व्यवस्थाविवरण 24 में जो कहता है वह सारगर्भित है। परन्तु आप उसे हव्वा पर लागू नहीं कर सकते। संदेशवाहक ने डा0 वेले और कलीसिया काल पुस्तक से भिन्न बातें कही हैं। भविष्यद्धक्ता से यह प्रश्न इस विषय पर पूछा गया कि व्यभिचार के मामले को किस प्रकार सुलझाया जाए और उसने निम्न उत्तर दिया।

पति अपनी पत्नी को क्षमा कर सकता है।

वि0 मे0 ब्र0: "अब यह व्यक्ति, यदि यह स्त्री दोषी है, उसने यह किया है : वह अपने पति के पास गई। अब बहन तुमने अपने आप को सही कर लिया है। तुमने अपने पति के विरुद्ध व्यभिचार किया। तुम अपने पति के पास गई और तुमने उससे क्षमा माँगी और सब कुछ सही कर लिया : तब तुम अपने पति के साथ उस दूसरे पुरुष के पास गई और उससे क्षमा माँग कर सब कुछ सही कर लिया। अब तुम अपने स्थान पर सही हो। अब यह तुम्हारे पति पर निर्भर करता है कि वह तुम्हारे साथ रहना चाहता है या नहीं। अब ऐसा करना उसकी बाध्यता नहीं है, परन्तु यदि वह तुम्हें क्षमा करना चाहता है और तुम्हारे साथ रहना चाहता है तो तुम्हें एक ऐसी स्त्री होना चाहिए कि फिर ऐसे कृत्य की दोषी ना पाई जाओ। परन्तु यदि वह तुम्हे क्षमा नहीं करता है, तब वह उसका मामला है। वह तुम्हें अपने से दूर कर सकता है। यह बिल्कुल सही बात है। (प्रश्न एवं उ0 64–0823 संध्या)

व्यवस्थाविवरण 24:1–4 यदि कोई पुरुष किसी स्त्री को ब्याह ले, और उसके बाद कुछ लज्जा की बात पाकर उससे अप्रसन्न हो, तो वह उसके लिए त्याग पत्र लिख कर और उसके हाथ में देकर उसे अपने घर से निकाल दे। और जब वह उसके घर से निकल जाए, तब दूसरे पुरुष की हो सकती है। परन्तु यदि वह उस दूसरे पुरुष को भी अप्रिय लगे, और वह उसके लिए त्याग पत्र लिखकर और उसके हाथ में देकर उसे घर से निकाल दे, वा

वह दूसरा पुरुष जिसने उसको अपनी पत्नि कर लिया हो मर जाए, तो उसका पहला पति, जिसने उसको निकाल दिया हो, उसके अशुद्ध होने के बाद उसे अपनी पत्नि ना बनाने पाए क्योंकि यह यहोवा के सम्मुख घृणित बात है। इस प्रकार तू उस देश को जिसे तेरा खुदा यहोवा तेरा भाग करके तुझे देता है पापी न बनाना।

बाइबिल स ुस्पष्टतः उस स्त्री के विषय में कह रही है जिसका तलाक हुआ और उसने दूसरे पुरुष से विवाह कर लिया। दूसरे पुरुष ने भी उसे घर से निकाल दिया और उसे तलाकनामा दे दिया, उन परिस्थितियों में वह वापस अपने पति के पास नहीं लौट सकती है। यदि पहला पति उसे फिर अपने लिए ले ले तब यह यहोवा की दृष्टि में घृणित बात है। डा0 वेले ने व्यवस्था विवरण 24:1–4 का गलत अनुवाद किया है यह संदेश और भविष्यद्धक्ता का विरोध है। भविष्यद्धक्ता ने इस तरह से व्यवस्था लागू की है।

तलाक शुदा एवं पुनर्विवाहित स्त्री–तुम फिर उसे अपने लिए न लेना

678 – प्रश्न–159. भाई ब्रन्हम मैंने एक ऐसी स्त्री से विवाह किया था जिसका पहले भी विवाह हो चुका था। हमारा तलाक हो गया और उसके बाद वह दो बार और विवाह कर चुकी है। बाइबिल कहती है यदि हम विवाह करना चाहें.....पहली पत्नि की ओर मुड़ना चाहूँ। अब क्या मैं उसकी ओर मुड़ सकता हूँ जो पहले विवाह कर चुकी है या मैं स्वतन्त्र हूँ?

अब भाई ऐसा है, केवल एक रीति से तुम ऐसा कर सकते हो..... यीशु ने मत्ती 5. में कहा, ''.....जो उस त्यागी हुई से विवाह करे वह व्यभिचार करता है।'' अतः ऐसा ना करें। नहीं यदि उसने पुनर्विवाह कर लिया है तो आप उसके पास वापस नहीं जा सकते हैं।

.....नहीं श्रीमान। लैव्यवस्था में देखें। तुम उस स्त्री के पास वापस गए। वह किसी और की आधीनता में है। तुम दूषित हो गए और अपने आप को पहले से ज्यादा बुरी स्थिति में ले आए हो। नहीं, तुम्हें उस पत्नि को फिर से अपने लिए नहीं लेना चाहिए जिसने किसी और से विवाह कर लिया हो.....तुम वापस मत लौटो। नहीं, श्रीमान, वह किसी और की ब्याहता है : तुम उससे दूर रहो.....तुम वापस मत जाओ और न उस स्त्री को अपने लिए लो जिसने तुमसे विवाह करने के पश्चात दो या तीन बार और विवाह कर लिया है। यह गलत है। (प्रश्न एवं उत्तर सी0 ओ0 डी0 61–1015 एम.)

मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि तुम और डा0 वेले क0 का0 पुस्तक में घुसाई गई उन भ्रान्तियों के खुलासे से अपना बचाव किस प्रकार करते हो। शायद तुम अपने बचाव में मुझसे यह पूछना चुनो, कि फिर आदम का पाप क्या था। पर वह तुम्हारी भ्रान्तियां को उचित नहीं बना देगा। बस यह तुम्हें इस मामले से कतरा कर बच निकलने में सहायता कर सकता है। मैं इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए धीरज से सही समय की प्रतीक्षा करुँगा। इस सवाल पर डा0 वेले की अज्ञानता के कारण उसने व्यवस्थाविवरण 24:1–4 को विकृत कर दिया है और विवाह और तलाक के विषय पर बहुत से कुपन्थों का प्रतिपादन कर लिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध व्यक्ति के लिए एक तुच्छ इंसान द्वारा सुधारे जाने पर नम्र बने रहना बहुत कठिन है। इस खुलासे पर तुम्हारी प्रतिक्रिया वचन और भाई ब्रन्हम के संदेश के प्रति तुम्हारे सम्मान को प्रकट कर देगी। और प्रश्नों का उत्तर देने की तुम्हारी घोषित नीति के प्रति तुम्हारी प्रतिबद्धता भी इससे प्रमाणित हो जाएगी।

पास्टर कोसोरेक की प्रतिकिया
(निन्दा योग्य कुपंथों का खुलासा के उत्तर)
कुपन्थीय लेखन संख्या 691–705
दूसरा अध्याय

पास्टर कोसोरेक 1: मैं केवल आपसे नाम पूछ रहा हूँ, क्योंकि आपने एक बात कही है परन्तु उससे सम्बन्धित कोई प्रमाण पेश नहीं किया। और इसके अतिरिक्त कलीसिया काल पुस्तक में प्रत्येक चीज स्वयं विलियम ब्रन्हम ने बोली, लिखी और सम्पादित की, इस लिए मैं सिर्फ पूछ रहा था, क्योंकि आपने कहा कि बहुतेरे लोगों को कलीसिया काल पुस्तक के कुपन्थों ने क्षति पहुँचाई है।

नि0 कु0 का खुलासा का जबाबः अ. नहीं मैं विश्वास नहीं करता हूँ कि आप सिर्फ पूछ ही रहे हैं क्योंकि आपके अहंकार और क्रोध ने आपके मुँह को गन्दा कर दिया है कि आप मुझ से मेरे निजि जीवन के विषय में, और मेरी पत्नि और विश्वासियों के निजि जीवन के विषय बाकायदा नाम लेकर पूछें, क्योंकि ना तो आप और ना ही डा0 वेले क0 काल पुस्तक के पृष्ठ 104 के कुपन्थ को वचन से पुष्ट कर सकते हैं, जहाँ यह लिखा है कि एक मनुष्य को अपनी पत्नि को तलाक देना अवश्य है यदि उसकी पत्नि व्यभिचार करती है। मैं आपको दोबारा चुनौती देता हूँ कि आप अपने कुपन्थ को वचन से प्रमाणित करें।

यह एक सामान्य बुद्धि की बात है यदि आप एक पत्नि को क्षमा न करने का प्रचार करेंगे, और लोग इस कुपन्थ का अनुसरण करें तो, आप लाखों घरों को उजाड़ देंगे। आपको किस प्रमाण की आवश्यकता है।

मेरे पास यह पुस्तक नहीं है केवल प्रभु ही रिकार्ड रखने वाला है। और यह आपका भद्दा पत्र है :

"पास्टर ब्रूस

मेरे पास जबाब तैयार है, परन्तु इससे पहले मैं उसे आप को भेजूँ, आपने कहा है कि कलीसिया काल पुस्तक की सामग्री ने लोगों और परिवारों का जीवन नष्ट कर दिया है। इससे पहले मैं आपको अपना उत्तर भेजूँ, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आप अपनी पत्नि से अपने विवाह का उल्लेख कर रहे हैं? और या आप किसी को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं जिनकी या जिनके परिवार का जीवन कलीसिया काल पुस्तक द्वारा नष्ट हुआ हो? भाई ब्रायन।"

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तर : मैंने एक सच्चरित्र स्त्री के साथ विवाह किया है, वह कभी एक व्यभिचारिणी नहीं थी, यदि वह होती भी, मैं कभी भी कलीसियाई काल पुस्तक के पृष्ठ 104 के कुपन्थ का अनुसरण नहीं करता।

हाँ मैं उन लोगों को जानता हूँ जिनके जीवन विवाह और तलाक के गलत अनुवाद के कारण नष्ट हो गए। यह कलीसिया के व्यक्तिगत मामले हैं। अनन्तता शेष उदघाटित करेगी। मैं आपके लेख के आने की प्रशंसा करता हूँ कि यह वार्तालाप जारी रह सकेगा। आपको शान्ति मिले।

आपका सेवक डाल्टन ब्रूस।

कुपन्थीय लेखन संख्या 691: "क0 का0 पुस्तक का प्रत्येक शब्द भाई ब्रन्हम के द्वारा बोला गया है।"

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः ब. कलीसिया काल पुस्तक का प्रत्येक शब्द भाई ब्रन्हम द्वारा नहीं बोला गया है। उसके टेप प्रमाण हैं। सब कुछ उनके द्वारा नहीं लिखा गया। वह लेखक नहीं प्रचारक था। सब कुछ भाई ब्रन्हम के द्वारा संपादित नहीं किया गया। वह संपादक नहीं था। वह यह कार्य नहीं कर सकता था, और उसने डा0 वेले की सहायता माँगी, जिसने तीन कुपन्थों को कलीसिया काल पुस्तक में घुसेड़ दिया। आप क्या मूर्खतापूर्ण बाते कर रहे हैं?

कुपन्थीय लेखन संख्या 692: "कलासिया काल पुस्तक की भ्रांतियों का खुलासा करने का अर्थ हैं कि नि0 कु0 का खुलासा भविष्यक्ता पर दोषारोपण कर रही है।

पास्टर कोसोरेक 2: जबकि सच्चाई यह है कि कुपन्थ तो आप में है जो भविष्यवक्ता की शिक्षाओं को दोषारोपित कर रहे हैं।

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः यह आपके द्वारा गढ़ा गया एक घृणित झूठ है, यह आपके विवेक के विरुद्ध है, जैसा कि आप मेरे वार्ता –लाप के द्वारा जानते भी हैं।

कुपन्थीय लेखन संख्या 693: "नि0 कु0 का खुलासा दावा कर रही है कि कलीसिया काल पुस्तक कुपन्थों से भरी हुई है।"

पास्टर कोसोरेक 3: जो भी हो संदेश के विरुद्ध होने का तुम्हारा भेद खुल गया है। और विलियम मेरियन ब्रन्हम के विरुद्ध तुम्हारी मनोवृत्ति कि, 'उसकी कलीसिया काल पुस्तक कुपन्थों से भरी हुई है, प्रकट हो गई है। यदि तुमने वास्तव में संदेश को समझा होता, और वास्तव में सत्य में तुम्हारा ध्यान होता, तो तुम कभी भी क0 काल पुस्तक के विरुद्ध कुपन्थों का लेखन नहीं करते.....

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः मेरे वर्तालाप का एक उद्धरण आप मुझे दिखाइये जहाँ मैंने कहा हो कि क0 का0 पुस्तक कुपन्थों से भरी हुई है। मैं तुम्हे चुनौती देता हूँ ! आप इसे प्रमाणित नहीं कर सकते हैं। तब आप एक झूठे हो।

मेरा कोई कुपन्थ नहीं जिसका उद्घाटन किया जाए। आपके सब कुपन्थों का खुलासा कर दिया गया है और भविष्य में किया जाता रहेगा।

आप संदेश के एवं ब्रन्हम के विरुद्ध हो, क्योंकि तुम डा0 वेले के तीन बड़े कुपन्था

का खुलासा करने वाले उसके उद्धरणों से फुटबाल खेल रहे हो।

"क0 का0 पुस्तक के विरुद्ध लिखे गए कुपन्थ।" यह एक और घृणित झूठ है। तुम्हारे पास एक झूठी आत्मा है। मैंने केवल डा0 वेले द्वारा क0 का0 पुस्तक में घुसेड़े गए तीन कुपन्थों के बारे में लिखा है।

कुपन्थीय लेखन सं. 694: "क0 का0 पुस्तक में पाई जाने वाली प्रत्येक शिक्षा सही है।"

पास्टर कोसोरेक 4: .....क्योंकि जैसा कि मैंने अपने शोध और वार्तालाप में दर्शाया है कि भाई ब्रन्हम ने उस पुस्तक की प्रत्येक चीज की जिम्मेदारी ली है और यह उनके उपदेशों, और भाई वेले को भेजे गए पत्रों और उनकी लिखित प्रतिलिपियों जो उन्होंने भाई वेले को भेजीं थी से लिए गए है और इस पुस्तक को लिखने की प्रक्रिया के बहुत लोग गवाह हैं...

नि0 कु0 का खु0 का उत्तरः आपने मेरे साथ कोई वार्तालप नहीं किया है। आपने तो बस एक अहंकारपूर्ण उपद्रव किया और एक असभ्य सूअर की तरह व्यवहार किया।

आप फिर से झूठ बोल रहे हैं। आपने कभी भी भाई ब्रन्हम के टेप या उद्धरण नहीं दर्शाये, जिसमें उसने दावा किया हो कि क0 काल पुस्तक में सब कुछ सिन्द्धान्ततः सही है।

आपने भाई ब्रन्हम का कहा हुआ उद्धृत किया कि वह भाई ब्रन्हम ने कहा है। आप इतना झूठ बोलते हैं कि कोई कैसे आप पर विश्वास कर सकता है। आपने बहन ब्रन्हम की कही बात के विषय झुठ बोला।

मैंने बिली पॉल और रैबेका के क0 का0 पुस्तक के विषय में कहे वक्तव्यों को भी पढ़ा है। मैं विश्वास करता हूँ कि वे सच बोल रहे हैं, परन्तु वह भी क0 का0 पुस्तक में घुसेड़े गए तीन कुपन्थों को स्थापित नहीं करता है। यह कार्य केवल प्रभु कर सकता है। वचन ने इसे गलत साबित किया है। वे किसी को गलत या सही कहने के अधिकारी नहीं हैं, परन्तु वे अपना दृष्टिकोण प्रकट करने के लिए स्वतंत्र हैं।

कुपन्थीय लेखन सं. 695: "नि0 कु0 का खु0, भ्रांतियों का खुलासा करके कलीसिया काल पुस्तक पर, एक अनैतिक आक्रमण कर रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सम्पादक अपने लिए नाम कमाना चाहता है।

पास्टर कोसोरेक 5: ...और उस पुस्तक पर तुम्हारे दुष्ट आक्रमण तुम्हें चिन्हित करते हैं और ये खुलासा करते हैं कि तुम सत्य में रुचि रखते हो, परन्तु अपने लिए नाम कमाने का प्रयत्न कर रहे हो।

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तर : मैने क0 का0 पुस्तक में घुसेड़ी गई भ्रांतियो पर आक्रमण किया है। इसका प्रमाण कहाँ है कि मैं अपने लिए नाम कमाना चाह रहा हूँ? आप इस संसार के झूठे एवं एक न्यायी है। यदि आप भविष्यवक्ता की पत्नी के विषय झूठ बोल सकते हैं तो फिर में कौन हूँ।

पास्टर कोसोरेक 6: आपकी प्रतिक्रिया मैने सब के देखने के लिए अपनी वेबसाइट पर डाल दी है। मैनें तुम्हारा नाम उसमें शामिल नहीं किया है कि यदि तुम पश्चाताप करो, तो कोई नहीं जान पाएगा कि ऐसे कुपन्थ के लेखक तुम हो।

नि0 कु0 का0 खु0 का उत्तरः यह स्वीकरोक्ति तुम्हारे विरोध एवं अहंकारी चरित्र को वर्णित करती है। आप मेरे साथ एक मित्रता पूर्ण वार्ता में भाग ले रहे थे, इससे पहले यह समाप्त होता आप अपनी वेबसाइट पर लोगों के बीच मदद मागने हेतू भागे चले गए। आप अपने आपको मेरी चुनौती स्वीकारने लायक मर्द साबित नहीं कर पाए तुम्हारी वह शेखी कहाँ गई कि मैं प्रश्नों के उत्तर केवल वचन और संदेश से दूँगा और अपना निजी मत नहीं प्रकट करुगाँ। तुम एक लज्जाहीन मनुष्य हो। मेरा नाम मेरे वार्तालाप के साथ प्रदर्शित करो क्योकि मैं इससे शर्मिंदा नहीं हूँ। मैं अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए सत्य का पश्चाताप करने से इंकार करता हूँ। मैं चाहता हूँ कि संदेश इन सब बातों को जाने। अपने बचाव को साम्हने लाओ तुम अपने आपको ही बेनकाब कर लोगे।

पास्टर कोसोरेक 7: यह अपने भाई के प्रति करने के लिए मसीही कार्य है। मैंने तुम्हें बेनकाब होने के अपमान से बचा लिया जो उस से कहीं ज्यादा होता जो तुम्हारे झूठो ने भाई वेले के लिए किया है।

नि0 कु0 का खुलासा का जबाबः जितने भी कुपन्थियों का मैंने
भेद खोला है वे वचन से तो मुझे शर्मिन्दा करने में नाकामयाब रहे हैं। मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ कि ऐसा प्रयास कर लो। तुम अपने अहंकारपूर्ण बचाव द्वारा अपना ही अपमान कर लोगे। तुम मुझे भयभीत नहीं कर सकते हो। विश्वास के एक नायक को तुम्हारे जैसे हजार कायरों को मारने में किस चीज का भय हो सकता है।

696: नि0 कु0 का खुलासा एवं इसके लेखक ने क0 का0 पुस्तक के विषय में कहे गए झूठों पर आँख मूँद कर विश्वास कर लिया है।

पास्टर कोसोरेक 8: भाई ब्रूस आपको अपने आचरण और क0 काल पुस्तक के विषय में कहे गए झूठों पर विश्वास करने की अपनी इच्छा पर शर्मिन्दा होना चाहिए.... . नि0 कु0 का खुलासा उत्तरः तुम्हारे जैसे व्यक्ति को आचरण के विषय में तो मुँह खोलना ही नहीं चाहिए। मैं अपने आचरण पर शार्मिन्दा नहीं हूँ , यह वचन के अनुसार एवं संदेश पर आधारित है। तुम्हें अपनी अहंकारी प्रतिक्रिया के लिए शार्मिन्दा होना चाहिए कि वह बिना वचन के समर्थन के है। स्वयं की आत्मिकता सम्बन्धी नीति की तुम्हारी शेखी कहाँ चली गई?

कुपन्थीय लेखन सं. 697: "नि0 कु0 का खुलासा के लेखक ने अपनी पुस्तके लिखने से पूर्व इससे सम्बन्धित गृह कार्य नहीं किया है।"

पास्टर कोसोरेक 9: .....परन्तु यह दर्शाता है कि आपने अपनी पुस्तके लिखने से पहले ग्रहकार्य नहीं किया है।

नि0 कु0 का उत्तरः मैं अपने ग्रह कार्य की डींगे नहीं हाँकता। यदि तुम ग्रह कार्य करते होते, तो तुम क0 का0 पुस्तक की तीन भ्रांतियों पर ध्यान दे पाते। मैंने 1972 से उन्हें देखा है यदि मनुष्य हिज्जे नहीं जोड़ सकता तो निश्चित हैं कि वह अच्छी तरह से पढ़ और समझ नहीं सकता। यह वचन के प्रति तुम्हारे लापरवाह रवैये को प्रकट करता है।

कुपन्थीय लेखन सं. 698 : "क0 का0 पुस्तक में भ्रांतियाँ घुसेड़ने का डा0 वेले पर आरोप लगाना एक बड़ी भूल है।"

पास्टर कोसोरेक 10: मैं सिर्फ यह कह सकता हूँ कि डा0 वेले पर भ्रांतियाँ घुसेड़ने का आरोप लगाना तुम्हारी एक बड़ी भूल है। यह शुरु से आखिर तक भाई ब्रन्हम की पुस्तक हैं।

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः मैंने कभी डा0 वेले पर क0 काल पुस्तक का आरोप नहीं लगाया है। मैंने केवल कुपन्थों को उन पर आरोपित किया है, और यह तुम जानते हो। उस पुस्तक पर लेखक के रूप में भविष्यवक्ता का नाम है। आरम्भ से अन्त तक वह भाई ब्रन्हम की पुस्तक है, केवल उन कुपन्थों को छोड़ कर जो डा0 वेले ने उसमें घुसेड़ी हैं।

पास्टर कोसोरेक 11: उसके परिवार में से किसी से पूछो, या कोई जो उसे जानता हो। आपको उस पुस्तक के विषय और अधिक गहनता से जाँच पड़ताल करनी चाहिए। जार्ज स्मिथ या बिली पॉल या भाई ब्रन्हम के किसी नजदीकी मित्र से सम्पर्क कर सकते हो, जो कि तुम और झूठ के तुम्हारे स्त्रोत करेंगे नहीं क्योंकि डा0 वेले के विरुद्ध गढ़े गए तुम्हारे दोषों को तुम्हे स्वीकार करना पड़ेगा।

नि0 कु0 का खुलासा : मुझे किसी से क0 का0 पुस्तक के विषय में पूछने की आवश्यकता नहीं है। यह भाई ब्रन्हम की पुस्तक है, बस केवल विषय सामग्री में डा0 वेले द्वारा कुपन्थ घुसाए गए हैं। तुम मुझे झूठा साबित नहीं कर सकते हो, तुम इस झूठ को अपने बचाव के लिए प्रयोग कर रहे हो।

कुपन्थीय लेखन सं. 699: "नि0 कु0 का खुलासा के सारे आरोप भविष्यवक्ता, प्रभु और "यहोवा यूँ फरमाता है" के खिलाफ गढ़े गए हैं।"

पास्टर कोसोरेक 12: .....भाई वेले पर आपने जो आरेप गढ़े हैं, वास्तव में वह स्वयं प्रभु के भविष्यवक्ता, और इस प्रकार स्वयं प्रभु पर उसके यहोवा यूँ फरमाता वाले वचन पर गढ़े गए हैं जिसे आपने उस पुस्तक में देखा है और आपने सीधे भाई ब्रन्हम के वक्तव्यों को विवादित कर दिया है.....

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः मैंने "यहोवा यूँ फरमाता है" को विवादित नहीं कहा है परन्तु केवल डा0 वेले द्वारा क0 का0 पुस्तक में घुसाई गई भ्रांतियों को। आप मेरे खण्डनों से बचाव नहीं कर सकते हैं, इसलिए तुमने घृणित झूठों का और अपने पत्र के द्वारा झूठे आरोपो का आश्रय लिया है।

पास्टर कोसोरेक 13: .....और उसके अपने हस्तलेख में जो उसने डा0 वेले के साथ पत्राचार किया था, जिसे तुमने देखा नहीं है और कभी देखोगे भी नहीं।

नि0 कु0 का खुलासा का उत्तरः मैं तुम्हे चुनौती देता हूँ और डा वेले को भी कि आप भाई ब्रन्हम के लेखों द्वारा प्रमाण पेश करें कि क0 का0 पुस्तक में डा0 वेले द्वारा घुसाए गए तीन मुख्य कुपन्थों को भाई ब्रन्हम ने सिखाया था। वे वचन में नहीं पाये जाते हैं और भविष्यद्धक्ता की शिक्षाएं केवल प्रभु के वचन पर आधारित हैं।

आप एक छोटे लड़के की तरह व्यवहार कर रहे हैं जो कब्रिस्तान से गुजरते वक्त भय को अनदेखा करने के लिए सीटी बजाता रहता है आपके पास ऐसा कोई साहित्य नहीं है और ना ही आप उसे दिखा सकते हैं। इसे अपने बचाव के रूप में प्रकाशित कर दो : मैं पश्चाताप कर लूँगा। थिस्सुलिनिकियों में कुपन्थी पौलुस के पत्रों की ऐसी ही शेखी मारते थे। बिल्कुल यही आत्मा तुम्हारे ऊपर है।

कुपन्थीय लेखन सं. 700: नि0 कु0 का खुलासा ने प्रभु के नबी
की शिक्षाओं पर प्रश्न चिन्ह लगाया है।

पास्टर कोसोरेक 14: इसलिए मेरे भाई, और मैं अभी भी तुम्हें अपना भाई कहता हूँ, या तो तुम पश्चाताप करो या नाश हो जाओ क्योंकि तुमने प्रभु के भविष्यवक्ता पर सवाल उठाया है जबकि यह उसी की पुस्तक है। बात ऐसी है कि तुम उस प्रक्रिया और चार वर्षो के कष्टदायक कार्य को नहीं जानते हो जो भाई ब्रन्हम ने यह सुनिश्चित करने के लिए किया कि जो भी शिक्षा वह देते हैं वह इस पुस्तक में बिल्कुल सही लिखी गईं हों।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तरः मैंने कभी भी भविष्यवक्ता की शिक्षाओं पर प्रश्न नहीं उठाये हैं। परन्तु डा0 वेले के कुपन्थ प्रश्न पूछे जाने लायक हैं और गलत प्रमाणित हो चुके हैं। जी हाँ, भाई ब्रन्हम ने जो भी सिखाया सब सही है, परन्तु तीन बड़े कुपन्थ गलत हैं और वह उनके नहीं हैं।

कुपन्थीय लेखन सं0 701: "नया जन्म और पवित्र आत्मा का
बपतिस्मा के अलग–2 होने की भविष्यवक्ता की शिक्षा की पवित्र आत्मा ने भूल सुधारी थी।

पास्टर कोसोरेक 15: और वास्तव में बपतिस्में और नये जन्म का मसला भाई ब्रन्हम और डा0 वेले के मध्य रात्रि भर हुए एक वार्तालाप का नतीजा था, जिस प्रक्रिया के मध्य में पवित्र आत्मा ने भाई ब्रन्हम की नये जन्म सम्बन्धी शिक्षा में सुधार किया था, और भाई ब्रन्हम ने इसे एक टेप में कहा भी है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : ऐसा प्रतीत होता है कि आप कह रहे हैं कि पवित्र आत्मा ने प्रभु के भविष्यवक्ता का नये जन्म और पवित्रात्मा के बपतिस्में की शिक्षा में सुधार करने के लिए डा0 वेले का प्रयोग किया। असम्भव ! भाई ब्रन्हम ने ऐसा कभी नहीं कहा। मैं तुम्हें यह उद्धरण प्रस्तुत करने की चुनौती देता हूँ । यह एक झूठ है। डा0 वेले ने इस विषय में कहा हैं कि यह चार घंटों की बैठक थी। तुमने इसे रात भर का वार्तालाप कहा है। कौन झूठ बोल रहा है? मैं विश्वास करता हूँ ये तुम हो। इस कुपन्थ के द्वारा तुमने डा0 वेले को

भविष्यवक्ता से ऊपर ठहरा दिया है।

कुपन्थीय लेखन सं0 702: "नि0 कु0 का खु0 के लेखक ने क0 का0 पुस्तक की प्रमाणिकता के विषय में एक झूठ सुन लिया है।"

पास्टर कोसोरेक 16: परन्तु क्योंकि तुमने पुस्तक की प्रमाणिकता के विषय में कुछ अफवाहें सुन ली, तुमने उनपर विश्वास करना चुना न कि उनके स्त्रोतों की खोज करना।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुमने अपने आप को इस संसार का न्यायी बना लिया है। तुम मुझे प्रमाण दो कि मैंने पुस्तक के विषय में झूठ और अफवाहों को प्राप्त किया है। पास्टर कोसोरेक तुम एक गैर जिम्मेदार छोटे लड़के की तरह बात करते हो। तुम अपने झुंड को कैसे सम्हालते हो? तुम्हें समझदार लोगों से अपमान ही मिलेगा।

कुपन्थीय लेखन सं0 703:"नि0 कु0 का खु0 पूरी तरीके से आग में झोंके जाने योग्य है क्योंकि यह सत्य की खोज के लिए नहीं परन्तु इसके लेखक की प्रसिद्धी बढ़ाने के लिए है।"

पास्टर कोसोरेक 17: .....और इस के द्वारा तुमने यह परमाणित कर दिया है कि तुम्हारा कार्य आग में झोंके जाने योग्य है और यह सत्य की खोज के लिए नहीं परन्तु तुम्हारी अपनी प्रसिद्धी को बढ़ाने के लिए है

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : एक और सांसारिक न्याय। आप प्रमाणित करो कि मैं नाम कमाना चाहता हूँ। मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ। जब तुम मेरी पुस्तक को जलाओगे तो तुम वचन और भाई ब्रन्हम के वक्तव्यों को जलाओगे, क्योंकि यह ही मेरे वार्तालाप का आधार है। यह तुम्हें संदेश का विरोधी बना देगा। कृपया अपने अहंकार पूर्ण बचाव को जलाओ मत, परन्तु उसे अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करो साथ ही डा0 वेले के तीन बड़े कुपन्थों के प्रति मेरे खण्डन को भी प्रदर्शित कर दो। मैं भूल गया था कि तुम मेरे वार्तालाप को अपना चेहरा छिपाने के लिए भी जला सकते हो।

पास्टर कोसोरेक 18 : और अब तुम विश्व के सामने बेपर्दा हो चुके हो। और अब यह इस ईमेल "जो कि तुम्हे पश्चाताप हेतु बुलाने के लिए है," के प्रति तुम्हारी प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है कि तुम्हारा नाम इस
वार्तालाप से अलग रखूँ या फिर मैं इसे 183 देशों के भाइयों के साम्हने प्रकट कर दूँ कि यह भाई कौन है.....

नि0 कु0 का खु0 का उत्तरः कृपया मेरे द्वारा खुलासे किए गए कुपन्थों और खुलासों पर मेरा नाम लिख दें। और अपनी प्रतिक्रिया पर अपना नाम। यह एक झूठ और अहंकार से भरा पत्र है। आप उन्हें संसार के सारे देशों में प्रकाशित करें।

कुपन्थीय लेखन सं0 704: डा0 वेले द्वारा क0 काल पुस्तक में घुसाई गई भ्रांतियों को चुनौती देने के प्रयास में नि0 कु0 का खुलासा ने एक प्रमाणित भविष्यवक्ता की शिक्षाओं को चुनौती दे दी है।

पास्टर कोसोरेक 19 : वह कौन भाई है जो प्रभु के प्रमाणित भविष्यवक्ता की शिक्षाओं को चुनौती देगा। क्योंकि यह वार्तालाप दर्शाता है कि संदेश के विषय में तुम

कितना कम जानते हो, साथ ही सत्य को खोजने का तुमने कितना कम प्रयास किया है, क्योंकि इससे पहले कि यहाँ तक कि तुम स्पष्टीकरण माँगते, तुमने सत्य को भ्रांति करार दे दिया और इसे शैतान द्वारा गढ़ा कह दिया.....

नि0 कु0 का खु0 का उत्तरः यह एक और झूठ है मैंने कभी भी भविष्यवक्ता की शिक्षाओं को चुनौती नहीं दी। या तो अपने वक्तव्य को प्रमाणित करो या फिर मुझे तुम्हें झूठा कहने का पूरा हक है। मैंने शैतान के कुपन्थों को "असत्य" कहा। तुमने भी ऐसा ही किया है। मेरे पास सत्य है ; मुझे इसे खोजने की आवश्यकता नहीं है।

कुपन्थीय लेखन सं0 705: "नि0 कु0 का खु0 के लेखक को क0 का0 पुस्तक में डा0 वेले द्वारा घुसाई गए कुपन्थों का खुलासा करना बड़ा महंगा पड़ेगा।"

पास्टर कोसोरेक 20:...और इसके लिए तुम्हे बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। अब मैं तुम्हारे खिलाफ एक गवाह हूँ और श्वेत सिंहासन के न्याय के समय मैं तुम्हारे विरुद्ध गवाही देने हेतु खड़ा रहूँगा, यदि तुम ने पश्चाताप ना किया तो।

मुझे प्रसन्नता है कि प्रभु ने तुम पर दया की कि तुम अपने अविश्वासों का खुलासा कर सको जबकि तुम पश्चताप करने के लिए अभी जीवित हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तरः नीतिवचन 26:2 (वैसे ही व्यर्थ शाप नहीं पड़ता)

जी हाँ, हम श्वेत सिंहासन के न्याय के समय मिल सकते हैं। मेरे पास तब भी यही सच होगा कि डा0 वेले ने भाई ब्रन्हम की कलीसियाई काल पुस्तक में तीन बड़े कुपन्थ अन्तःक्षेपित करे हैं, और पास्टर कोसोरेक ने अपने विनाश के लिए उन पर आँख मूँद कर विश्वास किया है। एक दीनता भरे पश्चाताप के द्वारा इस बड़ी निराशा से अपने आप को बचा लो, जबकि अभी तुम जीवतों में पाए जाते हो।

परिचय

तीसरा अध्याय

तीसरे अध्याय का परिचय, बैथेल प्रभु के घर में 20/10/2008 को वार्तालाप की समाप्ति पर प्रचारा गया।

2. कुरन्थियों 10: 3–6 क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते।

(आंख के बदले आंख नही, दांत के बदले दांत नही, लहू के बदले लहू नहीं और हिंसा के बदले हिंसा नहीं)

क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिए प्रभु के द्वारा सामर्थी हैं। सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो प्रभु की पहचान के विरोध में उठती है, खंडन करते है ; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का

आज्ञाकारी बना देते हैं। और तैयार रहते हैं कि जब तुम्हारा आज्ञा मानना पूरा हो जाए, तो हर एक प्रकार की आज्ञा न मानने का पलटा लें।

कल रात्रि आपने एक उदाहरण देखा जब एक व्यक्ति को वचन के द्वारा घेर लिया गया तो कैसे उसने सांसारिक हथियारों का प्रयोग किया। उस व्यक्ति ने वचन का पूरी तरह त्याग कर दिया, भविष्यद्धक्ता के उद्धरणों का त्याग कर दिया, और झूठों का प्रतिपादन शुरु कर दिया। जब आप इन सांसारिक मनुष्यों से लड़ाई आरम्भ करते हैं तो यह सांसारिक हथियारों ; शैतानी विधियों का प्रयोग करते हैं।

प्रभु की संतानों, सेवको, किसी भविष्यद्धक्ता या का इस धरती पर किसी भी व्यक्ति से लड़ने का शैतान का सबसे बड़ा उपकरणः मैं अचरज में हूँ यदि किसी को यह सबसे बड़ा उपकरण पता हो (कलीसिया कहती है,''झूठ''!) ओह, आप लोग तीक्ष्ण बुद्धि वाले हैं! जी हाँ, झूठ! यह शैतान का सबसे ताकतवर हथियार है। उसने इसे स्वर्ग में आरम्भ किया और उसने एक झूठ बोला। वह नीचे अदन में उतर कर आया और उसने एक झूठ बोला। प्रत्येक संदेश वाहक जो प्रभ ने भेजा, उसने उनके लिए झूठ कहा। अब, यह सबसे ताकतवर हथियार है जो शैतान सत्य के विरुद्ध उपयोग कर सकता है ; यह झूठ बनाम सत्य है ; परन्तु तब सत्य आता है और निन्दनीय कुपन्थों का खुलासा करने की लड़ाई में झूठ को हरा देता है।

अतः अब जो पहला कार्य वह आरम्भ करता है वह है झूठ बोलना। क्या आपने ध्यान दिया कि शैतान ने किस रीति से यूसुफ के लिए झूठ बोला। और उस झूठ बोलने के द्वारा वह यूसुफ को कैदखाने में डालने में कामयाब हुआ। क्या आपने ध्यान दिया कि शैतान ने यीशु के लिए किस प्रकार झूठ बोला, उसने कहा कि वह हुकूमत को उखाड़ फेंकने जा रहा है और अन्य बहुतेरी बातें, और कि उन्होंने उसे ईशनिन्दा करते सुना है? यह सब झूठ था।

अब, शैतान प्रभु के सत्य वचन से लड़ने के लिए झूठ बोल रहा है। हमने कल रात्रि एक उदाहरण देखा, कि किस प्रकार एक बड़ा व्यक्ति झूठ बोल सकता है और प्रभु के वचन को तोड़ सकता है जब आप दुष्ट से लड़ते हैं तो ध्यान दें कि वह अहंकारी हो जाता है और तब उसे क्रोध आता हैं। जब भी आप क्रोध को आता हुआ देखते हैं, और तब वह वचन को तोड़ते मोड़ते हैं और वे झूठ बोलना आरम्भ कर देते हैं, इसके पश्चात और भी बातें आती हैं जैसे कि हिंसा और लहू बहाना। ठीक है मुझे कुछ देर के लिए रुकने दें।

यह खेल यीशु के जीवन के साथ भी खेला गया। क्या आपने ध्यान दिया कि यीशु और फरीसियों के मध्य तर्क वितर्क हुआ था और वह उसे कुपन्थों के द्वारा हरा नहीं सके थे? सत्य ने उन्हें नीचा दिखा दिया था, और उन्होंने कहा, "केवल एक तरीके से हम एक मनुष्य को सबक सिखा सकते हैं कि हम इसे मारने की योजना बनाएं।

यह इस तरह होता है कि जब शैतान की ओर से एक मनुष्य सत्य के विरुद्ध खड़ा नहीं रह पाता तो वह राजनीति एवं संसार के हथियारों का सहारा लेकर सत्य को एवं सत्य को प्रकट करने वाले व्यक्ति को नष्ट करना चाहता है।

अतः बिल्कुल उसी आत्मा को आप आज भी देखते हैं, जो फरीसियों की तरह तर्क

कर रहे हैं। यह बिल्कुल वही आत्मा हैं जो आपको विश्व गिरजा संघ को बेच देंगे और कहेंगे कि यह ग्रेस कवनैन्ट कलीसिया, वाटसन और बैथेल असली कुपन्थ है और वे आपको पुलिस के हाथों में सौंप देंगे। आज रात्रि मैं जो आपसे कह रहा हूँ उसे आप बिलकुल भी कम करके न आकें।

जब एक मनुष्य ठोस सत्य को अस्वीकार कर दे और झूठ का अविष्कार करे और सत्य को नष्ट करने की खतरनाक योजना बनाए, तो वह वो संभावित व्यक्ति है जो आपका लहू भी बहा सकता है। इस धरती पर ऐसे मनुष्य मौजूद हैं जिन्हें यदि अवसर मिले तो वह मेरा दीवा बुझा दें, परन्तु मुझे इस धरती के ऊपर एक निश्चित समयावधि दी गई है कि मैं प्रभु के वचन के सत्य को साम्हने लेकर आऊँ। हाँ, मैं विश्वास करता हूँ कि मैं पवित्रात्मा के अगली बार उँडेले जाने तक इस पृथ्वी पर बना रहूँगा। मैं सिर्फ यह विश्वास करता हूँ। यह मुझे प्रभु ने कभी नहीं बताया, परन्तु मैं ऐसा विश्वास करता हूँ। यदि भाई रोज़र बानवें वर्ष की आयु में यह विश्वास रख सकते हैं तो मेरे विषय में क्या ?

अतः अब, आपने कल रात्रि प्रभु के प्रकाशन को प्रमाणित होते हुए देखा और यह कि यह अपराजय है। अब, जब आप इस प्रकार के प्रचार को सुनते हैं ; तो यह केवल युवाओं में सुधार या वचन का क, ख, ग नहीं होता, जैसे हम प्रश्न एवं उत्तरों में करते हैं। हम जबाब की प्रतीक्षा कर रहे प्रश्नों के ढेर को एक ओर रखते हैं : और हम ताकतवर मांस की ओर आते हैं। यह प्रभु के वचन को सुनिश्चित करता है। और विश्वास प्रभु के वचन को सुनने से आता है। ऐसे संदेश और शिक्षाएं कलीसिया को व्यवस्थित करते हैं। और जब आप देखते हैं कि वचन की छोटी सी कुल्हाड़ी किस प्रकार बड़े–2 वृक्षों को काट देती है, तब आपके हृदय में विश्वास में वृद्धि होती है और आप को यह पता चलता है कि आप कहाँ खड़े हैं और कहाँ जा रहे हैं। आप जानते हैं कि आप आत्मा के उँडेले जाने के योग्य हैं, आप जानते हैं कि आप सही कलीसिया में हैं। आप जानते हैं कि आप सही पास्टर की अगुवाई में हैं। हमारे पास प्रभु का वचन है यह विश्वास का निर्माण करता है। प्रार्थना सभा के समाप्त होने पर आपका घर जाने का मन नहीं करता, आपका बस भाईयों से मिलने का मन करता है। आपको अपने निष्ठावान चरवाहे से मिलना होता है।जी हाँ,यह तब होता है जब विश्वास के स्तर की आपके हृदय में वृद्धि होती है। इसी कारण से आप ऐसा महसूस कर रहे होते हैं। अतः अब शैतान गन्दे तरीके से लड़ता है। और यही इस व्यक्ति ने किया। उसने एक गन्दी लड़ाई लड़ी, परन्तु हमने प्रभु के प्रकाशन को सामर्थ में आते देखा।

और यहाँ पर एक प्रोत्साहित करने वाला कारक भी है जिस पर मैं अभी जोर देना चाहूँगा। इस व्यक्ति के पास अपने अहंकार का एक कारण है, और वह अब राजनीतिक रूप से लड़ना चाह रहा है, और साथ ही झूठ, क्रोध और अहंकार के साथ लड़ने का प्रयत्न कर रहा है कि उसके खुलासे का प्रकाशन ना कर दिया जाए। उसमें एक झूठी अवधारणा है और वह यह है कि भाई ब्रन्हम के पश्चात अगला अनुसरणकर्ता डा0 वेले है और डा0 वेले के पश्चात कोसोरेक है। सो जब मैने डा0 वेले को स्पर्श किया, तो उसने उसके क्रोध को भड़का दिया, क्योंकि यदि मैं डा0 वेले और उनकी शिक्षाओं को हरा देता हूँ, तो उसकी

अपनी सेवकाई भी हार जाती है। यह है जो उसके साथ हो रहा है। अतः वह विश्वास करता है कि वह धरती पर अकेला मनुष्य है जो डा0 वेले के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया है और डा0 वेले भाई ब्रन्हम के द्वारा। उसके पास उधार में लिया
धर्म है। पास्टर कोसोरेक मैंने तुम्हे आज बेनकाब कर दिया है तुम एक ढोंगी हो ! डा0 वेले ने भाई ब्रन्हम का अनुकरण नहीं किया है और तुम डा0 वेले का अनुकरण नहीं कर रहे हो। इस वार्तालाप ने तुम्हे बेपर्दा कर दिया है। इसने प्रमाणित कर दिया है कि तुम्हें वचन के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित नहीं किया गया है। अतः अब, दिमाग में इस बात को रखते हुए, तुम जानते हो मैं क्या व्यवहार कर रहा हूँ। मैं ऐसे मनुष्य के साथ व्यवहार कर रहा हूँ जो यह सोचता है कि वह प्रत्येक व्यक्ति से ज्यादा संदेश जानता है। वह सोचता है कि वह भाई ब्रन्हम और डा0 वेले के क्रम में है। वह अपने, सम्पूर्ण विश्व में जाने की शेखियाँ मारता है और सोच रहा है कि इस समय एक महान बेदारी के मध्य है। तुमने झूठ बोला। इस समय कोई बेदारी नहीं हो रही है और तुम्हारे पास कोई बेदारी है भी नहीं। एक बेदारी प्रभु के वचन के सामर्थ में होने की ओर इशारा करती है। कहाँ है सामर्थ ? "पवित्र आत्मा उँडेले जाने से पहले कोई बेदारी नहीं होनी है।" यह आत्मा यूँ कहता है वाला वचन है। इस संसार को बता दो कि पिन्तेकुस्त के दिन की तरह आत्मा उँडेले जाने से पहले कोई बेदारी नहीं होगी। पिन्तुकेस्त के दिन आत्मा उँडेले जाने के साथ ही दुल्हन की बेदारी आई थी। यह अपराजय प्रकाशन है। मुहरों की पुस्तक के पृष्ठ 253 पर भविष्यद्धक्ता ने कहा है, "कहीं भी कोई बेदारी नहीं है ; आप ऐसा सोचें भी नहीं। इसे सात गर्जन के साथ आना है।" और कोसोरेक के पास सात गर्जन का प्रकाशन नहीं है। यह शीघ्र ही लोगों के सामने खोले जाएंगे। ये कुपन्थीय दावों का खुलासा इस पुस्तक में बाद में किया जाएगा।

मैंने डा0 वेले को सार्वजनिक रूप से बेपर्दा किए जाने के लिए कोसोरेक को जिम्मेदार ठहराया। तुम एक बहुत ही घटिया व्यक्ति हो जिसने चौरानवे वर्ष के वृद्ध का इस प्रकार खुलासा किया और वह भी अपने अहं, अपनी मैं और अपनी महत्वाकाक्षांओं को तुष्ट करने के लिए जबकि मैं और अन्य सेवक, स्थानीय ओर विदेशी 1972 से इस वृद्ध मनुष्य की रक्षा करते आ रहे थे और मैंने उसके विषय में कुछ प्रकाशित नहीं किया ; भाई ब्रन्हम ने उसे कभी एक सार्वजनिक उदाहरण नहीं बनाया। तुमने अपनी घटिया आत्मा के साथ हमारे वार्तालाप को इंटरनेट पर प्रकाशित कर डा0 वेले का खुलासा कर दिया। और मैं सब कुछ सार्वजनिक किए जाने के लिए अब कृतज्ञ हूँ क्योंकि मुझे तुम्हारे घृणित झूठों से अपना बचाव करना है। और यह मुझे वह कारण प्रदान करता है कि मैं डा0 वेले के और कोसोरेक के सारे कुपन्थों को एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित करूँ और प्रभु के सच्चे सेवकों के रूप में हमारी रक्षा कर सकूँ। ठीक है। तो यह है जो उसने किया। जब मैंने उसे अपना उत्तर भेजा, इससे पहले कि वह मुझे कुछ बताये, उसने एक दूसरी प्रतिक्रिया की। उसने अपनी कलीसिया को गुप्त रूप से प्रचारा और इंटरनेट पर डाल दिया। तब उसने मुझे एक पत्र लिख कर कहा कि "अपनी प्रतिक्रिया को नेट पर देख लो।" और यह हमारा एक बिलकुल

व्यक्तिगत वार्तालाप था। और तब मैंने उसे बहुत डाँटा।

पास्टर कोसोरेक की वेबसाइट की प्रतिक्रिया
भ्रान्ति संख्या – 1
नि0 कु0 का खु0 का उत्तर
कुपन्थीय लेखन सं0 706 – 721

प्रिय पास्टर कोसोरेक,

यीशु नाम में प्रणाम। यह आपको सूचित करने के लिए है कि मुझे अपनी वेबसाइट प्रतिक्रिया तक पहुँचने में कुछ दिन लग गये।

मैं चकित हूँ कि तुम हमारे व्यक्तिगत वार्तालाप से बाहर कूद सकते हो, और जबकि यह अभी चल ही रहा था, तुमने इसे सार्वजनिक भी कर दिया। यह निश्चित ही एक कायराना कृत्य था कि अभी वार्तालाप समाप्त भी नहीं हुआ था और तुम इसे कलीसिया के सामने ले आए। और उस कायराना कृत्य के साथ ही तुमने मुझे सूचित किया कि मेरे प्रस्तुतिकरण के प्रति तुम्हारी प्रतिक्रिया तुमने वेबसाइट पर डाल दी है।

तुम्हारे मसीही सिद्धान्त कहाँ हैं ? यदि वह तुम्हारे पास नहीं हैं तो तुम्हारे पुरुषोचित सिद्धान्त कहाँ हैं ? तुमने ऐसे व्यक्ति की तरह व्यवहार किया जिसके शरीर में मेरुदण्ड के स्थान पर wishbone हो, और इस हद तक कि तुम्हें अपने बचाव और डा0 वेले के कुपन्थों के बचाव के लिए अपने लिए कलीसिया से सहायता और समर्थन माँगना पड़ा। और जैसे यही पर्याप्त नहीं था, तुमने अपनी वेबसाइट पर 'सहायता चाहिए' का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया। इसे तुम जान लो कि मैं तुम्हारे प्रचार से बिल्कुल डरता नहीं हूँ , परन्तु तुम्हारी सिद्धान्त हीन स्थिति से शर्मिन्दा अवश्य हूँ। तुम्हे उस बर्बर कार्य को उन लोगों के लिए छोड़ देना चाहिए जो अभी भी मगरमच्छों की पीठ पर सवारी करते और शेर की खाल के वस्त्र पहनते हैं। यहाँ केरेबिया में कुछ लोगों के मन में हमारी यही छवि है। वे सोचते हैं कि वे अपने कुपन्थों को हमारे हलक में ठूँस सकते हैं।

तुम्हारी वेबसाइट की प्रतिक्रिया में , मैंने ध्यान दिया कि तुमने प्रेम से भरे हुए मेमने की तरह व्यवहार किया है, जिसके अन्दर सहनशीलता, आदर और संयम कूट–कूट कर भरे हुए हों। परन्तु जब तुमने व्यक्तिगत रूप से मुझसे बात की तो तुमने एक भेड़िये की तरह मुझ से व्यवहार किया, जो अहंकारी, क्रोधी, गर्वीला, अपने शब्दों और सिद्धान्तों में अक्खड़ और मुझे श्वेत सिहांसन के न्याय में खड़ा करने को कृतसंकल्प था। तुमने अचानक कलाकारों वाला नकाब बदला और अपने सेवकों और 183 देशों से सहायता पाने के लिए भेड़ की खाल ओढ़ ली कि एक छोटे से मनुष्य से लड़ सको जिसने क0 काल पुस्तक के कुपन्थों की ओर संकेत किया है।

यह तुम्हारे दोहरे चरित्र और पाखंड को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है कि तुमने अपनी वेबसाइट पर अपनी पहली और अहंकार पूर्ण प्रतिक्रिया शामिल नहीं की है जो कुपन्थों से भरी हुई है। तुम्हारे कार्य भेड़ की खाल में भेड़िये के हैं। जो भी हो मैंने उन्हे प्रभु के वचन और मलाकी 4:5–6 के संदेश से सम्बोधित किया। मैं तुम्हारे द्वारा प्रकाशित किए गए कुपन्थों को खुलासा करने के लिए ढूँढ रहा हूँ। मैं कागज और स्याही खराब नहीं करता हूँ।

युद्ध के संसारिक हथियार

2.कुरन्थियों 10:4–5 क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिए प्रभु के द्वारा सामर्थी हैं। सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊँची बात को, जो प्रभु की पहचान के विरोधमें उठती है, खण्डन करते हैं ; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

युद्ध के तुम्हारे हथियार शारीरिक हैं। तुम्हारी प्रारम्भिक प्रतिक्रिया इस घृणित झूठ पर आधारित थी कि मैं भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं का
विरोध कर रहा हूँ और मैं संदेश और भविष्यवक्ता के विरुद्ध हूँ।

तुम्हारे वेबसाइट वाली प्रतिक्रिया में तुम न केवल हमारे वार्तालाप को 183 देशों और कलीसियाओं तक पहुँचाने के दोषी हो, परन्तु तुमने मेरे लेखो में काटछांट, परिवर्तन और उन्हें दूषित करने का कार्य किया है कि तुम मुझ पर ब्रन्हम विराधी होने का आरोप प्रमाणित कर सको। प्रत्येक स्थान पर जहाँ भी मैंने सम्पादक के रूप में डा0 वेले के नाम का प्रयोग किया, तुमने उसे भाई ब्रन्हम के नाम से बदल दिया। एक बहस को जीतने के लिए कितना बड़ा विश्वासघात किया। मैं निश्चिंत हूँ कि तुम्हारा विवेक बेहतर जानता है, और तुमने हमारे वार्तालाप के मध्य में मेरी घोषणा को पढ़ा हुआ है।

उद्घोषणा : नि0 कु0 का खु0 के सम्पादक की हैसियत से; यह बड़े सैद्धान्तिक मुद्दे भविष्यवक्ता की शिक्षाओं से असंगत हैं और वचन
विरोधी एवं भ्रान्तिपूर्ण हैं। यह हमारे वार्तालाप का मूल आधार है।

मैंने अपने आप को बिलकुल सुस्पष्ट कर दिया है कि मैं भाई ब्रन्हम की मूल कलीसियाई काल शिक्षाओं को चुनौती नहीं दे रहा हूँ, बल्कि संदेश के उनके प्रकाशन की रक्षा कर रहा हूँ। मेरा वार्तालाप पूर्ण रूप से डा0 वेले द्वारा कलीसिया काल पुस्तक में व्याकरण सम्बन्धी कार्य करते समय घुसाये गए तीन मुख्य कुपन्थो पर आधारित है। किसी का यह कहना या विश्वास करना झूठ होगा कि इस वार्तालाप का उद्देश्य भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं में सुधार करना है।

मैं दृढ़ता पूर्वक विश्वास करता हूँ कि सात कलीसिया कालों का प्रकाशन जो मलाकी 4:5–6 को दिया गया है, वह "यहोवा यूँ फरमाता है" वाला वचन है, परन्तु यह अपने में उन भ्रान्तियों को शामिल नहीं करता है जो इसके व्याकरणित संस्करण में घुसाई गई हैं।

इसलिए पास्टर, तुमने झूठ बोला है ; तुम्हे शर्म आनी चाहिए ! सत्य के विरुद्ध तुम्हारा

विश्वासघात इस बात का प्रमाण है कि तुम्हारे पास अपनी लड़ाई लड़ने के लिए प्रभु के वचन की तलवार नहीं है। इस कारण तुमने हमारे वार्तालाप की गोपनीयता को भंग कर दिया और अपनी वेबसाइट के द्वारा समर्थन पाने की कोशिश में सारे संसार में सम्पर्क करते रहे।

इस कायरतापूर्ण कृत्य को आगे बढ़ाते हुए, क0 का0 पुस्तक में घुसाए गए कुपन्थों का बचाव करने के लिए तुमने ढेर सारे कुपन्थों का अविष्कार कर लिया। एक कुपन्थ दूसरे कुपन्थ का बचाव नहीं कर सकता है। इस प्रकार तुम्हारा रक्षा करना काम नहीं आया। सत्य तुम्हारे सारे कुपन्थों के ऊपर प्रबल होगा। तुम्हारा खुलासा उन 183. देशों, तुम्हारी कलीसिया और संदेश जगत के सम्मुख हो जाएगा।

इतिहास–कलीसिया काल पुस्तक

कलीसिया काल पुस्तक के विस्तृत इतिहास के लिए आपका धन्यवाद। आपको मुझे यह प्रमाणित करने के लिए कि, 'क0 का0 पु0 डा0 वेले की नहीं परन्तु भाई ब्रन्हम की पुस्तक है,' इतनी परेशानी उठाने की आवश्यकता नहीं थी। मैं विश्वास करता हूँ कि उन्होंने भविष्यवक्ता के लिए इस पुस्तक को लिखा और सम्पादित किया है। इस पुस्तक पर लेखक के रूप में भाई ब्रन्हम को नाम है। मैं देख रहा हूँ कि तुम मुझे उन लोगों के साथ जोड़ने के प्रचंड प्रयास कर रहे हो जिन्होने कलीसिया काल पुस्तक को डा0 वेले की पुस्तक समझ कर अस्वीकार किया है, और इसको विस्तार देते हुए तुम यह प्रमाणित करना चाहते हो कि मैं सम्पूर्ण पुस्तक और यहाँ तक कि भविष्यद्धक्ता से लड़ रहा हूँ। यह शैतान के द्वारा रचा गया एक बेईमान, पाखंडपूर्ण झूठ है।

क0 का0 पुस्तक के इतिहास के वर्णन में पुस्तक के सम्पादक के रूप में तुमने भाई ब्रन्हम का नाम वर्णित किया है जो गलत है। यह निष्कर्ष कि भविष्यद्धक्ता ने इस पुस्तक को "यहोवा यूँ फरमाता" वाला वचन कहा है, वास्तव में यह भविष्यद्धक्ता ने स्वयं नहीं, परन्तु दूसरों ने जो कहा था उस पर आधारित है, संदेश के उद्धरण इसको प्रमाणित करते हैं। डा0 वेले की प्रतिष्ठा के समर्थन के लिए जो तुमने गवाहों के उद्धरण दिये हैं उन पर विश्वास नहीं किया जा सकता, तुम ने बहन ब्रन्हम के वक्तव्य के विषय में भी झूठ बोला है। वह उस बात को विनीत विचारात्मक तरीके से बोलीं थीं और तुमने इसे स्वीकारोक्ति के रूप में बोला है।

पास्टर कोसोरेक का वक्तव्य : "अब, मैं भाई वेले को 26 वर्षो से जानता हूँ और जानता हूँ कि उन्होने क्या शिक्षा दी है। और ज्यादा मैं यह भी जानता हूँ कि भाई ब्रन्हम ने उनके विषय में क्या कहा था। और स्वयं बहन मीडा ने अपनी मृत्यु से एक महीना पहले मुझसे बात की और पुष्टि की कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, "ली. वेले के समान और कोई मनुष्य मुझे या मेरे संदेश को नहीं समझा है।" (ब्रायन कोसोरेक की गवाही)

पास्टर कोसोरेक का वक्तव्य : बहन ब्रन्हम की मृत्यु होने से एक माह पहले मैंने उनसे पूछा, "क्या भाई ब्रन्हम ने कभी ऐसा कहा था, "कोई मनुष्य ऐसा नहीं है जो ली. वेले के समान मेरी सेवकाई और संदेश को समझा हो।" और उन्होने उत्तर दिया, "भाई, उस कार दुर्घटना के पश्चात मेरी स्मरण शक्ति का बहुत ह्रास हो गया है, परन्तु हो सकता है कि उन्होने कहा हो, परन्तु वह ली. वेले का बहुत सम्मान करते थे" (पास्टर कोसोरेक की वेबसाइट से)

श्रद्धेय कोसोरेक भविष्यद्धक्ता की पत्नि के यह शब्द क्या तुम्हारे द्वारा दी गई डा0 वेले की प्रशंसा की स्वीकोरोक्ति लगते हैं। उस बेचारी बहन ने अपने को वचनबद्ध नहीं किया, उन शब्दों का प्रयोग कभी नहीं किया जो तुम कर रहे हो, उसने कभी भी भविष्यद्धक्ता को उद्धरित नहीं किया। यह उस बड़े आदमी का भंयकर झूठ है जो डा0 वेले का प्रति–
निधित्व कर रहा है। यह तुम्हारी आत्मा को प्रकट करता है यह झूठ की आत्मा है, तुम्हारे बचाव के लिए जिसका झुकाव केवल एक बात की ओर है और वह यह है कि भाई ब्रन्हम ने डा0 वेले के विषय में क्या कहा था। हम डा0 वेले से प्रेम करते हैं परन्तु तुम्हारे झूठों से हमें घृणा है।

कलीसिया काल पुस्तक के प्रकाशन और भविष्यद्धक्ता की मृत्यु के बीच जो थोड़ा समय अन्तराल था वह उन्हें यह अवसर कभी नहीं दे सकता था कि वह इस पुस्तक की विषय सामग्री को गहनता पूर्वक जांच पाते। यदि उन्होंने ऐसा किया होता तो प्रभु के भविष्यद्धक्ता होने के नाते उन तीन बड़े कुपन्थों पर उनका ध्यान अवश्य जाता। मैं इन विषयों पर उनकी मूल शिक्षाओं को थामे हुआ हूँ जिसमें उन्होंने इन कुपन्थों का स्पष्टता से इन्कार किया है। कलीसिया काल पुस्तक का तुम्हारा इतिहास, कि यह कैसे लिखी गई और वह भूमिका जो भविष्यद्धक्ता ने निभाई, वह सत्य का और वचन और भविष्यद्धक्ता के संदेश द्वारा कुपन्थों के खुलासे का स्थान नहीं ले सकते। उसने बिना किसी हिचक के इन शिक्षाओं की निन्दा की और मैं भी ऐसा ही करुँगा।

तुम्हारे बचाव के आधार यह हैं : 1. घृणित झूठ ; 2. नये कुपन्थों का अविष्कार ; 3. साधारण वचनो का बड़े पैमाने पर दूषित करण ; 4. कलीसिया काल पुस्तक में घुसाए गए तीन बड़े कुपन्थों पर डा0 वेले की शिक्षाओं का इंकार ; 5. शैतान के प्रेम संदेश को प्रयोग में लाना।

विवाह एवं तलाक–क0 काल पुस्तक–पृष्ठ 104–

भ्रान्ति संख्या एक :

आगे अपने बचाव में तुमने पुष्टि की कि तुम इन कुपन्थों में विश्वास करते हो जो कहते हैं :

अ. यदि कोई स्त्री व्यभिचार करती है तो वह अपने पति की विवाहिता स्त्री नहीं रह

पाएगी।

ब. रोमियों 7:3 का अर्थ वह नहीं है जो दिखाई देता है।

स. एक तलाकशुदा स्त्री विवाह कर सकती है ; व्यवस्था विवरण 24:1–4 का अर्थ वह नहीं है जो दिखाई देता है।

यह बिलकुल स्पष्ट है कि इस विषय पर तुमने डा0 वेले का नाम हटाकर भाई ब्रन्हम का नाम प्रयोग नहीं किया है, जैसे मैंने अपने वार्तालाप में निर्दिष्ट किया था। तुमने यह एक विशेष कारण से किया है। तुम्हारे विवेक को एक चीज कचोट रही है। तुम भाई ब्रन्हम का नाम इन कुपन्थों के साथ जोड़ना नहीं चाह रहे हो। तुम भयभीत हो। यह दर्शा रहा है कि तुम उससे बेहतर जानते हो जो तुम्हारे होंठ कह रहे हैं। तुम जानते हो इस विषय पर डा0 वेले की शिक्षाएं गलत हैं, और तुम पाखंड पूर्वक उनका बचाव करने का प्रयत्न कर रहे हो।

कुपन्थीय लेखन सं0 706 : भाषा प्रेम रहित और डंक मारने वाली है।

पास्टर कोसोरेक : मैं यह अवश्य कहूँगा कि तुम्हारी भाषा डंक मारने वाली और बड़ी कठोर और उस व्यक्ति पर दोषारोपण करने वाली है जो तुम्हारे साथ मसीही प्रेम और आदर के साथ सम्पर्क करना चाह रहा हो। तुम शायद इस वार्तालाप को आरम्भ करने से पहले प्रेम और आदर के विषय में अध्ययन करना चाहोगे। (पृष्ठ 4 स्पोकन वर्ड –42 प्रश्न एवं उत्तर 44 क0 का0 पुस्तक विवाह और तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 – यह चकित कर देने वाली बात है कि तुम नहीं जानते कि यह वचन के अनुसार है। यीशु की भाषा में रोष पाया जाता था (मत्ती 23) ; इसे पढ़ें। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की भाषा कठोर थी, मैं अनुमान लगा सकता हूँ कि फरीसी उसे दिव्य प्रेम सिखाना चाहते होंगे। क्या यह तुम्हें सही लगता है कि वह या यीशु उसे स्वीकार कर लेते ? ''तुम घमंड में अकड़े और मन और कानो के खतनारहित लोग ; तुम हमेशा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो ; तुम्हारे पिता भी ऐसा करते थे और तुम भी ऐसा ही करते हो।'' क्या यह तुम्हारे प्रेम सुसमाचार के कुपन्थों के अनुसार है ?

कुपन्थीय लेखन सं0 707 : आदम के पाप से इंकार।

पास्टर कोसोरेक : तुम कहते हो कि आदम का पाप अपनी ही पत्नि के साथ व्यभिचार करना था, परन्तु जो कहा गया है वो यह बिलकुल भी नहीं है। (पृष्ठ 5, 42, प्रश्न एवं उत्तर 44 क0 का0 पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुमने इस वचन को विकृत कर दिया है, तुमने झूठ बोले हैं, और अब तुम डा0 वेले के संकेतों के अर्थो को पलट रहे हो। यह तुम्हारी बहुत ही बड़ी **बेईमानी है। अगर उसने ऐसा नहीं किया था तो वह व्यवस्था विवरण 24 के विधान की ओर संकेत करने के लिए उन सब कष्टों में होकर क्यों निकला ? तब मुझे बताओ कि आदम का पाप क्या था जिसकी ओर डा0 वेले ने संकेत किया है। प्रभु ने उसे अपनी पत्नि को त्यागने की आज्ञा कभी भी नहीं दी थी। आप वचन से इसे प्रमाणित नहीं कर सकते हैं।**

डा0 वेले ऐसा करने में असमर्थ थे अतः उन्होंने मूसा के विधान का उपयोग किया, जो कि उस समय लिखा भी नहीं गया था। अब तुम इसका इंकार कर रहे हो।

कुपन्थीय लेखन सं0 708 : आदम का पाप प्रभु की अवहेलना करना था।

पास्टर कोसोरेक : आदम ने जानबूझकर प्रभु के प्रति अनाज्ञा –कारिता की थी। उसे एक निश्चित कार्य न करने के लिए बोला गया था और उसने फिर भी वह किया, इस प्रकार पाप व्यभिचार नहीं, परन्तु प्रभु की आज्ञा ना मानना था। (पृष्ठ 5, 42 प्र0 एवं उ0 ए. 44 क0 का0 पु0 विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम धूर्तता पूर्वक मुद्दे को भटका रहे हो। हाँ यह अनाज्ञाकारिता थी, परन्तु किस आज्ञा की ? आदम ने भी फल खाया था। फल क्या है ? तुमने जानबूझकर इस तथ्य को छोड़ा है या यह इस तथ्य की पुष्टि करेगा। डा0 वेले ने कभी भी यह प्रचार नहीं किया कि यह अनाज्ञाकारिता थी। वह यह प्रमाणित करने की कोशिश कर रहा था कि, वह फल क्या है जो आदम ने खाया था। क्या तुम डा0 वेले से ज्यादा योग्य हो या प्रभु से विद्वान की उपाधि प्राप्त करने की आशा कर रहे हो। तुम मुझे बताओ कि वह फल क्या था जो आदम ने खाया था।

कुपन्थीय लेखन सं0 709 : व्यभिचारिणी स्त्री विवाहिता नहीं रह सकेगी।

पास्टर कोसोरेक : तुम वचन में गलती पर हो जब तुम यह कहते हो कि ''यह वचन विरुद्ध और भ्रमपूर्ण लगता है कि व्यभिचार करने पर स्त्री अपने पति की ब्याहता नहीं रह पाएगी। यह रोमियों 7:2 और 1.कुरन्थियों 7:39 पर आधारित है।'' (पृष्ठ 6, 42 प्र0 एवं उ0 44 कलीसिया काल पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं तुमसे इस वचन की मांग करता हूँ। तुम भाई ब्रन्हम का एक वक्तव्य लेकर आए हो जिसे तुम विकृत कर रहे हो। एक स्त्री का स्वमेव तलाक नहीं हो जाता है। उसने अपनी प्रतिज्ञा को तोड़ा है जो कि क्षमा योग्य है। तुम हाथों में पत्थर लिए खड़े फरीसियों की भांति व्यवहार कर रहे हो जो व्यभिचारिणी स्त्री को मारने के लिए तैयार खड़े हैं। यीशु ने कहा, ''जा अब और पाप न करना।'' तुम उसे पत्थर मारने को कह रहे हो। अगर तुमने कभी पाप न किया हो तो पहला पत्थर तुम मारो। फरीसियों के विवेक ने उस पर दोष लगाया था। तुम्हारा विवेक क्या कहता है। तुम्हें प्रेम के विषय में अध्ययन की आवश्यकता है मुझे नहीं। तुम उस स्त्री को दूर कर देने के विषय में प्रचार कर रहे हो क्योंकि तुम्हारा ह्रदय कठोर और क्षमाहीन है। कितने घरों, परिवारों और बालको के जीवन को तुम उजाड़ रहे हो ? केवल प्रभु ही जानता है। किसी को भी तुम्हारा कुपन्थ नहीं मानना चाहिए, न उन 183 देशों को और न उन 3000 सेवकों को जिनका नेतृत्व तुम कर रहे हो और बड़े अहंकार के साथ अपनी प्रसिद्धी की डींग हांकते हो। ''मैं हर उस महाद्वीप में गया हूँ जहाँ मनुष्य निवास करता है।'' यदि तुम उन लोगों को इस जैसा ही कुपन्थ प्रचार करते हो तो मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ कि बेहतर है कि तुम इसे सुधार लो।

कुपन्थीय लेखन सं0 710 : रोमियों 7:3 का अर्थ विवाहित नहीं है।

पास्टर कोसोरेक : रोमियों 7:3 (किंग जेम्स) इसलिए जबकि उस का पति जीवित है, वह दूसरे पुरुष से विवाह कर ले तो वह व्यभिचारिणी कहलाएगी..... अब, वह ग्रीक शब्द जिसका अनुवाद "ब्याह" किया गया है वह (ginomai) है और इसका अर्थ विवाह या वास्तविक अनुष्ठान से नहीं होता है, परन्तु एक हो जाना, साथ पाया जाना इत्यादि, पति से अलग किसी दूसरे पुरुष के संदर्भ में कहा जाता है। (पृष्ठ 8, 42 प्र0 एवं उ0 44 कलीसिया काल पुस्तक वार्तालाप विवाह एवं तलाक)।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह जो कहता है वास्तव में उस का अर्थ यह नहीं है। यही बात थी जो शैतान ने अदन में हव्वा से कही थी कि प्रभु का अर्थ वास्तव में वह नहीं है जो वह कह रहा है। उसने एक शब्द जोड़ा और मृत्यु को उत्पन्न कर दिया। दो लोगों का एक हो जाना ही विवाह है।

यदि तुम्हारा अनुवाद सही है, तब जब पौलुस कहता है कि भले वह दूसरे पुरुष से ब्याही गई हो, तो उसका अर्थ भी विवाह नहीं होगा अब तुम्हारा कुपन्थ कहाँ टिका हुआ है ? यह एक ही वचन में दोनों स्थानों पर बिल्कुल समान शब्द प्रयोग किया गया है और भविष्यवक्ता ने अपनी शिक्षा में इसका प्रयोग किया है।

इफिसियों 5:31. इस कारण मनुष्य माता पिता को छोड़ कर अपनी पत्नि से मिला रहेगा, और वह दोनों एक तन होंगे।

रोमियों 7:2–4. क्योंकि विवाहिता स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बन्धी हुई है, परन्तु यदि मर जाए तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई। सो यदि पति के जीते जी वह किसी दूसरे पुरुष की हो जाए, तो व्यभिचारिणी कहलाएगी, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह उस व्यवस्था से छूट गई, यहाँ तक की किसी दूसरे पुरुष की हो जाए तौभी व्यभिचारिणी न ठहरेगी। सो हे मेरे भाइयों, तुम भी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के लिए मरे हुए बन गए, कि उस दूसरे के हो जाओ, जो मरे हुओं मे से जी उठा : ताकि हम प्रभु के लिए फल लाएं।

वि0 मे0 ब्र0 : 12–1 अब, वह एक स्त्री, यदि वह मसीह अर्थात वचन से ब्याही है तो वह साथ ही संस्थागत कलीसिया से विवाह नहीं कर सकती है क्योंकि वह बन्धन में है। वह एक ही समय दो पतियों के साथ नहीं रह सकती। वे एक दूसरे के विरोधी हैं.....

वे इतने ज्यादा एक दूसरे के विपरीत है जैसे व्यवस्था अनुग्रह के थी, जैसा कि पौलुस यहाँ कह रहा है। एक के साथ रहने के लिए दूसरे का मरना आवश्यक है। यदि वह उन्हें मिश्रित करने का प्रयत्न करेगी तो वह व्यभिचारिणी कहलाएगी.....प्रभु ने कहा यदि वह एक ही समय में दो से विवाह करने का प्रयत्न करेगी तो वह व्यभिचारिणी कहलाएगी। (दुल्हन का अदृश्य मिलाप 65–1125)

127: और जरा सोचें कि एक दिन हम देह में, प्रभु की जैसी महिमामय देह में, हम लोग ब्याह के भोज की मेज पर बैठेंगे और हमारा उसके साथ ब्याह हो चुका होगा, और

हम साथ–2, दुल्हा और दुल्हन की भांति रहेंगे..... अनन्त काल तक। (मिलन का समय और चिन्ह 63–0818)

235 : "उस दिन मनुष्य का पुत्र प्रकट हो जाएगा।" क्यों ? सिर के रूप में कलीसिया से मिलन के लिए, दुल्हन से विवाह में एक होने के लिए। (अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है। 64–0816)

ई–19 परन्तु स्मरण रखें.....वचन और दुल्हन एक हैं जैसे एक व्यक्ति और उसकी पत्नि एक हो जाते हैं। इसी तरह सच्ची और प्रभु की वास्तविक कलीसिया ने किया। बाइबिल में प्रत्येक प्रतिज्ञा के अन्त में 'आमीन' लिखा हुआ है। (समय के धर्मशास्त्रीय चिन्ह 64–0410)

कुपन्थीय लेखन सं0 711 : वचन से साबित करने की मांग करना प्रेम की आत्मा नहीं है।

पास्टर कोसोरेक : तुम्हारी वचन की मांग एक प्रेम की आत्मा को प्रदर्शित नहीं करती है। ना ही उस सम्मान को जिसके लिए तुम सहमत हुए थे। (6, 42 प्र0 एवं उ0 44 क0 काल पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैंने उस वक्तव्य को प्रमाणित करने के लिए वचन की मांग की। तुम उसे ढूँढ नहीं पाए। मैं एक डूबते हुए मनुष्य को तिनके का सहारा लेता हुआ देख रहा हूँ अतः तुम यह कह रहे हो कि जब भाई ब्रन्हम ने अपने विरोधियों को वचन दिखाने को कहा तो उसने प्रेम की आत्मा प्रकट नहीं की ? उसने ऐसा बहुतेरी बार किया।

वि0 मे0 ब्र0 : 125.....ओह तुमने ऐसा कब पाया कि प्रार्थना भवन में सिर पर रुमाल रख कर प्रवेश करना है ? मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे वचन में से दिखाओ। यह एक झूठी भविष्यवाणी है। (हम क्यों एक नामधारी कलीसिया नहीं है ? 58–0927)

173–147 : मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ कि आप मुझे वचन में से कोई एक जगह दिखाएं कि शैतान चंगाई कर सकता है, यदि तुमने मुझे यह दिखा दिया, तो मैं यह प्रमाणित कर दूँगा कि तुम्हारा पिता शैतान है (और यह सही है) यदि तुम ऐसा करोगे तो। यह वचन में नहीं है। इसे प्रमाणित नहीं किया जा सकता। (प्र0 उ0 पशु की मूरत 54–0515)

कुपन्थीय लेखन सं0 712 : व्यभिचार तलाक ही है।

पास्टर कोसोरेक : भाई ब्रन्हम ने कहा..... "एक पति और पत्नि दो नही हैं बल्कि विवाह के कारण और द्वारा एक हैं। और व्यक्ति या स्त्री जो दूसरे स्त्री या पुरुष के पास चले जाते हैं वह अपने आप को एक दूसरे से काट लेते हैं.....अले कर लेते हैं.....

.....अतः यदि एक स्त्री ने आपने आप को अपने पति से काट लिया या अलग कर लिया तो वह अब उसकी विवाहिता नहीं रही। इसे होने के लिए किसी तलाक की अपील की आवश्यकता नहीं है। उसके अपने कार्य इसका कारण है, और तलाक की अपील केवल एक कागज का टुकड़ा है, वह दर्शाने के लिए जो पहले ही स्पष्ट है। (पृष्ठ 7–8, पुस्तक

पर, प्र0 एवं उ0 ए44. क0 काल पुस्तक पर वार्तालाप, विवाह एंव तलाक)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भाई ब्रन्हम बिल्कुल सही हैं ; स्त्री ने अपने पति से अपने आप को काट लिया। तुम उसके शब्दों को विकृत कर रहे हो, वह कहने के लिए जो उसने नहीं कहा। इसका यह अर्थ नहीं हैं कि उसका तलाक हो गया। तुम इसे वचन से प्रमाणित नहीं कर सकते हो। मुझे एक वचन दिखाओ। मैं भूल गया "ऐसा कहना प्रेम की आत्मा नहीं है"। यदि तुम भविष्यवक्ता के वचनो को बिना किसी भय के विकृत कर सकते हो तो मेरे वचनों के साथ क्या करोगे और पहले ही कर चुके हो।

कुपन्थीय लेखन सं0 713 : यीशु ने व्यभिचारिणी स्त्री को वापस अपने पति के पास जाने को नहीं कहा।

पास्टर कोसोरेक : विदेशी पास्टर ने कहा है....."यीशु ने व्यभिचारिणी स्त्री से कहा. ....मैं भी तुझ पर दण्ड की आज्ञा नहीं देता : जा, अब और पाप न करना।" (यूहन्ना 8:11) यह नहीं कि तू अब विवाहिता नहीं है और तेरा पति तुझे अब वापस नहीं ले सकता।

.....परन्तु मुझे यह दिखाओ कि यीशु ने कब उसे अपने उस पति के पास वापस जाने के लिए कहा, जिसके साथ वह व्यभिचार में रह रही थी। (पृष्ठ 8, पुस्तक 42 प्र0 एवं उ0 44 क0 का0 पु0 विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : क्या मूर्खता है ! ना यीशु ने उसे कहा कि वह तलाक शुदा है और वह अपने पति के पास वापस नहीं जा सकती। ना मैंने कभी ऐसा संकेत दिया कि स्त्री को अपने व्यभिचारी पति के पास जाना होगा। अतः यहां पर डूबता हुआ मनुष्य फिर से तिनके का सहारा ले रहा है। श्रीमान तुम अभी तक व्यवस्था पर निर्भर हो।

पास्टर कोसोरेक : विदेशी पास्टर, क्या तुम किसी विकृत यौन कामी, जो आपसे आपकी बेटी का बलात्कार करने की क्षमा माँग रहा हो, अपने घर में रहने देने के लिए सहमत होगे। (पृष्ठ 8, पुस्तक 42, प्र0 एवं उ0 44 क0 का0 पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह उदहारण हमारे विषय से कोसो दूर है। इसकी व्यभिचार के साथ तुलना नहीं की जा सकती। इस प्रकार तुम्हे उस पर पत्थर फेंकने का अधिकार भी नहीं है। तुम मुझे प्रभु के वचन के साथ तर्क वितर्क कराने का प्रयत्न कर रहे हो। तुम्हारे पास अपने कुपन्थ के लिए कोई वचन नहीं है।

पास्टर कोसोरेक : अब,यह उद्धरण वह है जिसे लोग यह दर्शाने के लिए प्रयोग करते हैं कि एक व्यक्ति पुनर्विवाह कर सकता है, परन्तु यदि तुम इसे ध्यान से अध्ययन करो, तो यह विवाह पश्चात पर स्त्री गमन नहीं.....पर यह केवल विवाह पूर्व स्त्रीगमन के कारण है। (पृष्ठ 10, संदेश सं0 42, प्र0 एवं उ0 ए44 क0 का0 पु0 विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह हमारे वार्तालाप का विषय नहीं है। खरगोश की तरह मत कूदो। क्या तुम मुद्दे को भटकाना चाह रहे हो ?

कुपन्थीय लेखन सं0 714 : स्त्री को एक बार व्यभिचार की अनुमति है।

पास्टर कोसोरेक : ...यीशु ने स्त्री से कहा जा अब और पाप न करना। उसका व्यभिचार उसके अविश्वास के कारण था। अतः अब जब वह विश्वास करती है तो यह उसके लिए ठीक है कि वह वापस जाए और पाप में जीवन व्यतीत करे ? मेरे प्रभु, विदेशी पास्टर तुम किस प्रकार का संदेश प्रचार कर रहे हो ?

तुम्हारी भ्रांति और गलत शिक्षाएं स्त्री को व्यभिचार की अनुमति देती हैं यदि वह इसे सिर्फ एक ही बार करे तो, जैसे कि तुम कहते प्रतीत हो रहे हो कि यह कोई विशेष बात नहीं है। (पृष्ठ 9,12, संदेश पुस्तक 42, प्र0 एवं उ0 ए44 क0 काल पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम एक घृणित झूठ बोल रहे हो। इस तरह के आरोप केवल एक सांसारिक मस्तिष्क से निकल सकते हैं। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तुम्हारे पास क्या प्रमाण हैं कि मैं प्रभु के घर में अनैतिकता की अनदेखी कर रहा हूँ ? मैं स्त्री के भूल करने ओर व्यभिचार में पड़ जाने की बात कर रहा हूँ। जब भाई ब्रन्हम कहते हैं कि मैं अपनी पत्नि को क्षमा कर दूँगा यदि उससे भूल हो जाए और वह भी उन्हें माफ कर देगी ; या जब उसने उस व्यक्ति को कहा कि वह अपनी पत्नि को वापस ले सकता है तो क्या वह यह सिद्धान्त प्रचार कर रहा था कि स्त्री एक या दो बार व्यभिचार कर सकती है ? यह तुम्हारे उस भद्दे पत्र का अंश है जो तुमने मुझे लिखा है, और मुझसे मेरे ओर मेरी पत्नि के बारे में पूछा है, और मैं तुम्हे यह बता कर चुप करता हूँ कि मैंने उसे एक भली महिला पाया है और वह कभी भी व्यभिचारिणी नहीं थी और यदि वह कभी गलत भी थी तो मैं क0 का0 पुस्तक 104 की तुम्हारे और डा0 वेले के कुपन्थों को उस पर लागू करने नही जा रहा हूँ जो कि एक व्यक्ति के लिए यह असम्भव कर देते हैं कि वह अपनी पत्नि को वापस पा सके।

पास्टर कोसोरेक : क0 का0 पुस्तक का उद्धरण यह नहीं बताता कि वह वचन के किस अंश के संदर्भ में है। (पृष्ठ 12, 42, प्र0 एवं उ0 ए44 क0 का0 पुस्तक विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ वह व्यवस्था विवरण. 24:1 –4 की ओर संकेत कर रहा है और तुम यह जानते हो, परन्तु तुम सोचते हो कि तुम्हें इससे बढ़त प्राप्त हो रही है क्योंकि उसने इसे वहाँ पर स्पष्ट नहीं किया हैं। तुम्हारे पाखंड को प्रमाणित करने के लिए, मैं तुमसे यह मांग करता हूँ कि तुम मुझे दिखाओ कि वह कौन सा वचन सम्भवतयः निर्दिष्ट करता। मैं उत्तर की प्रतीक्षा नहीं करुंगा क्योंकि वह तुम्हें मिलेगा ही नहीं। मैं फिर भूल गया, '6वचन मांगना प्रेम नहीं है।" श्रीमान मुझे क्षमा करे।

कुपन्थीय लेखन सं0 715 : नि0 कु0 का खु0 बहनों के लिए व्यभिचार करना आसान बना रहा है।

पास्टर कोसोरेक : मैं स्तब्ध हूँ कि तुम इस तथ्य को इतने हल्के तौर पर ले रहे हो कि इस स्त्री ने अपने पति के विरुद्ध जाते हुए व्यभिचार किया। यह केवल एक कार्य ? तुम कहते हो ?..... तुम्हारी सेवकाई में कितनी बहने हैं जिन्होने बाहर जाकर व्यभिचार किया है, यह जानते हुए कि तुमने उनके लिए ऐसा करना कितना आसान बना दिया है ?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह मूर्खता है ! मैं फिर से इस डूबते हुए मनुष्य को तिनके का सहारा लेते हुए देख रहा हूँ, जो कि ऐसे मनुष्य पर दोष लगाने का प्रयत्न कर रहा है जो आत्मिकता के लिए खड़ा है। मेरा सारा प्रचार और पुस्तको का प्रकाशन तुम्हारे झूठो के विरुद्ध गवाहियों से भरा हुआ है। युद्ध के तुम्हारे सांसारिक हथियार कम पड़ गए अतः अब तुमने यह गन्दा बम अविष्कार किया है, जो तुम्हारे मुँह पर फट गया। तुम्हारा दिमाग इस बहस को जीतने के लिए इस कदर प्रतिज्ञ है कि यह केवल सांसारिक वस्तुओं पर होने लगी है। और इस ओर संकेत कर रही है कि मैं व्यभिचार के कृत को हल्की बात समझता हूँ। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। भाई और पास्टर, कोसोरेक पश्चताप करो। क्योंकि सब झूठों का भाग आग की झील में है।

पास्टर कोसोरेक : वह पाप जिसमें आदम गिरा वह अपनी पत्नि को वापस स्वीकारना नही था परन्तु वह कार्य करना था जो उसे करने के लिए मना किया गया था।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह प्रमाण है कि तुम्हारी शिक्षा डा0 वेले से अलग है। उसने स्पष्ट कहा है कि वह आदम का पाप था, साथ ही उसने संकेत किया है कि व्यभिचारिणी को वापस स्वीकारना आदम का व्यभिचार था। तुम्हारा कुपन्थ उस कुपन्थ पर आधारित है।

उद्धरण : डा0 ली. वेले क0 का0 पुस्तक 104–1.....लोग मुझसे पूछते हैं, "यदि हव्वा उस रीति से गिर गई थी, आदम ने क्या किया था जो प्रभु ने दोष आदम पर रखा ?". ....अब वचन हमें बताता है कि यदि एक स्त्री अपने पति को छोड़ती है और दूसरे पुरुष के साथ जाती है तो वह व्यभिचारिणी है और वह अपने पति की ब्याहता नहीं रही। और उसके पति को उसे वापस नहीं स्वीकारना है। यह वचन अदन में भी इतना सही था जितना मूसा द्वारा व्यवस्था लिखे जाने पर था। वचन बदल नहीं सकता। आदम ने उसे वापस ले लिया। वह भली भांति जानता था कि वह क्या कर रहा है परन्तु फिर भी उसने वह किया। (इफिसुस कलीसिया काल–क0 का0 पु0 अध्याय 3.)

कुपन्थीय लेखन सं0 716 : अशुद्धता मतलब वह कुंवारी नहीं थी।

पास्टर कोसोरेक : व्यवस्था विवरण 24 : 1–4 जब एक मनुष्य एक स्त्री से ब्याह ले, और उसमें कुछ लज्जा की बात पाकर उससे अप्रसन्न हो ,.....।

.....सबसे पहले हमें यह पूछना चाहिए कि यह अशुद्धता क्या है कि इस व्यक्ति ने अपनी पत्नि को अपने से दूर कर दिया.....वचन उस मनुष्य के विषय में कह रहा है जिसने ब्याह के पश्चात यह पाया कि उसकी पत्नि कुंआरी अर्थात अक्षतयोनि नही ह।, तो उसे अधिकार है कि वह उसे अपने घर से निकाल दे और यह वचन कहता है कि वह किसी और से ब्याह करने को स्वतन्त्र है। (पृष्ट 13, 42 प्र0 एवं उ0 44 क0 का0 पु0 विवाह और तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 उत्तर : तुम्हारे पास अपने अनुमानो का कोई प्रमाण नहीं है। तुमने डा0 वेले के कुपन्थों को सही ठहराने के लिए वचन को भी दूषित कर दिया है। तुम ऐसे विकृत कामी हो कि तुमने डा0 वेले के कुपन्थों को दूषित कर दिया है।

कुपन्थीय लेखन सं0 717 : तलाकशुदा स्त्री दूसरे विवाह के लिए स्वतन्त्र है।

पास्टर कोसोरेक : .....इससे पहले व्यक्ति ने पाया कि उसकी अक्षत योनि नहीं है तो उसने उस विवाह को निष्प्रभावी कर दिया, जैसा भाई ब्रन्हम ने वर्णन भी किया है... ..अतः यदि वे विवाहित नहीं थे तब वह स्त्री पहली बार वेद्य रूप से विवाह करने के लिए स्वतन्त्र होगी, परन्तु एक कुंआरी के रूप में नहीं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : इस कुपन्थ के द्वारा तुम एक तलाकशुदा महिला के लिए दूसरे ब्याह का प्रचार कर रहे हो। यह भविष्यवक्ता के संदेश और प्रभु के वचन रोमियों 7 के विपरीत है, जिसका तुमने इंकार किया है और विकृत कर दिया है। व्यवस्था विवरण 24 भविष्यवक्ता की इस विषय पर दी गई शिक्षा से सम्बन्धित नहीं है। मुझे केवल एक उद्धरण दिखा दो। भविष्यवक्ता ने उस वचन को यह दर्शाने के लिए प्रयोग किया है कि एक स्त्री यदि बाहर जाती हैऔर दूसरे पुरुष से ब्याह कर लेती है तो वह अपनी पत्नि को वापस नहीं ले सकता है। उसका अनुवाद सही और तुम गलत हो।

कुपन्थीय लेखन सं0 718 : अपवित्र स्त्री का दूसरा विवाह वैद्य है।

पास्टर कोसोरेक : व्यवस्थाविवरण 24 कहता है कि पहला व्यक्ति उसे घर से निकाल सकता है और दूसरा उससे विवाह कर सकता है और यह व्यभिचार नहीं होगा ?..... पहले व्यक्ति ने अपनी पत्नि को कुंआरी नहीं पाया था.....जैसा भाई ब्रन्हम ने बताया.....तो यदि वह आरम्भ से ही विवाहित नहीं थे तो वह पहली बार वैद्य रूप से विवाह करने के लिए स्वतन्त्र हैं, परन्तु एक कुंआरी के रूप में नहीं हैं। (पृष्ठ 14, 42, प्र0 एंव उ0 44 क0 का0 पु0 विवाह और तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह कुपन्थ के साथ एक और कुपन्थ है। तुम्हारे पास इसके समर्थन के लिए कोइ उद्धरण और वचन नहीं है। तुमने यह कहने के लिए व्यवस्था विवरण 24:1–4 को और भविष्यवक्ता के उद्धरणों को विकृत कर दिया है। भविष्यवक्ता के संदेशो में क्या तुम मुझे दिखा सकते हो, जहाँ उसने यह कहा हो कि वह स्त्री विवाहित नहीं है और उन परिस्थितियों में दोबारा विवाह कर सकती है। मैं तुम्हें एक उद्धरण प्रस्तुत करने की चुनौती देता हूँ।

कुपन्थीय लेखन सं0 719 : व्यवस्थाविवरण 24:1–4 का अर्थ वह नहीं है जो यह कहता है।

पास्टर कोसोरेक : विदेशी पास्टर का वक्तव्य : "बाइबिल विशंष रूप से उस स्त्री के बारे में कह रही है जो तलाकशुदा है और विवाह के द्वारा दूसरे पुरुष की पत्नि बन गई है।" विदेशी पास्टर के वक्तव्य की समाप्ति :

ये यह नहीं कहता कि यह दूसरी बार पत्नि बन गई है, जैसे कि आप इसे पढ़ रहे हैं। (पृष्ठ 14, 42, प्र0 एवं उ0 44 क0 का0 पु0 विवाह एवं तलाक पर वार्तालाप)

नि0 कु0 खु0 का उत्तर : तुम कैसे पढ़ते हो श्रेद्धेय कोसोरेक ? क्या तुम मुझे यह बता रहे हो कि बाइबिल का वह अर्थ दरअसल वह नहीं है जो यह कह रही है ? यह घर से निकाल दी गई और इसे तलाक का पत्र दिया जा चुका है। वह दूसरे पुरुष की पत्नि हो गई है। मैं प्रभु का विश्वास करुं या तुम्हारा ? मैं प्रभु पर विश्वास करता हूँ और साथ ही तुम्हारा विश्वास कर रहा हूँ कि तुम झूठ बोल रहे हो। तुम्हारा वक्तव्य घोर अविश्वास को व्यक्त करता है, और यह वक्तव्य प्रभु के वचनों का पूर्ण रूप से इंकार करता है : प्रभु ने कहा, "कि वह जा सकती है और दूसरे पुरुष की पत्नि बन सकती है।" वह उसके पिछले पति और वर्तमान पति के विष्य में कह रहा है, व्यवस्थाविवरण 24:3–4। यदि तुम्हारे स्नायु साधारण भाषा में लिखी प्रभु की व्यवस्था को इतना विकृत कर सकते हैं, तब तुम्हारे द्वारा भविष्यवक्ता के वचनो को और यहाँ तक कि डा0 वेले के कथनों को विकृत किये जाने में कोई अचरज नहीं है।

भविष्यवक्ता ने कहा कि उसने दोबारा विवाह कर लिया, उसने उसे पहली पत्नि पुकारा और वह दूसरे पुरुष के अधिकार में हो गई।

678–प्रश्न–159 .159. भाई ब्रन्हम मेरा विवाह ऐसी स्त्री से हुआ है जिसका पहले भी विवाह हो चुका था।

हमारा तलाक हो गया और उसके बाद से अब तक वह दो बार और विवाह कर चुकी है। बाइबिल बताती है कि यदि विवाह की इच्छा करे....अपनी पहली पत्नि की ओर मुड़। अब क्या मैं उसके पास जा सकता हूँ जो कि पहली विवाहिता थी या मैं स्वतन्त्र हो सकता हूँ ?

मेरे भाई, केवल एक ही रीति से तुम इसे कर सकते हो, यीशु ने मत्ती 5 में कहा, "जो कोई त्यागी हुई से विवाह करता है वह व्यभिचार करता है।" अतः ऐसा न करें। नहीं आप अपनी पूर्व पत्नि के नहीं जा सकते यदि उसने पुनःविवाह कर लिया हो तो।

नही श्रीमान, लेवियों की व्यवस्था में जाओ। आप उस स्त्री के पास वापस जाते हैं, वह किसी और की सम्पत्ति है। तुमने अर्धम किया और अपने आपको पहले से भी ज्यादा बुरी अवस्था मे ले आए। आप एक पत्नि को वापस ग्रहण नहीं कर सकते हैं जिसने किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह कर लिया हो। आप वापस ना जाएं। नहीं, श्रीमान, वह किसी और से ब्याही हुई है, आप उससे दूर रहे..... आप वापस ना जाएं और उस स्त्री को ग्रहण न करें, आप से विवाह करने के पश्चात उसने दो तीन बार विवाह किया है। यह गलत है। (प्रश्न एवं उत्तर सी0 ओ0 डी0 61–1015 एम.)।

वचन विकृत करने के लिए तुम्हारे ग्रीक और इब्रानी अनुवादों से दूर प्रभु के भविष्यवक्ता ने वचन से बात करी है। तुम्हारे वचन झूठ ठहरे जाएं और प्रभु के सत्य।

कुपन्थीय लेखन सं0 720 : क0 का0 पु0 के कुपन्थों के खुलासे का अर्थ वि0 मे0 ब्र0 पर आक्रमण है।

पास्टर कोसोरेक : ...तुम्हारे आक्रमण भाई वेले के विरुद्ध नहीं हैं परन्तु तुम भाई ब्रन्हम के विरुद्ध आक्रमण करने के दोषी हो.....मेरे भाई पाप के विरुद्ध प्रचार करना एक अलग बात है, परन्तु जब आप व्यक्ति विशेष को नष्ट करने के प्रयास में जुट जाते हैं, तब आप स्वयं को प्रभु से लड़ता पाने जा रहे हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम इसे बेहतर रीति से जानते हो। मैं तुम्हें तुम्हारी वेबसाइट के प्रत्युत्तर में तुम्हें झूठा प्रमाणित कर चुका हूँ।

पास्टर कोसोरेक : लैव्यव्यवस्था 20:10..... अतः जब व्यभिचारी और व्यभिचारिणी को पत्थरवाह किया जाना है, तब यह कैसे सम्भव है कि वह उसके पास वापस जा सके।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : श्रीमान आप पुराने नियम की व्यवस्था में रह रहे हैं। यूसुफ व्यवस्था के अर्न्तगत प्रेम और अनुग्रह से भरा हुआ मनुष्य था, जिसने आपनी पत्नि को एक सार्वजनिक उद्धारण नहीं बनाया, जैसा और लोगों ने किया। तुम अपने कुपन्थ के द्वारा कह रहे हो कि एक मनुष्य अपनी पत्नि को वापस नहीं ले सकता जबकि प्रभु ने यूयुफ को अपनी पत्नि को वापस लेने के लिए कहा, क्या वह गलत था ? अनुग्रह की वाचा ने पत्थरवाह किया जाना रोक दिया, तुम कह रहे हो कि उसे पत्थर मारो। फरीसियों ने शर्मिन्दा होकर अपनी बहस को रोक दिया, परन्तु तुम क्रोधोन्मत और निश्चित हो।

कुपन्थीय लेखन सं0 721. नि0 कु0 का खु0 पुस्तक 12 डा0 वेले पर एक व्यक्तिगत आक्रमण है।

पास्टर कोसोरेक : मैंने तुम्हारे बहुत से लेखों का आनन्द लिया है, परन्तु मैंने तुम्हारी वेबसाइट में और डा0 वेले के विरुद्ध व्यक्तिगत आक्रमणों में गलतियों को देखा हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यदि तुमने मेरी वेबसाइट पर गलतियों को देखा है तो तुम उन्हें गलत प्रमाणित करने के लिए मेरी सार्वजनिक चुनौती को स्वीकार क्यों नहीं कर लेते ? मैं विश्वास करता हूँ कि प्रेम सुधारात्मक होता है और कपटपूर्ण नहीं होता। नहीं यह डा0 वेले के कुपन्थों के खिलाफ एक सभ्य तरीके का व्यक्तिगत आक्रमण है जो कि आपके प्रेम सुसमाचार के अनुकूल है। तुम भी विवाह और तलाक विषय पर उसके कुपन्थों को विकृत करने के द्वारा यही काम कर रहे हो। यह तुम हो जो उस मनुष्य पर व्यक्तिगत प्रहार कर रहे हो। मैंने तो इस स्थान तक भी उनके प्रति सम्मान प्रदर्शित किया है। उनके कुपन्थों को विकृत करने के द्वारा तुम उसका निरादर कर रहे हो। तुमने उसे उसके कुपन्थों के और अपने वचन विरुद्ध बचाव के तरीकों के साथ सार्वजनिक किया है। तुम डा0 वेले के एक घटिया रक्षक हो।

पास्टर कोसोरेक : .....वह गलतियाँ जो मैंने तुम्हारी वेबसाइट और श्रेद्धेय वेले पर तुम्हारे व्यक्तिगत आक्रमणों में देखी, वह इसलिए कि तुम्हारे आदमी ने पूरी तरीके से अपने आप को वार्णित नहीं किया और तुम भूल गए कि भाई वेले शीघ्र 94 वर्ष के होने वाले हैं, और प्रभु के इस जन के प्रति कोई सम्मान प्रकट नहीं करने के कारण मैंने तुमसे सम्पर्क किया और यह वार्तामंच आरम्भ हुआ।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले 94 वर्ष के हैं और मोटर साइकिल की सवारी करते हैं। उन्होंने आठ वर्ष पहले सम्पादक रोनाल्ड जैक से वार्ता की। उसके साथ टेलीफोन पर वार्तालाप में डा0 वेले ने स्वीकार किया था कि भाई ब्रन्हम ने नये जन्म और पवित्रात्मा के बपतिस्में के एक होने के विषय में जो कहा है वह उससे भिन्न है जो स्वंय वेले ने क0 का0 पुस्तक में शामिल किया है। तुम्हारा पंगु बहाना कि सम्पादक अपने आप को सही तरह से स्पष्ट नहीं कर पाया, व्यर्थ है। क्या तुम वहाँ उपस्थित थे, तुम किस तरह जानते हो ?

वह सठिया हुआ नहीं है परन्तु सही दिमागी हालत में है। वह धारा प्रवाह ईमानदारी से और दीनता पूर्वक बोलता है। वह तुम्हारे जैसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि, क्योंकि तुम सोचते हो कि वह 94 वर्ष का हो गया है अतः तुम्हें उसकी शिक्षाएं बदल देनी चाहिए। यदि तुम उसका बचाव करने का प्रयत्न कर रहे हो तो तुम्हें उसका सम्मान करना चाहिए।

यदि तुम कलीसिया काल पुस्तक में घुसाए गए कुपन्थों के खुलासे को अपमान के तौर पर ले रहे हो, तो तुम्हें इसकी और अपेक्षा करनी चाहिए, क्योंकि तुम्हारा प्रेम सुसमाचार मुझे डा0 वेले श्रेद्धेय कोसोरेक या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुपन्थी का खुलासा करने से भयभीत नहीं कर सकता है।

परिचय

अध्याय–चार

चौथे अध्याय का परिचय, 2/10/2008 को इस वार्तालाप के आरम्भ होने क पश्चात बैथेल प्रभु के घर में प्रचारा गया।

युहन्ना 3:3–7 यीशु ने उसको उत्तर दिया ; कि मैं तुझसे सच सच कहता हूँ , यदि कोई नये सिरे से न जन्में तो स्वर्ग के राज्य को देख नही सकता। नीकुदेमुस ने उससे कहा, मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो क्योंकर जन्म ले सकता है ? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है ? यीशु ने उत्तर दिया, कि मैं तुझसे सच सच कहता हूँ ; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्में तो वह खुदा के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है ; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। अचम्भा ना कर, कि मैंने तुझ से कहा ; कि तुम्हें नए सिरे से जन्म लेना आवश्यक है।

बिना किसी और विलम्ब के, मैं दूसरी भ्रांति में पहुँचना चाहता हूँ। अब मैं आपकी यह समझने में सहायता करना चाहता हूँ कि यह दूसरी भ्रांति है क्या, क्योंकि यह अति महत्वपूर्ण है और उन सबसे महत्वपूर्ण कुपन्थों में से एक है जिनका खुलासा किया जाना है। यह दूसरी भ्रांति क0 का0 पुस्तक में बहुत से पृष्ठों में पायी जाती है ; 141–1, 143–1, 144–1 एवं 2, 164–3, 165–2। आप उन्हें क0 का0 पुस्तक में डा0 वेले की शिक्षा के रूप में पहचानो। वह भविष्यवक्ता की शिक्षा नहीं है और मै यह प्रमाणित करने वाला हूँ। अतः दूसरी भ्रांति उद्धरण पर आधारित है। या तो यह हमने सही तरह पा लिया है और हम बचा लिए गए हैं या यह हमने गलत पाया है ैर नाश हो गए हैं। अब यह उद्धार की सैद्धान्तिक शिक्षा है। यह नये जन्म और पवित्र आत्मा के बपतिस्में के साथ कार्य करती है।

''नया जन्म'' और ''बपतिस्मा'' : कभी–कभी लोग जानते ही नहीं कि वे क्या बात कर रहे हैं। जो हम कह रहे है वह बस यह है कि बाइबिल में नये जन्म की एक शिक्षा है और यह यूहन्ना 3 अध्याय में पायी जाती है। यीशु ने कहा, ''तुम्हें नया जन्म लेना होगा।'' तुम इस संसार में एक दुष्ट स्वभाव के साथ आऐ हो और तुम सब कुछ सांसारिक **और गलत कार्य करना चाहते हो। अब इस आत्मा के साथ तुम इस धरती पर जन्मे हो। इस कारण से तुम संसार कह वस्तुओं से प्रेम करते हो और गलत कार्य करते हो। अब नये जन्म का अर्थ है कि प्रभु ने इस स्वभाव को अपनी समर्थ से परिवर्तित कर दिया हैं।**

उदाहरण : यदि तुम इस प्रकार के व्यक्ति हो जो मारिजुआना पीना पसन्द करता हो, शराब पीता हो, गाली देता हो, हिंसा एवं व्यभिचार करता हो, तब आप अपने को उस स्थान पर सकते हो जहाँ आप स्वंय अपनी सहायता नहीं कर सकते हैं। यह दुष्ट स्वभाव है। एक पापी के रूप में तुम्हारे दुष्ट स्वभाव ने तुम पर कब्जा कर लिया है। अब यदि प्रभु आता है और एक चमत्कार के द्वारा वह तुम्हारा स्वभाव बदल देता है जहाँ वह सब अभिलाषाएं खो जाएं और तुम केवल प्रभु का वचन सुनना चाहो, एक मसीही जीवन जीना चाहो, एक अच्छे इंसान बनो और एक दिव्य प्रकाशन के द्वारा यह जान जओ कि प्रभु कौन है, तब तुमने नया जन्म पा लिया है। अब यह नया जीवन तुम्हारा स्वभाव बदल देता है।

पिन्तेकुस्त के दिन के समान पवित्र आत्मा का बपतिस्मा सर्वशक्ति मान प्रभु का आपके प्राणों में समा जाना होता है, आप में बस जाना होता है। आपके इस धरती पर पैदा होने की वजह यह है कि आप जीवित प्रभु के मन्दिर हैं। और आपको यह मन्दिर साफ सुथरा रखना है और इसे ऐसे स्थान के रूप में तैयार रखना है कि सर्वशक्तिमान आए और इसमें निवास करे।

अतः अब, नया जीवन और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नये जन्म की शिक्षाएं हैं। यीशु ने यूहन्ना 3:3–7 में कहा, "तुम्हें नया जन्म लेना होगा"। पवित्रआत्मा के बपतिस्मे के विषय में वचन 1.कुरन्थियों 12:13 में कहता है कि, "हम सबने एक आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया," इसी प्रकार बाइबिल के अन्य उदहारण भी हैं। और प्रेरितों के

काम 2. अध्याय तो है ही जिसमें प्रभु की महान सामर्थ एक सौ बीस पर उतरी और प्रभु ने उन लोगों में डेरा किया। और जब स्वं प्रभु ने उनमें डेरा किया तो उन्होंने बिल्कुल वही कार्य किए जो प्रभु यीशु ने किए थे। (यूहन्ना 14:12)

अब क0 का0 पुस्तक कह रही है : कि नया जन्म और पवित्रात्मा का बपतिस्मा एक ही चीज और एक समान अनुभव है। यह क0 का0 पुस्तक में अभिलिखित है। यह डा0 वेले की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि यह दोनो अनुभव एक ही हैं और समान हैं।

अब बाइबिल की शिक्षा और भाई ब्रन्हम की शिक्षा यह है कि ये दो अलग अनुभव हैं। और आगे तथ्य यह है, कि जिन वर्षो में डा0 वेले ने इस कुपन्थ का प्रालेखन किया था उन्ही वर्षो में भाई ब्रन्हम ने इस शिक्षा की भर्त्सना की थी जो क0 का0 पुस्तक में घुसाई गई। आज रात्रि आप यह देखेंगे। और यदि आप पहले कभी इसेसमझ नहीं पाए हैं ते आज इसे समझ पाएंगे।

इसी से सम्बन्धित, एक शिक्षा इस कुपन्थ से जुड़ी हुई है जिसे सुनने वाले कान कहा जाता है जिसका अर्थ है तुम्हारे अन्दर पहले से ही आत्मा निवास कर रहा हे। यदि पिन्तेकुस्त के दिन के समान वाला पवित्र आत्मा तुम्हारे अन्दर वास नहीं कर रहा होता तो तुमने वचन सुनना ही नहीं था। यह एक कुपन्थ है और हम इससे अलग हैं।

और मैंने संदेश और बाइबिल के सारे तथ्यों का प्रलेखन किया और उसे डा0 वेले और कोसोरेक के सम्मुख पेश किया और हमारे
मध्य एक बहस आरम्भ हो गई। अतः सबसे पहले मैं यह प्रस्तुत करुँगा कि इस वार्तालाप को मैंने किस तरह विस्तारित किया और तब मैं उस की प्रतिक्रिया आपको बताऊँगा, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि यह सबक आप अच्छी तरह सीख लें ताकि अपने जीवन के बाकी दिन आप इसे भल ना पाएं।

अब यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है ? हम इसे यूँ ही जाने क्यों नहीं दे सकते ? क्यों हम भाई वेले को जाने नहीं दे सकते कि उनका
करें। अब सम्मान करना एक बात है और भूल सुधारना एक दूसरी बात है। मैं एक मनुष्य का सम्मान कर सकता हूँ। अब 92 वर्ष के दादा जी, भाई राज़र्स रिचर्डसन यहाँ बैठे हुए हैं। वह अभी भी प्रचार करते हैं। और यदि वह कभी कुछ गलत प्रचार कर दें तो मैं पूरे प्रेम से यह कहूँगा, कि भाई राज़र्स इस विषय पर थोड़ा गलत बोल गए हैं, और मैं उन्हें डाँटूंगा नही। और और तब यह सब ठीक हो जाएगा। भाई राज़र्स ऐसे व्यक्ति हैं कि वह आकर कहेंगे, "भाई ब्रूस मनुष्य तो बस गलतियों का पुतला है।" ठीक है। और बस यही सच्चाई भी है।

यही मैं आज रात्रि कर रहा हूँ। मुझे डा0 वेले को उनके कुपन्थों से अलग करना है। मैं एक प्रचारक के रूप में यहाँ खड़े होकर आपसे यह नहीं कह सकता हूँ कि क0 का0 पुस्तक में सब कुछ ठीक है जब कि ऐसा है नहीं। मुझे प्रभु को उत्तर देना है। ठीक है ! क्या हम इसे होने दे सकते हैं ? मैं कहता हूँ , नहीं ! क्यों मैं इसे सही कह सकता हूँ जबकि यह गलत है ? मैं एक धोखेबाज ठहरुँगा। ठीक है ! भाई यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है ?

अब भाइयों इस के अन्दर एक शिक्षा है जो पवित्र आत्मा के प्रमाण के विषय में बात करती है, और वह प्रमाण यह बताया जाता है कि जब आपने मलाकी 4 का संदेश, भाई ब्रन्हम, अन्त समय का संदेश प्रकाशन के द्वारा सुना और विश्वास किया, तो यह इस बात का प्रमाण है कि आपके पास पवित्र आत्मा था, पिन्तेकुस्त के दिन के समान यह पहले से आप में वास कर रहा है।

अब मेरा खंडन यह है : कि जब पापी यहाँ आता है तो उसके पास पवित्र आत्मा होता है ? जहाँ कहीं से भी आप आते हैं : संस्थाओं से, यहोवा विटनेस, बैपटिस्ट, पिन्तेकुस्तल, हिन्दु या मुस्लिमों से, तब क्या प्रभु का वचन सुनने के लिए पवित्र आत्मा आपके पास होता है ?
(कलीसिया कहती है, "नहीं") नहीं ! बिल्कुल साधारण बात है।

अब, यहाँ पर यह शिक्षा जो क0 का0 पुस्तक में घुसाई गई है, जिससे मैं सबसे पहले निपटूँगा, इसे सम्पूर्ण विश्व में लोगों ने स्वीकार लिया है, और वह एक बड़ा धोखा है जिसके ऊपर वह ठहरे हुए हैं। वे सोचते हैं कि जबकि उन्होंने भविष्यवक्ता को स्वीकार लिया है, उसके संदेश को स्वीकार लिया है और सोचते हैं कि उनके पास एक दिव्य प्रकाशन है तो यह प्रमाण है कि उनके पास वह है जो पिन्तेकुस्त के दिन उनके पास था। वे सही सोच रहे हैं। "अतः भाई ब्रूस, आपने कहा कि यह एक हानिकारक शिक्षा है ? इससे आपका क्या तात्पर्य है ?

प्रत्येक मनुष्य जिसका देह परिवर्तन होगा और जो स्वर्गारोहण में जाएगा, कि इस ध रती पर पड़ने वाले प्रभु के साढ़े तीन वर्षीय न्याय से बच सके, वह पिन्तेकुस्त का एक वास्तविक हिस्सा होना चाहिए जिससे वह स्वर्गारोहण में जा सके, अन्यथा वे नाश हो जाएंगे। तब क्या यह महत्वपूर्ण नहीं है ? (कलीसिया कहती है, "आमीन" !)

तब यदि कोई चीज आती है और मुझे विश्वास दिलाती है कि मेरे पास वह है जो उनके पास पिन्तेकुस्त के दिन था, और मैं सवर्गारोहण के आने की आशा में रहने लगूँ , तब मैं स्वर्गारोहण में जा नहीं सकता हूँ। इस शिक्षा ने सम्पूर्ण विश्व में संदेश के अन्दर यही कार्य किया है। इसने उन्हें यह विश्वास दिला दिया है कि जब वह भविष्यवक्ता को स्वीकार किए हुए हैं, जब वह संदेश को स्वीकार किए हुए हैं, जब वे भाई ब्रन्हम के कथनों पर आमीन कह रहे हैं, तो उनके अन्दर उस समय से पहले ही वह आत्मा निवास कर रहा है और वे स्वर्गारोहण हेतु तैयार हैं।

क्या अब आप उस हानि को समझ पा रहे हैं ? वह हानि यह है कि यदि मैं आपको विश्वास दिला दूँ कि आप पहले ही पिन्तुकेस्त पर लौट चुके हैं और आपको बताऊँ कि बात सिर्फ यह है कि सामर्थ अभी उस तरह कार्य नहीं कर रही है जैसे कि करती है और संदेश पर विश्वास करना ही एक मात्र प्रमाण है, तो मैंने आपको धोखा दिया है।

अब यदि मैं आपको लम्बे समय तक यह विश्वास दिला सकूँ तब आप स्वर्गारोहण से चूक जाएंगे, क्योंकि स्वर्गारोहण में जाने हेतु पवित्र आत्मा का सच्चा बपतिस्मा, पवित्र आत्मा का उँडेला जाना आवश्यक है। भविष्यवक्ता ने भी यह कह कर इसका समर्थन किया है,

"तुम या टोकन प्राप्त करोगे या नाश हो जाओगे।" वह इसी के विषय में बात कर रहा था। आप इसे आत्मसात् कर लें, तब आप उस बिन्दु पर पहुँच जाएंगे मेरे तर्को के महत्व को समझ सकेंगे।

अतः अब वे लोग जो क0 का0 पुस्तक से डा0 वेले की इस भ्रांतिपूर्ण शिक्षा को ग्रहण कर चुके हैं और भविष्य में करेंगे, और यह सोचकर वहीं ठहर जाएंगे कि उनके पास पिन्तेकुस्त का भाग है, वे धोखा खा चुके हैं।

यह धोखा विश्व स्तर पर उन्हें मिला है। और यही कारण है कि वे प्रेरितों की पुस्तक में अभिलिखित कार्यों को नहीं कर पा रहे हैं, जो पतरस, याकूब, यूहन्ना और अन्य प्रेरितों ने किए थे, यह इस लिए है क्योंकि वह ऐसा सोचते हैं कि उनके पास वह है जो उनके पास पिन्तेकुस्त के दिन था, परन्तु यह आरम्भिक प्रेरितों वाली कलीसिया और भाई ब्रन्हम की तरह कार्य नहीं कर रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि वह शैतान के द्वारा धोखा खा गए हैं। और वह बैठे हुए हैं, आशान्वित हैं कि उस अभिषेक के साथ वे स्वर्गारोहण में चले जाएंगे। यह उन्हें स्वर्गारोहण में नहीं ले जा सकता है।

वे ईमानदार और निष्कपट हो सकते हैं, परन्तु वे क्लेश से होकर गुजरेंगे और यह उन्हें मुर्ख कुंवारियों के झुंड में डाल सकता है। और यह मूर्ख और बुद्धिमान कुवांरियों की समस्या है। बुद्धिमान कुवांरी पिन्तेकुस्त के वास्तविक भाग के पीछे गई और उन्होंने असली चीज प्राप्त की। और मूर्ख कुंवारियों को सिर्फ धोखा मिला, और आज यह वह स्थान है जहाँ इस संदेश का अनुसरण करने वाले लोग खड़े है। उनमें से अधिकतर यह सोचते हुए खड़े हैं कि उनके पास पिन्तेकुस्त का भाग है और वह उनके पास नहीं है।

अब मुझे इससे होने वाली हानि के विषय में बताने दें। यदि आप किसी मनुष्य को यह विश्वास दिला दें कि उसके पास वह है जो उनके पास पिन्तेकुस्त के दिन था, तब मेरे प्रियों उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं रह जाती कि आत्मा के एक बार और उँडेले जाने की प्रतीक्षा करे। अतः वे लोग आत्मा के एक बार और उँडेले जाने के लिए लड़ रहे हैं। अतः यह लड़ाई है जो उन्हें स्वर्गारोहण में शामिल करेगी। अब हम आत्मा के उँडेले जाने का प्रचार कर रहे हैं। और हम कह रहे हैं कि हमें वापस पिन्तेकुस्त पर जाना होगा, और यह बुद्धिमान कुवांरियों की शिक्षा है। मूर्ख कुवांरियाँ मूर्ख बन गई क्योंकि उसने कलीसिया काल पुस्तक की इस शिक्षा पर विश्वास किया है। यह पिन्तेकुस्तवाद है।

और ठीक आज, ऐसे लोग हैं जो स्वर्गारोहण की प्रतीक्षा कर रहे हैं और वे इसे प्रमाण मानते हैं कि वे संदेश का विश्वास करते हैं। वे स्वर्गारोहण में नहीं जा सकते। यह मेरा दावा है। यह एक गम्भीर बात है।

एक और चीज जो इस शिक्षा ने करी है वो यह कि यदि एक व्यक्ति को यह निश्चय हो जाए कि वह वापस पिन्तेकुस्त पर पहुँच चुका है और उसके पास वह पवित्र आत्मा का

बपतिस्मा है, तब उसके पास किसी चीज के लिए जोर लगाने की आवश्यकता नहीं है। अतः यह लोगों को इस रीति से प्रभावित करती है कि वे प्रभु के राज्य के लिए जोर लगाना बन्द कर देते हैं। और क्योंकि वह प्रभु के राज्य के लिए जोर लगाना बन्द कर देते हैं तो यह स्थिति उन्हें पाप में डुबो देती है। यह उन्हें सदोम में ले जाता है। यह वापस उन्हें खेल के मैदान में भेज देता है। यह उन्हें छोटे वस्त्रों और ऊँची एड़ी की जूतियों पर वापस भेज देता है। यह घरों में टेलीविज़न वापस ले आता है। और आप संदेश के ऐसे अनुयायियों को संस्थागत लोगों से अलग करके बमुश्किल पहचान सकते हैं, ऐसा इस लिए है क्योंकि इस शिक्षा ने उन्हें वापस लौदीकिया में धकेले जाने में सहायता की है। और जब विलियम ब्रन्हम के संदेश को आपको लौदीकिया में से खींचना चाहिए तब लौदीकिया का यह अंश यह कहता है कि तुम्हें केवल यीशु मसीह का विश्वास करना है और स्वर्गारोहण के लिए यही पर्याप्त है। अतः यह पिन्तेकुस्त 1906 और बैपटिस्ट का एक भाग है कि आपको इस धरती पर बांधा रखा जा सके।

डा0 वेले कलीसिया काल पुस्तक में उससे अधिक कुछ नहीं घुसा सकते थे जितनी उनकी समझ थी या पवित्र आत्मा का जितना प्रकाशन उनके पास था। उन्होंने बढ़िया काम किया और वह जो भी सही समझते थे वह उन्होंने इस पुस्तक में डाल दिया। और उसने यह उन पृष्ठों के मध्य में सरका दिया ,परन्तु मैं यह घोषणा करता हूँ कि कलीसिया काल पुस्तक पृष्ठ संख्या 139–148 एक पिन्तेकुस्तीय बीज है। मैं यह घोषणा कर रहा हूँ कि डा0 वेले के द्वारा कलीसिया काल पुस्तक की सहायता से संदेश के अन्दर पिन्तेकुस्तलवाद को घुसा दिया गया है। अब मुझे यह न बतायें कि वह क्या प्रचार करते हैं क्योंकि मैं स्वयं वहाँ पर था। आपको केवल प्रभु यीशु को अपना प्रभु व निज उद्धारकर्ता स्वीकार करना है और तत्काल आप स्वर्गारोहण हेतु योग्य हो जाते हैं। और ठीक यहाँ कलीसियाई काल पुस्तक में पृष्ठ 144 पर भाई वेले बिल्कुल इसी शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। यह पिन्तेकुस्तलवाद है। डा0 ली0 वेले का वक्तव्य : 144–2.....वचन के अनुसार पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है विषय पर मैं अपने आपको बिलकुल स्पष्ट कर देना चाहता हूँ। ना यह मेरे अनुसार है और ना ही तुम्हारे। यह तो " यहोवा यूँ फरमाता है ", या हमें झूठी अगूवाई..... मैं आपको अपना स्पष्ट मन्तव्य बनाता चाहता हूँ। मेरे कहने का अर्थ यह है कि पापी आगे आए और नया जन्म प्राप्त करे, जो पवित्र अत्मा का एक वास्तविक बपतिस्मा प्राप्त करना है। यह एक ही बात है। (स्मुरना कलीसिया काल –कलीसिया काल पुस्तक अध्याय–4)

यह गलत है अब आपने देखा कि इस शिक्षा ने क्या अहित किया है? (कलीसिया कहती है ,"आमीन")इसका एक कारण यह भी है कि वे सेवक और लोग जो पिन्तेकुस्तल कलीसिया से आते हैं इसे निगल सकते हैं क्योकि यह पिन्तेकुस्तल वाद की प्रमुख शिक्षा है। अतः पिन्तेकुस्तलवाद ने संदेश में अपना मार्ग बना लिया है और यह कलीसिया काल पुस्तक तक पहुँच गया है, और भविष्यद्वक्ता का नाम वहाँ लेखक के रुप मे लिखा है। अतः

यह भविष्यद्वक्ता के नाम से आ रहा है और यह निकुलेइयों की शिक्षा है। और इस शिक्षा का कार्य जन साधरण पर कब्जा करना होता है। अतः वहाँ पर एक आत्मा थी जो अपना कार्य आरम्भ कर चुकी थी, और इस समय ; कहने में यह एक भयंकर बात है, मैं जानता हूँ कि यह बहुत विवादास्पद है, परन्तु आज रात्रि मैं इसे प्रमाणित करने वाला हूँ , और मैं इसे डा0 वेले और भाई कोसोरेक के सम्मुख पहले ही प्रमाणित कर चुका हूँ और वह इससे बच नहीं सकते। हम सही हैं ; वे गलत हैं।

मैं संदेश जगत में घोषित करता हूँ , जब बाइबिल कहती है कि, जिसके पास कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है, तो यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं था और ना ही यह इसका प्रमाण था कि आपके पास वह है जो उनके पास पिन्तेकुस्त के दिन था। और यही कलीसिया काल पुस्तक में उद्धरत किया गया है। मैंने अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए डा0 वेले के वक्तव्य का प्रयोग किया। डा0 वेले ने वहाँ पर यह शिक्षा दी थी कि यदि आपके पास पिन्तेकुस्त के दिन जैसा पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं था तो आप इस संदेश को सुन नहीं सकते थे। अब पास्टर कोसोरेक इससे इंकार कर रहे हैं। यह उसका जबाब है। यह उसका बचाव है। वह उससे इंकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डा0 वेले ने ऐसा कभी नहीं कहा। तब आप इसे अपने आप सुने। मैं डा0 वेले के क0 का0 पुस्तक के वक्तव्यों को पढ़ूँगा जो कि पृष्ठ 141, 143, 144, 164, 165 पर है और आप स्वयं सुन सकते हैं। हममें से अधिकतर लोग शिक्षित हैं।

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा–नया जन्म
सुनने वाले कान–कलीसिया काल पुस्तक पृष्ठ 139–148

दूसरी भ्रान्ति

कुपन्थीय लेखन संख्या 722–723

डा0 ली वेले का वक्तव्य ; (क0 का0 पु0) : 141–1 और हरेक काल में हमने एक ही सत्य को सुना है। '' जिसके कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।'' परन्तु केवल आत्मा से भरा हुआ एक मनुष्य ही उस युग के प्रकाशन को समझ सकता है। कोई और नहीं। नहीं श्रीमान! वे नहीं सुन सकते थे क्योंकि पौलुस ने 1. कुरन्थियों 2:6–16 में बिल्कुल यही कहा है। (स्मुरना कलीसिया काल–क0 का0 पु0 अध्याय 4)

कलीसिया काल पुस्तक का उद्धरण : 143–1 यदि आप में पवित्र आत्मा न हो, तब आप सत्य को सुनेंगे ही नहीं और यदि आप दिन के प्रत्येक क्षण सत्य को सुनते रहें तब भी इसे प्रकाशन के द्वारा ग्रहण नहीं कर पाएंगे। पौलुस के दिनो में यही उनमें निवास करने वाली आत्मा का चिन्ह था। वे जो आत्मा से भरे हुए थे उन्होंने वचन सुना, स्वीकार किया

और उसके अनुसार जीवन जिया और वे जिनके पास आत्मा नहीं था, उन्होंने सांसारिक मनुष्यों की भाँति वचन सुना, उसका गलत अर्थ लगाया और पाप में डूब गए।

डा0 ली वेले का वक्तव्य : कलीसिया काल पुस्तक : 144–1.....तब हम जानते हैं कि उस व्यक्ति के अन्दर आत्मा को निवास करता होना चाहिए अन्यथा वह उस समय के संदेश को स्वीकार नहीं कर सकता है ।आमीन। यह बिल्कुल सही है।

डा0 ली वेले का वक्तव्य : कलीसिया काल पुस्तक : 164–3.....वचन हमेशा वास्तव में आत्मा भरे हुए मनुष्य में आता है। यह पवित्र आत्मा से भरे हुए होनें का प्रमाण है।

डा0 ली वेले का वक्तव्य : कलीसिया काल पुस्तक : 165–2.....प्रत्येक कलीसिया काल में हमने इन शब्दों को सुना है, ''जिसके कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।'' वचन आत्मा देता है। यदि आपके पास आत्मा है तब आप अपने काल के वचन को सुनेंगे जैसे उन सच्चे मसीहियों ने अपने काल के संदेश को ग्रहण किया था।

कुपन्थीय लेखन सं0 722 : ''अपने समय के संदेश को सुनने के लिए आपके पास पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होना आवश्यक है। यह सुनने वाला कान है और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होने का प्रमाण है।

अ– जिसके पास कान हैं–पवित्र आत्मा के बपतिस्में का प्रमाण नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले, प्रत्येक युग में पवित्र आत्मा के विषय पर, दो महत्वपूर्ण विषयों को यह प्रमाणित करने के लिए प्रयोग किया गया है कि एक विश्वासी के भीतर पिन्तेकुस्त का हिस्सा अर्थात आत्मा का निवास होना चाहिए, इससे पहले कि वह दिव्य प्रकाशन के द्वारा आत्मा को सुन सके और अपने समय के संदेश और संदेशवाहक को प्राप्त कर सकें।

मैंने सकारात्मकता से घोषित किया है कि एक व्यक्ति को आत्मा के सुनने के लिए और अपने काल का सत्य सुनने के लिए आत्मा से भरे होने की आवश्यकता नहीं है। मैं इस भ्रान्ति को वचन से और संदेश से चुनौती देता हूँ। प्रेरित पौलुस ने उस काल के सुसमाचारीय संदेश से यह स्पष्ट किया कि एक व्यक्ति सत्य का वचन सुनने के पश्चात ही आत्मा से भरता है और उस पर पवित्र आत्मा की छाप लगती है और वह पिन्तेकुस्त का भाग प्राप्त करता है।

एक पापी मनुष्य सत्य की आत्मा को सुनने हेतु आत्मा से भरा होने के लिए पूर्व अपेक्षित नहीं है। ऐसे बहुतेरे हैं जो विभिन्न धर्मो और संस्थाओ से आए, जो कि आत्मा से भरे हुए नहीं थे, और उन्होने आत्मा के द्वारा सत्य को सुना और प्रकाशन के द्वारा इसे ग्रहण किया।

इफिसियों 1:13 और उसी में तुम पर भी जब तुमने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुमने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा

की छाप लगी।

यूहन्ना 5:24 मैं तुम से सच सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है , अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।

यीशु के प्रेरितों और शिष्यों ने उस युग के संदेश और संदेशवाहक को पहचाना और उसे ग्रहण किया और मृत्यु से जीवन में आ गए, और तत्पश्चात वे पिन्तेकुस्त पर पहुँचे। भविष्यद्वक्ता ने इसकी इस प्रकार से पुष्टि की :

वि0 मे0 ब्रन्हम : 37.....तुमने यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा नया जन्म पाया है, देखा ? विश्वास करने के द्वारा और उसे उद्धारकर्ता ग्रहण करने के द्वारा, तुमने नया जन्म पाया....क्योंकि तुम मृत्यु से पार होकर जीवन में आ गए हो। यदि तुम इसकी पुष्टि करना चाहते हो यूहन्ना 5:24 का अध्ययन करो....उसने विश्वास करने के द्वारा जीवन पाया। और उसी झुण्ड को पिन्तेकुस्त में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने जाना था। (अधोगामी गणना 62–0909 एम.)

वि0 मे0 ब्रन्हम : 269–प्र0–60 .....''जो मेरा वचन सुनता और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है अनन्त जीवन उसका है।'' यह नया जीवन है। आप परिवर्तित हो गए हैं ; इसका अर्थ है आप पूरी तरह से वापस मुड़ गए हैं।

परन्तु पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आपको मसीह की देह में स्थापित करता है और यह सेवा के लिए वरदानों से सम्बन्धित है।

अब देखें अनन्त जीवन.....यीशु ने कहा, ''जो मेरा वचन सुनता और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है अनन्त जीवन उसका है और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। और अब आप एक नई सृष्टि हो। (प्रश्न एवं उत्तर, इब्रानियों भाग 2. सी0 ओ0 डी0 57–1002)

पहले अनन्त जीवन तब बपतिस्मा

वि0 मे0 ब्रन्हम : 111 आप कहते है, ''भाई ब्रन्हम पवित्र आत्मा के विषय में आप क्या कहते हैं ?'' पवित्र आत्मा आपको सेवा के लिए देह में स्थापित करता है, परन्तु आप अनन्त जीवन में प्रवेश करते हैं।'' वह जो मेरा वचन सुनता और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता हैं, अनन्त जीवन उसका है।'' तब आपका पवित्र आत्मा के द्वारा देह में बपतिस्मा होता है कि वरदानों का प्रकटीकरण और अन्य बातें हों, परन्तु आप अनन्त जीवन में विश्वास करते हैं। (आपको नया जन्म लेना है 61–123)

यूहन्ना 10:27 मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे

पीछे चलती हैं।

शिष्यों और प्रेरितों ने प्रभु की आवाज/ वचन, अपने समय के संदेश वाहक और संदेश को सुना और उसका अनुसरण किया और उसके पश्चात वे लोग पिन्तेकुस्त तक पहुँचे।

मत्ती 16:13–17 यीशु कैसरिया फिलिप्पी के देश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, कि लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं ? उन्होंने कहा, कितने तो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कितने एलिय्याह, और कितने यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं। उसने उन से कहा : परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो ? शिमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवते प्रभु का पुत्र मसीह है। यीशु ने उसको उत्तर दिया, कि हे शिमौन योना के पुत्र, तू धन्य है ; क्योंकि मांस और लोहू ने नही परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रकट की है।

प्रेरित पतरस ने मनुष्य के पुत्र, मसीह जो कि उस समय का संदेशवाहक था के वचन को सुना और उसे माना, परन्तु फिर भी उसने काफी बाद में जाकर पिन्तेकुस्त के भाग को पाया।

ब–1कुरिन्थियों 2:6–16 का गलत अनुवाद हुआ है

डा0 वेले ने 1कुरिन्थियों 2:6–16 को प्रयोग किया है : ''हमें प्रभु का आत्मा प्राप्त हुआ.....कि हम प्रभु की चीजों को जान सकें.....जिसे पवित्र आत्मा सिखाता है.....सांसारिक मनुष्य आत्मा की चीजें प्राप्त नहीं कर सकता है.....क्योंकि वे आत्मा से परखे जाते हैं।

डा0 वेले ने यह मान लिया कि उपरोक्त उद्धरण पिन्तेकुस्त के अनुभव के विषय में बात कर रहा हैं

प्रेरित पौलुस का जोर पिन्तेकुस्तीय अनुभव, निवास करने वाली आत्मा पर नहीं है, परन्तु एक अनुग्रह के कार्य पर जोर दे रहा है जो पवित्र आत्मा के बपतिस्में से पहले होता है।

डा0 वेले की भ्रान्ति पवित्र आत्मा के बपतिस्में पर जोर देना है न कि आत्मा के द्वारा किए जाने वाले अनुग्रह के कार्य पर।

यह अनुमान समय के संदेश और प्रभु के वचन के विरुद्ध है। यह वचन विरुद्ध और भ्रान्तिपूर्ण हैं यह एक भटकाने वाला और संदेश के विश्वासियों के लिए हानिकारक है और इसने बहुत से भ्रमों और कुपन्थों को उत्पन्न किया है।

1 कुरिन्थियों 2:6–16 पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा आत्मा से भरे जाने के विषय में नहीं कह रहा है जैसा कि कलीसिया के साथ आत्मिक चीजों को परखने से पहले

पिन्तेकुस्त के दिन हुआ था। यह पवित्र आत्मा द्वारा किए जाने वाले अनुग्रह के एक कार्य के विषय में कह रहा है जो विश्वासी जन के पहले से ठहराए जाने और प्रभु के चुनाव द्वारा सम्पादित होता है।

6:44. कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले ; और मैं उस को अन्तिम दिन फिर जिला उठाऊँगा।

6:37. जो कुछ पिता मुझे देता है वह सब मेरे पास आएगा, और जो कोई मेरे पास आएगा, उसे मैं कभी न निकालूँगा।

पिन्तेकुस्तीय अनुभव के बिना भी सन्तों ने आत्मिक परख की है

पुराने और नये दोनों ही नियमों के सन्तों ने पिन्तेकुस्तीय अनुभव के बिना ही आत्मिक परख की है सत्य को सुना और संदेशवाहक और उसके संदेश को मान्यता दी तथा उस समय और काल के मसीह की पहचान की।

उदाहरण : इलीशिबा, शिमौन, हन्ना, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, सामरी स्त्री, पतरस, प्रेरित एवं पौलुस : उन सभी ने ऐसा किया जबकि पिन्तेकुस्तीय आशीष उन्हें अभी नहीं मिली थी, क्योंकि पवित्र आत्मा अभी उन्हें नहीं दिया गया था। (यहून्ना 7:38–39)।

यह सब आत्मा के द्वारा एक अनुग्रह के कार्य के तहत हुआ।

मत्ती 16:13–16–पतरस– ''तू जीवते प्रभु का पुत्र मसीह है।''

लूका 1:41– इलीशिबा– ''मेरे प्रभु की माता.....तेरे गर्भ का फल धन्य है।''

लूका 2:25–32–शिमौन– ''मेरी आँखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है।''

लूका 2:36–38–हन्ना ने मसीह की भविष्यवाणी की–उसने प्रभु का धन्यवाद दिया।

यूहन्ना 1:29–34–यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला–''देखो यह प्रभु का मेमना है।''

यूहन्ना 1:40–42–अन्द्रियास एंव शिमौन पतरस–''हमने मसीह–ख्रीस्त को पा लियां''

यूहन्ना 1:43–51–फिलिप्पुस एवं नथानियल–''तू प्रभु का पुत्र : और इस्त्राएल का राजा है।''

यूहन्ना 4:19–25–सामरी स्त्री। ''श्रीमान मुझे ज्ञात होता है कि तू एक भविष्यद्धक्ता है।''

यूहन्ना 6:67–69–''हम विश्वास करते हैं और हमें निश्चय है कि तू मसीह, जीवते प्रभु का पुत्र है।''

प्रेरितों 9:3–5–''हे प्रभु तू कौन है।'' प्रेरितों 9:17–18–''पवित्र आत्मा से भर गया।''

कुपन्थीय लेखन संः 723ः नया जन्म और बपतिस्मा समान बात है।

स–नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक ही बात है

डा0 वेले की शिक्षा बनाम विलियम मेरियन की शिक्षा

डा0 ली वेले ; कलीसिया काल पुस्तकः 144–2 अब इससे पहले कि हम इस विषय को छोड़ें मैं वचन के अनुसार पवित्र आत्मा के बपतिस्में के प्रति अपने विचारों को बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूँ। ये मेरे अनुसार नहीं है और न ही आपके अनुसार है। इसे ''यहोवा यूँ फरमाता'' के अनुसार होना चाहिए या फिर हमें गलत अगुवाई प्राप्त हुई है।

.....मैं आपको अपना मन्तव्य बिल्कुल सही रूप में समझाना चाहता हूँ। मेरा तात्पर्य यह है कि पापी आगे आए और नया जन्म प्राप्त करे, जो कि पवित्र आत्मा द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा देना है जो कि पिन्तेकुस्त के दिन कलीसिया की स्थापना के बिल्कुल समरूप है। दूसरे शब्दों में आत्मा से जन्म लेना पवित्र आत्मा का वास्तविक बपतिस्मा है। यह एक ही बात है।(स्मुरना कलीसिया का0–क0 काल पुस्तक अध्याय–4)

कलीसिया काल पुस्तक 154–1 पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा क्या है ? यह आत्मा द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा है। यह नया जन्म है।

ऐसा नहीं है कि नया जन्म हमें यीशु की आत्मा के हमारे जीवन में आने से मिला हो और तब बाद में पवित्र आत्मा हमें सामर्थ देने आया हो। (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय–4)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले ने यह बिल्कुल स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया है कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और नया जन्म एक ही चीज है और यही था जो उन्होंने पिन्तेकुस्त के दिन प्राप्त किया था।

इसे भविष्यद्धक्ता भाई ब्रन्हम की नकल में ''यहोवा यूँ फरमाता है'' कि तरह बोला गया।

वचन और संदेश के विपरीत प्रचार करना स्वयं में पर्याप्त खतरनाक है, परन्तु जब एक व्यक्ति प्रभु के नाम में बोलता है : ''यहोवा यूँ फरमाता है,'' और उसमें भविष्यद्धक्ता का नाम जोड़ देता है तो यह ईमानदार लोगों और स्वयं उस व्यक्ति के लिए आत्मिक मृत्यु बन जाती है। इस घटना में लोगों ने इस भ्रान्ति से इस हद तक धोखा खाया है कि वह इसे भविष्यद्धक्ता की शिक्षा समझ कर अपने प्राणों को भी न्यौछावर करने से नहीं हिचकेंगे

और वे यह नहीं जानते कि ये ''डा0 वेले यूँ फरमाता है'' वाला वचन है।

टेप में कहीं भी भविष्यद्धक्ता ने इस भ्रान्ति के संदर्भ में ''यहोवा यूँ फरमाता है'' वक्तव्य का प्रयोग नहीं किया है, बल्कि उसने इसे गलत शिक्षा के रूप में इससे इंकार किया और इसकी भर्त्सना की है।

वह ऐसा नहीं कर सकता था कि एक ही बात को प्रभु के नाम में बोले और फिर स्वयं ही अपनी शिक्षा का इंकार कर दे। यह उसे एक भ्रमित भविष्यद्धक्ता बना देगा। इस विषय पर डा0 वेले की भ्रान्ति पूर्ण शिक्षा अनादर पूर्ण और भाई ब्रन्हम की शिक्षा के विपरीत है। यह उत्त्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक के विपरीत है।

यह भ्रमपूर्ण, वचन विरुद्ध, संदेश से बाहर और शैतानी रूप से धोखा देने वाली है। यह लौदीकिया में कलीसिया को गुनगुना बनाए रखने के लिए पेश की जाती है। वे पिन्तेकुस्त के वास्तविक अंश को प्राप्त करने के लिए जोर नहीं लगाएंगे और स्वर्गारोहण में शामिल होने से चूक जाएंगे।

लगभग सम्पूर्ण संदेश जगत ने डा0 वेले की इस भ्रान्ति पर इस सीमा तक विश्वास किया है कि यदि डा0 वेले अपनी भ्रान्ति का यह कहकर सुधार कर लें '' कि मेरी बात को गलत समझा गया '' तो वह असंख्य लोगों के प्राण के लिए मुक्ति लेकर आएंगे। यदि वह यह अपराध स्वीकार कर लें कि वह गलत हैं और भविष्यवक्ता सही है तो वह उस से ज्यादा प्राणों को जीत सकता है जितना उसने अब तक अपने सम्पूर्ण जीवन काल में जीते है। क्या तुम और डा0 वेले इस उदाहरण को गलत ठहरा सकत हो।

यीशु व प्रेरित–नया जन्म–तब बपतिस्मा

यूहन्ना 1:13 (वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से परन्तु प्रभु से उत्पन्न हुए हैं।

प्रेरितों का नया जन्म (यूहन्ना 4:24) प्रभु के वचन को सुनने के द्वारा उन्होंने अनन्त जीवन प्राप्त किया और उसके पश्चात पिन्तेकुस्त के दिन उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला।

प्रेरित पतरस ने मनुष्य के पुत्र, यीशु मसीह को स्वीकारने के द्वारा नया जन्म प्राप्त किया और पवित्रात्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने के लिए पिन्तेकुस्त के दिन तक प्रतीक्षा की।

यहून्ना 5 : 1 इन बातों के पीछे यहूदियों का एक पर्व हुआ और यीशु यरुशलेम को गया।

प्रभु के भविष्यवक्ता ने भी इसी चीज की पुष्टि अपने बहुत से विशिष्ट वक्तव्यों

के द्वारा की और वह डा0 वेले की शिक्षाओं के बिलकुल विपरीत है। भाई ब्रन्हम की शिक्षाएं उपरोक्त वचनों पर आधारित थीं जबकि डा0 वेले की भ्रान्तियाँ पिन्तेकुस्तवाद और बैप्टिस्ट शिक्षाओं पर आधारित थीं। इसी कारण से यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि क्यों उन्होंने संदेशों में इन भ्रमपूर्ण शिक्षाओं को घुसाने के लिए जोर जबरदस्ती की है।

भविष्यवक्ता ने स्पष्ट रुप से यह बताया कि वह इस शिक्षा में न तो विश्वास करते हैं और न ही इसका प्रचार करते हैं ; कि वह यह प्रमाणित कर सकते हैं कि नया जन्म और पवित्रात्मा का बपतिस्मा दो अलग, भिन्न अनुभव हैं। मैं उसकी बात से सहमत हूँ। डा0 वेले की शिक्षाएं भाई ब्रन्हम के द्वारा प्रचारे गए सत्य के विपरीत हैं, और निम्न वक्तव्यों के द्वारा इसे स्पष्ट रुप से देखा जा सकता है।

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नए जन्म से भिन्न है

वि0 मे0 ब्र0 : 37.....लोग कहते हैं कि पवित्रात्मा का बपतिस्मा नया जन्म है। अब यह गलत है। पवित्रात्मा का बपतिस्मा नये जन्म से भिन्न है। नया जन्म वह है जब आप दोबारा जन्म लेते है। परन्तु पवित्रात्मा का बपतिस्मा वह है जब सेवा कार्य के लिए सामर्थ जीवन में आती है। यह सही बात है। आप समझे ? पवित्रात्मा में बपतिस्मा ।

.... प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करने के द्वारा आपने नया जन्म पाया है। समझे ? आपमें विश्वास होने और उसे अपना मुक्तिदाता स्वीकार `करने के द्वारा, यह जन्म लेना. ....क्योंकि तुम मृत्यु से जीवन में आ गये हो। अब यदि आप इसे वचन में देखना चाहते हों तो यह यूहन्ना 5:24 में है। उसने विश्वास करने के द्वारा जीवन पाया।

और वही झुण्ड था जिसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने के लिए पिन्तेकुस्त तक जाना था.....पवित्र आत्मा सेवा के लिए समर्थन है। अतः जब नया जन्म प्राप्त करने की बात कही जाती है और उसे पवित्र आत्मा के साथ जोड़ा जाता है, तो बहुत से मैथोडिस्ट और अन्य लोग वहाँ पर गलत होते हैं.....यह यहाँ पर वचन के अनुसार नहीं है। आप इस चीज को दूसरे रास्ते पर ले गये हैं। आप को इसे उस राह पर बनाए रखना है जहाँ वचन ने रखा है....''इसके पश्चात तुम नया जीवन प्राप्त करोगे''? क्या ? नहीं। पवित्र आत्मा के तुम पर आ ठहरने के पश्चात (प्रेरितों 1:8) तुम सामर्थ प्राप्त करोगे।'' और उन लोगों ने पहले ही अनन्त जीवन पर विश्वास कर लिया था, परन्तु सामर्थ के लिए उन्हें पवित्र आत्मा की आवश्यकता थी। ''जब पवित्र आत्मा तुम पर आ जाएगा तब तुम मेरे गवाह ठहरोगे,'' क्योंकि पवित्र आत्मा पुनुरुत्थान का गवाह है, और प्रदर्शित करता है कि आप मसीह में व्यस्क हो चुके हैं। (अधोमुखी गणना 62–0909 एम.)

आप आत्मा से जन्में और तब पवित्र आत्मा में बपतिस्मा हुआ

वि0 मे0 ब्रन्हम : 35.....मैं इसकी शिक्षा देता हूँ और इसका विश्वास करता हूँ ,

और जो विश्वास करता हूँ वह वचन द्वारा पर्याप्त रूप से प्रमाणित किया जा सकता है कि तुमने आत्मा से जन्म लिया और तब पवित्र आत्मा के द्वारा तुम्हारा देह में बपतिस्मा किया गया। (तुम्हें नया जन्म लेना होगा 61–123)

मुझे विश्वास नहीं है कि नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है

वि0 मे0 ब्रन्हम : 117.....मुझे यह बिल्कुल विश्वास नहीं है कि नया जन्म होने से पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होता है। यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है ; यह तो नया जन्म होता है। हमने लहू के द्वारा नया जन्म लिया है। जीवन की कोशिकाएं लहू से आती हैं। तुम्हारा पवित्र आत्मा के द्वारा देह में बपतिस्मा हुआ है, परन्तु लहू के द्वारा तुम्हारा नया जन्म हुआ है। (किसी दूसरे का प्रभाव 62–1013)

नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है

वि0 मे0 ब्रन्हम : 114.....और नये सिरे से जन्म लेने का अर्थ यह नहीं है कि आपको पवित्र आत्मा प्राप्त हो गया है। बहुतेरे ऐसी शिक्षा देते हैं। ''मेरी ऐसी शिक्षा देने वाले किसी व्यक्ति से पहचान नहीं है,''.....परन्तु नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। वचन इसका समर्थन नही करता है जहाँ तक मेरे दृष्टिकोण का सवाल है मैं ऐसा नहीं सोचता हूँ। (दरवाजे की चाभी 62–1007)

129. मैं विश्वास करता हूँ कि मार्टिन लूथर के पास पवित्र आत्मा था। हो सकता है कि आज की तुलना में कम हो, 'क्योंकि यह तब तक प्रदान नहीं किया गया था.....मैने आज प्रातः तक कभी यह नहीं सोचा था कि कोई और व्यक्ति मेरी तरह यह विश्वास करता होगा, जब मैं नीचे जा रहा था तो मैने चार्ल्स फुलर को बोलते सुना। वह भी ऐसा विश्वास करता है, कि नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। जन्म होने को नया जन्म कहते हैं। पवित्र आत्मा बपतिस्मा है। देखा ? ठीक है। (मैं क्यों संगठित धर्म के विरुद्ध हूँ 62–1111 ई.)

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नये जन्म से भिन्न कार्य है

वि0 मे0 ब्रन्हम : 269–प्र0–60.....जिस समय हम पवित्र आत्मा प्राप्त करते हैं, यह घटित होता है.....क्या यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है, या यह कुछ समय पश्चात होना है, या यह आत्मा से भरा जाना है ?

अब यहाँ एक प्रश्न उत्त्पन्न होता है.....नहीं, जब आप प्रभु यीशु पर विश्वास करते हैं तब आपको नया जन्म प्राप्त होता है। जब आप प्रभु पर विश्वास करते हैं तो आपको एक नया विचार, नया जीवन प्राप्त होता है, परन्तु यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। देखा? जब आप विश्वास करते हैं तो आपको नया जन्म प्राप्त होता है ; अनन्त जीवन प्राप्त होता

है। यह प्रभु का एक वरदान है जो आपको परम अनुग्रह के द्वारा दिया जाता है यदि आप प्रभु के द्वारा दिये हुए इस वरदान को स्वीकार करते हैं तो। ''जो मेरे वचनों को सुनता है और भेजने वाले की प्रतीति करता है उसके पास अनन्त जीवन है ;'' यह नया जन्म है। आपने अपने विश्वास का परिवर्तन किया है, इसका अर्थ है कि जो पहले था आप ने उसकी तरफ से पीठ फेर ली है।

परन्तु पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आपको मसीह की देह में स्थापित करता है, और यह सेवा हेतु आपको दिए जाने वाले वरदान का विषय है। यह आपको मसीही नहीं बनाता बल्कि यह आपको वरदानों की देह में स्थापित करता है। देखा ? ''अब, एक आत्मा के द्वारा (1.कुरि. 12) हमने एक आत्मा के द्वारा एक देह में बपतिस्मा लिया है। अब पौलुस कहता है, ''वरदान अनेक हैं, और इस देह में नौ आत्मिक वरदान है।'' और इस देह में....आपको इनमें से एक वरदान को प्राप्त करने के लिए इस देह में बपतिस्मा लेना होगा। वे वरदान देह के साथ आते हैं।

परन्तु अब, यदि अनन्त जीवन पाने और मसीही होने की बात है तो जिस क्षण आपने विश्वास कर लिया आप मसीही बन गए। अब यह कृत्रिम विश्वास नहीं है परन्तु यह प्रभु यीशु पर वास्तव में विश्वास करके उसे अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करना है, आप उसी क्षण नया जन्म पा लेते हैं, अनन्त जीवन पा लेते हैं। प्रभु आपके अन्दर आ जाता है।

देखा आपने ? पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नया जन्म पाने से एक अलग कार्य है। एक जन्म है : एक बपतिस्मा है। एक आपके लिए अनन्त जीवन लाता है और दूसरा आपको सामर्थ देता है। यह अनन्त जीवन को संचालित करने की सामर्थ देता है(समझे ?)अब, आपको यह समझ आया ? ठीक है। (प्र0 एवं उ0 इब्रानियों भाग 2. सी0 ओ0 डी0 57–1002)

पहले अनन्त जीवन, तब बपतिस्मा

वि0 मे0 ब्रन्हम : 111 आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम पवित्र आत्मा क्या करता है ?

पवित्र आत्मा आपको सेवकाई के लिए देह में बपतिस्मा देता है, परन्तु आप अनन्त जीवन में भरोसा रखते हैं। ''वह जो मेरे वचन मे विश्वास रखता है और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है उसके पास ''अनन्त जीवन है।'' तब वरदानों के प्रकटीकरण के लिए पवित्र आत्मा आपको देह में बपतिस्मा देता है, परन्तु आप अनन्त जीवन पर विश्वास करते हैं। (तुम्हें नया जन्म लेना होगा 61–123)

पिरामिड शिक्षा – नया जन्म बपतिस्में से भिन्न है

भविष्यद्धक्ता की पिरामिड सम्बन्धी शिक्षा को पवित्र आत्मा के बपतिस्में के सम्बन्ध

ा में नया जन्म विषय पर समस्त संदेहों को समाप्त कर देना चाहिए। एक चित्र हजार शब्दों के बराबर होता है। उसने अपने प्रकाशन की शिक्षा दी और उसे एक पिरामिड के रूप में चित्रित कर दिया और उसने नये जन्म के विषय को पिरामिड के तल पर और पवित्र आत्मा के बपतिस्में को शीर्ष पर रखा। सदगुण इन दोनों अनुभवों को विभक्त करते हें। यदि कोई व्यक्ति संदेश की सच्चाई को जानने के पश्चात भी अनजान बना रहता है तब वह अपनी इच्छा से अनजान बना हुआ है।

विश्वास के द्वारा नया जन्म

182–2 ध्यान दें ; आपको नया जन्म लेना आवश्यक है, और जब आप नया जन्म पा लेते हैं, विश्वास के बिना आपका नया जन्म नहीं हो सकता। विश्वास इसका आधार है। (एक सिद्ध मनुष्य की कद काठी 62–1014 एम.)

22–1 सबसे पहले आपको नया जन्म लेना है। और जब आप नया जन्म पा चुके हैं तो आपके पास विश्वास है ; आप वचन पर विश्वास करते हैं...तो आपका नया जन्म हो गया। और वह विश्वास उत्पन्न करता है... तब जब आप विश्वास पा लेते हैं ; वि–श–वा–स, तब आप विकासशील स्थिति में पहुँच जाते हैं। (एक सिद्ध मनुष्य का डील डौल 62–1014 एम.)

तब पवित्र आत्मा के वास्तविक बपतिस्में में आपके ऊपर पवित्र आत्मा आता है

48–1 तब पतरस यहाँ पर पहले सात चीजों को कहता है, विश्वास सद्‌गुण, (देखा यह ऊपर की ओर बढ़ रहा है) समझ, संयम, धीरज, भक्ति, भाई चारे की प्रीति और तब प्रभु का प्रेम अर्थात पवित्र आत्मा। पवित्र आत्मा के वास्तविक बपतिस्में में मसीह पवित्र आत्मा के रूप में आपके ऊपर आता है और आपके अन्दर इन सद्‌गुणों को धारण कराके यह आपके ऊपर छाप लगा देता है। तब प्रभु उस डेरे में निवास करता है, जो जीवित प्रभु का निवास स्थान एक जीवित डेरा है। (एक सिद्ध मनुष्य का डील डौल 62–1014 एम.)

48–2 जब एक मनुष्य के पास इस प्रकार की चीजें होती है, तब पवित्र आत्मा उसके ऊपर आ जाता है। (एक सिद्ध मनुष्य का डील डौल 62–1014 एम.)

पहले नया जन्म तब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होना

ई–71 आपको नये सिरे से जन्म लेना है, और जब आपका नया जन्म होता है, तब आपको पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होना अवश्य है। (द्वार के भीतर एक द्वार 63– 0223)

नये जन्म के पश्चात व्यक्ति पवित्र आत्मा के बपतिस्में का उम्मेदवार बन जाता है

ई–70 आप यहाँ इस लिए आए हैं कि तुम्हें प्रभु से चितौनी प्राप्त हुई और तुमने उसे स्वीकार किया। और जब आप यहाँ आए, आपने अपने सिरों को झुकाया और प्रभु के सामने सर्मपण किया, और आपने अपने पापों का पश्चाताप किया तो आपने नये सिरे से जन्म ले लिया है। तब आप कलीसिया में, मसीह की देह में पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा पाने के उम्मेदवार हो जाते हैं। केवल एक बपतिस्मा है और वह है पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। ''एक आत्मा के द्वारा हमने एक देह में बपतिस्मा लिया है।''

आप एक विश्वासी बन गए हैं और विश्वास करने के द्वारा आपने नया जन्म प्राप्त किया है। ''जो मेरा वचन सुनता और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है।'' परन्तु प्रभु देह में आपका बपतिस्मा करता है और पवित्र आत्मा के द्वारा आपको सेवकाई में लाता है। यह है जो आप प्रभु के लिए कर सकते हैं और प्रभु आप के लिए कर सकता है। यही अन्तर है। आप पश्चाताप करें और जो प्रभु ने किया है उसे स्वीकार करें ; तब प्रभु आपको अगली चीज देगा और वह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होगा।

इन लोगों ने नया जन्म पाया है। वे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं और उसे अपना निज उद्धारकर्ता मानते हैं.....अब, वे हमारे संग इस महान कर्म भूमि में सहकर्मी होने के लिए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहते हैं। (तब यीशु आ गया 57–0302)

ई–38 अब, हे पिता आप इन्हें अपने राज्य में लें, मुझे विश्वास है कि यहाँ जितनों ने भी अपने हाथों को उठा रखा है उन्होंने नया जन्म प्राप्त किया है। और मैं प्रभु से उनके लिए प्रार्थना करता हूँ कि आप उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दें ; और इस नये हृदय और नयी आत्मा, 'जो उन्होंने अभी–2 प्राप्त की है, में वह नन्हीं सी पवित्र आत्मा स्थापित कर दें, जिससे इनकी देह व्यवस्थित हो सके। आप उन्हें महान वरदानों का दान दें और उन्हें समय के चिन्हों को देख पाने दें। आप यह सब प्रदान करें प्रभु। (तुम यीशु को क्या समझते हो 57–0303 ई.)

पास्टर कोसोरेक मैं विश्वास करता हूँ कि आप अपनी प्रतिक्रिया मे वचन और संदेश के साथ बने रहने की अपनी घोषित नीति का पालन करेंगे।

मैं आपकी प्रशंसा करुँगा कि आपने मुझे वचन और व्यवस्थित रीति से उत्तर दिया है। डा0 वेले का लेखन एंव प्रस्तुतिकरण अनुपम है। और मैं आशा करता हूँ कि तुम इसे अपना आदर्श मान कर अनुकरण करोगे, क्योंकि तुम उसकी ओर से प्रश्नों के उत्तर देने, संसार के समस्त महाद्वीपों की यात्रा करने और सेवकों की बड़ी सभाओं को सम्बोधित करने हेतु नियुक्त किये गए हो। क्या एक भाई और साथी सेवक के नाते मैं तुम्हें सावधान कर

सकता हूँ कि तुम इस आपत्तियों पर बड़े सावधानी पूर्वक और प्रार्थनाओं के साथ ध्यान दो और अपनी घोषित नीतियों के साथ ही प्रतिक्रिया दो। तुम अपने बहुत से सेवक गणों से सम्मान पा सकोगे यदि तुमने उन्हें भविष्य में कभी सात कलीसिया काल के इस वार्तालाप को पढ़ने का अवसर दिया।

यदि तुमने अपनी स्थापित नीति का पालन किया तो तुम इस वार्तालाप में प्रकट की गई भ्रान्तियों से कभी इंकार नही कर पाओगे।

कृपया मुझे भविष्यद्धक्ता द्वारा डा0 वेले की प्रशंसाओं के उद्धरणों के ढेर को न भेजें। मैं उनके विषय में तुम्हारे पहले पत्र में पढ़ चुका हूँ और उनकी सराहना करता हूँ,, वह पत्र सात मुहरों/सात गर्जनों के विषय में था और उसी पत्र ने हमें इस वार्तालाप को आगे बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया था। ऐसे उद्धरण डा0 वेले द्वारा सात कलीसिया काल पुस्तक में घुसाई गई भ्रान्तियों के मेरे खण्डन से तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकते हैं।

लूका 14:11 क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा ; और जो कोई अपने आप को छोटा बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।

कृपया मेरी सलाह पर गौर करें कि वार्तालाप का तीसरा भाग सही समयावधि में समाप्त हो जाए। मैं शीघ्र भेजे जाने वाले प्रत्युत्तरों की प्रशंसा करुँगा। मैं जानता हूँ कि तुम एक अर्न्तराष्ट्रीय सेवकाई में प्रभु के एक व्यस्त सेवक हो, परन्तु मैं सोचता हूँ कि यह विषय वैश्विक स्तर पर संदेश के विश्वासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया

दूसरी भ्रान्ति

कुपन्थीय लेखन संख्या 724 – 737

पांचवा अध्याय

कुपन्थीय लेखन सं0 724: नि0 कु0 का खु0 को संदेश विरोधी दर्शाने की योजना।

पास्टर कोसोरेक : इस प्रकार उसके बाकी वार्तालाप में जहाँ–जहाँ उसने ''ली0 वेले का उद्धरण, कलीसिया काल पुस्तक, पृष्ठ संख्या.....'' पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग किया है, वहाँ–2, हमें ''ली वेले का उद्धरण'' शब्दों को हटा देना चाहिए.....और इन उद्धरणों को हमें ''वि0 मे0 ब्रन्हम, कलीसिया काल पुस्तक'' के रूप में पढ़ना चाहिए। इस प्रकार मुझे इस सम्पूर्ण वार्तालाप में से डा0 ली वेले को हटा कर विलियम ब्रन्हम का नाम लिखना है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मेरे वार्तालाप के इस स्तर तक पहुँच जाने के पश्चात किसी के लिए भी यह जान लेना कठिन नहीं है कि तुम मुझे संदेश और ब्रन्हम विरोधी प्रमाणित करने की अपनी षडयन्त्रकारी योजना को लागू करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हो। और इसके लिए तुम ''भाई ब्रन्हम'' का नाम 'डा0 वेले' की जगह रखकर मेरे लेखन कार्य को विकृत कर रहे हो, जबकि वेले कलीसिया काल पुस्तक के सम्पादक हैं। जबकि तुम मेरे वार्तालाप से संदेश और वचन के द्वारा हरा दिये गये हो तो तुमने युद्ध के सांसरिक हथियारों का प्रयोग करना आरम्भ कर दिया है ताकि अपने अनुयायियों का ध्यान असली मुद्दे से हटा सको।

तुम उन्हें यह जानने देना नहीं चाहते हो कि भविष्यद्धक्ता ने नया जन्म और पवित्र आत्मा के बपतिस्में के एक ही बात होने के कुपन्थ की निन्दा की है।

भविष्यद्धक्ता ने इस कुपन्थ के अपने विरोध को लिखित वचन और पवित्र आत्मा के प्रकाशन पर आधारित किया है। मैं उसकी शिक्षाओं पर दृढ़ता से टिका हूँ। तुम्हारा कोई भी झूठ, वचन और भविष्यद्धक्ता के वक्तव्यों को विकृत करने का कुप्रयास सत्य को नहीं बदल सकता है और न ही मुझे इस नींव पर से डिगा सकता है।

''जिसके कान हों वह सुन ले'' विषय पर तुमने डा0 वेले की शिक्षाओं को इस हद तक शर्मनाक ओर पाखण्डपूर्ण रीति से तोड़ा मरोड़ा है कि स्वयं तुम्हारे शिष्य भी जान लेंगे कि तुम झूठ बोल रहे हो। तुमने कहा कि मैं पढ़ नहीं सकता हूँ अतः मैं डा0 वेले की शिक्षाओं को समझ नहीं सकता हूँ। हमारे वार्तालाप से वे यह भी देखेंगे कि तुम शब्दों के हिज्जे नहीं कर सकते हो अतः तुम पढ़ नहीं सकते।

तुमने इस कुपन्थ को यह कहने के द्वारा विकृत कर दिया है कि यह पवित्र आत्मा **का प्रमाण है जबकि डा0 वेले ने कहा था कि एक व्यक्ति के अन्दर आत्मा का वास होना अवश्य है कि वह समय के संदेश को सुन और स्वीकार कर सके। यह बहुत ही दुष्टता और धूर्ततापूर्ण है बिलकलु ऐसे जैसे सर्प हव्वा से बात कर रहा हो।**

सुनने वाला कान

कुपन्थीय लेखन सं0 725: कलीसिया काल पुस्तक ऐसा नहीं बताती कि कोई व्यक्ति अपने समय के संदेश को प्राप्त करे बिना पवित्र आत्मा से भर सकता है।

पास्टर कोसोरेक : .....वह कलीसिया काल पुस्तक के शब्दों का गलत अर्थ समझ रहा है जो पवित्र आत्मा से भरे होने के प्रमाण के संदर्भ है और वह सोचता है कि आत्मा से भरना और नया जन्म प्राप्त करने में अन्तर है। जहाँ तक मैं सोचता हूँ कि इस विदेशी पास्टर की समस्या यह है कि वह क0 का0 पुस्तक में से भाई ब्रन्हम के निम्न वक्तव्यो कि ओर देख रहा है और वह सोच रहा है कि वे कह रहे हैं कि एक व्यक्ति अपने समय का वचन प्राप्त करने से पहले भी पवित्रात्मा से भर सकता है।

क0 का0 पुस्तक : 141–1 और प्रत्येक काल में हमने ये ही सत्य सुना है। ''जिसके कान हो वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।'' परन्तु केवल आत्मा से भरा हुआ व्यक्ति ही अपने समय के संदेश को सुन सकता है अन्य कोई नहीं। नहीं श्री मान। वे नहीं सुन सकते हैं क्योंकि यह वही बात है जो पौलुस ने 1.कुरिन्थियों 2 : 6–16 में कही है (स्मुरना कलीसिया काल – कलीसिया काल की पुस्तक अध्याय – 4)

अब अज्ञानियों को यह ऐसा समझ में आ सकता है कि वि0 मे0 ब्रन्हम यह कह रहे हैं कि केवल आत्मा से भरा हुआ व्यक्ति ही वचन को सुन और विश्वास कर सकता है, परन्तु क0 काल पुस्तक के इस उद्धरण का यह अर्थ नहीं है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक झूठ है। तुम्हें और मुझे डा0 ली वेले के वक्तव्यों को समझने में कोई समस्या नहीं है ; उसने कहाः

डा0 ली वेले का वक्तव्य ; कलीसिया काल पुस्तक : 143–1 यदि आत्मा तुम्हारे भीतर न होता तो यदि तुम इस सत्य को दिन के प्रत्येक क्षण भी सुनते रहते तब भी तुम्हें इसका प्रकाशन नहीं प्राप्त हो सकता था। पौलुस के दिनों में मनुष्य में निवास करने वाली आत्मा का यह चिन्ह था। पवित्र आत्मा से भरे हुए मनुष्यों ने वचन को सुना, प्राप्त किया और

उसके अनुसार जीवन जिया। वे जिन के पास आत्मा नहीं था उन्होंने सांसारिक मनुष्यों की भाँति इसे सुना, इसका गलत अर्थ लगाया और पापों में चले गये। (स्मुरना कलीसिया काल, क0 का0 पुस्तक अध्याय–4)

डा0 ली वेले का वक्तव्य ; कलीसिया काल पुस्तक : 144–1.....तब हम जानते हैं कि आत्मा को मनुष्य में निवास करना ही है अन्यथा वह उस समय का संदेश स्वीकार कर ही नहीं सकता है। आमीन। यह बिल्कुल सही बात है। (स्मुरना कलीसिया काल–क0 काल पुस्तक अध्याय–4)

डा0 ली वेले का वक्तव्य : 164–3 वचन हमेशा आत्मा से भरे हुओं के पास ही आता है। यह पवित्र आत्मा से भरे होने का प्रमाण होता है। (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक–अध्याय–4)

डा0 ली वेले का वक्तव्य ; कलीसिया काल पुस्तक : 165–2 प्रत्येक कलीसिया काल में हमने इन शब्दो को सुना है, ''जिसके कान हों वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।'' आत्मा वचन देता है। और यदि आपके पास आत्मा है तो आप समय के संदेश को सुनेंगे, जैसे उन सच्चे मसीहियों ने अपने समय के संदेश को ले लिया था। (स्मुरना कलीसिया काल पुस्तक–क0 काल पुस्तक–अध्याय–4)

इसे समझने के लिए ना तुम्हारी ग्रीक और इब्रानी भाषा की आवश्यकता है : और न ही तुम्हारे धूर्ततापूर्ण प्रेम सुसमाचार और पाखंड की।

तुम सोद्देश्य डा0 वेले के वक्तव्यों के अर्थ को परिवर्तित करने की चेष्टा कर रहे हो। और वक्तव्य भी इसी बात की पुष्टि कर रहे हैं।

न केवल मैं ऐसा सोचता हूँ बल्कि विश्वास करता हूँ और वचन से पर्याप्त रूप से प्रमाणित करता हूँ कि यह दोनो भिन्न अनुभव हैं, यहाँ तक कि भविष्यद्धक्ता ने कहा है कि पुराने और नये नियम के बहुत से सन्तों ने पिन्तेकुस्तीय अनुभव को प्राप्त किये बिना ही आत्मिक परख की है, सत्य को सुना है और संदेश वाहक और संदेश की पहचान की है और उस समय के मसीह को पहचाना और स्वीकार किया है।

मत्ती 16 :13–16– तू मसीह, जीवते प्रभु का पुत्र है।

लूका 1:41–इलिशिबा–हे मेरे प्रभु की माता तेरे गर्भ का फल धन्य है।

लूका 2:25–32–शिमौन–मेरी आँखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है।

लूका 2:36–38–हन्ना ने मसीह की भविष्यवाणी की – उसने प्रभु को धन्यवाद दिया।

यूहन्ना 1:29–34–यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला – प्रभु के मेमने को देखो।

यूहन्ना 1:40–42–अन्द्रियास एंव शिमौन पतरस – हमने मसीहा खीस्त को पा लिया है।

यूहन्ना 1:43–51–फिलिप्पुस एंव नथैनियल – तू प्रभु का पुत्र, इस्रायल का महाराजा है।

यूहन्ना 4:19–25–सामरी स्त्री! श्रीमान मुझे जान पड़ता है कि आप एक भविष्यद्धक्ता हैं।

यूहन्ना 6:67–69–हमें विश्वास है और निश्चय है कि तू मसीह जीवते प्रभु का पुत्र है।

प्रेरितों. 9:3–5–हे प्रभु तू कौन है। प्रेरितों 9:17–18–पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जा।

उपरोक्त सभी लोग पवित्र आत्मा से भरे हुए नहीं थे। यहाँ तक कि इसका अभी प्रचार भी नहीं हुआ था और वे लोग न ही इसका अर्थ समझते थे। (यूहन्ना 3:1–5) इस प्रकार यह वास्तविकता पवित्र आत्मा और नये जन्म के विषय पर तुम्हारी घोर अज्ञानता को प्रकट करती है।

कुपन्थीय लेखन सं0 726 : क0 का0 पुस्तक यह नहीं कहती है कि एक व्यक्ति को पहले पवित्र आत्मा पाना आवश्यक है अन्यथा वह अपनी राह में आने वाली किसी भी वस्तु को प्राप्त नही कर सकेगा।

पास्टर कोसोरेक : कलीसिया काल पुस्तक 144–1.....तब हम जानतें हैं कि पहले आत्मा को व्यक्ति में निवास करना अवश्य है अन्यथा वह अपने समय के सत्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। आमीन। यह बिल्कुल सही है।

मैं आपको यह ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि यहाँ यह प्रकट होता है कि व्यक्ति को पहले आत्मा प्राप्त करना आवश्यक है अन्यथा वह अपनी राह में आने वाली किसी भी वस्तु को प्राप्त नहीं कर पाएगा। परन्तु यह ऐसा बिलकुल भी नहीं है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले ने अपने आप को पूर्णतयः सुनिश्चित्ता के साथ व्यक्त किया है। उनके प्रचार को कोई और अर्थ देना एक किस्म की बेईमानी है। एक कुपन्थ दूसरे कुपन्थ का बचाव नहीं कर सकता।

कुपन्थीय लेखन सं0 727 : नि0 कु0 का खु0 कलीसिया काल पुस्तक में भविष्यद्धक्ता के वक्तव्यों को चुनौती दे रहा है क्योंकि वह ''सुनना'' शब्द का अर्थ समझ नहीं पा रहा है।

पास्टर कोसोरेक : उस विदेशी पास्टर का कहना है : ''मैं निश्चय पूर्वक कहता हूँ'' कि एक मनुष्य को अपनी समय की आत्मा और सत्य को ''सुनने'' के लिए आत्मा से भरे होने की आवश्यकता नहीं है.....प्रेरित पौलुस ने यह घोषणा की है कि एक व्यक्ति सत्य का वचन सुनने के पश्चात ही आत्मा से भरता है या उस पर छाप लगती है, पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाता है और पिन्तेकुस्त का भाग प्राप्त करता है। विदेशी पास्टर के वक्तव्य का समापनः

अब, सबसे पहले मैं हमारे विदेशी पास्टर भाई के बारे में सोचता हूँ कि वह भाई ब्रन्हम के ''सुनना'' शब्द के अर्थ को समझ नहीं पा रहा है, अतः वह इसके सामान्य अर्थ को ही सोचता है कि यह बस ''आवाज की श्रव्यता है'' परन्तु यदि वह शब्द ''सुनना के अर्थ को समझता होता, जैसा कि स्वयं भाई ब्रन्हम ने भी परिभाषित किया है, तो वह भाई ब्रन्हम के इन वक्तव्यों को चुनौती नहीं दे रहा होता।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं डा0 वेले के वक्तव्यों को चुनौती दे रहा हूँ, ये भविष्यद्धक्ता के वक्तव्य नहीं हैं। यूहन्ना 5:24 के अनुसार सुनने का अर्थ प्रकाशन के द्वारा वचन का अर्थ समझना है। और यह पवित्र आत्मा के बपतिस्में से पहले भी हो सकता है। डा0 वेले का कुपन्थ वचन और संदेश के इस सत्य के विरुद्ध है।

वि0 मे0 ब्रन्हम का वक्तव्य :37.....पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नये जन्म से भिन्न है।

आपने यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा नया जन्म पाया है अब यदि आप वचन से इसका समर्थन चाहते हैं तो यूहन्ना 5:24 को लें क्योंकि उसने विश्वास किया इसलिए उसने जीवन पाया। और इसी झुँड को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने के लिए पिन्तेकुस्त तक जाना था.....

अतः जब यह बात होती है कि आपको नया जन्म लेना है और इसके कार्य के लिए पवित्र आत्मा को लागू किया जा रहा होता है तब बहुत से मैथोडिस्ट और अन्य लोग गलत होते हैं यह वचन के साथ यहाँ मेल नहीं खाता है। आप इस चीज को अन्य स्रोतों द्वारा प्राप्त कर रहे हैं। आपको इसे वचन के द्वारा निर्धारित किए गए तरीके से ही लेना है।

कुपन्थीय लेखन सं0 728 : ''क0 का0 पुस्तक में संदर्भित किया गया पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पिन्तेकुस्त का भाग नहीं है।''

पास्टर कोसोरेक :.....हमारे भाई पवित्र आत्मा के बपतिस्में को पिन्तेकुस्त के भाग के रूप में संदर्भित कर रहे हैं न कि वह वास्तव में क्या के रूप में , और यह केवल प्रभु की

आत्मा के रूप में भरा जाना है। बपतिस्मा होने या सामर्थ के द्वारा सेवा के लिए अभिषिक्त होने में और तब बपतिस्मा होने या प्राण में नया जन्म होने में अन्तर है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले द्वारा संदर्भित पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पिन्तेकुस्त का भाग है, सन्त यूहन्ना 14:26.

डा0 ली वेले का वक्तव्य ; कलीसिया काल पुस्तक : 144–2 अब इससे पहले हम इस विषय की समाप्ति करें मैं आपको बिलकुल स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि वचन के अनुसार पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है। यह मेरे या आपके अनुसार नहीं हैं। इसे ''यहोवा यूँ फरमाता है'' के साथ होना है या फिर हमें गलत अगुवाई प्राप्त हुई है। आमीन!

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मेरे कथन का वास्तव में क्या अर्थ है। मेरा तात्पर्य यह है कि एक पापी मनुष्य को आगे बढ़कर नया जन्म प्राप्त करना होगा, जो कि पवित्र आत्मा द्वारा मसीह की देह में बपतिस्मा प्राप्त करना है। और पिन्तेकुस्त के दिन बिलकुल यही हुआ था जब कलीसिया की स्थापना की गई थी। दूसरे शब्दों में आत्मा से जन्म लेने के लिए पवित्र आत्मा से वास्तविक रूप में बपतिस्मा लेना होगा। यह एक एवं अभिन्न बात है। (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय–4)

हे डा0 वेले के उत्तराधिकारी तुम बहुत ज्यादा भ्रामित हो चुके हो। यदि तुम उसके कुपन्थों को जानते ही नहीं हो तो तुम उनकी रक्षा किस प्रकार कर सकते हो, और तुम कलीसिया काल पुस्तक में लिखी उसकी बातों का इंकार किए जा रहे हो। यह प्रदर्शित करता है कि तुम्हें विश्वसनीयता के साथ शिक्षित नहीं किया गया है अन्यथा तुम्हें क0 का0 पुस्तक के अपरोक्त उद्धरण के विषय में ज्ञान होता। और इसने तुम्हें तुम्हारे अनुवादों, और तुम्हारे सब बहानों और डा0 वेले की शिक्षाओं का इंकार करने जैसे कामों में निहत्था कर दिया है।

कुपन्थीय लेखन सं0 729 : पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जो तुम्हे वचन को समझाने में सहायता करता है नया जन्म है।

पास्टर कोसोरेक : ''सुनना'' शब्द का अर्थ ''समझना'' है।

अपने उपदेश द्वार की कुँजी 62–1007 पृष्ठ : 68 में भाई ब्रन्हम ने कहा कि पवित्र आत्मा के बपतिस्में से बाहर कोई व्यक्ति वचन को नहीं समझ सकता है। और जब एक मनुष्य कहता है कि उसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला है, और वचन पर विवाद करता है तो वहाँ कुछ गड़बड़ जरूर होती है।

.....और प्रेरित पौलुस ने हमें बताया कि प्रभु के विचारों को समझने का एक मात्र

तरीका है कि आप अपने भीतर प्रभु की आत्मा को लें। और यही नया जन्म है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुमने केवल उक्त उद्धरण के एक भाग को ही लिया है जिसमें भविष्यद्धक्ता ने कहा कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जो वचन को समझने में आपकी सहायता करता है वह नये जन्म से भिन्न है। तुम्हारा भविष्यद्धक्ता के वचनों को विकृत करना डा0 वेले के कुपन्थ को उचित नहीं ठहरा सकता जो यह कहती है कि ''वचन को सुनने से पहले एक विश्वासी के भीतर पवित्र आत्मा का होना आवश्यक है।'' भविष्यद्धक्ता का कथन नये जन्म को बपतिस्में से अलग करता है। यह उन लोगों के विषय में बता रहा है जो पवित्र आत्मा होने का दावा करते हैं और वचन का इंकार करते हैं। पास्टर कोसोरेक आप यही कर रहे हैं। अपने कुपन्थ को सम्पूर्ण उद्धरण से जांचो।

वि0 मे0 ब्र0 : 136 अब, जब मैंने प्रभु के परिवार में जन्म लिया, और मैं लहू के द्वारा पैदा हुआ, लहू ने मुझे जीवन दिया। और तब जबकि मैं मसीह में जीवता बन गया, उसने मुझे पवित्र आत्मा एवं सामर्थ के द्वारा बपतिस्मा दिया कि मैं प्रभु का पुत्र हो जाऊँ.....अब जब मैंने पवित्र आत्मा प्राप्त कर लिया, तो मुझे दुष्ट आत्माओं को निकालने की, अन्य भाषाएं बोलने की, सुसमाचार प्रचार करने की और रोगियों को चंगा करने की सामर्थ मिल गई। मेरा बपतिस्मा हुआ, जन्म नहीं ; परन्तु मेरा बपतिस्मा हुआ। वे ऊपर की कोठरी में इकट्ठा थे और सेवकाई की सामर्थ उनके मध्य में उतर आई। (आमीन)

आप अनन्त जीवन में विश्वास रखते हैं और विश्वास के द्वारा आपने नया जन्म लिया है। यीशु ने यूहन्ना 5:24 में कहा है, ''जो मेरा वचन सुनता और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है,'' पवित्र आत्मा नहीं, अनन्त जीवन। वह प्रभु के परिवार में पैदा हुआ और तब पवित्र आत्मा से उसका बपतिस्मा, वचन की समझ की सामर्थ के साथ सुसमाचार पर विश्वास करने और इसे सही रीति से क्रियान्वित करने के लिए हुआ।

.....उसने कहा, ''यह मेरे लिए उचित है कि मेरा मैं मुझ से दूर चला जाए, क्योंकि यदि मैं स्वयं अपने से दूर नहीं हुआ तो पवित्र आत्मा नहीं आएगा।'' आपने देखा? वह इस पापी संसार को धिक्कारेगा, और धार्मिकता की शिक्षा देगा, ओर तुम्हें आने वाली चीजों को दिखाएगा ; यह दर्शन है। ''वह उन चीजों को लेगा जो मैंने तुम्हें सिखाई हैं और उन्हें तुम्हारे सामने प्रगट करेगा।'' यह शब्द कि वह आ गया.....कोई मनुष्य पवित्र आत्मा के बपतिस्में के बाहर वचन को नहीं समझ सकता। और जब एक मनुष्य कहता है कि उसके पास पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है और वचन के सही होने पर विवाद करता है, तब वहाँ कुछ गड़बड़ अवश्य होता है। (द्वार की कुँजी 62–1007)

कु0 ले0 सं0 730 : नि0 कु0 का खु0 के लेखक को शायद पढ़ने में कुछ समस्या होती है, अन्यथा उसे कलीसियाई काल पुस्तक में डा0 वेले के वक्तव्य समझ आ जाते कि वे यह नहीं कहते हैं कि किसी व्यक्ति को वचन सुनने से पहले आत्मा से भरा होना आवश्यक

है।

पास्टर कोसोरेक : .....ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे भाई को पढ़ने में कुछ समस्या आती है। कलीसिया काल पुस्तक में भाई ब्रन्हम ने जो वक्तव्य बोले हैं वे यह नहीं कहते कि वचन सुनने से पहले किसी मनुष्य को आत्मा से भरा होना होता है। यह ये कहता है कि उसका वचन ''सुनना या समझना'' इस बात का प्रमाण है कि वह आत्मा से भरा हुआ है और इस बात का भी प्रमाण है कि वह उन बातों को समझता है जो उसे सिखाई गई हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : एक व्यक्ति जो शब्दों की वर्तनी नहीं कर सकता, पढ़ नहीं सकता। तुम अपने पाठकों को हम दोनों की जांच करने दो। डा0 वेले अपने निम्नांकित वक्तव्य में बिलकुल वही बात कह रहे हैं जिसका तुमने इंकार किया है ; ''अपने समय का संदेश प्राप्त करना बपतिस्में का वास्तविक प्रमाण है'' और जिसे केवल तुमने समझने से आसानी से इंकार कर दिया, डा0 वेले ने उसी तथ्य पर अपने अन्य वक्तव्यों में भी जोर दिया है। और संदेश जगत के अधिकांश लोंगो ने इसे ऐसे भली भाँति समझ लिया है कि स्वर्गारोहण के लिए उनका विश्वास इसी पर टिका हुआ है। वे जाने के लिए बिलकुल तैयार हैं। इस कुपन्थ ने उनको धोखा दिया है। और अब जबकि तुमने यह जान लिया है कि यह कितना अहितकर है तब तुम इसके वास्तविक अर्थ का इंकार कर रहे हो। और तुमने इसका सारा दोष मेरी अज्ञानता पर मढ़ दिया है।

कलीसियाई काल पुस्तक से डा0 ली वेले का वक्तव्य : 155–1 अब हम निरन्तर कह रहे हैं कि एक विश्वासी के लिए पवित्र आत्मा के बपतिस्में का वास्तविक प्रमाण अपने समय के संदेश को ग्रहण करना है। (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय 4)

कलीसिया काल पुस्तक से डा0 ली वेले का वक्तव्य : 143–1 (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय 4)

1–यदि आत्मा अन्दर नहीं है तो यदि आप दिन के प्रत्येक क्षण भी वचन सुनते रहें तब भी आप सत्य को नहीं सुन पाएंगे और न ही इसके प्रकाशन को ग्रहण कर पाएंगे।

2–पौलुस के दिनों में यह मनुष्य में आत्मा के निवास करने का प्रमाण था।

3–वे जो पवित्र आत्मा से भरे हुए थे उन्होंने वचन को सुना, ग्रहण किया और इसके अनुसार जीवन जिया।

4–वे जिनके पास आत्मा नहीं था, उन्होंने एक सांसारिक मनुष्य की भाँति वचन को सुना, उसका एक गलत अनुवाद किया और पाप में चले गए।

5–हरेक काल में प्रमाण एक ही था। वे जिनके पास पवित्र आत्मा अर्थात शिक्षक था,

उन्होंने वचन सुना, और उनके भीतर के आत्मा ने उस वचन को लेकर उन्हें सिखाया (प्रगट किया) ; और वह वे झुंड थे जिन्होंने संदेश वाहक और उसके संदेश को सुना और ग्रहण किया और उसके अनुसार जीवन जिया।

कु0 ले0 सं0 731 : पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त होने से पूर्व आपके पास आत्मिक प्रकाशन नहीं बल्कि एक मानसिक विश्वास होता है।

पास्टर कोसोरेक : मैंने उस पर हमेशा विश्वास किया है जो भाई ब्रन्हम ने हमारे विश्वास के विषय में सिखाया है कि वह हमारे मस्तिष्क में एक मानसिक विश्वास के रूप में आरम्भ होता है। और इसी विश्वास को यह भाई उदघृत कर रहा है जो आत्मा के बपतिस्मे से पूर्व होता है।

कलीसिया काल पुस्तक से डा0 ली वेले का वक्तव्य : 143–1 (स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया काल पुस्तक अध्याय 4)

1–यदि आत्मा अन्दर नहीं है तो यदि आप दिन के प्रत्येक क्षण भी वचन सुनते रहें तब भी आप सत्य को नहीं सुन पाएंगे और न ही इसके प्रकाशन को ग्रहण कर पाएंगे।

2–पौलुस के दिनों में यह मनुष्य में आत्मा के निवास करने का प्रमाण था।

3–वे जो पवित्र आत्मा से भरे हुए थे उन्होंने वचन को सुना, ग्रहण किया और इसके अनुसार जीवन जिया।

4–वे जिनके पास आत्मा नहीं था, उन्होंने एक सांसारिक मनुष्य की भाँति वचन को सुना, उसका एक गलत अनुवाद किया और पाप में चले गए।

5–हरेक काल में प्रमाण एक ही था। वे जिनके पास पवित्र आत्मा अर्थात शिक्षक था, उन्होंने वचन सुना, और उनके भीतर के आत्मा ने उस वचन को लेकर उन्हें सिखाया (प्रगट किया) ; और वह वे झुंड थे जिन्होंने संदेश वाहक और उसके संदेश को सुना और ग्रहण किया और उसके अनुसार जीवन जिया।

कु0 ले0 सं0 731 : पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त होने से पूर्व आपके पास आत्मिक प्रकाशन नहीं बल्कि एक मानसिक विश्वास होता है।

पास्टर कोसोरेक : मैंने उस पर हमेशा विश्वास किया है जो भाई ब्रन्हम ने हमारे विश्वास के विषय में सिखाया है कि वह हमारे मस्तिष्क में एक मानसिक विश्वास के रूप में आरम्भ होता है। और इसी विश्वास को यह भाई उदघृत कर रहा है जो आत्मा के बपतिस्मे से पूर्व होता है।

कु0 ले0 सं0 : 732 नये जन्म का आत्मिक प्रकाशन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है।

पास्टर कोसोरेक : .....वह आत्मिक प्रकाशन नया जन्म है, और यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है।

विश्वास के लिए उत्साह पूर्वक प्रयत्न कर रहे हैं 53–0614 अ. पृष्ठ 82। क्यों भाई, यह विश्वास है जिसके द्वारा आप बचाये गए हैं। क्या यह सही है? परन्तु आप सुनें। आपके विश्वास को स्वीकारे जाने में, प्रभु पवित्र आत्मा के बपतिस्में द्वारा आपके विश्वास की पुष्टि करता है। यदि आप कहते हैं आप विश्वास करते हैं, और आपके पास पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है, तब आप विश्वास नहीं करते, तुम्हारा विश्वास प्रभु की दृष्टि में स्वीकार्य नहीं है। आपके पास हृदय के विश्वास के बजाय एक मानसिक विश्वास है। यह सही है। जब आप प्रभु पर वास्तव में विश्वास करते हैं, प्रभु आप पर पवित्र आत्मा उँडेलने के लिए बाध्य होता है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता बिलकुल सही है ; प्रभु पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा आपके विश्वास की पुष्टि करता है। वह यह नहीं कह रहा है कि यह आत्मिक विश्वास है। यह तुम्हारी घोर आत्मिक अज्ञानता है। अब यह बाताओ कि हम दोनों में से पढ़ कौन नहीं सकता है? तुमने अपने कुपन्थ कि, ''नया जन्म का आत्मिक प्रकाशन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है,'' को सही प्रमाणित करने के प्रयत्न में भविष्यद्धक्ता के वक्तव्यों को ही विकृत कर दिया है।

पास्टर कोसोरेक : अपने संदेश टोकन 63–1128 ई. पृष्ठ 74 में भाई ब्रन्हम ने कहा है कि,.....जब प्रभु ने आपको पवित्र आत्मा का सच्चा बपतिस्मा दे दिया है, तब यीशु मसीह का जीवन आपके अन्दर आ गया है। अब यह सत्य है ; प्रत्येक धर्म विज्ञानी इसे सत्य मानने की स्वीकृति देगा ; यह नया जन्म है। आपने पवित्र आत्मा से नये सिरे से जन्म लिया है. ....भाई ब्रन्हम ने स्पष्ट रूप से कहा है जब प्रभु आपको पवित्र आत्मा का वास्तविक बपतिस्मा देता है तब, (कब, पवित्र आत्मा के वास्तविक बपतिस्में के समय) स्वयं प्रभु यीशु का जीवन आपके अन्दर होता है, और वह इसे ''नया जन्म'' कहता है। यह समानार्थक शब्द है जो उसने अपनी कलीसिया काल पुस्तक में प्रयोग किये हैं अतः यह उसकी अपनी शिक्षा के ही विरोधी नहीं हैं। अतः मेरे भाई हम वह सभी बातें कहें जो भविष्यद्धक्ता ने कही हैं। केवल वही बातें न चुनो जो तुम्हारे अपने धर्म विज्ञान में सही बैठती हों।

दोबारा भाई ब्रन्हम अपने संदेश वचन को सुनना पहचानना और कार्य करना 60–0221 पृष्ठ 61.....अब, सब जानते हैं कि प्रभु की छाप, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक जन्म सिद्ध अधिकार है। इफिसियों 4:30 कहता है कि, ''पवित्र आत्मा को शोकित मत करो जो छुटकारे के दिन के लिए तुम पर छाप है।'' जब उन्होंने नया जन्म पा लिया तो वे पवित्र आत्मा से भर गये। पवित्र आत्मा नया जन्म है, हम यह बात जानते हैं। तुम पवित्र आत्मा

से उत्पन्न हुए हो, मैं यह बात स्वीकार करता हूँ। परन्तु जब तक तुम नये सिरे से जन्म.

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह मैं नहीं हूँ जिसने इस बहस को जीतने के लिए संदेश को तोड़ा मरोड़ा हो। मैं उपरोक्त वक्तव्यों के लिए वापस वचन पर आता हूँ। भविष्यद्धक्ता ने इसे वचन के साथ नहीं जोड़ा है। उसकी अन्य शिक्षाएं जो यह कहती हैं कि वे दोनों एक ही बात नहीं है वचन (सन्त युहन्ना 5:25, प्रेरितों 2) से समर्थित हैं। मैं इसे प्रभु पर और उसके भविष्यद्धक्ता पर छोड़ता हूँ और लिखित वचन को थामे रहता हूँ। यह वक्तवय पिरामिड की शिक्षा और इसी विषय पर उसके अन्य बहुतेरे वक्तव्यों के समरूप नहीं है। यीशु पहले वचन के द्वारा पैदा हुआ एवं तदैव तीस वर्षो के पश्चात पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा किया गया। यह उदाहरण एक प्रमाण है कि सभी पुत्रों को इसी भाँति आना हैं। प्रेरितों ने पहले (यूहन्ना 5:24) नया जन्म पाया, तब वह आत्मा के सच्चे बपतिस्में के लिए पिन्तेकुस्त तक गए। भविष्यद्धक्ता ने अपने बहुत से वक्तव्यों में इसकी सत्यता पर जोर दिया है।

कु0 ले0 सं0 733 : शिमौन एवं पुराने नियम के सन्तों का पवित्र आत्मा से भरा जाना पिन्तेकुस्त के दिन 120 के पवित्र आत्मा प्राप्त करने से अलग नहीं था।

पास्टर कोसोरेक : .....मैं सोचता हू कि हमारा भाई पिन्तेकुस्त के दिन जो घटित हुआ जहाँ लोग आत्मा से भर गए और इसके द्वारा उनका सेवकाई के लिए अभिषेक किया गया के विषय में भ्रमित हैं। यह कहना कि पिन्तेकुस्त के दिन से पहले आत्मा के बपतिस्में जैसी कोई चीज नहीं थी इस बात का इंकार करना है कि स्वयं यीशु ने आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त किया था। अब, मैं जानता हूँ कि जो आत्मा यीशु में आई थी वह यूहन्ना 7:39 के अनुसार अभी लोगों को नहीं दी गई थी, परन्तु तब वह कौन सी आत्मा थी जिससे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला अपने माँ के गर्भ में ही भर गया था। कौन सी आत्मा से यीशु मसीह का बपतिस्मा हुआ जैसा कि हम वचन में और संदेश में विभिन्न स्थलों पर देखते हैं।

.....अतः हम देखते हैं कि अपने बपतिस्में के पश्चात जब यीशु इस धरती पर था तब उस आत्मा को जो यीशु के अन्दर थी मुक्त नहीं किया गया था जब तक कि वह गतसमनी को नहीं चला गया। परन्तु यीशु के प्रभु की सदेह एवं सम्पूर्ण परिपूर्णता से भरे जाने से पहले भी वचन में लोगों के ऐसे कुछ उदाहरण हैं जो पवित्र आत्मा से भरे गए थे।

.....इलीशिबा किस चीज से भरी हुई थी? पवित्र आत्मा के द्वारा..... शिमौन ; और यह व्यक्ति ईमानदार और समर्पित था, इस्राएल के छुटकारे की राह देख रहा था : और पवित्र आत्मा उसके ऊपर था।

.....अब, भाई मैं आपसे पूछता हूँ आप इस भाई शिमौन के साथ यहाँ क्या देखते हैं क्या यह उन लोगों से भिन्न था जिन्हें वचन में पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा प्राप्त करते दिखाया गया है। क्या तुम यह नहीं देखते हो, कि प्रभु के सारे सन्तान, चाहे वह पुराने नियम

के हों या नये नियम के वे अपने अन्दर प्रभु के जीवन को पाने जा रहे हैं, परन्तु यदि वे वास्तव में ही प्रभु के सन्तान हैं। प्रभु का जीवन प्रभु का जीवन हैं चाहे वह पिन्तेकुस्त के दिन के पूर्व हो या पश्चात।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : शिमौन, इलीशिबा, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एवं अन्यों को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिये जाने के तुम्हारे इस अति विस्तृत स्पष्टीकरण से मैं देख सकता हूँ कि तुमने एक और कुपन्थ का अविष्कार कर लिया है जो यह कहता है कि पुराने नियम के इन लोगों और पिन्तेकुस्त के दिन 120 के पवित्र आत्मा प्राप्त करने में कोई अन्तर नही है।

यह प्रभु के वचन और समय के संदेश के प्रति घोर अज्ञानता है। इसी के ऊपर नये जन्म और पवित्र आत्मा के बपतिस्में के तुम्हारे अधिकतर कुपन्थ आधारित हैं। यह उत्पत्ति से लेकर प्रकाशित वाक्य तक बाइबिल के विरुद्ध है और यह नई वाचा का इंकार करता है जिसकी प्रभु के लोगो के पास आने की भविष्यवाणी की गई है। मैं दृढ़ता पूर्वक घोषित करता हूँ कि पवित्र आत्मा के इन दोनो भागों या जैसा वचन इन्हें नाम देता है भरे जानों में अन्तर है। क्योंकि इस तथ्य के अनुसार, यीशु यूहन्ना 7:39 में कहता है कि पवित्र आत्मा अभी नहीं दिया गया है। जो यीशु ने कहा उसकी गलत समझ तुम्हारा मेरी शिक्षा पर दोष लगाने का कारण बनती है कि पिन्तेकुस्त के दिन से पहले पवित्र आत्मा नहीं दिया गया था। यह एक और झूठ है! मैंने अपने वार्तालाप में बहुत से लोगों के पिन्तेकुस्त के दिन से पहले पवित्र आत्मा से भरे जाने के विषय को शामिल किया है। यदि तुम मुझे दोष देते हो, तो तुम प्रभु यीशु को भी दोष दोगे, क्योंकि वह वो है जिसने पवित्र आत्मा अभी नहीं दिया गया है जैसी शिक्षा का प्रचार किया। अब, भ्रमित कौन है? यह प्रमाणित करता है कि लोगों ने वाचा के परिवर्तन से पूर्व आत्मा का जो भरा जाना प्राप्त किया था वह नये जन्म के अनुभव के बिना था। यही कारण था कि उन्होंने गलत कार्य किये और प्रभु के द्वारा दंडित किए गए। पिन्तेकुस्त के दिन 120 लोगों के बपतिस्मे ने यह प्रमाणित किया कि वे लोग पहले आत्मिक विश्वास के द्वारा नया जन्म पा चुके हैं (यूहन्ना 5:24)

कु0 ले0 सं0 734 : पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने से पहले आपके पास अनन्त जीवन नही है।

पास्टर कोसोरेक : परन्तु जो वास्तविक समस्या मैं देखता हूँ वह यह है कि पास्टर यह नहीं समझता है कि अनन्त जीवन क्या है। मैं चाहता हूँ कि वह ऐसा कर पाता, परन्तु यह समस्त वार्तालाप जो वह अनजाने में भविष्यद्धक्ता के वचनों से लड़ रहा है परन्तु जानते समझते हुए भविष्यद्धक्ता के वचनों की सहायता से लड़ रहा है।

भविष्यद्धक्ता ने अपने संदेश घटनाएं जो होने को हैं 65–1205 पृष्ठ 23 में कहा अब, केवल एक तरीके से आप प्रभु के पुत्र और पुत्रियाँ हो सकते हैं.....क्योंकि आपके पास अनन्त

जीवन है..... और अनन्त जीवन एक ही प्रकार का है, और वह है प्रभु का जीवन.....प्रभु का पुत्र होने के लिए, आपको हमेशा उसके अन्दर होना होगा। आपके जीवन का जीन, आज रात्रि आत्मिक जीवन, इससे पहले कि एक कण की भी रचना की जाती प्रभु पिता के अन्दर था। देखा? और आप कुछ भी नहीं हैं केवल जीवन के जीन का प्रकटीकरण हैं जो प्रभु के पुत्र के रूप में प्रभु में था। और उसके वचन के आप में इस काल को प्रकाशित करने के लिए आने के पश्चात अब आप अभिव्यक्त कर दिये गए हैं। आप प्रभु के जीवन को अपने में अभिव्यक्त कर रहे हैं, क्योंकि आप प्रभु के पुत्र और पुत्रियाँ हैं। इस प्रकार.....प्रभु जानता था कि आप यहाँ होगे, क्योंकि आप को उसके गुणों या उसके जीनों में से एक होना है। यदि आपने अनन्त जीवन प्राप्त किया है, तब यह हमेशा अनन्त जीवन है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं तुम्हारे वक्तव्य में तुम्हारे दुष्टतापूर्ण झूठ को देख सकता हूँ कि मैं भविष्यद्धक्ता के वचनों से लड़ रहा हूँ। भविष्यद्धक्ता की शिक्षा के अनुसार यूहन्ना 5:24 अनन्त जीवन है, जिसे उन्होंने यीशु मसीह और सुसमाचार के एक प्रकाशन के द्वारा प्राप्त किया। और पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा के बपतिस्में ने इस अनुभव का अनुसरण किया। यह भविष्यद्धक्ता की शिक्षा है। इसे विकृत करने की कोशिश न करें।

वि0 मे0 ब्र0 : 38.....तुमने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा नया जन्म पाया है। देखा? विश्वास करने के द्वारा और उसे अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करने के द्वारा, यह जन्म है.....क्योंकि तुम अब मृत्यु से निकल कर जीवन में आ गए हो। अब यदि तुम इसका प्रमाण देखना चाहते हो तो यूहन्ना 5:24 में देखो..... .....क्योंकि उसने विश्वास किया अतः नया जन्म पाया। और उसी झुण्ड को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने के लिए पिन्तेकुस्त तक जाना था.....

पवित्र आत्मा सेवकाई के लिए सामर्थ है। अतः जब यह कहा जाता है कि आपको नया जन्म लेना है, और उसको पवित्र आत्मा पर लागू किया जाता है, तब बहुतेरे मैथोडिस्ट एवं अन्य लोग गलती पर होते हैं।.....यह यहाँ पर वचन से मेल नहीं खाता है। तुमने उसे अन्य रास्तों से प्राप्त किया है। आपको इसे उसी रास्ते से लेना है जो वचन ने इसके लिए निध ार्रित किया है।..... ''इसके पश्चात तुम नया जन्म प्राप्त करोगे?'' क्या? नहीं। ''तुम इसके पश्चात सामर्थ प्राप्त करोंगे (प्रेरितों 1:8) जब पवित्र आत्मा तुम पर आ जाएगा।'' और वे पहले से ही अनन्त जीवन पर विश्वास करे बैठे थे, परन्तु उन्हें सामर्थ के लिए पवित्र आत्मा प्राप्त करना था। ''पवित्र आत्मा तुम पर आ ठहरने के पश्चात तुम मेरे गवाह ठहरोगे,'' क्योंकि पवित्र आत्मा पुनुरुत्थान का एक गवाह है, जो यह दर्शा रहा है कि आप मसीह में परिपक्व हो गये हो। (अधोमुखी गणना 62–0909 एम.)

269–363.....जब आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, तब आप नया जन्म पाते हैं। जब आप प्रभु पर विश्वास करते हैं, तब आप नया विचार पाते हैं, एक नया जीवन, परन्तु

यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। जब आपने विश्वास किया तब आपने नया जन्म पाया ; आपने अनन्त जीवन पाया। यह प्रभु का वरदान है जो उसके महान अनुग्रह में होते हुए आपको मिला है। ''जो मेरे वचनो को सुनता और मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है,'' यह नया जन्म है। आप परिवर्तित हो चुके हैं ; इसका अर्थ यह है कि आप वापस मुड़ गए हैं।

परन्तु पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आपको मसीह की देह में स्थापित करता है, और यह सेवकाई के लिए वरदानों का विषय है। यह आपको और अधिक मसीही नहीं बनाता है ; यह आपको केवल वरदानों की देह में स्थापित कर देता है। ''अब, एक आत्मा के द्वारा. ....हम सबका एक देह में बपतिस्मा हुआ है। अब, ''पौलुस कहता है, ''वरदान बहुत से हैं, और इस देह में नौ आत्मिक वरदान हैं।'' वे देह के साथ आते हैं। (प्रश्न एवं उत्तर इब्रानियों भाग 2 सी0 ओ0 डी0 57–1002)

270–367 : अब, जब आपने विश्वास किया, यीशु ने कहा, ''तुमने अनन्त जीवन पाया।'' यह नया जन्म है। यह आपका परिवर्तन है। परन्तु पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्रभु की सामर्थ है जिसमें आपका बपतिस्मा हुआ है और यह आपमें कार्य करने के लिए नौ आत्मिक वरदानों का विषय है।

.....पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नये जन्म से एक भिन्न कर्म है। एक तो जन्म है ; एक बपतिस्मा है। एक आपके लिए अनन्त जीवन लाता है दूसरा आपको सामर्थ देता है। यह अनन्त जीवन को संचालित करने के लिए सामर्थ देता है। अब आप इसे समझ गए? ठीक है।'' (प्र0 एवं उ0 इब्रानियों भाग 2 सी0 ओ0 डी0 57–1002)

कु0 ले0 सं0 735 : मत्ती 16 में अपनी स्वीकरोक्ति के द्वारा पतरस का नया जन्म नहीं हुआ था।

पास्टर कोसोरेक : मैं अपने बहुमूल्य भाई से दोबारा असहमत होने से घृणा करता हूँ परन्तु यह उदाहरण जो वह यहाँ प्रयोग कर रहा है कि पतरस नया जन्म पाने के लिए कुछ कर रहा है, यह वचन के अनुसार नहीं है.....पतरस ने अपनी स्वीकरोक्ति के द्वारा नया जन्म नहीं पाया था। वह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने से पहले नये सिरे से नही जन्मा था। अन्तिम भोज से समय यीशु ने उससे कहा, ''पतरस, जब तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना।'' लूका 22:32। इसका अर्थ यह है कि अभी तक उसका मन नहीं फिरा था।

इसे चरवाहा क्यों होना था 64–1221 पृष्ठ 115 ''आपको नया जन्म लेना है'' और जब आपका नया जन्म हो जाता है, यह केवल इस लिए नही कि आपने विश्वास किया। वे कहते हैं, ''तुमने विश्वास करने के द्वारा नया जन्म पाया।'' परन्तु बाइबिल कहती है, ''दुष्ट भी विश्वास करता है।'' अब, ध्यान दें, यह इस तरह नहीं हैं ;यह एक अनुभव है। आप कहते हैं, ''मैंने एक भला जीवन जिया है।'' परन्तु ऐसा ही प्रेरितों ने किया था, लेकिन

वे जब तक नये सिरे से न जन्मे थे जब तक कि उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं पा लिया था। यहाँ तक कि पवित्र आत्मा प्राप्त करने से पहले उनके मन भी नहीं फिरे थे।

.....अब, विदेशी पास्टर तुमने कहा, प्रेरित पतरस ने एक स्वीकरोक्ति के द्वारा नया जन्म पा लिया.....भाई ब्रन्हम ने उसकी आवाज सुनों 58–1005 एम. पृष्ठ 102 में कहा क्या तुमने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया? यह एक जन्म है, एक स्वीकरोक्ति नहीं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता ने कहा कि पतरस ने मत्ती 16 में स्वीकरोक्ति करने के द्वारा नया जन्म पाया, तुम कह रहे हो कि उसने नहीं पाया। तुम गलत हो और भविष्यद्धक्ता सही है।

वि0 मे0 ब्र0 : 36–4 तब नया जन्म क्या है? आप कहेंगे, ''हाँ भाई ब्रन्हम, नया जन्म क्या है?'' यह व्यक्तिगत रूप से तुम्हें यीशु मसीह का प्रकाशन है। आमीन। देखा?.....

.....वह वचन है जो कि आपके सम्मुख प्रकाशित हुआ है। और इस बात से कोई मतलब नहीं कि कोई क्या कहता है, क्या घटित होता है, यह मसीह है। पास्टर, पुरोहित जो कोई भी हैं.....यह मसीह है जो आपके अन्दर है। यह प्रकाशन है जिसके ऊपर कलीसिया का निर्माण किया गया है। (मसीह एक भेद 63–0728)

कु0 ले0 सं0 736 : आत्मा के दो बपतिस्मे हैं। एक जन्म के साथ। दूसरा पिन्तेकुस्त के दिन भिन्न है।

पास्टर कोसोरेक : वि0 मे0 ब्र0 : 117.....मैं पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में नया जन्म पाने में विश्वास नहीं करता हूँ। यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है ; यह दोबारा से नया जन्म पाना है। हमने लहू के द्वारा दोबारा जन्म पाया है। जीवन की कोशिकाएं लहू से आती हैं। आपका पवित्र आत्मा के द्वारा देह में बपतिस्मा किया गया है, परन्तु आपने लहू के द्वारा जन्म पाया है। (किसी दूसरे का प्रभाव 62–1013)। विदेशी पास्टर के वक्तव्य का समापन।

.....अब, मैं यहाँ स्वीकार करता हूँ कि जो भाई ब्रन्हम यहाँ कह रहे हैं उससे मैं कुछ समस्या महसूस कर रहा हूँ , क्योंकि यह थोड़ा भ्रमपूर्ण प्रतीत होता है.....अतः मैं विश्वास करता हूँ कि वह यहाँ यह कह रहा है कि सामर्थ के लिए बपतिस्मा नया जन्म नहीं है और मैं सोचता हूँ कि हम सब इस पर सहमत हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम एक छोटे भ्रमित लड़के की तरह व्यवहार कर रहे हो ; तुम उसी विषय पर भविष्यद्धक्ता से असहमत हो और अपने विचारों को उसमें घुसाने के लिए उसके वक्तव्य को भ्रष्ट कर रहे हो, और अब तुम कह रहे हो, कि हम सब को सहमत हो जाना चाहिए। अब, तुम भविष्यद्धक्ता के वक्तव्य को भ्रष्ट कर रहे हो। इसका अर्थ यह नहीं है कि पिन्तेकुस्त के दिन से पहले उन्होंने एक जन्म होने के समय भी बपतिस्मा पा लिया था। उसने उपरोक्ता वक्तव्य में, और उन सब वक्तव्यों में जो मैंने इस वार्तालाप में

प्रयोग किए हैं, कहा है कि उन्होंने वचन के द्वारा नया जन्म पाया (सन्त यूहन्ना 5:24), तब पिन्तेकुस्त के दिन बपतिस्मा पाया।

पास्टर कोसोरेक : किसी दूसरे का प्रभाव 62–1013 पृष्ठ 75..... मैं पवित्र आत्मा के बपतिस्में में नया जन्म पाने में विश्वास नहीं करता हूँ। यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है.....

अब, यहाँ हम पाते हैं कि भाई ब्रन्हम हमें बता रहे हैं कि नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है, और फिर भी कलीसिया काल पुस्तक में हम उसे कहता हुआ पाते हैं.. ... पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है? यह आत्मा द्वारा आपको मसीह की देह में स्थापित किया जाना है। यह नया जन्म है।

अब, इन दो भिन्न वक्तव्यों को पढ़ने से यह प्रगट होता है कि भाई ब्रन्हम आत्मा के बपतिस्मे और नये जन्म के विषय में विपरीत बातें कह रहे हैं। एक अभिलेख में हम उसे कहता पाते हैं कि यह समान बातें नहीं हैं और तब इसमें यह ये कहते हुए प्रगट होता है कि समान बातें हैं। परन्तु यह वह यह नहीं है जो वह यहाँ कह रहा है। (सर्वोत्तम रचना 40–2005)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : 2005 में, यहाँ तुमने तुम्हारे ही शब्दों में डा0 वेले के क0 का0 पुस्तक में लिखे वक्तव्य, ''कि मेरा अर्थ यह नहीं है कि नया जन्म और बपतिस्मा समान है,'' का इंकार किया है। और अब, 2008 में, इस वार्तालाप में, तुम डा0 वेले का बचाव कर रहे हो, और उस कुपन्थ को उचित ठहरा रहे हो, और कह रहे हो कि एक एवं समान बात है ; तुम जन्म के साथ होने वाले एक बपतिस्में की रचना कर रहे हो, और एक दूसरे की इसके बिना। केवल एक ही बपतिस्मा है– ''एक प्रभु, एक विश्वास, एक बपतिस्मा।'' –इफिसियों 4, पिन्तेकुस्त के दिन की भाँति, जो आपको मसीह की देह में स्थापित करता है–1 कुरिन्थियो 12:13। यहाँ दूसरे और भी बहुतेरे बपतिस्मे हैं, जिनका भविष्यद्धक्ता ने वर्णन किया है, जिन्हें एक मनुष्य ग्रहण कर सकता है और नर्क में जा सकता है।

पास्टर कोसोरेक : क0 का0 पुस्तक से वार्तालाप : ई. 71 आपको नया जन्म लेना है, और जब आप नया जन्म पा लेते हैं, तब आपको पवित्र आत्मा से भरना अवश्य है। (द्वार के भीतर एक द्वार 63–0223)

मसीह में स्थान 60–0522 एम. पृष्ठ 40 और तब प्रभु ने पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा अपने सन्तानो को नया जन्म प्रदान किया।

अब, क्या यह एक भ्रमित भविष्यद्धक्ता पवित्र आत्मा के दो भिन्न बपतिस्मों के विषय में बता रहा है या वह एक तरफ एक सच्चे बपतिस्मे जो नया जन्म है और तब एक दूसरे बपतिस्मे जो सामर्थ और सेवकाई के लिए है के विषय में बता रहा है?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम्हारे इस उपरोक्त वक्तव्य में तुम बड़ी लगन के साथ यह प्रमाणित करने की चेष्टा कर रहे हो कि जन्म एवं बपतिस्मा दो विभिन्न चीजें हैं और भविष्यद्धक्ता अपनी शिक्षाओं में भ्रमित नहीं है। अब इस वार्तालाप में, तुम उन्हें एक प्रमाणित करने के लिए अपनी गर्दन तोड़े ले रहे हो। यह बहुत ही पाखंड पूर्ण है। तुम भ्रमित नहीं हो परन्तु तुम वचन को भ्रष्ट करने वाले एक बहुत ही लज्जाहीन मनुष्य हो।

कु0 ले0 सं0 737 : जब भाई ब्रन्हम ने कहा, ''नये सिरे से जन्म लेने का आवश्यक रूप से यह अर्थ नहीं है कि आपने पवित्र आत्मा प्राप्त कर लिया है'', तब वह एक दूषित बीज के द्वारा नया जन्म पाने की बात कर रहा था।

पास्टर कोसोरेक : वि0 मे0 ब्र0 : 114..... और नये सिरे से जन्म लेने का आवश्यक रूप से यह अर्थ नहीं है कि आपने पवित्र आत्मा प्राप्त कर लिया है। अब बहुत से यह शिक्षा देते हैं कि। ''मैं किसी ऐसी शिक्षा देने वाले को नहीं जानता हूँ ,''..... परन्तु नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। वचन इसका समर्थन नहीं करता है, जहाँ तक मेरे दृष्टिकोण का प्रश्न है मैं ऐसा नहीं सोचता हूँ। (द्वार की कुँजी 62–1007) विदेशी पास्टर के वक्तव्य का समापन।

और अवश्य ही यह एक सत्य वक्तव्य है, क्योंकि आप एक दूषित बीज के द्वारा नया जन्म पा सकते हैं, और इसका अर्थ मनुष्य की शिक्षा है न कि मसीह की शिक्षा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुमने एक बहुत ही शरारतपूर्ण झूठ का अविष्कार भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं के विरुद्ध किया है जो कि यह वर्णन करती हैं कि नया जन्म और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक ही बात नहीं है। तुमने भविष्यद्धक्ता के वचन को तोड़ा मरोड़ा है कि यह अर्थ निकाला जा सके कि वह दूषित बीज एवं मनुष्य की शिक्षाओं से जन्म पाने की बात कह रहा है। तुम एक लज्जाहीन व्यक्ति हो। जो तुम कह रहे हो उसे बेहतर तुम जानते हो, परन्तु अपने कुपन्थ का बचाव करने के लिए तुम भविष्यद्धक्ता के वचनों को दूषित कर रहे हो। उसने दूषित बीज के द्वारा जन्म लेने के विषय में कभी नहीं कहा है। वह यीशु की शिक्षा यूहन्ना 3:3–5 का प्रयोग कर रहा है। एक ही मुँह से तुमने ऊपर कहा कि तुम पवित्र आत्मा के बपतिस्मे और नये जन्म के एक होने से सहमत हो। अब, तुम असहमत हो गये हो।

इसी वक्तव्य में भविष्यद्धक्ता ने कहा कि प्रभु भोज नया जन्म प्राप्त लोगों के लिए है। तुमने उस वक्तव्य का अनुवाद इस तरह किया कि यह मनुष्य की शिक्षाओं से जन्म पाये लोगों के लिए है। तुम भविष्यद्धक्ता पर झूठ बोल रहे हो। पूरा वक्तव्य इस प्रकार है :

वि0 मे0 ब्र0 : 114 अतः प्रभु भोज उन मसीहियों के लिए है जिन्होंने प्रभु के आत्मा के द्वारा दोबारा जन्म पाया है। और नया जन्म पाने का आवश्यक रूप से यह अर्थ नहीं

है कि आपने पवित्र आत्मा प्राप्त कर लिया है। अब बहुतेरे ऐसी शिक्षा देते हैं ''मैं किसी ऐसी शिक्षा देने वाले को नहीं जानता हूँ ,''..... परन्तु नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं है। वचन इसका समर्थन नहीं करता है, जहाँ तक मेरे दृष्टिकोण का प्रश्न है मैं ऐसा नहीं सोचता हूँ। (द्वार की कुँजी 62–1007)

पास्टर कोसोरेक : अन्त में मैं यह बात कहना पसन्द करुंगा कि जितने भी वक्तव्य हमारा बहुमूल्य भाई अपने तर्को को योग्य साबित करने के लिए लाया है वह सब मोहरों के प्रचारे जाने से पहले के हैं। अब, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आप मोहरों से पहले की किसी भी चीज पर विश्वास न करें..... तौभी, इसको इस तथ्य के साथ बिलकुल ही अनदेखा नहीं किया जा सकता कि भाई ब्रन्हम ने एक निश्चित बात एक निश्चित तरीके से प्रचारी और मोहरों के पश्चात वह बात मोहरों से पहले की स्थिति से भिन्न हो गई, तब हमें उस चीज को ध्यान में रखना चाहिए और उसकी वैसी ही शिक्षा देनी चाहिए जैसी उसने दी। इस प्रकार मैं विश्वास करता हूँ कि यदि कहीं कोई विराधाभास पाया जाता है तो हमें मोहरो से पहले के वक्तव्य और मोहरों के बाद के वक्तव्य को तुलनात्मक रूप से ध्यान में रखना चाहिए। यदि भाई ब्रन्हम ने किसी बात की शिक्षा दी और बाद में उसे परिवर्तन कर दिया तो हमारे लिए भी भला है कि हम भी उसमें परिवर्तन कर दें।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : आप मुझे यह नहीं दर्शा सकते हैं! मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ,, डा0 वेले और विश्व में कोई भी कुपन्थी जो मुझे यह दर्शा सके कि भविष्यद्धक्ता ने मोहरों से पहले के एवं बाद के संदेशों में कोई परिवर्तन किये हों। उसकी सेवकाई के आरम्भ से लेकर अन्त तक उसके संदेश का प्रकाशन एक सिद्ध प्रकाशन है। उसने इसे प्रभु के वचन में प्रचारा और विकसित किया। उस सिद्ध प्रकाशन में से कुछ भी अस्वीकारा नहीं जा सकता। अतः कलीसियाई काल पुस्तक में घुसाए गए डा0 वेले के कुपन्थों की रक्षा करने के लिए अविष्कृत तुम्हारे सभी कुपन्थों के लिए यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण बहाना है।

तुम्हारी अतिसाधारण मनोवृति, अंहकारपूर्ण व्यवहार, झूठ, दोषारोपण, वचन को दूषित करना, भविष्यद्धक्ता के संदेश को दूषित करना, डा0 वेले के कुपन्थों से इंकार करना एवं अन्य बहुत से नकारात्मक तत्वों जिन्हे तुमने वचन और संदेश और स्वयं सत्य के प्रति बिना शर्म, सभ्यता, आदर, सम्मान के प्रकट किया, के कारण अत्यन्त निराशा के साथ मैं अपने वार्तालाप की समाप्ति कर रहा हूँ।

परिचय

अध्याय छः

अध्याय छः का परिचय, दिनांक 21/10/2008 को वार्तालाप की समाप्ति पर बैथेल प्रभु का घर में प्रचारा गया।

प्रकाशितवाक्य 10:1–4 फिर मैंने एक और बली स्वर्गदूत को बादल ओढ़े हुए स्वर्ग से उतरते देखा, उसके सिर पर मेघधनुष था : और उसका मुँह सूर्य का सा और उसके पांव आग के खंभे के से थे। और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुई पुस्तक थी ; उसने अपना दाहिन पांव समुद्र पर, और बांया पृथ्वी पर रखा और ऐसे बड़े शब्द से चिल्लाया, जैसा सिंह गरजता है ; और जब वह चिल्लाया तो गर्जन के सात शब्द सुनाई दिए। और जब सातों गर्जन के शब्द सुनाई दे चुके, तो मैं लिखने पर था, और मैंने स्वर्ग से यह शब्द सुना, कि जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी हैं, उन्हें गुप्त रख और मत लिख।

केवल एक रीति अर्थात वचन और भविष्यद्धक्ता के संदेशों से मैं कलीसियाई काल पुस्तक की भूलों का कुशलता पूर्वक खुलासा कर सकता हूँ , और यही हमने किया भी है। और मैंने परोक्ष रूप से विनम्रतापूर्वक डा0 वेले एवं उनका प्रतिनिधित्व करने वाले उत्तराधिकारी ब्रायन कोसोरेक को चुनौती दी। अतः हमारे मध्य में तीन भ्रान्तियों से सम्बन्धित एक वार्तालाप हुआ। मैंने उन्हें यह वार्तालाप अपनी हस्तलिपि में उपलब्ध कराया। और अब मैं उसी हस्तलिपि को यहाँ प्रचार कर रहा हूँ। अतः हमारे पास चार संदेश हैं। उनमें से एक या दो दोबारा हो सकतें हैं और वह पुस्तक में भी शामिल किए गए हैं, परन्तु मैं इसे पुस्तक के रूप में प्रचार नहीं कर सकता हूँ। अब, यह संदेश सार्वजनिक किये जाएंगे और क्यों किये जाएंगे, क्योंकि मैं पास्टर कोसोरेक के साथ कलीसिया काल पुस्तक से सम्बन्धित एक व्यक्तिगत वार्तालाप में शामिल हुआ था, वह डा0 वेले का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, और इसकी समाप्ति से पूर्व ही उन्होंने इसे इन्टरनेट पर प्रकाशित कर दिया। मैं कह रहा हूँ कि यह इस उतराधिकारी की दुष्टतापूर्ण चाल थी जिससे डा0 वेले की रक्षा करने के अपेक्षा की जाती है। और हमने 1972 से डा0 वेले के चरित्र का बचाव किया और यद्यपि हमने कुछ निश्चित चीजों को खुलासा किया परन्तु परोक्ष रूप से, और केवल एक लेख ऐसा था जिसमें हमने उनके नाम को शामिल किया और हमने उन्हें पूर्ण सम्मान दिया और यह सब इस तरह हुआ। अतः यह व्यक्ति सोचता है कि वह डा0 वेले का उतराधिकारी है और एक ऐसे मनुष्य के रूप में वरिष्ठता में तीसरे क्रम पर है जिसे भली प्रकार शिक्षित किया गया है और उसके पास समय का संदेश है और कोई अन्य मनुष्य उसकी भाँति संदेश का ज्ञान नहीं रखता। अतः यह दुष्ट का झूठा बीज है जो उसे यह सोचने देता है कि भाई ब्रन्हम के पश्चात डा0 वेले थे और डा0 वेले के पश्चात वह स्वयं है। अतः जब मेरे जैसा एक छोटा व्यक्ति ऐसे मनुष्य को चुनौती देता है, वह मुझसे पूछता है, ''तुम हो कौन?'' मैंने कहा, ''यह

महत्वपूर्ण नहीं है कि मैं कौन हूँ ; महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रभु का वचन है!'' मैं अब कहता हूँ, ''जी हाँ, यह प्रभु का वचन और गिदोन की तलवार है!'' अतः मैंने उसे यह जानने दिया कि मुझे कुछ नहीं बनना है। यदि उसे थोड़ी भी समझ है तो उसे यह अहसास हो जाएगा कि प्रकाशित वाक्य की पुस्तक में लिखा है ''जो अपने आप को प्रेरित कहते हैं और है नहीं उन्हें तूने परख कर झूठा पाया।'' आपको एक भविष्यद्धक्ता होने की आवश्यकता नहीं है, आपको केवल एक विश्वासी होना है और आपके पास केवल वचन का एक प्रकाशन होना चाहिए और आप जांच सकते हैं कि कौन झूठे भविष्यद्धक्ता हैं। और इस कलीसिया ने बहुत से झूठे कुपन्थियों को पाया है! पौलुस ने गलतियों की कलीसिया को आज्ञा दी कि कोई मनुष्य या स्वर्ग से कोई दूत भी आकर कोई और सुसमाचार प्रचार करे तो वह स्रापित हो–गलतियों 1:8–9।

अतः भ्रान्ति सं0 3, सात गर्जन का प्रसंग इस प्रकार प्रारम्भ होता है। ब्रायन कोसोरेक मेरे साथ 5 या अधिक वर्षो से सम्पर्क में था। पांच महाद्वीपों की निरन्तर यात्रा करते रहने के कारण एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रचारक होने के नाते (जिसकी वह गप्प हांकता है) उसके सम्पर्क में विभिन्न प्रकार के लोग थे, जब संसार में कुपन्थ उठ खड़े हुए तब उसने मुझसे सम्पर्क किया और इनके विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा करता था। तब मैंने उसे पत्र लिखा और वह, एक घमंडी, बड़ा आदमी होने के कारण कभी मुझ से साधारण शब्दो में यह नही पूछेगा कि इन कुपन्थों का किस प्रकार उत्तर दिया जाए, परन्तु वह पूछेगा, ''तुम इन से कैसे निपटते हो, क्या तुम कभी इन कुपन्थों के सम्पर्क में आए हो?'' अब एक स्वतन्त्र ह्रदय का मनुष्य होने के नाते, अपनी प्रसिद्धी की चिन्ता किए बगैर, मैं उनके लिए कुछ विशिष्ट तथ्यों का प्रलेखन करुंगा, जैसे कि ''दो प्राणों का कुपन्थ'', और उन्हें वचनो और उद्धरणों के साथ भेज दूंगा, और तब मैं उसे अपनी पुस्तक में प्रकाशित कर दूंगा।

अतः यह बहस इस रीति से आरम्भ हुई। एक झूठा भविष्यद्धक्ता है, एक वास्तविक ढोंगी जिसका नाम पारनेल है ; हमने उसके कुपन्थों का खुलासा कर दिया ; वे सब से ज्यादा अतिवादी हैं। ''पुनुरुत्थान हो चुका है ; स्वर्गारोहण हो चुका है''; प्रत्येक प्रकार की मूर्खता उनके पास है। अतः कोसोरेक ने मुझसे उसके कुछ कुपन्थों के विषय में पूछा। अतः मैंने कहा, कि हमने उस व्यक्ति का कुछ समय पहले भेद खोल दिया है और यह तुम पुस्तक सं0 12 में पा सकते हो। अतः उसने पुस्तक 12 का अध्ययन किया परन्तु उसने उसमें कुछ ऐसा पाया जो स्वयं उसके लिए भला नहीं था। इन चार वर्षो के पश्चात जिसमें कि रखवाली का कुत्ता सो रहा था, इसने इस पुस्तक में भाई वेले द्वारा कलीसिया काल पुस्तक में पृष्ठ 327 में घुसाई गई तीसरी भ्रान्ति कि मलाकी 4:5–6 ने सात गर्जनों को खोल दिया है को देखा। इसने एक बारगी तो उसे झकझोर दिया। मैं उसके लेखन में उसके क्रोध को देख सकता था। उसने भाई वेले का बचाव करने के लिए मुझे लिखा कि मुझे वहाँ पर डा0 वेले का नाम उल्लेखित करने की क्या आवश्यकता थी और तब मुझे उसे उत्तर देना ही था। यह हस्तलेखन जिसका मैं यहाँ प्रचार कर रहा हूँ यह उनको मेरा प्रत्युत्तर एवं उनकी

बहस है।

यह सबसे गम्भीरतम् कुपन्थों में से एक है। कुपन्थ सं0 2 सबसे खतरनाक कुपन्थों में से एक है। और तीसरा कुपन्थ भी इसके समान ही खतरनाक है। उसके विवाद का एक भाग आप नि0 कु0 का खु0 के पुस्तक 12 के पृष्ठ 89 पर पा सकते हैं। जब गर्जनो के ऊपर हमारी बहस आरम्भ हुई, तो मैंने उसे चुनौती दी। मैंने कहा कि मैं कलीसियाई काल पुस्तक की दो और भ्रान्तियों को भी इसमें शामिल करना चाहता हूँ? उसने कहा, ''निश्चय ही''। और बहस आरम्भ हो गई।

अब, वह सात गर्जन जिनका उल्लेख प्रकाशित वाक्य 10:1–4 में किया गया है वे बाइबिल में नहीं लिखे गये हैं। यह एक ऐसा प्रकाशन है जिसे बाइबिल में नहीं लिखा गया है ; यूहन्ना को इसे लिखने से रोक दिया गया। अब प्रभु का भविष्यद्धक्ता जिसे प्रभु ने 1963 में मोहरो को खोलनें के लिए प्रयोग किया, जब वह सातवीं मोहर और सात गर्जनो पर आया तो उसने कहा, ''प्रभु ने इस प्रकाशन को मुझ पर प्रकट नहीं किया है, यह स्वर्गारोहण के समय पर प्रकट किया जाएगा।'' उसने लोगों को चेतावनी दी,''इन गर्जनों को लेकर किसी वाद(Isms) का निर्माण मत करो, इन्हें प्रकाशित नहीं किया गया है।'' उन्होंने 10 वर्षो 1963 से 1973 तक इस आज्ञा को माना। सारे सेवक गर्जनों को लेकर अचम्भित रहे परन्तु किसी ने भी कोई अनुमान लगाने का प्रयत्न नहीं किया। इस प्रकार दस वर्षो तक गर्जनों को लेकर एक सन्नाटा छाया रहा और किसी के पास भी इसका अनुवाद नहीं था। आप पीछे जाकर झूठे भविष्यद्धक्ताओं और गर्जनों के भविष्यद्धक्ताओं को खोजें और आप देखेंगे कि यह सब उन्होंने 1973 या 1974 में आरम्भ किया, परन्तु इससे पहले नहीं।

''अतः आप क्यों कहते हैं कि यह शिक्षा खतरनाक है?'' हमने भविष्यद्धक्ता से पर्याप्त रूप से सुना है कि सात गर्जन देह परिवर्तन और स्वर्गारोहण के लिए हैं। इस प्रकाशन को अन्त समय की दुल्हन के पास आकर उसे स्वर्गारोहण के लिए देहों के परिवर्तन का विश्वास देने के लिए जाना जाता है। इसमें हस्तक्षेप करके और प्रकाशन का एक झूठा अनुवाद करके आप दुल्हन को इस धरती से बांधे रखने की चेष्टा कर रहे हैं। आप आगे दौड़ने की और प्रकाशन का पाखंड करने का प्रयत्न कर रहे हैं और भविष्यद्धक्ता ने चेतावनी दी, यदि शैतान को यह मिल गया तो वह इसकी नकल करने का प्रयत्न करेगा। अब बिलकुल यही लोगों ने किया है। अब, यह पूरे संसार में पहुँच गया है, यह 1974 में आरम्भ हुआ और जहाँ तक मुझे स्मरण है, यह पास्टर कॉलमेन थे जिन्होंने इस शिक्षा को आरम्भ किया जो पूरे विश्व में फैल गई। और उसने अमरीका से लेकर अफ्रीका तक लोगो को इसमें उलझा लिया है। ओर यहाँ बहुत से ऐसे लोग बैठे हुए हैं जो एक समय इन झूठे गर्जनों के साथ जुड़े हुए थे। इन झूठे गर्जनों ने पवित्रिकरण के संदेश को नष्ट कर दिया है। इस पवित्रिकरण के संदेश को पहले आना था और लोगों के ह्रदयों में स्थापित होना था कि वे प्रभु के द्वितीय

आगमन के दर्शनों हेतु योग्य हो पाते। ''पवित्रिकरण की अनुपस्थिति में प्रभु को कोई नहीं देख सकता।'' यह एक हानिकारक चीज है क्योंकि इसने उस महान भेद में हस्तक्षेप किया जिसे अन्त समय में दुल्हन का देह परिवर्तन करना था। अब, जब प्रभु ने भाई वेले को कलीसिया काल टेपों के पुस्तक रूप में प्रलेखन के लिए प्रयोग किया, तब प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने उसे कभी नहीं कहा कि वे मोहरों के विषय में कुछ कहे। कलीसियाई कालों का 1960 में प्रचार किया गया था। 1960 में सात गर्जनों का प्रसंग नहीं था। अतः कलीसिया काल पुस्तक के प्रलेखन में भाई वेले ने इस घोर भ्रान्ति का समावेश कर दिया। यह पृष्ठ 327 पर है।

कलीसिया काल पुस्तक : 327 अब मलाकी 4 और प्रकाशित वाक्य 10:7 का संदेशवाहक दो कार्यो को करने जा रहा है। पहली : मलाकी 4 के अनुसार वह बालकों के ह्रदयों को पिताओं की ओर मोड़ेगा। दूसरा : वह प्रकाशित वाक्य 10:7 के भेदों को खोलेगा जो कि सात मोहरों मे पाया जाने वाला प्रकाशन है। यह वे दिव्य रूप से प्रकाशित 'रहस्यों के सत्य' होंगे, वास्तविक रूप से जो पुत्रों के ह्रदयों को पिन्तेकुस्तल पिताओं की ओर फेरेंगे। (लौदीकियाई कलीसिया काल–क0 का0 पुस्तक अध्याय 9)

मैं आज रात्रि पूरी निश्चिन्तता के साथ यहाँ खड़ा हूँ, और यही मैंने पिछले वर्षो में किया है कि मैं उद्घोषणा करता रहा कि कलीसियाई काल पुस्तक में सात गर्जनों के विषय में जो बातें घुसाई गई हैं वह पूर्ण रूपेण असत्य हैं! यह मलाकी 4:5–6 की शिक्षा नहीं है! यह गलत हैं! यह छलावा हैं! यह मलाकी 4:5–6 के संदेश से असंगत हैं।

अब, मैं भली भाँति समझ सकता हूँ कि डा0 वेले किस प्रकार ऐसी भूल कर सकते थे। सब भेद खोल दिए गए थे और वह उन्हें जानते थे। सात गर्जन ही एक मात्र ऐसा भेद था जो खोला नहीं गया था। अतः डा0 वेले ने अपनी बुद्धि का प्रयोग किया और यह जानते हुए कि भाई ब्रन्हम इस पृथ्वी के ऊपर अन्तिम कलीसिया काल संदेशवाहक था, ''भाई ब्रन्हम के अलावा और कोई इस प्रकाशन को प्राप्त नहीं कर सकता था।'' अतः उसने इस बात को ध्यान में रखते हुए कहा कि भविष्यद्धक्ता को सात गर्जनों का प्रकाशन दिया जाएगा, अब, कोई भी इस बात को न जानते हुए कि वह कितना हानिकारक कार्य कर रहा है ऐसी भूल कर सकता था। अतः यह कलीसिया काल पुस्तक में बना रह गया और यह बताने के लिए आज मैं यहाँ हूँ ; वह भ्रान्ति जो उसने इस पुस्तक में घुसा दी वह उन सब कुपन्थियों के लिए जो 1974 में उठ खड़े हुए थे एक आधारभूत शिक्षा बन गई, और अब वह सोच रहें हैं कि वे सात गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं। वे उनके झूठे गर्जनों की आध ाशिला बन गई, और वे दावा करते हैं कि भाई ब्रन्हम ने सात गर्जनों को प्रकट कर दिया है।

अब ठीक यहाँ पर मैं आपका ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहता हूँ। पृष्ठ 327 पर डा0 वेले ने यह कभी नहीं कहा कि भाई ब्रन्हम ने गर्जनों को प्रकट कर दिया है। उसने

कहा, कि ऐसा माना जाता है कि गर्जन मलाकी 4:5–6 के द्वारा प्रकट किए जाएंगे। और आगे उन्होंने यह कहा कि प्रकाशन सात मोहरों में है और यह बालकों के ह्रदयों को वापस पिताओं की ओर मोड़ेगा, दूसरे शब्दों में यह उन्हें वापस पिन्तेकुस्त पर ले जाएगा। आपको यह कोई भी नहीं दर्शा सकता कि डा0 वेले ने क0 का0 पुस्तक में यह कहा हो कि सात गर्जन प्रकाशित हो गए हैं। अब यदि हम उसकी सोच को ध्यान में रखें, और उसके विश्वास के कारण, वह भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जनों के प्रकाशन की राह देख रहा था, और वह स्वयं भी ऐसी ही अपेक्षा कर रहे थे। अन्ततः भविष्यद्धक्ता ने यह निष्कर्ष निकाला कि यह प्रकाशन उन्हें नहीं दिया गया है, परन्तु डा0 वेले यह निष्कर्ष नहीं निकाल पाए। और आप जानते हैं कि क्या हुआ? यह आपको एक बहुत ही अजीब बात लग सकती है। डा0 वेले ने 1963 में प्रतीक्षा की और 1964 में प्रतीक्षा की और उन्होंने पाया कि गर्जन तो प्रकाशित हुए ही नहीं। उसकी अपनी कल्पनाओं के अनुसार इसमें विलम्ब होता जा रहा था। भाई ब्रन्हम ने 4 दिसम्बर 1965 को ''स्वर्गारोहण'' नाम से एक संदेश प्रचारा। डा0 वेले ने बाद में दावा किया कि यह संदेश सात गर्जनों का प्रकाशन है। इस कुपन्थ का बाद में हमारे द्वारा खुलासा किया गया।

अब, यह इस बात को दर्शाने का प्रमाण है कि उसने कभी यह दावा नहीं किया कि भाई ब्रन्हम ने गर्जनों को प्रकट कर दिया है, परन्तु वह तो उसकी राह देख रहा था। उसने अपने आप को बहुत से संदेहों, प्रश्नों एवं सुझावों में प्रकट किया। इस प्रकार वे लोग जो गर्जनों का प्रचार करते हैं एक काल्पनिक शिक्षा के साथ कार्य कर रहे हैं, और डा0 वेले को ऐसा कहते हुए उद्धरित कर रहे हैं कि भाई ब्रन्हम ने गर्जनों को प्रकट कर दिया। डा0 वेले ने कभी ऐसा नहीं कहा है। भाई ब्रन्हम ने ऐसा कभी नहीं कहा परन्तु डा0 वेले वर्तमान में यही विश्वास करते हैं कि यह प्रकट हो चुके हैं और यह भाई ब्रन्हम का ''स्वर्गारोहण'' नामक संदेश था। अतः अब, उस छोटी सी आधारशिला से मैंने अपना ध्यान उस तरीके की ओर मोड़ा जिससे मैंने पास्टर कोसोरेक को उत्तर दिया था। वह बड़ी कड़वाहट के साथ मेरा विरोध करने के लिए तैयार था, परन्तु उसने एक बड़े धूर्ततापूर्ण एवं प्रश्नवाचक तरीके से अपने कार्य को प्रारम्भ किया। अतः उसने मुझे एक तीखा पत्र लिखा ओर जैसा आपने भी ध्यान दिया होगा मैंने उसे दस्ताने पहन का नियन्त्रित कर रहा था। अब वास्तव में यह बहस का आरम्भ था परन्तु मैंने इसे अन्त में स्थान दिया है क्योंकि यह कलीसिया काल पुस्तक में अन्त में ही आता है। आगामी पृष्ठों में मेरी प्रतिक्रिया है। आमीन् ।

सात मोहरें/सात गर्जन के कुपन्थ

भ्रान्ति संख्या तीन

(नि0 कु0 का खु0 के उत्तर)

कुपन्थीय लेखन संख्या 738–745

10 अगस्त 2008. प्रिय भाई ब्रायन कोसोरेक,

हमारे शीघ्र आने वाले महाराजा प्रभु यीशु मसीह के नाम में शुभकामनाएं। मैं 4 अगस्त 2008 के तुम्हारे पत्र के उत्तर की प्रतिक्रिया में इस पत्र को लिख रहा हूँ जिसमे तुमने नि0 कु0 का खु0 पुस्तक 12 : कु0 ले0 सं0 284 के विषय में अपनी आपत्तियों को लिखा है, जोकि डा0 वेले और सात कलीसिया काल पुस्तक , 327 के विषय में हैं एवं डॉन पारनेल एवं उसके सहयोगियों के कुपन्थ से सम्बन्धित है।

विगत वर्षो में हमारा पत्र व्यवहार बहुत आनन्दायक और मसीहियत के अनुसार रहा है। मैं इसी प्रेम और आदर की आत्मा को अपने प्रथम एवं आगामी वार्तालापों में बनाए रखने का प्रयत्न करुंगा जो कि सात क0 काल पुस्तक में भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से असंगत डा0 वेले के वक्तव्यों से सम्बन्धित हैं। हम डा0 वेले के साथ लिखित रूप में इस वार्तालाप को आरम्भ करने में असफल रहे। उसने हमसे दूरभाष के द्वारा सम्पर्क किया, जोकि पर्याप्त नहीं था। में प्रसन्न हूँ कि तुम उसे और उसकी शिक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सकते हो। होने दे कि प्रभु की आशीष तुम पर हो।

भाई कोसोरेक भाई डाल्टन, मैं नही जानता हूँ कि पारनेल के ऊपर इस लेख को किस ने लिखा है परन्तु इस लेख में कुछ पूर्वधारणाएं हैं जो कि सत्य पर आधारित नहीं हैं।

नि0 कु0 का0 खु0 का उत्तर : मैं नि0 कु0 का खु0 का लेखक हूँ। मुझे कोई ऐसी पूर्वधारणाएं ज्ञात नहीं हैं जो सत्य पर आधारित न हों।

भाई कोसोरेक की तथ्य सं0 1 : भाई वेले किसी भी विधालय से डाक्टर ऑफ डिविनटी नहीं है। वह उस विधालय में केवल छः सप्ताह तक रह पाये और तब उन्हें एक नौजवान को अन्य भाषा में बोलने की शिक्षा देने के कारण उस बाइबिल विधालय से लात मारकर निकाल दिया गया।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : सूचना देने के लिए धन्यवाद। मुझे दुःख है कि उन्हें बाइबिल विधालय से लात मारकर निकाला गया। हो सकता है वहाँ के अधिकारीगण इस बात को जानते हों कि किसी को अन्य भाषा में बोलने या भवियवाणी करने हेतु शिक्षित

करने को वचन का समर्थन प्राप्त नहीं है।

भाई कोसोरेक का तथ्य सं0 2 : भाई ब्रन्हम ने उसको यह शीर्षक दिया था क्योंकि उसने पाया उस समय की अन्य सभी सेवकाइयों के पास अपने डाक्टर ऑफ डिविनटी थे अतः उसने भाई वेले को अपना 'डा0 ली वेले बना लिया।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : हाँ, और मैं इसका आदर करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि ऐसा करने के लिए उसके पास एक उचित कारण होगा और मैंने भी भाई वेले के लिए इसी शीर्षक को अपना लिया है।

भाई का तथ्य सं0 3 : भाई ब्रन्हम ने कहा कि यदि कोई सेवक या कलीसिया के किसी सदस्य के पास संदेश के विषय में कोई प्रश्न हो तो वह ली0 वेले से पूछे। उसने ऐसा और किसी व्यक्ति के लिए कभी नहीं कहा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले के लिए यह अति अभिनन्दनीय है।

कु0 ले0 सं0 738 : बहन मीडा ब्रन्हम ने कहा कि वि0 मे0 ब्र0 ने कहा कि डा0 वेले से अधिक संदेश को कोई भी नहीं समझता।

भाई कोसोरेक की तथ्य सं0 4 : मैंने बहन मीडा ब्रन्हम से उनके देहान्त से कुछ सप्ताह पूर्व ही व्यक्तिगत रूप से बात की है और उन्होंने कहा कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, ''ऐसा कोई भी नहीं है जो ली वेले के समान संदेश को समझता हो''।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह बहुत अच्छा है कि बहन ब्रन्हम ने ऐसा कहा है। जबकि मैंने इस वक्तव्य को एक दूसरी ही रीति पर सुना है।

भाई कोसोरेक के तथ्य सं0 5 : हालॉकि भाई ब्रन्हम ने कहा था केवल एक बात है जिसमें वे डा0 वेले से असहमत हैं और वह भी स्प्ष्ट हो गया था जब भाई वेले ने यह अहसास किया कि पीड़ाएं वचन के दण्ड से आती हैं और वह तत्काल समझ गया कि प्रभु अपने चुने हुए जन को कभी भी दण्डमय न्याय में होकर नहीं भेजेगा क्योंकि वह पहले ही न्याय से बचा ली गई हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : सूचना के लिए धन्यवाद। इस बात के लिए मुझे स्वयं आश्चर्य है। मुझे अभी तक आश्चर्य है कि कितने लम्बे समय **के पश्चात वह इस समझ** पर आ सका था।

कु0 ले0 सं0 739 : कलीसिया काल पुस्तक में प्रत्येक शब्द ''यहोवा यूँ फरमाता है''।

भाई कोसोरेक के तथ्य सं0 6 : भाई वेले ने दो व्यक्तियों, भाई सिडनी जैक्सन और भाई विलार्ड कोलिंग्स को यह बताया था कि क का0 पु0 का प्रत्येक शब्द ''यहोवा यूँ

फरमाता है''।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ, मैं स्वयं इस बात पर कि सात कलीसियाई कालों का प्रकाशन जो कि भाई ब्रन्हम ने प्रचार किया है और जिसका क0 का0 पु0 के रूप में प्रलेखन किया गया गया है वह ''यहोवा यूँ फरमाता है!'' तौभी, कुछ मुख्य शिक्षाएं ऐसी हैं जो भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से असंगत हैं।

कु0 ले0 सं0 740 : ''चौथी मोहर पहले ही घटित हो चुकी है''।

भाई कोसोरेक : जैसा कि मैं देखता हूँ कि समस्या यह है कि लोग मोहरों के प्रकाशन और उनके वास्तविक प्रकटीकरण के बीच के अन्तर को समझ नहीं पाते हैं।

उदाहरण के लिए चौथी मोहर जब घटित हुई जब शैतान कैथोलिक कलीसिया में होते हुए श्वेत, लाल, काला और पीले घोड़े या सामर्थ में आया। परन्तु उसका प्रकाशन तब तक प्रकट नहीं हुआ जब तक 1963 में मोहरें प्रकट न कर दी गईं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : अपने उपरोक्त वक्तव्य में आपने भविष्यद्धक्ता की शिक्षा से अलग मत प्रकट किया है। उसने यह नहीं कहा कि यह सब कैथोलिक कलीसिया में होकर धटित हुआ है, परन्तु कि चौथी मोहर अभी तक प्रकट नहीं हुई है और हम प्रकाशन के आरम्भ में रह रहे हैं जहाँ उन घोड़ों की शक्ति अपनी सम्पूर्णता में प्रकट होने के लिए संयुक्त हो रही है।

पीला घोड़ा : हमारे समय में नहीं ; यह पहले बताई हुई मोहर है

वि0 मे0 ब्र0 : 306–6 (193) ध्यान दें.....अब पीला घुड़सवार प्रकट होता है, यह अन्तिम घुड़सवार है। वह अपने अन्त पर है। अब, यह हमारे समय में नहीं है यह बाद में होगा। यह पहले बता दी गई मोहर है। क्योंकि जब यह घटित होगा तो कलीसिया जा चुकी होगी। (चौथी मोहर 63–0321)

इस प्रकार यह उदाहरण प्रमाणित करता है कि चौथी मोहर प्रकाशित तो हो गई है परन्तु अभी प्रकट नहीं हुई है।

कु0 ले0 सं0 741 : ''सातवीं मोहर प्रकाशित हो गई है परन्तु घटित नहीं हुई है।''

भाई कोसोरेक : अतः इनके प्रकाशित किये जाने में और इनके घटित होने में अन्तर है। सातवीं मोहर ने हालॉकि यह प्रकाशित कर दिया है कि यह क्या है, यह प्रभु का आगमन है, ''हालॉकि यह प्रकाशित हो गई है परन्तु यह अभी तक घटित नही हुई है। न ही प्रकाशित वाक्य 10:7 पूर्णतः समाप्त हुआ है क्योंकि उसका वह भाग ''अब और समय न रहा'' प्रभु के द्वितीय आगमन के समय घटित होगा।

अतः मैं आशा करता हूँ के आपने देखा होगा कि मोहरों के प्रकाशन (खोले जाने) और उनके पूरे होने में अन्तर है। फिर भी, पारनेल इसे नहीं समझता है इस लिए वह इन दोनो का विवाह कराके इन्हें एक करना चाहता है। जैसेकि कि मोहरों का खोला जाना उनका पूरा होना है, और यह एक भ्रान्ति है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मुझे खेद है कि मैं मोहरों के खोले जाने और उनके पूरे होने में कोई अन्तर नहीं देखता हूँ विशेषकर सातवीं मोहर में। अपनी उपरोक्त घोषणा में भविष्यद्धक्ता की शिक्षा तुमसे अलग है, और यह उसके संदेश के विरुद्ध है। इसे क, ख, ग, घ्र के रूप में नीचे वर्णित किया गया है।

क. प्रकाशित या खुली हुई, परन्तु प्रकट नहीं

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम्हारा एवं साथ में डा0 वेले का वक्तव्य विरोधात्मक, असंगत और भविष्यद्धक्ता के वचनों के स्पष्ट विरोध में है। उसने कहा कि सातवीं मोहर/सात गर्जन अभी तक प्रकाशित नहीं हुए हैं, और तुम कह रहे हो कि वह प्रकाशित तो कर दिये गये हैं परन्तु अभी प्रकट नहीं हुए हैं। कौन सत्य बोल रहा है और कौन असत्य? हम भविष्यद्धक्ता का विश्वास करते हैं। उसने प्रभु के नाम में सत्य बोला है।

वि0 मे0 ब्र0 : 567(1) अतः हे प्रभु मेरी सहायता करें, मैंने सत्य प्रचारा है..... अब इस मोहर के नीचे क्या महान भेद छिपा हुआ है, इसे मैं नहीं जानता हूँ। मैं इसे प्रकट नहीं कर सकता हूँ जो इसने बताया है उसे मैं बता नहीं सकता हूँ। परन्तु मैं जानता हूँ कि यह वह सात गर्जन थे..... और यह किसी और चीज में खोले गये यह मैंने देखा।

.....मैंने इसके अनुवाद की प्रतीक्षा की परन्तु यह मेरे पास से चला गया और मैं इसे जान नहीं पाया। मित्रों यह बिलकुल सही है। यह समय इसके लिए नहीं है.....स्मरण रखें कि मैंने यह तुमसे प्रभु के नाम से कहा है.....(सातवीं मोहर 24/03/63, नया संस. पृष्ठ 520 (393)

577 (2) और अब, यदि यह टेप कहीं पर किसी व्यक्ति के हाथो में पहुँचा, इससे किसी प्रकार का वाद निर्मित करने का प्रयास न करें, यह अभी खोली नहीं गई हैं। (सातवीं मोहर 24/03/63 पृष्ठ 521(400)।

568 (2) ''मोहरों के भेदों में से एक यह है, वह कारण कि यह प्रकाशित नहीं की गई, यह सात गर्जन थे जो अपनी आवाज कर रहे थे। (सातवीं मोहर 24/03/63 ; नवीन संस. पृष्ठ 513 (335–336)

वि0 मे0 ब्र0 : तुम सोचते हो कि टक्सन में यहाँ जो थोड़ी आवाज हुई थी वह कुछ

थी, जब प्रभु ने छठी मोहर खोली। (भावी घर 2–8–64)

वि0 मे0 ब्र0 : 564 (4)....."प्रभु ने छः मोहरों को खोल दिया है परन्तु यह सातवीं मोहर के विषय में कुछ नहीं कहता है।" (सातवीं मोहर 24/03/63)

"सातवां दूत छः मोहरों के भेद को खोलने के लिए था।" (अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है। 16/8/64)

सातवीं मोहर अभी खोली नहीं गई है, आप जानते हैं ; वह उसका आगमन है। (तुरहियों का पर्व 19/7/64)

कु0 ले0 सं0 742 : "प्रभु के द्वितीय आगमन का भेद प्रकट कर दिया गया था।"

ब–प्रभु के द्वितीय आगमन का भेद खोल दिया गया

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम अपने इस वक्तव्य में भी भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से भिन्न हो। तुम्हारा कहना है कि प्रभु के द्वितीय आगमन का भेद खोल दिया गया है। भविष्यद्धक्ता का कहना है कि यह अभी प्रकट नहीं हुआ है परन्तु सात गर्जनों के द्वारा प्रकट किया जाएगा। कब और कैसे, यह अभी हमें पता नहीं है। सातवीं मोहर प्रभु के आगमन के भेद को अपने अन्दर समेटे हुए है।

17–3 057 "और सात गर्जन.....प्रभु का आगमन। यह एक चीज है जो उसने अभी तक प्रकट नहीं की है, कि वह कैसे और कब आएगा।

और यह एक भली बात है कि उसने यह भेद प्रकट नहीं किया है। नही....." (मसीह एक भेद 28/7/63)

575 (6) "कोई नहीं जानता कि वह कब आ रहा है। परन्तु एक समय सात गर्जनों की सात आवाजें होंगी जो इस महान प्रकाशन को प्रकट करेंगी।" (सातवीं मोहर 24/3/63)

कु0 ले0 सं0 743 : प्रकाशित वाक्य 10:7 पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ है।

स–प्रकाशित वाक्य 10:7 पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : प्रकाशित वाक्य 10:7 के विषय में तुम्हारा वक्तव्य न केवल भविष्यद्धक्ता परन्तु डा0 वेले की शिक्षाओं से भी पूर्ण रूप से असंगत है। तुम कह रहे हो कि यह अभी समाप्त नहीं हुआ है। भविष्यद्धक्ता कह रहा है कि यह सात मोहरों के भेद के प्रकाशन के द्वारा पूरा हो गया है।

तुम प्रकाशित वाक्य 10:7 को जारी रखने के लिए इसे कहाँ लागू कर रहे हो? डा0 वेले ने कहा कि यह केवल एक मनुष्य ; एलिय्याह, मलाकी 4:5–6 के लिए है।

80– .....सातवें दूत के समय में..... समस्त कालों के भेद, प्रकट कर दिये जाएंगे अस्तित्व में आ जाएंगे..... और **उसने ऐसा किया है**। उसका वचन कभी असफल नहीं होता। (शालोम 64–0112)

22–6 और आज रात्रि इस भवन में वह लोग बैठे हुए हैं जो इस घटना के समय वहाँ खड़े हुए थे, और कहा कि समस्त बाइबिल के गुप्त भेदों की सात मोहरें खोल दी जाएंगी व प्रकाशित वाक्य 10 पूरा हो जाएगा, कि सातवें दूत के संदेश में यह चीजें पूरी हो जाएंगी। आज यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ। (आज यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ 65–0219)

99–3 (212) अब, मोहरों का खोला जाना और सातवां दूत, जिसका संदेश प्रभु के सब भेदों को प्रकट करने के लिए है को सब भेद प्रकट कर दिया जाना..... सब भेद सात मोहरों में छिपे हुए हैं।..... सातवे दूत को प्रभु के वचन के आने के लिए एक भविष्यद्धक्ता होना है। कोई पुरोहित, पोप, और अन्य कोई भी इसे प्राप्त नहीं कर सकता है। वचन ऐसे लोगों के पास नहीं आता है। वचन केवल एक भविष्यद्धक्ता के पास आता है। मलाकी 4 ने ऐसी प्रतिज्ञा की है। (दरार 63–0317 ई.)

डा0 ली वेले ने कहा कि भविष्यद्धक्ता का संदेश अखंडनीय है एवं प्रकाशित वाक्य 10:7 एक मात्र अधिकारी है और वह मनुष्य विलियम ब्रन्हम था। यदि भविष्यद्धक्ता कहता है कि सातवीं मोहर प्रकट नहीं की गई, तब डा0 ली वेले के लिए कहने को कुछ बाकी नहीं बचता। कलीसिया काल पुस्तक के पृष्ठ 328 के तीसरे अनुच्छेद से आगे की पंक्तियों को आधारित करके डा0 ली वेले ने कहा कि भेदों को प्रकट करने के लिए केवल एक भविष्यद्धक्ता संदेशवाहक है। वह आया और चला गया। अब इसे आगे जारी कैसे रखा जा सकता है? डा0 ली वेले इस विषय में तुम्हारी भूल को सुधार सकते हैं। (संदर्भ ; पृष्ठ 156, अनुच्छेद 2, स्मुरना क0 काल–क0 काल पुस्तक अध्याय 4)

कु0 ले0 सं0 744 : मसीह के द्वितीय आगमन में अब कोई समय शेष नहीं है।

द– "अब और देर न होगी" यह मसीह के द्वितीय आगमन के लिए है

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह वक्तव्य बाइबिल की शिक्षा और भविष्यद्धक्ता के उसके अनुवाद से विपरीत, विरुद्ध और घारे असंगत है। उसने कहा कि यह पुस्तक के प्रकाशित किये जाने से पहले है। मसीह के द्वितीय आगमन समय शेष है। दानियल के सत्तर सप्ताह के पूर्ण होने में समय शेष है। मसीह और उसकी दुल्हन का एक हजार वर्ष का राज्य

पूरा होने में सयम शेष है। उसने कहा कि यह मोहरों के समय में घटित होता है। मैं उसका विश्वास करता हूँ। तुमने इस वचन को मसीह के द्वितीय आगमन के साथ सम्बन्धित कर दिया है। यह संदेश के विपरीत है। प्रकाशित वाक्य 10:1 में उसके हाथ में एक खुली हुई पुस्तक थी।

वि0 मे0 ब्र0 : 76–2 (54)..... जब तक कलीसिया काल और संस्थाओं का काल समाप्त नहीं हो गया यह पुस्तक प्रकट नहीं की गई, और अब और समय शेष नहीं है। आपने इसे देखा? यह कलीसिया कालों और संस्थाओं के कालों के पश्चात प्रकट की गई। (दरार 63–0317 ई.)

138–1 (142) क्या, वह समय आता है कि अब और देर न होगी? वह स्वर्गदूत जिसके सिर पर मेघ धनुष है वह अपना एक पांव धरती पर और एक पांव समुद्र पर रखने के लिए तैयार है, और कहता है, ''अब और देर न होगी।'' और वह अपनी हाथ उठाता है और शपथ खाता है कि और देर न होगी। (पहली मोहर 63–0318)

75–1 (47) दसवें अध्याय में वह वापस आता है कि सब भेद पूरे कर दिये जाएं, मोहरे खोले जाने को हैं और वह यह दावा कर रहा है कि अब और देर न होगी। और वह कहता है, ''जब सातवां स्वर्गदूत शब्द देना आरम्भ करेगा, तब भेद पूरे हो जाएंगे और यह समय स्वर्गदूत के प्रकट होने का होगा। हम इसके समीप ही हैं। यह सही है। (दरार 63–0317 ई)

74–2 (40) और जब मोहरें खोल दी गई और भेद प्रकट हो गए तब संदेशवाहक स्वर्गदूत, मसीह नीचे आता है उसके सिर पर मेघ धनुष है और वह अपना एक पांव धरती पर और एक पांव समुद्र पर रखता है। अब स्मरण रखें, यह सातवां स्वर्गदूत इस समय के आने के समय धरती पर है। (दरार 63–0317 ई.)

भाई कोसोरेक : इस लिए भाई डाल्टन, मैं पूछ रहा हूँ कि डान पारनेल की झूठी शिक्षाओं पर लेख लिखने के द्वारा तुम भाई वेले पर जो नकारात्मक आक्रमण कर रहे हो, क्योंकि उसकी शिक्षाएं कलीसिया काल पुस्तक पर आधारित नहीं हैं बल्कि उसने क0 काल पुस्तक को गलत रीति से समझा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : इस प्रकार भाई, भविष्यद्वक्ता एवं उसके कलीसियई काल संदेश पृष्ठ 327 के विपरीत तुम्हारे एवं डा0 वेले के शिक्षाओं के प्रकाश में मैं सोचता हूँ कि मेरा वक्तव्य उचित है। यदि तुम और डा0 वेले अपने उस वक्तव्य को वचन से एवं भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं के अनुसार उचित ठहरा देते हो तो मैं पश्चाताप करुंगा एवं नि0 कु0 का खु0 पुस्तक के कु0 ले0 सं0 284 पर अपने वक्तव्य को संशोधित करने की तुम्हारी प्रार्थना को मान लूंगा। यदि नहीं, तो मैं प्रार्थना करता हूँ कि डा0 वेले यह स्वीकार कर लें कि वह वक्तव्य भविष्यद्वक्ता की नहीं वरन उसकी स्वयं की शिक्षा है। उसका यह विनीत

कृत्य संदेश के हजारों सेवकों एवं लाखों विश्वासियों के लिए छुटकारा लेकर आएगा, क्योंकि वे इस भ्रान्ति पर निष्ठापूर्वक विश्वास करते हैं कि यह भाई ब्रन्हम, एलिय्याह भविष्यद्वक्ता की शिक्षा है।

कोसोरेक की आपत्ति–नि0 कु0 का खु0 का वक्तव्य–पुस्तक 12 पृष्ठ 89 : 2004

हम आगामी वक्तव्यों के द्वारा यह देख सकते हैं कि हमारे बहुमूल्य भाई वेले को, क0 काल पुस्तक के सम्पादन के समय तक भी भाई ब्रन्हम की वचन की शिक्षाएं स्पष्ट नहीं थी और न ही वह उन शिक्षाओं के साथ पूर्ण रूप से सहमत था। यह सम्भव है कि भाई वेले ने अपने भ्रान्त विचारों में अब परिवर्तन कर लिया हो, क्योंकि अब वह वचन में और ज्यादा परिपक्व हो गए हैं। उसका दोबारा बपतिस्मा 1963 में जाकर हो पाया, जब तक न केवल कलीसिया काल बल्कि मोहरें तक प्रचारी जा चुकी थीं। कोई भी व्यक्ति जो हमारी तरह भाई वेले से प्रेम करता हो, वह बड़ी अच्छी तरह इस बात को समझ सकता है कि उसने एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के एक नये संदेश को सम्पादित करने की प्रयास में एक ध र्म विज्ञानी के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयत्न किया, और अनजाने में उसका कुछ धर्म विज्ञान कलीसिया काल के इस महान और सुपरिष्कृत संदेश में प्रविष्ट हो गया। यह किसी को इन भ्रान्तियों पर आधारित करके अन्य शिक्षाओं को स्थापित करने का अधिकार नहीं देता है, क्योंकि यह भविष्यद्वक्ता के प्रकाशन और शिक्षाओं से असंगत है।

वि0 मे0 ब्र0 194 : '' भाई ली वेले, यदि तुम इसे समझ सकते हो तो यह यहाँ पर है। केवल इस एक प्रश्न पर हम असहमत हैं ; वह विश्वास करता है कि कलीसिया न्याय में से होकर जाएगी। मैं ऐसा नहीं देखता हूँ। मैं ऐसा विश्वास नहीं करता हूँ।'' (एकत्व 11/2/62)

''भाई ली वेले आज यहीं पर थे। मैंने आज उन्हें यहाँ पर बपतिस्मा दिया है।'' (पौलुस एक कैदी 17/7/63)

''भाई ली वेले एक विद्वान और डा0 आफ डिविनटी हैं। और वह वास्तव में अपनी उपाधि के योग्य हैं।'' (यीशु की ओर देखो 29/12/63)

के0 ले0 सं0 745 : ''डान पारनेल की यह शिक्षा कि गर्जन प्रकट कर दिये गये हैं और मोहरों में पाये जाते हैं, डा0 वेले के क0 काल पृष्ठ 327 के वक्तव्य पर आधारित नहीं है।''

भाई कोसोरेक : डान पारनेल भाई वेले से घृणा करता है और किसी भी रीति से वह अपने अपचारी धर्म विज्ञान को क0 काल पुस्तक पर आधारित नहीं कर सकता।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पारनेल के कुपन्थों के अध्ययन के द्वारा मैं यह समझ सका हूँ कि बहुत से कुपन्थों के लिए शिक्षा सम्बन्धी उसका मुख्य विचार क0 काल पृष्ठ 327 की भ्रान्ति कि सातवीं मोहर/सात गर्जन प्रकट किये जा चके हैं एवं मोहरों में पाये जाते हैं पर आधारित है। यदि वह डा0 वेले से घृणा करता है, तो निश्चय ही वह सातवी मोहर/सात गर्जनों के उसके अनुवाद से घृणा नहीं करता। इसी तथ्य को आगे देखें, तो संदेश के अधिकतर सेवक और विश्वासी विश्वास करते और शिक्षा देते हैं कि भविष्यद्धक्ता के द्वारा सातवीं मोहर प्रकट कर दी गई थी, वह केवल इसी वक्तव्य पर आधारित है। न्यूयार्क से लेकर सुदूर पूर्व तक लगभग सभी मुख्य कुपन्थी यह दावा करते हैं कि सात गर्जन प्रकट कर दिये गये हैं। अतः यह कोई बड़ी बात नहीं है कि पारनेल ओर उसके सहयोगियों ने भी यही किया हो। अब जरा कुपन्थीय लेखन संख्या 286, पुस्तक 12, पृष्ठ 89, के साथ डा0 वेले के वक्तव्य की तुलना करो।

कु0 ले0 सं0 286

पारनेल, क्लाइड एवं मूरे : 2 ''1963 एक नई सेवकाई और प्रकाशित वाक्य 10:7 का पूरा होना था..... यह भविष्यद्धक्ता के जीवन में दो सेवकाइयों को दर्शाने के लिए था..... प्रथम भाग..... प्रकाशन के द्वारा ह्रदयों का यर्थाथ रूप में मोड़ा जाना ; प्रथम छठी मोहर, द्वितीय सातवीं मोहर।

327–1 : अब मलाकी 4 और प्रकाशित वाक्य 10:7 का यह संदेशवाहक दो कार्यों को करने जा रहा है। प्रथम : मलाकी 4 के अनुसार वह बालको के ह्रदयों को पिताओं की ओर मोड़ेगा। द्वितीय : वह प्रकाशित वाक्य 10 में सात गर्जनों के भेद को खोलेगा जो कि सात मोहरों में पाया जाने वाला प्रकाशन है। यह वे दिव्य रूप से प्रकट किये गये 'भेदों के सत्य होंगे' जो यर्थाथ रूप में बालको के ह्रदयों को पिन्तेकुस्तीय पिताओं की ओर मोड़ेंगे।'' (लौदीकिया क0 काल)।

भाई कोसोरेक : अब भाई ब्रन्हम के वक्तव्य से अपने वक्तव्य की तुलना करो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : हाँ मेरे प्रिय भाई कोसोरेक, मैंने डा0 वेले से सम्बन्धित अपने वक्तव्य की ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक तुलना की है। 1958 की ''हमारी'' या ''हम'' वक्तव्यों पर विशेष ध्यान दिया गया था और बाकी वक्तव्य वे थे जहाँ भविष्यद्धक्ता ने डा0 वेले की प्रशंसा की है। यद्यपि वे प्रशंसाएं बहुत विशिष्ट हैं, तौभी मैं क0 काल पृष्ठ 327 पर डा0 वेले के वक्तव्य को उचित नहीं ठहरा सकता चाहे भविष्यद्धक्ता ने प्रशंसा के रूप में कुछ भी कहा हो। तुम एवं अन्य लोग ऐसे वक्तव्यों पर विश्वास करना चुन सकते हो, परन्तु मैं ऐसा करने से इंकार करता हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ एवं पर्याप्त रूप से प्रमाणित भी कर सकता हूँ कि वे कलीसियाई काल पुस्तक में डा0 वेले की और प्रकार की शिक्षाएं हैं जो भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से असंगत हैं।

मैं अपने प्रति तुम्हारी निराशा को भली भाँति समझ सकता हूँ। मुझे इसके लिए खेद है, और यदि तुम डा0 वेले के वक्तव्य (पृष्ठ 327) को उचित ठहरा सको, तो मैं पश्चाताप के लिए श्वेत सिंहासन के न्याय की प्रतीक्षा नहीं करुंगा। मैं अनन्त जीवन से प्रेम करता हूँ , और मैं तुम्हारे एवं डा0 वेले, मसीह की बाकी देह के साथ अनन्ता में जाने का विश्वास रखता हूँ। मैं सात कलीसियाई काल पुस्तक में शामिल शिक्षाओं पर वार्तालाप आरम्भ करने के अवसर का स्वागत करुंगा, वह जितना शीघ्र हो जाए भला है ; वे मलाकी 4:5–6 विलियम ब्रन्हम की शिक्षाओं से असंगत हैं।

डा0 ली वेले के बचाव में भाई कोसोरेक द्वारा दिये गये वि0 मे0 ब्र0 के उद्धरण

प्रत्येक काल के मसीह की पहचान 64–0409 पृष्ठ 13

अतः यदि कोई प्रश्न या इसी प्रकार कुछ है, तो भाई वेले से पूछें। वह इन प्रश्नों में आपकी सहायता करने में सक्षम हैं। ठीक है।

अन्तिम समय के अभिषिक्त 65–0725 एम. पृष्ठ 139

ध्यान दें मुझे आपको एक छोटा उदाहरण देने दें। उन लोगों को देखें जो मूसा की भविष्यवाणी के तहत बाहर आए थे, वे संस्थाओं और प्रत्येक चीज से भविष्यवाणी के तहत बाहर आए थे, उन्होंने अद्भुत कार्य और आश्चर्य कर्म देखे, और अन्दर प्रवेश करने की बिल्कुल सीमा तक आ पहुँचे। अब, ली, यहाँ पर पुस्तक के ऊपर तुम्हारा नाम आता है। देखा? डा0 ली वेले सात कलीसिया काल की इस पुस्तक का व्याकरण सम्बन्धी कार्य कर रहे हैं, और एक समस्या उठ खड़ी हुई , यह मेमने की जीवन की पुस्तक से तुम्हारा नाम हटाये जाने सम्बन्धी तुम्हारा प्रश्न था। देखा, इसने बहुत से सेवकों को दुविधाग्रस्त कर दिया, परन्तु आप प्रतीक्षा करें जब तक आपको पुस्तक नहीं मिल जाती ; यदि आपके भीतर थोड़ा भी प्रकाश है तो आप इसे समझ जाएंगे। अब ध्यान दें, यदि आप इसे देखना नहीं चाहते हैं तो अपेन सिरों को मोड़ लें। जैसे कि मेरी माँ कहा करती थी, ''आप एक चकुन्दर से लहू नहीं निकाल सकते, क्योंकि उसमें लहू होता ही नहीं है।''

यीशु मसीह कल आज और युगानयुग एक सा है 58–0323 पृष्ठ 22 और यदि आप को कुछ समझ नहीं आ रहा है, तो मेरे सहयोगी भाई वेले यहाँ पर हर सेवक और विश्वासी को जो भी बात भेद की प्रतीत होती है, समझाने के लिए हर समय उपलब्ध हैं। यदि कोई प्रश्न है, यदि हमने कुछ प्रचार किया है, या कुछ ऐसा कार्य किया है, जो कि बाइबिल में प्रभु की प्रतिज्ञा नहीं है, तब आपको यह अधिकार है कि आप हमारे पास भाइयों के रूप में आएं और इसके विषय में पूछें। और हम यह आपसे कहते हैं।

हम आपको अपने बहनों और भाइयों के रूप में अपने पास बुलाते हैं। हम मसीह के सेवक होना चाहते हैं। और इसी का हम संसार में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

अब, आप मुझे एक भी ऐसा सेवक दिखाएं जिसके साथ भाई ब्रन्हम ने अपने आपको **हम** या हमारा कहकर पुकारा हो और सेवकों और जन– साधारण को उसके पास आकर अपने प्रश्नों का उत्तर पाने के लिए बोला हो। परन्तु आपने भाई वेले से इस विषय में प्रश्न पूछने का कष्ट भी नहीं किया परन्तु अपने दृष्टिकोण को लिख दिया जिसने तुम्हारी सेवकाई का अनुसरण करने वाले लोगों के जीवन में उस मनुष्य को उसके स्थान से गिरा दिया। मैं केवल यह सकता हूँ कि मैं बहुत निराश हूँ। मैं तुमसे इससे बेहतर की अपेक्षा कर रहा था, और इसे सुधारने के लिए श्वेत सिंहासन की प्रतीक्षा मत करो।

ली वेले को श्रवणीय पत्र 64–0500 पृष्ठ 18

अब, अब देखो, ली, यह जो चीजें मैंने इसमें शामिल की हैं.....हम सोचते हैं कि यह एक शानदार पुस्तक है। अतः यदि यह इसमें सही नहीं बैठती हैं, यदि तुम सोचते हो कि जिस तरह मैंने इन्हें ठहराया है, उस तरह पढ़ने में किसी पाठक के लिए यह सही नहीं बैठेगी तो तुम इसे छोड़ देना। यह तुम्हारी पुस्तक है, और मैं चाहता हूँ कि तुम इसे लिखो। सभाओं में उपस्थित रहकर जो कुछ तुमने देखा और टेप्स से जो कुछ तुमने सुना है से अब तुम्हारा अपना एक दृष्टिकोण है। और मैं सोचता हूँ कि यह सभाओं के लिए एक महान बल्कि सर्वोत्तम कृति बनने जा रही है। मैं सोचता हूँ कि यह पुस्तक, जब से मैं प्रचार के क्षेत्र में हूँ तबसे मेरी अब तक की सबसे बड़ी सम्पत्तियों में से एक होगी। और मैं इस पुस्तक को जितना हो सकता है उतना बढ़िया चाहता हूँ। अब, मेरे भाई, यह बातें जो मैं कह रहा हूँ उससे मैं तुम्हें यह सोच देने का प्रयत्न नहीं कर रहा हूँ कि मैं तुमसे ज्यादा ज्ञान रखता हूँ। परन्तु यह बात केवल बेहतर समझ और संगति की आत्मा में है, और.....तुम जानते ही हो कि मेरा क्या तात्पर्य है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता का उपरोक्त श्रवणीय पत्र क0 काल पुस्तक का नहीं परन्तु ''बीसवीं शताब्दी का भविष्यद्धक्ता'' नामक पुस्तक का है। पास्टर कोसोरेक ने इसे इस तरह दर्शाने की कोशिश की है कि यह वक्तव्य क0 काल पुस्तक से है। हम फिर से उसके छलकपटपूर्ण रवैये को देख सकते हैं।

पास्टर कोसोरेक की प्रतिक्रिया

सात गर्जन

(नि0 कु0 का खु0 के उत्तर)

कुपन्थीय लेखन संख्या 746–752

अध्याय सात

क0 काल पुस्तक पर हमारे वार्तालाप के इस स्तर पर पहुँचने के पश्चात तुम्हारी क्रोधित प्रतिक्रिया के लिए अपने उत्तर को मैंने रोक लिया, मैं तुम्हें प्रभु के वचन और भविष्यद्धक्ता के वक्तव्यों से और अधिक क्रोधोन्मत्त नहीं करना चाहता था। मैं आशा कर रहा था कि तुम्हारा मस्तिष्क इस वार्तालाप के तहत अन्य शिक्षा सम्बन्धी मुद्दों पर प्रभु के वचन और भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं पर एक दृष्टि डालने के लिए थोड़ा उदार हो जाएगा, परन्तु मेरी अपेक्षाओं ने दम तोड़ दिया। तुम्हारा दूसरा पत्र भी पहले पत्र जैसा क्रोधपूर्ण, न्याय करने वाला, विवादी, वचन विरुद्ध, संदेश के समर्थन से रहित एवं झूठों से भरा हुआ था।

पास्टर कोसोरेक 1 : मैं सोचता हूँ कि हम केवल असहमत होने के लिए सहमत होने जा रहे हैं, क्योंकि तुम विश्वास नहीं करते हो कि सातों मोहरें खुल चुकी हैं जबकि भाई ब्रन्हम ने कई स्थानों पर कहा है कि सात मोहरें खुल चुकी हैं। (सम्प. यह प्रमाणित करने के लिए कि सभी सातो मोहरे खुल चुकी हैं पास्टर कोसोरेक द्वारा प्रयोग किए गए वक्तव्यों के उद्धरण इस अध्याय के अन्त में हैं।)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : हाँ, हम असहमत होने के लिए सहमत हैं। हाँ मैं विश्वास करता हूँ कि सातवीं मोहर प्रकट नहीं की गई थी। मैंने तुम्हें भविष्यद्धक्ता के उद्धरण दिये थे परन्तु तुमने ऐसा व्यवहार किया कि जैसे इन उद्धरणों का अस्तित्व ही न हो और तुमने उन्हें एक फुटबॉल की तरह लात मार दी। मैं तुम्हें और डा0 वेले को उनका सामना करने की चुनौती देता हूँ।

पास्टर कोसोरेक 2 : तब क्या तुम यह प्रचार करते हो कि हमारे पास छः मोहरों की सेवकाई है?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं बिलकुल वही प्रचार करता हूँ जो भविष्यद्धक्ता ने सिखाया था। क्या तुम इन उद्धरणों के अस्तित्व से इंकार करते हो? उसने कहा

वि0 मे0 ब्र0 270 : सातवां दूत छः मोहरों के भेद को खोलने के लिए था। (अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है 64–0816)

पास्टर कोसोरेक 3 : क्या तुम यह कह रहे हो कि भाई ब्रन्हम ने यह गलत कहा था कि सात मोहरें खुल चुकी हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : नहीं, वह सही था। वह उसने 1963 में सात मोहरों के घटनाक्रम के विषय में कहा था ओर विशेष तौर पर व्यक्तिगत रूप से सात अलग–अलग मोहरों के खोले जाने के विषय में नहीं। यदि यह सत्य नहीं है, कि उसने कहा था कि सातवीं मोहर प्रकट, खोली या तोड़ी नहीं गई है (मोहरें पृष्ठ 567–578), मैं तुम्हें दोनो प्रकार के उद्धरणो को एक साथ लाने की चुनौती देता हूँ। परन्तु मुझे निश्चय है कि तुम डा0 वेले और स्वयं को शर्म से बचाने के लिए ऐसा नहीं करोगे। यदि तुम्हारी घोषित नीति एक झूठ नहीं थी तो स्मरण रखो कि तुम्हें केवल वचन और भाई ब्रन्हम के वक्तव्यों से उत्तर देना है।

पास्टर कोसोरेक 4 : क्या तुम यह कह रहे हो कि उसने यह नहीं कहा कि सात मोहरे खुल चुकी हैं जबकि यर्थाथ में दर्जनों उद्धरणों में उसने ऐसा कहा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जो वाक्यांश उसने कहे हैं वह 1963 में मोहरों के घटनाक्रम के विषय में हैं। वह प्रत्येक मोहर के संदर्भ में ऐसा नहीं कह सकता था कि वह खुल गई है जबकि उस समय वह खुली नहीं थी। मैं सब वक्तव्यों को उनके सही स्थान के अनुसार पहचानता हूँ परन्तु तुम ऐसा नहीं कर सकते हो।

पास्टर कोसोरेक 5 : सात मोहरे खुल गई वचन का अर्थ क्या छः मोहरे हैं?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता को ही इसका उत्तर देने दो।

वि0 मे0 ब्र0 : तुम सोचते हो यहाँ टक्सन में जो थोड़ी सी आवाज हुई थी वह कुछ था, जब उसने छः मोहरे खोलीं। (भावी घर 2/8/64)

23–4 076 ''अब हम इन चीजों को देखते हैं। स्मरण रखें कि सात मोहरे समाप्त हो चुकी है। और जब व सात प्रकाशित सत्य.....उनमें से एक को उसने हमें जानने की अनुमति नहीं दी है। सात मोहरों के समय आप में कितने यहाँ पर थे? ऐसा मेरा अनुमान है कि लगभग आप सभी थे। देखा? सातवीं मोहर, उसने इसकी अनुमति नहीं दी है।'' (वे प्राण जो अब कैद में हैं 11/11/63)

''यह पुस्तक खोली जा चुकी है (यह सही है) केवल सातवीं मोहर की मसीह के आगमन के साथ पहचाने जाने की प्रतीक्षा हो रही है।'' (मैं यीशु के साथ क्या करुं, 24/11/63)

कुपन्थीय लेखन संख्या 746 : ''भाई ब्रन्हम ने छः नहीं बल्कि सात मोहरें खोली।''

पास्टर कोसोरेक 6 : उसने केवल छः नहीं परन्तु सभी सातों मोहरें खोली।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम और डा0 वेले झूठ बोल रहे हो। भाई ब्रन्हम सत्य बोल रहे हैं।

वि0 मे0 ब्र0 : 564 (4) .....''उसने सभी छः मोहरों को प्रकट कर दिया, परन्तु इसने सातवीं मोहर के विषय में कुछ नहीं कहा।'' (सातवीं मोहर 24/3/63)

मुझे तुम्हारा विश्वास करना चाहिए या उसका?

कु0 ले0 सं0 747 : ''वि0 मे0 ब्र0 के द्वारा सातवीं मोहर प्रकट कर दी गई है परन्तु अभी यह पूर्ण नहीं हुई है।''

पास्टर कोसोरेक 7 : परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि सातो मोहरें पूर्ण हो गई हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : सभी मोहरे प्रकट नहीं हुई हैं। सातवीं मोहर को अभी प्रकट होना है। तुम्हारा यह अनुवाद कि यह खुल तो गई है परन्तु पूर्ण नहीं हुई है एक कुपन्थ है। मैं तुम्हें इस कुपन्थ के समर्थन में केवल एक उद्धरण को दर्शाने की चुनौती देता हूँ।

पास्टर कोसोरेक 8 : पहली चार मोहरों की तरह जो कि कलीसिया कालों से गुजरती हुई मसीह विरोधी आत्मा थी, वह एक ही घुड़सवार की चार अलग–अलग रंगों के घोड़ों पर चार अवस्थायें हैं क्योंकि प्रत्येक रंग एक प्रतीक है। जी हाँ वे लगभग दो हजार वर्ष पूर्व आरम्भ हुए परन्तु वे अभी तक समाप्त नहीं हुए हैं। परन्तु वे प्रकट किए जा चुके हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यहाँ तुम्हारी शिक्षा में थोड़ा भ्रम आ गया है और तुम्हारी जुबान थोड़ी बहक गई है। तुम्हारा यह कहना बड़ा दुखद है कि एक से चार तक की मोहरे पूर्ण हो गई हैं। मैंने तुम्हारी भूल सुधारी परन्तु तुम्हें स्वीकार करने में बड़ी लज्जा आती है कि तुम गलती पर हो। भाई अपने ह्रदय की दीन करो। तुम और मैं इस संदेश के श्रेष्ठगण नहीं हैं। तुम अपनी भाषा को लेकर बहुत ही गैर जिम्मेदार हो और प्रभु के वचन को दूषित कर रहे हो।

कु0 ले0 सं0 748 : ''बाकी मोहरों के प्रकट किए बिना अकेली एक मोहर प्रकट नहीं की जा सकती।''

पास्टर कोसोरेक 9 : इस प्रकार तुम यह नहीं समझते हो कि भाई ब्रन्हम ने कहा कि यद्यपि मोहरें लपेटी हुई अवस्था में हैं और जब आप इन्हें खोलते हैं तो यह क्रमशः एक के बाद एक खुलती हैं, परन्तु उसने यह भी कहा कि मोहरें पिछली तरफ थी और आप पहली मोहर को तब तक नहीं खोल सकते जब तक कि सातों मोहरे साथ–साथ ही न खोली जाएं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : उसने इस तरह की कोई मूर्खतापूर्ण बात नहीं कही

हैं ; यह सब तुम्हारे द्वारा रचा गया है। जी हाँ, बाकी मोहरों को प्रकट किए बिना एक मोहर खोली जा सकती है। तुम्हारी बात एक कुपन्थ है। मुझे तुम्हारा विश्वास करना चाहिए या भविष्यद्धक्ता का?

वि0 मे0 ब्र0 90–4 (144)..... मोहरों को बेलनाकार रूप में लपेटा गया था..... जैसी कि चरखी पर लपेटा जाता है। और आप इसकी मोहर तोड़कर इनमें से एक को खोल सकते थे (कि इसका क्या भेद था) और आप इसे खोल सकते थे, आप देख सकते थे कि इसमें क्या था। और तब आप दूसरी को खोल सकते थे, और आप देख सकते थे कि इसके अन्दर क्या था। (दरार 63–0317 ई.)

पास्टर कोसोरेक 10 : उसने यह भी कहा कि मोहरे पुस्तक के पिछले भाग पर थीं, और पुस्तक को खोलने के लिए सातों मोहरो को खोला जाना अवश्य था।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मोहरों के पुस्तक के पिछले भाग पर होने के विषय में उसने बाद में अपनी बात को सुधारा था।

83– मैंने हमेशा ऐसा सोचा कि इसे पुस्तक के पिछले भाग पर मोहर बन्द किया गया था और यह कुछ ऐसा था जिसे पुस्तक में लिखा नहीं गया था ; परन्तु यह बात सामने आई कि वह ऐसा नहीं कर सकता था। यह कुछ ऐसा नहीं था जोकि पुस्तक में लिखा गया था..... यह कुछ ऐसा था जो कि पुस्तक में छुपा हुआ था। (आत्मिक भोजन 65–0718 ई.)

पास्टर कोसोरेक 11 : सातो मोहरों को खोले बिना पुस्तक किस प्रकार खोली जा सकती है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : क्योंकि सातवी मोहर/सात गर्जन प्रकाशित वाक्य 10:1 के मुँह से निकले हैं न कि सातवें दूत–प्रकाशित वाक्य 10:7 के मुँह से। बली स्वर्गदूत के हाथ में खुली हुई पुस्तक है न कि सातवें दूत के हाथ में।

कु0 ले0 सं0 749 : ''डा0 वेले ने कलीसिया काल पुस्तक में भ्रान्तियों को नहीं लिखा है। यह तुम हो जिसे उसका लिखा हुआ समझ नहीं आता है।

पास्टर कोसोरेक 12 : जो समस्या मैं देखता हूँ वह यह नहीं है कि भाई वेले ने भ्रान्तियों का लेखन किया हो परन्तु यह है कि तुम उसके लेखन को समझ नहीं पाते हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ, डा0 वेले ने इन भ्रान्तियों को लिखा है। मैंने इसे अपने वार्तालाप में प्रमाणित किया है परन्तु तुमने जान बूझ कर अपनी आँखों को बन्द कर रखा है, क्योंकि यह उसका स्थान लेने जा रहे व्यक्ति के रूप में तुम्हारी छवि को नष्ट कर सकता है। तुम उसको उसकी भूल सुधार करने में सहायता करो तब तुम प्रभु और मनुष्यों से सच्चा सम्मान पाने के हकदार बन जाओगे।

पास्टर कोसोरेक 13 : तुम किस प्रकार सहमत हो सकते हो कि इस पुस्तक का प्रत्येक शब्द ''यहोवा यूँ फरमाता है'' है। और यह बात भाई वेले ने नहीं परन्तु भाई ब्रन्हम ने भाई कोलिन्स और भाई सिडनी जैक्सन से कही थी।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : क्योंकि यह भाई ब्रन्हम का संदेश है जिसका कलीसिया काल पुस्तक में प्रलेखन किया गया है। मैं तीन मुख्य कुपन्थों को इससे विलग करता हूँ। वे ''डा0 वेले यूँ फरमाता है'' जिन्हें विलियम ब्रन्हम के नाम से प्रस्तुत किया गया है।

क्या तुम्हें यह कहने में बहुत गर्व है कि भाई ब्रन्हम के स्थान पर भाई वेले कहना तुम्हारी भूल थी (तुम्हारे 4/8/2008 के ई मेल का तथ्य 6) बजाए इसके कि तुम इस तरह से बात करो कि मेरी भूल सुधारी जा सके?

कु0 ले0 सं0 750 : ''नि0 कु0 का खु0 के लेखक का मस्तिष्क संदेश की समझ की कमी के कारण अन्धा हो गया है।

पास्टर कोसोरेक 14 : भाई ब्रूस जिस समस्या को मैं देख सकता हूँ वह यह है कि तुम्हारा मस्तिष्क संदेश की समझ की कमी के कारण अन्धा हो गया है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यदि यह तथ्य तुम पर ही लागू न हो रहा होता, तब तुम कलीसियाई काल पुस्तक में डा0 वेले द्वारा प्रलेखित भ्रान्तियों को देख पाते।

पास्टर कोसोरेक 15 : तुम मुझे एक प्रश्न का उत्तर दो ''संदेश तुम्हारे लिए क्या है?''

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मेरे लिए संदेश मसीह है जोकि मोहरों के तोड़े जाने के द्वारा प्राप्त हुआ है। और तुम्हारे लिए यह डा0 वेले है।

कु0 ले0 सं0 751 : ''भविष्यद्धक्ता ने जब कहा कि सात मोहरे खोल दी गई हैं, तब उसका अर्थ सभी सात मोहरों से था।''

पास्टर कोसोरेक 16 : तुम विश्वास नहीं करते हो कि सात मोहरें खुल चुकी हैं, जबकि प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने बहुतेरे स्थानों पर इसके विषय में कहा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : निश्चित रूप से तुम्हारा कहना ठीक है! क्योंकि उसने कहा कि सातवीं मोहर खोली नहीं गई, और जब उसने कहा, ''जब उसने सात मोहरे खोलीं'', तब वह उस घटना के विषय में बात कर रहा था, न कि व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक मोहर के विषय में।

कु0 ले0 सं0 752 : ''भविष्यद्धक्ता ने यह नहीं कहा कि छः मोहरे खोली गई।''

पास्टर कोसोरेक 17 : उसने यह नहीं कहा कि 4 या 5 या 6 मोहरे खोली गई, उसने कहा 7 मोहरे खोली गई।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ, उसने कहा कि छः मोहरे खोली गई। तुम किस प्रकार पढ़ते हो? सबसे पहले तुम शब्दों के हिज्जे जोड़ना सीखो। मैंने उसके उद्धरण दिये हैं। मुझे संदेह है कि तुम इतने विनम्र हो कि कह सको, "मैं गलत था ; मुझे क्षमा कर दो।"

वि0 मे0 ब्र0 : "तुम सोचते हो कि जब उसने छः मोहरे खोलीं तब यहाँ टक्सन में जो एक थोड़ी सी आवाज हुई वह कुछ थी, जिसने इस राष्ट्र को झकझोर..... इस धरती को उसका बपतिस्मा पा लेने तक प्रतीक्षा करें!" (भावी घर 2/8/64)

564 (3) अब, बेहतर है कि मैं इसें यहीं पर रोक दूँ। देखा? मैंने अभी–अभी अनुभव किया कि मुझे इस विषय पर कुछ और न कहने के लिए रोका गया है। देखा? अतः स्मरण रखें, सातवीं मोहर के खोले न जाने का कारण (देखा?), यह है कि उसने इसे प्रकट नहीं किया है, कोई मनुष्य इसके विषय में नहीं जानता है (मोहरों की पुस्तक, पृष्ठ 510 (304)

564 (4).....अब ध्यान दें, समय के संदेश के अन्त के लिए (यह मोहर), उसने सभी छः मोहरो को प्रकट कर दिया है, परन्तु इसने सातवीं मोहर के विषय में कुछ भी नहीं कहा है। (मोहरों की पुस्तक पृष्ठ 510 (304))

576 (2) अब यहाँ, हम पाते हैं कि छठी मोहर हम पर प्रकट कर दी गई है ; हम इसे देखते हैं, और हम जानते हैं कि यह सातवी मोहर सार्वजनिक रूप से तब तक तोड़ी नहीं जा सकती जब तक उस समय का आगमन न हो जाए। (मोहरों की पुस्तक पृष्ठ 521 (393)

पास्टर कोसोरेक 18 : अब यदि तुम कहते हो, कि यह मोहरों से पहले था तब तुम कह रहे हो कि भाई ब्रन्हम ने झूठ बोला है। भविष्यद्धक्ता ने जो भी सिखाया है मैं उसका विश्वास करता हूँ। उसने यह मोहरों में भी कहा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं पूर्णतः सुनिश्चित नहीं हूँ कि तुम अपने वक्तव्य से क्या कहना चाह रहे हो। मैं मोहरों से पूर्व और पश्चात के सम्पूर्ण संदेश पर विश्वास करता हूँ।

अन्त में पास्टर कोसोरेक और डा0 ली वेले मैं तुम्हें अपनी शुभ कामनाएं देता हूँ। इस अति महत्वपूर्ण वार्तालाप में अपना समय देने के लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूँ। मैं भरोसा करता हूँ कि यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संदेश के विश्वासियों के लिए भलाई उत्पन्न करेगा। कृप्या यह भी जान लें कि मैं उन अन्य कुपन्थों का भी खुलासा करुंगा जिन्हें आपने अपनी वैबसाइट पर प्रकाशित किया है। कलीसिया काल पुस्तक पर हमारे साधारण वार्तालाप पर आपके अनुचित रवैये के कारण मैं आपके संज्ञान में इन विषयों को न लाने की स्वतंत्रता अनुभव करता हूँ। आपको शान्ति मिले, अभी के लिए विदा।

(सम्प. पास्टर कोसोरेक द्वारा सभी सातो मोहरों के खोले जाने को प्रमाणित करने के लिए उपयोग किये गये उद्धरणों के संदर्भ, परन्तु वे मोहरों की घटना कि विषय में बताते

हैं न कि व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक मोहर के विषय में : सांझ का संदेशवाहक 63–0116 पृ:34;दरार 63–0317ई. पृ:81;पृ:77;पृ:76; पहली मोहर 63–0318 पृ:3;पृ:23; वे प्राण जो कैद में हैं 63–1110एम. पृ:79; समय के अनुसार आत्मिक भोजन 65–0718ई.पृ:36; संसार अपनी निर्दिष्ट अवस्था खो रहा है 63–1127 पृ:7; मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप 65–1125 पृ:64; स्वर्गारोहण 65–1204 पृ:90;पृ:44; मैंने सुना था परन्तु अब मैं देखता हूँ 65–1127ई. पृ:89; प्रभु की सेवा करने का प्रयत्न करना 65–1127ब.पृ:133;पृ:130;पृ:93; कार्य विश्वास का प्रगटीकरण है 65–1126पृ:107; मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप 65–1125पृ:124; पृ:123;पृ:118;पृ:105;पृ:81;पृ:68;पृ:64; तुम मेरे लिए कौन सा घर बनाओगे 65–1121 पृ:9;पृ:3; रुपान्तरण की सामर्थ 65–1031एम. पृ:54; रुपान्तरण के लिए प्रभु की सामर्थ 65–0911 पृ:37; मसीह अपने वचन में प्रकट हुआ है 65–0822एम. पृ:117;पृ:115; इस दुष्ट समय का प्रभु 65–0801एम. पृ:9; अन्त समय के अभिषिक्त 65–0725एम. पृ:189;पृ:178;पृ:177; समय के अनुसार आत्मिक भोजन 65–0718ई. पृ:36;)

सात गर्जनों का कुपन्थ एवं इसका विकास

भ्रान्ति संख्या तीन

अध्याय आठ

परिचय

आठवें अध्याय का परिचय, वार्तालाप के समापन के पश्चात 26/10/2008 को, बेथेल प्रभु के घर में प्रचारा गया।

1 थिस्सलुनीकियों 4:15–18 क्योंकि हम प्रभु के वचन के अनुसार तुमसे यह कहते हैं, कि हम जो जीवित हैं, और प्रभु के आने तक बचे रहेंग तो सोए हुओं से कभी आगे न बढ़ेंगे। क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और प्रभु की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वह पहले जी उठेंगे। तक हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनकेसाथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे। सो इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।

प्रभु की आशीष उसके पढ़े गए वचन पर हो, आप लोग बैठ सकते हैं। कितना शान्तिदायक वचन है। यह सोच कि हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे ; और उसकी उपस्थिति का आनन्द जो कि आप दिन प्रति दिन अनुभव करते हैं वह लाखों गुना बढ़ जाएगा। हम

कभी नहीं सोएंगे, कभी नहीं थकेंगे, कभी भूखे नहीं होंगे, स्वर्ग में बिस्तर नहीं हैं। आप कह सकते है कि आप ऐसा किस आधार पर कह रहे हैं? क्योंकि वहाँ पर सोना नहीं होगा। बाइबिल कहती है, ''प्रभु सोता नहीं है'', और यदि प्रभु नहीं सोता तो आप किस प्रकार सो सकते हैं?

अतः अब तक आप समझ चुके होंगे कि पास्टर कोसोरेक और परोक्ष रूप से डा0 वेले के साथ कलीसिया काल पुस्तक पर हमारा वार्तालाप बन्द हो चुका है। परन्तु मैंने उसे मेरे द्वारा कही गई बातों पर उसकी प्रतिक्रिया प्रदर्शित करने के लिए एक मौका दिया और उसने बड़ी तत्परता के साथ यह कार्य सम्पन्न किया। मैं आशा कर रहा था कि वह कुछ वचनों और उद्धरणो को लेकर आएगा और कैरेबिया के इस दोष लगाने वाले को निहत्था कर देगा। परन्तु फिर से मैंने ऐसा नहीं देखा और न ही मैं इसकी अपेक्षा करता हूँ। कोई भी प्रभु के इस वचन को पराजित नहीं कर सकता जिसने लबानोन के देवदारों को नीचा दिखा दिया और बाशान के शक्तिशाली सांडो को शान्त कर दिया। अतः आपको यह बताने के लिए कि उसने मेरे वार्तालाप के प्रति क्या प्रतिक्रिया प्रदर्शित करी मैं थोड़ा तेजी से आगे बढ़ूंगा। इस पुस्तक के अध्यायो को पवित्र आत्मा की प्रेरणा के अनुसार पुनः व्यवस्थित किया जाना है। कलीसिया काल पुस्तक के वार्तालाप की सामग्री को उसके मुल रूप में ही रखा जाएगा।

सात गर्जनों के कुपन्थ का विकास

मैं आपको यह दर्शाने जा रहा हूँ कि कुपन्थ किस प्रकार विकसित होते हैं। डा0 वेले द्वारा क0 काल पुस्तक पृ:327 में घुसाया गया कुपन्थ जो सात गर्जनों से सम्बन्धित है, कहता है कि, ''मलाकी 4 गर्जनों को प्रकट करेगा, यह कार्य करना उसकी सेवकाई है और यह एक भविष्यद्धक्ता के बिना प्रकट नहीं किया जा सकता'' ; सम्भवतः वह यह नहीं समझते कि वह क्या कर रहे हैं और क्या कह रहे हैं। परन्तु जब आप आधारभूत शिक्षाओं पर वक्तव्य देते हैं और आप दावा करते हैं कि यह पूरे हो चुके हैं, तब उस एक शिक्षा के साथ अन्य बहुतेरी चीजें भी प्रासंगिक होती है और उस मुख्य शिक्षा जिसे आपने गलत अनुदित किया है के साथ प्रासंगिक अन्य शिक्षाओं को लोगों को बताने का आपका उत्तरदायित्व बनता है। और यदि आप समझें, तो सात गर्जन स्वर्गारोहण से, देहों के परिवर्तन से और पुनुरुत्थान से जुड़े हुए हैं। भविष्यद्धक्ता ने कहा कि सातवीं मोहर पुनुरुत्थान की मोहर है ; यह चोटी के पत्थर से सम्बन्धित है क्योंकि सात गर्जन चोटी के पत्थर में हैं। अतः अब, शिक्षाओं की यह सब शाखाएं आपको कभी न कभी लोगों को बतानी होंगी चाहे यह पांच या दस वष्र के पश्चात हो, वे आपसे प्रश्न पूछेंगे और आपको सचेत हो जाना चाहिए कि आपको इसके लिए सफाई देनी होगी। अतः जब आप कहते हैं कि मलाकी 4 के द्वारा सात गर्जन प्रकट कर दिए गए तब आपको यह दर्शाना होगा कि वह कहाँ प्रकट किए गए हैं। जब आप कहते हैं कि यह पुनुरुत्थान से सम्बन्धित है तब आपको उन्हें पुनुरुत्थान और स्वर्गारोहण के विषय

में बताना होगा। अब मैं यहाँ पर आपको यही बताने के लिए हूँ, कि डा0 वेले के साथ यही हुआ था। इसका समय काल 1965 से है जब यह पुस्तक प्रकाशित हुई। अतः आज रात्रि जिन कुपन्थों के ऊपर चर्चा की जाएगी उनमें से अधिकतर उस भ्रान्ति के साथ जुड़े हुए हैं जिसे मैं तीसरी भ्रान्ति कह कर पुकारता हूँ।

अब वह एक भ्रान्ति पूरे संदेश जगत में फैल गई है। पिच्चानवे या निन्नानवे प्रतिशत मेरा सर्वश्रेष्ठ अनुमान है कि इतने लोग गर्जनों के ऊपर उस एक वक्तव्य को आधार बना कर कोई न कोई कुपन्थ का प्रचार कर रहे हैं। आप हठधर्मियों के विषय में बातें कर रहे हैं, आप कुपन्थों के विषय में बातें कर रहे हैं, आप उन मनुष्यों के विषय में बातें कर रहे हैं जो यह दावा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं कि वे आठवें संदेशवाहक हैं और उनके पास गर्जन हैं, और स्वर्गारोहण की प्रक्रिया चल रही है। मैं आपको बड़े नाम वालों के विषय में बता रहा हूँ ; सी0 डब्लू0 वुड जैसा व्यक्ति यह कह रहा है कि गर्जन प्रकट किए जा चुके हैं और यह गुप्त में प्रकट किए गए हैं ; पास्टर कोलमैन, एक और सहयोगी विश्वासी कह रहे हैं कि चौदह मोहरे हैं। तब श्रीमान सेन्टीगो हैं जो यह विश्वास करते हैं कि वह इस पृथ्वी पर मसीहा, वाचा के दूत हैं, और इस तरह हम आगे ही आगे बढ़ते जा सकते हैं। नि0 कु0 का खु0 पुस्तक 12 में ऐसे बहुत से लोगों का भेद खोला गया है।

प्रत्येक व्यक्ति जिसने भी इस विचारधारा को अपनाया कि भाई ब्रन्हम के द्वारा सात गर्जन प्रकट किए जा चुके हैं, वह किसी न किसी प्रकार के वाद [ism] में फंस गया, और यह वही कार्य था जिसे करने के लिए भविष्यद्धक्ता ने मनाही की थी। बतः अब गर्जनों को लेकर संदेश जगत में घोर भ्रम छाया हुआ है एवं यदि आप गर्जनों का प्रचार नहीं कर रहे हैं तो आप आत्मिक ही नहीं हैं। अतः वे हमारी ओर इस प्रकार देखते हैं जैसे कि हमारा वचन से कोई वास्ता ही न हो क्योंकि हम कहते हैं कि 1963 में भाई ब्रन्हम के द्वारा गर्जन प्रकट नहीं किए गए थे। अब हमारी शिक्षा के द्वारा हम बेहतर जीवन जी रहे हैं, हम संदेश के पवित्रीकरण के स्तर को बनाए हुए हैं, हमारी शिक्षा की भर्त्सना नहीं की जा सकती, हमारी शिक्षा अपराजय है। और यह उनके सब गर्जनों एवं पन्थों को चुनौती दे सकती है, और हम उन्हें चुनौती देते हैं कि वे हमारा खुलासा करें। एक भी मनुष्य ऐसा नहीं है जिसने कि इस खुलासे की पुस्तक का भेद खोलने के लिए कोई पुस्तक लिखी हो, और जिन्होंने प्रयत्न किया भी वे स्वयं बेपर्दा हो गए। हमने धूर्ततापूर्वक रची गई कल्पित कथाओं का अनुसरण नहीं किया है।

डा0 वेले की अर्थगर्भित शर्तें

मैं पास्टर कोसोरेक के विषय को समाप्त करते हुए अपनी बात को थोड़ा परिवर्तित करते हुए डा0 वेले पर लाना चाहता हूँ और आपको यह दिखाना चाहता हूँ कि उसने अपने उत्तराधिकारी की तुलना में कितनी अलग तरह से बात की। वह अर्थगर्भित शर्तो के रूप

में बोला। और मैं ऐसे बहुतेरे लोगों को जानता हूँ जो डा0 वेले से घृणा करते हैं और वर्षो से उन्होंने उसका भेद खोलने का प्रयत्न किया है, और यह लोग मुझ से क्रोधित हो जाएंगे, क्योंकि वे कहेंगे कि मैं डा0 वेले का विशेष पक्ष ले रहा हूँ , और मैं संसार के सामने एक कुपन्थी के रूप में उसका खुलासा नहीं कर रहा हूँ। प्रभु ने मुझे ऐसा करने की अगुवाई नहीं दी है, और इस व्यक्ति की मनोवृत्ति के कारण भी मैंने ऐसा नहीं किया। अपनी बहुत सी शिक्षाओं में वह इस तरह बोला और उसने कहा, ''हो सकता है कि मैं गलत होऊँ, कोई मेरी भूल सुधार सकता है, मैं नहीं जानता कि मुझे इसकी तुलना करने का अधिकार है कि नहीं'' इत्यादि। अतः तब मैं किसी मनुष्य पर तब तक चढ़ाई नहीं कर सकता जब तक कि वह सत्य को सुनकर सत्य से ही लड़ना आरम्भ न कर दे। वर्तमान समय में वह 94 वर्ष का हो चुका है, मैंने इसको भी ध्यान में रखा है। और मैं नहीं जानता कि उसने कभी वह सुना भी है जो मैं कहता हूँ,, न ही मैं कुछ हूँ परन्तु सच्चाई यह है कि यह वचन है जो उसके कुपन्थों का खुलासा कर रहा है ; अब जो दूसरे व्यक्ति हैं, जैसे कि पास्टर कोसोरेक जोकि 55 वर्ष की आयु के हैं, वह बेहतर जानते हैं और एक दुष्टतापूर्ण लड़ाई लड़ रहे हैं ; अतः उसे तलवार की तीखी नोक का सामना करना होगा।

मैं तुम्हें यह समझाना चाहता हूँ कि पाप का विकास प्रकार होता है। इसे स्वयं पर या किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू करें जिस पर आप सोचते हों कि यह सही बैठता है, और तब आप एक असत्य परिकल्पना के विकास को समझ सकेंगे, कि यह कितनी दूर तक आप को ले जा सकता है, कि कोई एक कुपन्थ किस सीमा तक फैल सकता है। क्या आप जानते हैं कि एक असत्य परिकल्पना को संसार ने आज किस स्तर तक धारण कर रखा है? और वह परिकल्पना यह है कि वह फल देखने में मनभावना और चाहने योग्य है, और यदि तुम इसे खाते हो तो तुम न मरोगे। संसार की आज की दुरावस्था का यही कारण है, कि मृत्यु, सब प्रकार के रोग, हिंसा और पाप इस जगत में पाया जाता है। जो कुछ भी इस जगत में हो रहा है उसके मूल में यही भ्रान्त धारणा है। क्या हमें एक कुपन्थ से खिलवाड़ करना चाहिए? नहीं, हम ऐसा कदापि नहीं कर सकते।

अब यह पत्र हमारे वार्तालाप का परिणाम है। और मैं इस व्यक्ति के साथ ईमानदार होना चाहता हूँ , उसे एक मौका देना चाहता हूँ कि यदि वह वचन को भूल गया था ; या संदेश को भूल गया था ; या उससे दूर हट गया था ; या वह घबराया हुआ था, तब उसे एक मौका मिलना चाहिए कि वह इन सब बातों को विस्तार से बता सके। अतः मैंने उसे उसकी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए स्वीकृति दे दी।

पास्टर कोसोरेक की क्रोधित प्रतिक्रिया

निन्दा योग्य कुपन्थों का खुलासा के उत्तर

दिनांक, 5/10/2008

प्रिय भाई, श्रद्धेय कोसोरेक,

हमारे शीघ्र आने वाले इस धरती के राजा एवं न्यायी, प्रभु यीशु मसीह के नाम में शुभ कामनाएं। तुम्हारे द्रुतगामी प्रत्युत्तर का मैं स्वागत करता हूँ और धन्यवाद देता हूँ। हालांकि तुम्हारे बहुत से कुपन्थों पर मेरी प्रतिक्रिया के वक्तव्यों को सम्बोधित करने में तुम एक बार फिर से असफल हुए हो। अब जबकि तुम्हारा भेद खोला जा चुका है, तुमने लोगों को एक दिखावटी विनम्र आत्मा से मूर्ख बनाने के लिए और मुझे स्वधर्मत्यागी, संदेश विरुद्ध और ब्रन्हम के विरोध में साबित करने के लिए एक बार फिर से भेड़ की खाल को ओढ़ लिया है। अपने निर्णायक वार्तालाप में मेरे द्वारा तुम्हें दिए गए उत्तरों को सम्बोधित करने में तुम असफल रहे हो, और तुमने एक ऐसा व्याख्यान दिया है जो कि वचन से और भविष्यद्धक्ता के संदेश बिलकुल विपरीत है। यह तुमने अपना चेहरा बचाने के लिए किया है। अब मैं तुम्हारे द्वारा मुझे भेजे गए तुम्हारे अन्तिम पत्र को सम्बोधित करुंगा।

पास्टर कोसोरेक : प्रिय पास्टर ब्रूस, यह मैं नहीं बल्कि तुम हो जो नामों को अपने हथियार के रूप में प्रयोग करता है। मैं प्रभु के वचन को और भविष्यद्धक्ता को उद्धरणों को प्रयोग करता हूँ , अतः लगता है कि मैंने तुम्हारी कमजोरी पर चोट की है। तुम इतने उत्तेजित क्यों हो कि मेरे नाम को घसीटते हो? क्या मैं कभी ऐसा करता हूँ?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह नामों को प्रयोग करने या न करने का नहीं परन्तु निन्दा योग्य कुपन्थों का खुलासा करने का मसला है। तुम पौलूस प्रेरित से महान नहीं हो। तुम्हारे अन्दर उससे अधिक भाई चारे की प्रीति नहीं है। उसने हुमिनयुस, सिकन्दर और फिलितुस के नामों को सार्वजनिक किया। तुम इन सब बातों को अपना खुलासा होने की ओर से ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हो। तुमने मेरे द्वारा प्रस्तुत की गई बातों के उत्तर न देकर अपनी कमजोरी को प्रकट कर दिया है।

पास्टर कोसोरेक : क्या तुम इस लिए क्रोधित हो कि मैंने अपने वार्तालाप को इन्टरनैट पर प्रकाशित कर दिया और उसमें तुम्हारा नाम शामिल नहीं किया? या फिर इसलिए कि यह मैंने तुम्हारी स्वीकृति के बिना किया? या फिर इस लिए कि मैंने इसमें तुम्हारा नाम शामिल न करके तुम्हें कोई बड़ाई न लेने दी? वास्तव मेरे भाई, यह मैंने केवल इस लिए किया कि तुम इस भूल में इतना गहरे जा चुके हो और सोचते हो कि कलीसिया काल पुस्तक डा0 वेले की है। और मैंने इस आशा से तुम्हारा नाम प्रकाशित नहीं किया कि तुम अपनी

इस जबरदस्त भूल के प्रमाण को जान सकोगे, और पश्चाताप कर लोगे। परन्तु यह देखने के पश्चात कि तुम्हारी प्रतिक्रिया क्रोध पूर्ण, गन्दी और नाम लेने से भरी हुई है, मैं देखता हूँ कि तुम पश्चाताप के अयोग्य हो। और इसके लिए मुझे वास्तव में अत्यधिक खेद हैं।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं तनिक भी भयभीत नहीं हूँ। मैं तुम्हे चुनौती देता हूँ। तुम ठीक इसके नीचे मेरा नाम प्रकाशित करो। मैं किंचित भी क्रोधित नहीं हूँ। मैं तुम्हारे सिद्धान्तों के कारण शर्मिन्दा हूँ और तुम यहाँ पर एक मूर्खतापूर्ण बहाना बना रहे हो। इन सब बातों का मैं अपने उत्तरो में पहले ही वर्णन कर चुका हूँ। तुम केवल समय लेना चाह रहे हो।

पास्टर कोसोरेक : जब मैंने तुम्हारा उत्तर प्राप्त किया तो मुझे संदेह हो गया कि तुम मुझे इस वार्तालाप की निष्क्रियता में फंसाना चाहते हो, जिससे कि तुम मेरा नाम अपनी वेबसाइट में शामिल कर सको, और इस प्रकार मैं तुम्हारे उद्देश्य को सही प्रकार जान पाया। और जिस प्रकार तुमने अपने वार्तालाप में 38 मिथ्या वक्तव्यों को शामिल किया है उसने इस बात को भली भाँति स्पष्ट कर दिया है कि यह कभी भी एक मसीही भाई चारे के प्रयास की आत्मा नहीं थी। एक मसीही वार्तालाप कभी भी तुम्हारा उद्देश्य नहीं था, परन्तु मेरे निवेदन कि तुम अपनी वेबसाइट से मिथ्या आरोपों को विलग कर लो, के खण्डन के लिए तुम तथ्यों का संकलन करना चाहते थे। मैं जान गया हूँ कि तुम आरम्भ से ही इस वार्तालाप को अपने वेबसाइट पर लाना चाहते थे और भाई वेले के प्रति अस्पष्ट और महत्व कम करने वाली बातों को अपनी वेबसाइट से हटाने का तुम्हारा कोई विचार नहीं था। मैं जान गया हूँ कि तुम ली वेले एवं विलियम ब्रन्हम के नाम को अपनी वेबसाइट पर नीचा दिखाने के लिए पश्चाताप नहीं करोगे। क्योंकि तुम्हारे वार्तालाप ने मुझे यह दर्शा दिया है कि उसमें पश्चाताप के लिए कोई स्थान नहीं है। मेरे भाई तुम एक रोगी मानसिकता के मनुष्य हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यहाँ एक बार फिर से तुमने स्वयं को इस संसार का न्यायी बना लिया है। ऐसे झूठ मेरे विचारो में कभी प्रवेश नहीं कर पाए तुम बुरे संदेहों से ग्रस्त हो। आरम्भ से ही मैं तुम्हें पश्चाताप करने की सलाह देता रहा। परन्तु तुमने ऐसा कभी नहीं किया, तुम अपनी गर्दन अकड़ा कर ऐसा प्रदर्शित करते रहे कि तुम्हें पश्चाताप की आवश्यकता ही नहीं है। अब पश्चाताप की बात करके तुम लोगों के मध्य अपना चेहरा बचाना चाहते हो। लोगों के मध्य मैं नहीं बल्कि तुम गए हो और ऐसा करने का तुम यह बहाना बना रहे हो कि मैं इस वार्तालाप को अपनी वेबसाइट पर लाने जा रहा था।

पास्टर कोसोरेक : तुमने कलीसियाई काल पुस्तक (भाई ब्रन्हम की पुस्तक) को ली वेले द्वारा लिखित कुपन्थों से भरी पुस्तक कह कर उसे विस्फोट से उड़ा दिया है। तुम कहते हो कि तुमने यह नहीं कहा कि क0 काल पुस्तक भ्रान्तियों से भरी हुई है, परन्तु तुमने ऐसा कहा है। 38 बार तुमने यह कहा है कि यह पुस्तक भ्रान्ति पूर्ण, असत्य और वचन विरुद्ध

इत्यादि है। मेरे भाई 38 बार तुमने अपने वार्तालाप में इस पुस्तक और भाई वेले पर दोष लगाया है। मेरे लिए, इसका अर्थ है कि यह भ्रान्तियों से भरी हुई है। परन्तु जो तुमने किया है वह यह है कि तुम ऊँट को निगल जाते हो परन्तु मच्छर तुम्हारे गले में अटक जाता है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मेरे द्वारा तुम्हारी इस झूठी जुबान के तमाम खुलासों के पश्चात भी तुमने इस बड़े झूठ से चिपके रहने की ठान ली है। मुझे वह वक्त्व्य दिखाओ। तुम वह वक्तव्य नहीं दिखा सकते जिसमें मैंने कहा हो कि क0 काल पुस्तक कुपन्थों से भरी हुई है। मैंने कहा था कि क0 काल पुस्तक में तीन भ्रान्तियाँ हैं, और मैंने उन्हें 1, 2 एवं 3 बड़े कुपन्थ कह कर पुकारा है, परन्तु तुम मुझे संदेश एवं ब्रन्हम विरोधी प्रमाणित करने के लिए निरन्तर असत्य सम्भाषण कर रहे हो। जितने भी लोग इस वार्तालाप का अध्ययन करेंगे वे जान जाएंगे कि तुम झूठ बोल रहे हो।

पास्टर कोसोरेक : तुमने अपने उत्तर के द्वारा मुझे यह दर्शा दिया है कि तुम प्रभु से और सत्य से घृणा करते हो। मैं अब जान गया हूँ, कि कौन किस की तरफ है। सारे संसार के लोग इस ईमेल प्रतिक्रिया को पढ़ेंगे।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह ज्यादा बेहतर तरीके से तुम पर लागू होता है, क्योंकि तुमने स्वयं को स्रदेश और वचन में पूर्ण रूप से अविश्वासी सिद्ध कर दिया है। इस वार्तालाप का अध्ययन करने वाले इस तथ्य को थोड़ा अधिक बेहतर रूप में सुनिश्चित कर पाएंगे।

पास्टर कोसोरेक : भाई डाल्टन यह तुम्हारी लड़ाई की भाषा है, और देखो यह कितने क्रोध से भरी हुई है..... ''तुम डा0 वेले का उसकी शिक्षाओं में मेरे द्वारा किए जाने वाले सुध ाार से बचाव करना चाहते हो'' भाई ब्रूस, तुम क्या सोचते हो कि तुम कौन हो कि तुम भाई ब्रन्हम की क0 काल पुस्तक में सुधार करना चाहते हो? और तुम स्वयं को क्या सोचते हो कि एक प्राचीन को धमका सको। तुम्हारे लिए ऐसा करना पूर्णतः वचन विरुद्ध है विशेषकर जबकि तुम्हारे सम्मुख सत्य को लाया गया और तुमने उसका विरोध करने के रास्ते को चुना है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : एक बार फिर अपने वचाव में तुम अपने दुष्टता पूर्ण झूठों का प्रयोग कर रहे हो। मैं क0 काल पुस्तक में घुसाए गए तीन मुख्य कुपन्थों का सुधार कर रहा हूँ। वैसे मुझे यह बताओ कि तुम कौन हो? और डा0 वेले कौन हैं? मेरा अनुमान है कि वह तुम्हारी मूरत है। मुझे स्वयं कुछ नहीं होना है क्योंकि एक कुपन्थ का खुलासा करने के लिए वचन स्वयं में ही पर्याप्त है। सम्मान उन सच्चे प्राचीनों का होता है जो सत्य को थामे रहते हैं। क्या तुम यह कह रहे हो कि जब भविष्यद्धक्ता ने कैथोलिक कलीसिया के कुपन्थों का खुलासा किया तो उसने एक प्राचीन का अनादर किया? और जब उसने ओरल राबर्टस् और विलि ग्राहम का सदोम के दो अन्धे दूतों के रूप में खुलासा किया, तो उसने अपने प्राचीनों का अनादर किया? न तो तुम्हें वचन के विषय में कुछ पता है न ही प्रभु की

सामर्थ के। या तुम पश्चाताप करो या अपना मुँह बन्द रखो।

पास्टर कोसोरेक : अब, यहाँ पर भाई वेले ओर मुझ पर किये गए तुम्हारे आक्रमण हैं। और तुम मुझे बताओ कि क्या तुम्हारी भाषा क्रोध और घटिया आक्षेपों से भरी हुई नहीं है?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मेरी भाषा बिलकुल वचन के अनुसार है। यदि तुम मुझमें सुधार करना चाहते हो तो यीशु को मत्ती 23 में, स्तिफनुस को प्रेरितो 7 में, पतरस को 2 पतरस अध्याय 2 में एवं यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को सुधारो।

1–यह मुख्य शिक्षा सम्बन्धी तथ्य भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से असंगत हैं।

2–वचन विरुद्ध एवं

3–भ्रान्तिपूर्ण। यह हमारे वार्तालाप का आधार है।

4–मेरा वार्तालाप पूरी रीति से क0 काल पुस्तक के व्याकरण सम्बन्धी दोष सुधारे गए संस्करण में डा0 ली वेले द्वारा घुसाए गए कुपन्थों पर आधारित है।

पास्टर कोसोरेक : भाई डाल्टन, मेरे पास घर पर क0 काल पुस्तक की एक प्रति मौजूद है जिसके प्रथम पृष्ठ पर भाई ब्रन्हम के हस्ताक्षर हैं। मेरे भाई उस पुस्तक पर स्वयं भाई ब्रन्हम के अपने हस्ताक्षर हैं। भाई ब्रन्हम ने स्वय उस पर हस्ताक्षर किए हैं। क्या तुम्हारे पास इस प्रकार का कोई प्रमाण है जो यह दर्शा सके कि यह भाई ब्रन्हम की पुस्तक नहीं है? मुझे लगता है कि तुम यह कहोगे कि यह भाई ब्रन्हम के हस्ताक्षरों की नकल है जैसा कि तुमने बहन ब्रन्हम की गवाही, जिसे तुमने सुना भी नहीं था, के विषय में झूठ बोला था।

क्या तुम सोचते हो कि भाई ब्रन्हम किसी ऐसी चीज पर अपना नाम लिखेंगे जिसमें भ्रान्तियाँ पाई जाती हों?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : क0 काल पुस्तक के भाई ब्रन्हम की पुस्तक होने के विषय में कोई प्रश्न ही नहीं है। यह वार्तालाप डा0 वेले द्वारा भाई ब्रन्हम की पुस्तक में अन्तःक्षेपित किए गए तीन मुख्य कुपन्थों से सम्बन्धित है। तुम मुझे विषय से भटकाने का एवं फँसाने का प्रयत्न कर रहे हो। मैंने अपने वार्तालाप में प्रत्येक स्थान पर वर्णन किया है कि मैं इस पुस्तक को भाई ब्रन्हम की पुस्तक के रूप में स्वीकार करता हूँ। तुम्हारे पास जो हस्ताक्षर हैं, वह सच हैं अथवा झूठ, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता, क्योंकि यह महत्वपूर्ण नहीं है।

हमारे सारे टेप्स एवं नि0 कु0 का खु0 की सारी पुस्तकें तुम्हारे इस झूठ के विरुद्ध गवाह हैं कि मैं क0 काल पुस्तक एवं ब्रन्हम का विरोधी हूँ। मैंने अपनी 1 से 17 समस्त पुस्तकों एवं प्रवचनों के हजारों टेप्स में हमेशां क0 काल पुस्तक के उद्धरणों का प्रयोग किया है।

पास्टर कोसोरेक : तुमने अपने अभियोगों के द्वारा भाई वेले की भी झूठी निन्दा की है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह बड़ा अद्भुत है कि डा0 वेले का शक्तिशाली उत्तराधिकारी भ्रान्तियों के खुलासे और झूठी निन्दा में भेद नहीं कर सकता है। तुमने ध ूर्ततापूर्वक मेरे वार्तालाप के उन वाक्यांशों को चुना है जो मुझे क0 काल पुस्तक और ब्रन्हम का विरोधी दर्शा सकें। निम्नांकित प्रत्येक संकेतों का मैं पहले ही उत्तर दे चुका हूँ। मैं सही हूँ , तुम गलत हो। पश्चाताप करो या नाश हो जाओ।

5–वे सब भ्रान्तियाँ जो व्याकरण सम्बन्धी दोष दूर किए गए संस्करण में प्रविष्ट करा दी गई।

6–तीन मुख्य, वचन विरोधी शिक्षाएं जो डा0 वेले द्वारा क0 काल पुस्तक में घुसा दी गई।

7–भाई वेले ने संकेत दिया कि आदम ने भी स्वयं अपनी पत्नि के साथ व्यभिचार किया।

8–वे शिक्षाएं एवं व्याख्याएं जो उसने इस विषय पर दीं वे प्रभु के वचन द्वारा समर्थित नहीं की जा सकती हैं।

9–अपनी बात के समर्थन में उसने वचन के जिस लेख की ओर संकेत किया है वह उसका समर्थन नहीं करता है।

10–उसने इसे गलत जगह जोड़ा है,

11–वचन को गलत स्थान पर रखा एवं

12–प्रभु के वचन का गलत अनुवाद किया

13–यह वचन विरुद्ध है एवं

14–भ्रान्ति पूर्ण

15–मैं माँग करता हूँ कि इस भ्रान्ति का समर्थन करने के लिए वचन का एक लेख दिखाओ

16–झूठी शिक्षा

17–इस भ्रान्ति के समर्थन के लिए भाई ब्रन्हम का एक वक्तव्य दिखाओ

18–यह वचन विरुद्ध एवं

19–यह कहना भ्रान्तिपूर्ण

20–एक झूठ के रूप में सिखाया गया

21–डा0 वेले की शिक्षा कर्मकांड वादी है

22–वचन विरोधी एवं

23–वि0 मे0 ब्र0 की शिक्षा के विपरीत

24–यह वचन विरोधी एवं

25–भ्रान्तिपूर्ण

26–यह भ्रान्ति

27–क0 काल पुस्तक 1965 में अपने प्रकाशन के पश्चात सम्पूर्ण विश्व में पहुँच चुकी है और इसने सब जगह इस भ्रान्ति को स्थापित कर दिया है

28–वह भ्रान्तिपूर्ण शिक्षा

29–यह कोई छोटा मामला नहीं परन्तु एक विनाशकारी कुपन्थ

30–डा0 वेले का भ्रान्तिपूर्ण प्रत्युत्तर

31–संदेश डा0 वेले एवं क0 काल पुस्तक से अलग एवं विपरीत बातें कहता है

32–डा0 वेले ने गलत अनुवाद किया है

33–यह भविष्यद्वक्ता एवं संदेश का एक विरोध है

34–यह इस घोर भ्रान्ति का खुलासा है जो क0 काल पुस्तक में अन्तःक्षेपित की गई है

35–तुम्हारी भ्रान्तिपूर्ण शिक्षा

36–डा0 वेले की अज्ञानता

37–उसने व्यवस्थाविवरण 24:1–4 को विकृत कर दिया

38–बहुत से कुपन्थों का अविष्कार किया

पास्टर कोसोरेक : अब, भाई डाल्टन, तुमने मुझे एक असभ्य सुअर कहकर पुकारा है, तुमने मुझे झूठा कहा है, तुमने मुझे घमण्डी कहा है, तुमने मुझे सबसे घटिया उदाहरण कहा है, तुमने मुझ पर स्वार्थ, अहं एवं महात्वकांक्षा का दोष लगाया है, तुमने मुझमें एक झूठी आत्मा होने का दोष लगाया है।

मेरे भाई मैं केवल तुम से भाई ब्रन्हम द्वारा लिखित एवं सम्पादित पुस्तक पर आक्रमण करने के कारण पश्चाताप करने के लिए कह रहा हूँ। मैंने तुम्हें इतने लेख और वक्तव्य

दिखाए और फिर भी तुम इनके देखे जाने से इंकार करते हो। यीशु ने कहा, ''तुम अपने पिता दुष्ट से हो और तुम सत्य को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि तुममें सत्य का कुछ भी नहीं है''।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : आमीन। भाई कोसोरेक ; मैं आगे उन चीजों की पुष्टि करना चाहता हूँ और शब्द सुअर को बढ़ा कर बनैला सुअर करना चाहता हूँ। कोई भी मेरे शिष्ट वार्तालाप के प्रति तुम्हारी प्रतिक्रिया को पढ़कर तुम्हारे बनैले सुअर जैसे रवैये को देख सकता हैं। अतः विलाप मत करो। वे शब्द तुम्हें पश्चाताप कराने के लिए कहे थे। मैं यीशु द्वारा मत्ती 23 में कहे गए शब्दों के आस पास भी नहीं पहुँचा हूँ। यदि मैं तुम्हें चूना फिरी कब्र कहता तो तुम मुझ पर मुकदमा ही कर देते। उन्होंने यीशु को बालजबूल कहा पर उसने कभी शिकायत नहीं की। तुम विलाप क्यों कर रहे हो? क्योंकि तुम्हारे पास सत्य नहीं है और तुम कुपन्थों की रक्षा कर रहे हो। तुम अपने खुलासे से भयभीत हो। मेरे पास पश्चाताप करने के लिए कुछ नहीं है और सत्य के सम्बन्ध में मैं ऐसा करने से इंकार भी करता हूँ। तुमने वचन के लेखों को विकृत किया है, झूठ बोला है और कुपन्थों की रक्षा करने के लिए कुपन्थों की रचना की है। फरीसियों ने बिलकुल यही किया था। वे तुम्हारी तरह सत्य में बने नहीं रहे।

पास्टर कोसोरेक : तुम अपनी अज्ञानता से बोलते हो, मैं अपने अनुभव की आवाज से बोलता हूँ। मैंने अपने स्रोतों की पड़ताल कर ली है परन्तु तुमने नहीं। तुम और किसी से नहीं परन्तु अपने अन्तःकरण से ही बातें कर रहे हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : किसने तुम को मेरा न्यायी ठहरा दिया है? तथाकथित पिन्तेकुस्तलों ने भी यही भूल की थी। उन्होंने अपने अनुभवों पर ज्यादा जोर दिया और वचन को छोड़ बैठे। तुम्हारे अन्दर अभी तक वही आत्मा है। अपने सम्पूर्ण ज्ञान के साथ, तुम वचन पर आधारित मेरे एक भी उत्तर को सम्बोधित करने में अक्षम हो। अच्छा तुमने गप्पे मारनी और मेरे द्वारा तुम्हारी नामधराई के लिए रोना एवं यह कि मैं क0 काल पुस्तक पर आक्रमण कर रहा हूँ कहना आरम्भ कर दिया।

पास्टर कोसोरेक : मेरे भाई तुम पश्चाताप क्यों नहीं कर सकते हो। क्या यह इब्रानियों 6 के कारण है? अतः पवित्र आत्मा के विरोध में बोला हुआ कभी क्षमा नहीं किया जाएगा। मैं ऐसी आशा नहीं करता हूँ। मैंने तुम्हें प्रेम करने का एवं मित्रवत होने का प्रयत्न किया परन्तु जब तुमने 38 बार भाई वेले को नीचा दिखाने के लिए बात की तब तुमने युद्ध के लिए एक गलत मनुष्य को अपने विरोध में चुन लिया। और तब से तुमने मुझे ईमेल तक नहीं की है एवं भाई वेले के विरोध में तुम्हारी असम्मानपूर्ण बातों को तुम्हारे साहित्य से हटाने के मेरे विनम्र अनुरोध के अपने जबाब को वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दिया है। मैं जानता हूँ तुम्हें किस चीज से प्रेरणा मिलती है। यह कहने की बजाय, ''भाई, मुझे अहसास है कि जो भाषा मैंने प्रयोग की वह थोड़ी कठोर हो गई, आप मुझे क्षमा करें और मैं भविष्य

में सही भाषा प्रयोग करुंगा। परन्तु नहीं, तुमने उसके और मेरे नाम की 38 बार अपने मसीही कहलाए जाने वाले पत्र में मिथ्या निन्दा की। यदि तुम्हारे लिए यह एक मसीही मनोवृत्ति है, तब भाई तुम्हारे मसीहियत के प्रकार को एक परिवर्तन की आवश्यकता है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जब मैं 38 बार बोला, तो यह कुपन्थों और उनके रचनाकारों के विरुद्ध था, सत्य के नहीं। तुम इब्रानियों 6 के एक सांसारिक अनुवादक हो। तुम क्या सोचते हो कि तुम किसे डरा रहे हो? तुम मेरी बातों के उत्तर नहीं दे सकते, अतः तुम मुझे पश्चाताप से परे स्थिति में एवं नर्क में फेंक रहे हो। तुम्हें लज्जा आनी चाहिए। एक मनुष्य ईशनिन्दा तब करता है जब वह सत्य और पवित्र आत्मा का इंकार करता है, न कि कुपन्थों का।

पास्टर कोसोरेक : मेरे द्वारा तुम्हारे तर्को को सार्वजनिक किए जाने के कारण तुमने मुझ पर आक्रमण किया है, यह क्या मामला है, क्या तुम इस लिए भयभीत हो कि तुमने घोषित किया है कि प्रभु तुम्हारी अगुवाई करता है? प्रभु नहीं बल्कि तुम्हारा अहं और कल्पनाएं तुम्हारी अगुवाई कर रही हैं। और जब तुमसे इस विषय में पड़ताल की गई तो तुमने अपना क्रोध प्रदर्शित किया। मेरे भाई तुम्हें इसके लिए लज्जा आनी चाहिए।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं तुम्हें बता चुका हूँ कि तुम्हारे जैसे हजारों कायरों को मारने वाले विश्वास के नायक को क्या भय हो सकता है। अतः अपनी बातों को दोहराते न रहो।

पास्टर कोसोरेक : मैंने तुम्हारी नामधराई नहीं की, मसीहियों के लिए ऐसा करना एक सही आत्मा नहीं है, परन्तु तुमने नामधराई की है और तुम्हारे ऊपर एक न्याय करने वाली आत्मा होने के कारण मैंने तुम्हें पश्चाताप करने के लिए कहा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : बेहतर है कि तुम यह बात प्रेरित पौलुस और भाई ब्रन्हम से कहो, क्योंकि तुम कह रहे हो कि वे मसीही नहीं है।

पास्टर कोसोरेक : मैं एक लम्बे समय से जानता हूँ कि तुम बहुत छोटी बातों के लिए भाइयों पर आक्रमण करते रहे हो, और आरम्भ में मैं संदेश के तुम्हारे तथाकथित बचाव के साथ खड़ा हुआ, और यह ऐसा प्रतीत भी होता था। परन्तु जैसे–जैसे तुम्हारी सूची में वृद्धि होती गई यह मुझ पर स्पष्ट होता गया कि तुम्हें लड़ना अच्छा लगता है। मेरे भाई विरोध की यह आत्मा प्रभु की और से नहीं है, और मैंने एक सभ्य तरीके से तुम्हें इसे रोक देने के लिए कहा परन्तु तुम बड़े अहंकारी और शेखी बाज हो गए, और भाई वेले और मेरी नामधराई करने के द्वारा तुमने यह प्रमाणित कर दिया कि तुम्हारे अन्दर कौन सी आत्मा है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : फिर से इन सब बातों को क्यों उठा रहे हो? तुम एक

पाखंडी हो। जो प्रेम तुम प्रदर्शित कर रहे हो यदि वह वास्तविक है तो बहुत पहले ही तुम्हें अपने भाई को सुधार लेना चाहिए था। परन्तु यह एक पाखंड है, और इस खुलासे से तुम्हारे चेहरे को बचाने का एक प्रयत्न है।

पास्टर कोसोरेक : अब, एक दिन मैं तुम्हें श्वेत सिहासन के न्याय में देखुंगा, और मैं तुम्हें बता दूं , उस दिन तुम्हारे पास कोई बहाना नहीं होगा। तुमने बहन ब्रन्हम के साथ मेरी गवाही को एक झूठ कहा, और वहाँ मैं था और मैं जानता हूँ कि उन्होंने क्या कहा था, और उस दिन बहन ब्रन्हम भी तुम्हारे विरुद्ध गवाही देंगी। तुम वह हो जिसने सत्य को जानने के लिए किसी से भी सम्पर्क नहीं किया और अपनी वेबसाइट पर भाई वेले के विरुद्ध अपने अभियोग द्वारा तुमने संसार को अपनी दुष्ट मनोवृति का परिचय दिया है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : तुम्हारे अपने शब्द और परस्पर विपरीत वक्तव्य तुम्हें एक झूठा साबित कर रहे हैं। मुझे वहाँ नहीं होना है। तुमने अपनी मूरत को खड़ा करने के लिए भविष्यद्धक्ता की पत्नि के विषय में झूठ बोला। यदि तुम चाहते हो हम न्याय में मुलाकात कर सकते हैं। तुम मसीह के न्याय के कटघरे में होगे। और मैं एक सिंहासन पर बैठा होऊंगा। अतः अब तुम पश्चाताप करो।

पास्टर कोसोरेक : परन्तु पह तुम हो जिसने स्वयं अपने को एक ढोंगी के रूप में प्रकट कर दिया है क्योंकि अपने मिथ्यारोपों कि पुष्टि के लिए तुम्हारे पास एक भी तथ्य नहीं था, और प्रभु के जन भाई वेले पर दोषारोपण के द्वारा तुमने इस संसार को यह प्रदर्शित कर दिया कि तुम पर कौन सा आत्मा है।

तुम्हें मेरी जितनी नामधराई करनी है वह कर लो, परन्तु जब लोग तुम्हारे शब्दों जैसे कि, ''सुअर के स्वभाव की आत्मा'' इत्यादि को पढ़ेंगे तब वे तुम्हारे मर्म को समझ लेंगे, और तुम्हारा भेद खुल चुका है और अब तुम इससे पलायन नहीं कर सकते।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ श्रीमान ; ऐसे कुपन्थ सदैव मेरे मर्म पर ही आक्रमण करते हैं और मेरे प्राण के अन्तरस्थ स्थलों में मौजूद समस्त नायकीय तत्वों को जाग्रत कर देते हैं।

पास्टर कोसोरेक : अपनी वेबसाइट पर अपने खंडन को प्रकाशित करो और देखो कि लोग क्या विश्वास करना चाहते हैं, और मैं तुम्हें एक बात बता दूं , वे तुम पर विश्वास नहीं करेंगे। तुम्हारी मनोवृति छिप नहीं सकती क्योंकि तुम्हारा साहित्य घटिया है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : श्रीमान आप इसे प्रमाणित कर दें। लोगों को ही यह निर्णय करने दें कि कौन घटिया मानसिकता का व्यक्ति है। और यह मैं अभी बता सकता हूँ ; यह तुम हो।

पास्टर कोसोरेक : उसकी सुनो 58–0126 पृ0 20. यदि मैं तुम्हें यह बताने में असफल रहता हूँ , तो अभी आप मुझसे थोड़े क्रोधित हो सकते हैं, तब उस दिन आप मेरी ओर अंगुली उठा कर कहेंगे, ''यदि तुमने मुझे इसके विषय चिताया होता, तो मैं इसे सुधार लेता।'' परन्तु तब तक बहुत विलम्ब हो चुका होगा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : आमीन। यही है जो मैंने किया है: मैंने तुम्हें तुम्हारी भूल दर्शाई है और तुम मुझसे क्रोधित हो। आमीन।

श्रद्धेय पास्टर कोसोरेक, यह, तुम्हारे पाखंडपूर्ण पत्र पर मेरी प्रतिक्रिया हमारे संवाद को समाप्त कर रही है। मेरे, मसीही एवं पुरुषोचित सिद्धान्तों पर आधारित होने के कारण मैं हमारे इस वार्तालाप को सार्वजनिक करने जा रहा हूँ। कृप्या www.bethelthehouseofgod. net का अवलोकन करें। मैं आगे भी तुम्हरे कुपन्थों और डा0 वेले के अन्य कुपन्थों का खुलासा करने जा रहा हूँ। मुझे भरोसा है कि अपने और सम्पूर्ण विश्व में जिन लोगों को तुमने अपने कुपन्थों से प्रभावित किया है के प्राणों के सम्बन्ध में तुम अवश्य पुनर्विचार करोगे। आमीन।

निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा का सम्पादक

डाल्टन ब्रूस

सारांश

हमारे वार्तालाप में एक प्रेरणादायक कारक भी था जिसके विषय में पास्टर कोसोरेक ने कोई बात नहीं की। यह उसका वृहद्धतम कुपन्थ एवं मिथ्या विचार है। वह विश्वास करता है कि डा0 वेले के पश्चात वह संदेश का सम्पूर्ण प्रकाशन रखता है, एवं डा0 वेले मलाकी 4:5–6 के उत्तरवर्ती हैं। एवं यह भी कि संदेश के प्रचारकों को शिक्षित करने के लिए उसका अभिषेक किया गया है। उसके अन्य कुपन्थ इस सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को प्रमाणित करते हैं।

मैं इस सम्पूर्ण वार्तालाप से स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ कि पास्टर कोसोरेक डा0 वेले एवं उसकी सेवकाई के उत्तराधिकारी एवं रक्षक के रूप में एक तुच्छ व्यक्ति से जोकि क0 काल पुस्तक में घुसाई गई भ्रान्तियों की ओर इशारा करता रहता है से अपनी सेवकाई की रक्षा करने का प्रयत्न कर रहे थे। उसने पूछा, ''तुम कौन हो?'' मैं उसके सामने ऐसे उपस्थित हुआ जैसे एक चूहा शेर को चुनौती दे रहा हो। वह डा0 वेले एवं स्वयं अपनी सेवकाई के लिए ईर्ष्यालू हो गए, एवं वचन और संदेश को लागू करने में असफल रहे। ऐसे गलत आंकलन के साथ, उसने अपने क्रोध पर नियन्त्रण खो दिया और उस व्यक्ति की

रक्षा करने के लिए जिसे वह बहुत प्रेम करता है और अपने शूद्र स्वार्थो की पूर्ति हेतु उसकी आराधना करता है उसने इसमें अपने अहंकार का समावेश करके इसे और बढ़ा लिया।

वह इस तथ्य को भलीभाँति जानता है कि जितनी वह डा0 वेले की सेवकाई की रक्षा करेगा उतनी ही वह डा0 वेले जैसे अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषकर क0 काल पुस्तक के सम्पादन जैसा विशिष्ट कार्य करने के द्वारा आदर एवं स्नेह प्राप्त व्यक्तित्व का उत्तराधिकारी होने के अपने पद की रक्षा कर पाएगा। अतः उसने बड़ी आशा के साथ डा0 वेले के लिए कहे भविष्यद्धक्ता के वक्तव्यों का प्रयोग किया कि वह छोटे चूहे को भयभीत कर उसकी व्यर्थ कल्पनाओं से उसे दूर कर देगा और उसे यह खुलासा करने से रोक देगा, और जैसे वह स्वयं करता है उसे भी डा0 वेले के कुपन्थों को निगलने के लिए बाध्य कर देगा। और जब वह ऐसा नही कर पाया तो वह क्रोध से पागल हो गया।

अपने परामर्शदाता को अतिरिक्त विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए, उसने एक झूठ को उद्धरित किया जिसे उसने भविष्यद्धक्ता की पत्नि के विषय में प्रकाशित किया था। उसके ही विपरीत रीति से बोले गए शब्दों से उसका खुलासा हो गया। उसने इसी पद्धति को हमारे वार्तालाप में भी प्रयोग किया। इस प्रकार, उसने झूठों, अहंकार, पाखंड और धोखों का प्रयोग किया। उसने कभी भी मेरे बुरे व्यवहार की शिकायत नहीं की जब तक कि मैने उसके अहंकारपूर्ण व्यवहार की ओर संकेत न किया।। उसने मेरे वार्तालाप के मुख्य मुद्दे पर से ध्यान हटाने के लिए इसे हथियार के रूप में प्रयोग किया।

मेरे क0 काल पुस्तक, संदेश एवं ब्रन्हम विरोधी होने के उसके घृणित झूठों का खुलासा हो गया। उसने यह कहने के द्वारा अपनी रक्षा करने की कोशिश की कि क्योंकि मैं पढ़ नहीं सकता हूँ , इस लिए, मैं यह नहीं समझ पाता हूँ कि क0 काल पुस्तक क्या कह रही है। मैंने उसकी कुछ गलत वर्तनियों को इस आशा के साथ प्रमुखता से प्रदर्शित किया कि वह समझ जाएगा कि कौन शब्दों की वर्तनी कर सकता है और पढ़ सकता है। परन्तु यह स्प्ष्ट है कि वह शर्मिन्दा नहीं हुआ। मैंने सोचा कि विश्वविधालय का एक स्नातक होने के नाते वह अपने शब्दों की गलत वर्तनी को पहचान लेगा ; परन्तु उसे इतना ज्ञान ही नहीं है और वह अपनी भूलों को दोहराता रहा। तब मुझे अहसास हुआ कि वह अपने एवं क0 काल पुस्तक में घुसाए गए कुपन्थों की रक्षा करने के लिए रचे गए अपने कुपन्थों के वृहद्ध खुलासे से जड़ हो गया है। काश ऐसा हो कि हमारे पाठक, साथ में उसके 3000 प्रचारक सेवक, 183 राष्ट्र एवं समर्थक उसे क्षमा कर दें।

तौभी, मैं अपने पीछे एक ऐसे अयोग्य उत्तराधिकारी को छोड़ने के लिए क0 काल पुस्तक के लेखक हेतु लज्जित हूँ। उसने सब लोगों के सामने अपने लेखन, प्रारूपीकरण एवं शुद्ध व्याकरण के ज्ञान एवं कौशल का उत्तम प्रदर्शन किया, केवल वे तीन कुपन्थ उसका अपवाद हैं जिन्हें उसने क0 काल पुस्तक में अन्तःक्षेपित कर दिया, और वे भी उसके मलाकी 4:5–6 के संदेश के प्रकाशन में कमी के चलते हुआ।

जब पास्टर कोसोरेक वचन के पराजित हो गए, तब उसने मुझ पर इब्रानी 6:4–6 : ''पवित्र आत्मा का निन्दा'' का प्रयोग किया। उसने मुझे श्वेत सिंहासन के न्याय के योग्य ठहरा दिया। उसके सब प्रयत्न असफल हो गए। मैं वचन का इंकार नहीं करता हूँ। तौभी, मैं पास्टर कोसोरेक से प्रेम करता हूँ मैं उसे मेरे विरुद्ध किए गए सभी दुष्ट अविष्कारों के लिए क्षमा करता हूँ। ऐसा हो कि प्रभु सत्य के प्रति उसकी आँखों को खोल दे। मैं उसे नर्क के योग्य नहीं ठहराता। ऐसा हो कि वह कभी भी इब्रानियों 6:4–6 को पूरा न करे। यद्यपि, उसने बहुतेरी बार ईशनिन्दा के वचनों को बोला है। ऐसा हो कि हमारा स्वर्गीय पिता 94 वर्ष की आयु के हमारे भाई वेले को वचन एवं संदेश के गलत अनुवाद के लिए क्षमा करे। मैं विश्वास करता हूँ कि उसने ऐसा अपनी अज्ञानता के कारण किया। शायद, इस समय वह अपने कुपन्थों के प्रति मेरे विरोध को समझने के लिए मानसिक रूप से सक्षम नहीं है।

तौभी हम उसे एवं पास्टर कोसोरेक को प्रेम करते हैं, वह अपनी शिक्षाओं में गलत हैं, और हम प्रभु के प्रेम और उसके चुनाव के कारण, हमने उनके कुपन्थों का खुलासा किया है और निरन्तर करते रहेंगे, क्योंकि प्रेम सुधारात्मक होता है। हमारे वार्तालाप की समाप्ति के पश्चात भी पास्टर कोसोरेक एक समस्याग्रस्त, अशान्त एवं प्रेताविष्ट मनुष्य की भाँति निरन्तर पत्र लिखते रहे, जैसे कि वह मुझे उसे पत्र न लिखने की चेतावनी दे रहे हों। आमीन।

सात गर्जन के कुपन्थ

2004 में रहस्योद्घाटित

कुपन्थीय लेखन संख्या 509–514

अध्याय नौ

अध्याय नौ का परिचय, वार्तालाप की समाप्ति के पश्चात 26/10/2008 को बैथेल प्रभु के घर में प्रचारा गया।

अब, यहाँ पर ये कुपन्थ हमारे संदेश के शीर्षक के साथ सम्बन्धित है। यह आपको दर्शायेगा कि एक कुपन्थ किस प्रकार दूसरे कुपन्थ की अगुवाई करता है और दूसरा उससे अगले की, और यह कि यह कितनी हानिकारक चीज है। आप कलीसिया में वचन के विरुद्ध केवल कोई एक धारणा के साथ बने रह सकते हैं और वह धारणा विकसित होती जाएगी, और इससे पहले कि आप जान पाएंगे आप एक भविष्यद्धक्ता हो चुके होंगे। आप के जीवन में केवल कोई एक चीज ऐसी हो सकती है जिसके विषय में आप कहें, ''मैं इसका त्याग नहीं कर सकता, मैं जानता हूँ कि वचन ऐसा कहता है और उन्होंने दस बार इसका प्रचार किया है परन्तु बस मैं इसका त्याग नहीं कर सकता'', आप इसका त्याग करने के इच्छुक ही नहीं हैं, वह पाप निरन्तर विकसित होने जा रहा है। थोड़ा सा खमीर सारी रोटी को खमीरी कर देता है, यह आपको नष्ट कर देगा। आप को प्रभु के वचन को मानना ही है।

मैं यह कह रहा हूँ कि यह चीजें जो अब आगे आएंगी यह हमारे वार्तालाप में शामिल नहीं थीं परन्तु मैं इन चीजों को आपको यह दर्शाने के लिए ला रहा हूँ कि कुपन्थ कैसे विकसित होते हैं और डा0 वेले कितनी दूर निकल गए हैं ; वह एक शानदार मनुष्य है, उसके इरादे भले थे, उसने भविष्यद्धक्ता से प्रेम किया ; एक मनुष्य कुपन्थों की रचना करने के लिए कितनी दूर तक जा सकता है क्योंकि उसने मलाकी 4 के द्वारा प्रकट किए गए सात गर्जन जैसे आधारभूत विषय पर केवल एक भूल की थी। अतः उसे प्रश्नों का उत्तर देना ही था और 94 वर्ष की आयु में अभी तक उत्तर दे ही रहा है। इस संसार में हजारों लोग भ्रमित हो गए हैं।

अतः जैसे एक मनुष्य के पाप उसके बाद भी जीवित रहते हैं, वैसे ही एक मनुष्य के कुपन्थ उसके बाद भी जीवित रहते हैं, उसके द्वारा किए गए अनुवाद भी उसके बाद जीवित रहते हैं ; और यह एक पूर्णतः प्रमाणित तथ्य है। जब सर्प जोकि दो पैरों वाला प्राणी एवं मनुष्य से कुछ ही कम था, हव्वा के पास गया, तब प्रभु ने उसे स्राप दिया और उसे एक रेंगने वाले प्राणी में परिवर्तित कर दिया। उसने अपने हाथ एवं पैर एवं उन विशेषताओं को खो दिया जिन से वह अपने विचारों के साथ किसी और स्त्री के पास जा सकता था, परन्तु

उसका पाप उसके बाद भी बना रह गया। स्त्री गर्भवती हो गई और उसने मूल सर्प के समान ही एक सन्तान को जन्म दिया ; उसका नाम कैन था और वह एक पाशविक मनुष्य था। वह वो मनुष्य था जिसने मानव जाति के लिए समस्या पैदा की और उसकी शिक्षा उसके वंश में होती हुई चली आ रही है। अतः सर्प तो स्रापित हुआ और एक रेंगने वाला जन्तु बन गया, परन्तु स्त्री ने उस बालक को जन्म दिया, और हव्वा का पाप उसके पश्चात भी जीवित रहा। वह बालक मनुष्य जाति के अत्यधिक समान था ; यहाँ तक की वह सर्प से भी बेहतर हो गया क्योंकि बीज मिश्रित हो गए थे। और जबकि सर्प वृक्षों पर सरसराता फिर रहा था, उसकी सन्तान आदम के घर में रह रही थी और आदम को ''पिता'' कह कर पुकार रही थी। क्या आप जानते हैं कि आदम इस पशु बालक प्राणी के साथ कितने कष्टों से गुजरा जिसे उसकी पत्नि ने उसके घर में पैदा किया था और जो उसे ''पिता'' कहता था? यह एक गम्भीर मसला है! यह ऐसा है जैसे कि एक स्त्री बाहर जाकर एक कुत्ते के साथ रहने लगे और आपके घर में एक पिल्ला लेकर आए और वह पिल्ला भौंकता हो, ''भौं,भौं, पिताजी, भौं,भौं'' और आपको शान्त रहना है क्योंकि आप अपनी पत्नि का भेद प्रकट करना नहीं चाहते। यह सही बात है कि एक कुत्ते के साथ ऐसा नही किया जा सकता, परन्तु इससे एक चीज की वास्तविकता प्रकट होती है। अब, यहाँ पर यह चीजें गर्जनों के अन्दर कुपन्थ हैं।

मैं विश्वास करता हूँ कि यदि किसी दिन डा0 वेले इस लेख को पढ़ेंगे तो वह यह समझ जाएंगे कि उसकी शिक्षा का यह खुलासा चुनी हुई दुल्हन की भलाई के लिए है। इसका और कोई उद्देश्य नहीं है, क्योंकि वह अपने आप को इस रीति से प्रस्तुत करते हैं जोकि उनके उत्तराधिकारी पास्टर ब्रायन कोसोरेक से बिलकुल भिन्न है, वह एक विशिष्ट जन की भाँति व्यवहार करता है जिसके नाम के साथ विद्वान की उपाधि लगी हुई हो। मैं विश्वास करता हूँ कि वह डा0 वेले की सेवकाई का सबसे घटिया प्रतिनिधि है। उसके साथ मेरे हालिया वार्तालाप में उसने यह दावा किया कि डा0 वेले क0 काल पुस्तक के सम्बन्धित वाक्यों से परिचित हैं, वह उसके कार्यो की रक्षा करने में दुःखद रूप से असफल रहा। उसने कुपन्थों की रचना की, वचन और संदेश को दूषित किया और वार्तालाप के समय डा0 वेले की शिक्षाओं, विशेषकर ; विवाह एवं तलाक (क0 का0 पु0 पृ 104), नया जन्म एवं पवित्र आत्मा का बपतिस्मा (क0 का0 पु0 पृ 139–146), एवं सात गर्जन (क0 का0 पु0 पृ 327) का इंकार किया। और इन सब से बढ़कर वह इस सब को संसार में देखे जाने के लिए अपनी वेबसाइट पर ले गया। मैं 1972 से इस कार्य को न करने के लिए सतर्क था। और अब जबकि उसने इस सार्वजनिक युद्ध को आरम्भ कर दिया है तो यह इसी रीति से चलता रहना चाहिए। यदि डा0 वेले को इससे कुछ असुविधा होती है तो पास्टर कोसोरेक को इसके लिए पश्चाताप करना चाहिए।

हमारे पाठक आगामी वक्तव्यों एवं खुलासों में देख सकते हैं कि मैंने डा0 वेले की प्रतिष्ठा को आघात लगाने का प्रयत्न कभी नहीं किया, तौभी पास्टर कोसोरेक ने अपने

बचाव में इस झूठ को प्रमुख रूप से प्रयोग किया। वर्ष 2004 में कुछ प्रश्न हमारे प्रकाशन नि0 कु0 का खु0 को प्रेषित किए गए। उनका उत्तर दे दिया गया और पुस्तक 13 में कुपन्थीय लेखन संख्या 509–514 पर उन्हें अप्रत्यक्ष रीति से छाप दिया गया। वे डा0 वेले और उनकी शिक्षाओं से सम्बन्धित थीं। अब मैं उनकी पहचान उसके कुपन्थों के साथ कराने के लिए बाध्य हूँ क्योंकि उनके वारिस ने मेरे द्वारा खुलासा की गई उनकी भ्रान्तियों का खूब प्रचार कर दिया है।

डा0 वेले की गलत धारणा का विकास

डा0 वेले की शिक्षाओं में यह बिलकुल रूपष्ट है, कि सात मोहर/सात गर्जनों के विषय में उनकी गलत धारणा, जिसे उन्होंने आरम्भ किया और क0 काल पुस्तक में अन्तःक्षेपित कर दिया, धोखे के एक स्तर से दूसरे स्तर तक विकसित होती गई। यह पूर्णतः वचन और संदेश से बाहर चली गई, और इतनी भ्रमपूर्ण हो गई कि इसने स्वर्गारोहण, मलिकिसिदक, चोटी का पत्थर, प्रकाशित वाक्य 10:1 एवं 10:7 पर भविष्यद्धक्ता की साध ारण शिक्षाओं का पूर्णतः अशुद्ध अर्थ निर्मित कर दिया।

चूंकि पास्टर कोसोरेक के साथ मेरा वार्तालाप मुख्यतः क0 काल पुस्तक के तीन मुख्य कुपन्थों पर केंन्द्रित था, अतः यह चीजें उसमें शामिल नहीं थीं। इसके अलावा, उसका व्यवहार इस बात का सबसे बड़ा कारण था कि क्यों मैंने क0 काल पुस्तक पृष्ठ 327 के सात गर्जन के कुपन्थ पर उसके साथ विचार विमर्श नहीं किया। तौभी डा0 वेले के इन अतिरिक्त कुपन्थों को मैंने सात मोहर/सात गर्जन के विषय के तहत् स्थान दिया है, कि प्रत्येक मनुष्य निकुलेइयों के बीज के विकास को समझने के योग्य हो सके जोकि वर्तमान समय में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संदेश के विश्वासियों के मध्य सबसे प्रचलित शिक्षा बन गई है, और जो ''सात गर्जनों के प्रकाशन'' के नाम से जानी जाती है। पास्टर कोलमेन से लेकर पास्टर कोसोरेक तक अधिकतर कुपन्थियों ने इसी नींव के ऊपर अपने कुपन्थों की रचना की है।

कृप्या ध्यान दें कि इन भ्रान्तियों का 2004 में खुलासा किया गया था, इस कारण से इन पर कोई नई और हालिया कुपन्थीय संख्या नहीं डाली गई है।

नि0 का खु0 पुस्तक 13: कुपन्थीय लेखन संख्या 509–514

प्रश्न सं0 451 : ''मैं यह प्रश्न बड़े भय के साथ पूछ रहा हूँ क्योंकि यह जिस व्यक्ति से सम्बन्धित है वह डा0 आफ डिवनिटी की उपाधि प्राप्त एक महान मनुष्य है, इस लिए मैं उसके नाम का उललेख नहीं करुंगा। वह कुछ ऐसी शिक्षाओं का प्रचार करता है जो संदेश से मेल नहीं खाती हैं। क्या वे कुपन्थ हैं?''

कु0 ले0 सं0 509 : सातवी मोहर गर्जनों का या एक गर्जन का भाग है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मैं इस महान व्यक्ति जिसका तुमने अपने प्रश्न में उल्लेख किया है, के प्रति तुम्हारे सम्मान की सराहना करता हूँ। जबकि, यदि एक व्यक्ति कुपन्थों का प्रचार करता है, हमें व्यक्तियों का आदर करने वाला नहीं होना चाहिए, तौभी हम इस मनुष्य के, उसकी योग्यता के, भविष्यद्धक्ता के साथ उसके जुड़ाव के, उसके द्वारा किए गए आश्चर्यकर्मों के, या जो कुछ भी उसने संदेश की बेहतरी या भविष्यद्धक्ता को सम्मान देने के लिए किया के विरुद्ध नहीं हैं। हम कुपन्थों का खुलासा इस लिए करते हैं कि अन्य लोग छलावे में न फँसे और जो छले जा चुके हैं उनका छुटकारा हो सके।

इस महान व्यक्ति के वक्तव्यों के एक साधारण परीक्षण के पश्चात, मुझे तुम्हारे प्रश्न का उत्तर देने के लिए पूर्णतः सत्यवादी होना है। जी हाँ, वे कुपन्थ हैं। वे वचन और भविष्यद्धक्ता के संदेश के विपरीत हैं। उपरोक्त कुपन्थ को वचन के लेखों और संदेश का समर्थन हासिल नहीं है। यह स्वयं के संदर्भ में अनिश्चितता से भरा हुआ है। यह महान व्यक्ति केवल अनुमान लगा रहा है ; यह प्रमाणित करता है कि उसे स्वयं विषय का प्रकाशन नहीं है। जहाँ भविष्यद्धक्ता चुप है वहाँ उसे भी चुप हो जाना चाहिए और केवल वही कहना चाहिए जो भविष्यद्धक्ता ने कहा है। लोग ऐसे अक्खड़ वक्तव्य पर अपने प्राणों को नहीं टिका सकते हैं। एक वास्तविक प्रकाशन यह नहीं कहता है कि सातवी मोहर सात गर्जनों या एक गर्जन का भाग है। प्रभु एक प्रकाशन को ऐसे अक्खड़ तरीके से नहीं लाता है। यदि प्रभु ने उससे बात की है, तो ये यह या वह नहीं होगा, और वह सारा मामला ठीक कर देगा। यह वक्तव्य इस महान मनुष्य के समस्त वक्तव्यों को अस्वीकार कर देता है। इस प्रकार यह एक कुपन्थ है।

वि0 मे0 ब्र0 575–4 (390) ''.....सातवी मोहर.....वह सात गर्जनों का भेद है। सात गर्जन जोकि स्वर्ग में हैं इस भेद को प्रकट करेंगे।'' (सातवीं मोहर 63–0324ई)

557–1 (241) ''छुटकारे की पुस्तक में पाया जाने वाला सात मोहरों का भेद खोल दिया गया..... उसने उन सात गर्जनों को सुना परन्तु उसे लिखने से रोक दिया गया, यही वह भेद है जो इन सात गर्जनों में पाया जाता है।'' (सातवीं मोहर 63–0324ई)

कु0 ले0 सं0 510 :सातवी मोहर/सात गर्जन चिल्लाहट का अन्तिम भाग है, और यह सब भाई ब्रन्हम के स्वर्गारोहण संदेश में पूर्ण हो चुका है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह वचन के लेखों के विपरीत एक और वक्तव्य है, जिसका भविष्यद्धक्ता के संदेशों के द्वारा समर्थन नहीं किया जा सकता। जब भविष्यद्धक्ता ने अपने संदेश के किसी भाग में ऐसी कोई बात नहीं कही तब कैसे यह महान भाई इतने अक्खड़ तरीके से ऐसी बात कह सकता है?

भविष्यद्धक्ता के स्वर्गारोहण नामक संदेश के अनुसार सातवी मोहर/सात गर्जन चिल्लाहट का अन्तिम भाग नहीं है। सातवी मोहर में प्रभु का आगमन है, और भविष्यद्धक्ता ने कहा कि प्रभु द्वारा दुल्हन को ले जाए जाने से पहले तीन बातें होंगी : एक चिल्लाहट, शब्द और तुरही। शब्द के द्वारा दुल्हन को इकट्ठा किया जाएगा।

वि0 मे0 ब्र0 129 ''2 थिस्सलुनीकियों..... 13 से 16 पद में प्रभु के प्रकट होने से पूर्व तीन चीजें घटित होनी हैं..... पहली चीज हो चुकी है, ध्यान दें : एक चिल्लाहट, एक शब्द, एक तुरही।'' (स्वर्गारोहण 65–1204)

152 ''जो पहली चीज है..... वह है एक चिल्लाहट, तब एक शब्द, तब एक तुरही। चिल्लाहट, एक संदेश वाहक लोगों को तैयार कर रहा है, दूसरी चीज पुनुरुत्थान का शब्द है। यह वही शब्द की आवाज है जिसने यूहन्ना 11:38–44 में लाजर को कब्र से बाहर निकाला था। यह दुल्हन को इकट्ठा कर रही है, और तब मृतकों का पुनुरुत्थान होगा (देखा?) उसके साथ उठाये जाने के लिए।'' (स्वर्गारोहण 65–1204)

भविष्यद्धक्ता द्वारा प्रचार की गई स्वर्गारोहण संदेश की शिक्षा सातवी मोहर/सात गर्जन नहीं हैं।

कु0 ले0 सं0 511 : सातवी मोहर का अन्तिम भाग स्वर्गारोहण संदेश के द्वारा 1965 में लोगों के लिए खोला गया था।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : उपरोक्त वक्तव्य एक कुपन्थ है ; यह एक बहुत ही गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य है। सातवी मोहर का अन्तिम भाग सात गर्जन है, और 1965 में लोगों के मध्य गर्जनों को प्रकट नहीं किया गया था। भविष्यद्धक्ता ने कहा कि यह उस समय प्रकट किए जाएंगे जब दुल्हन के स्वर्गारोहण के लिए यीशु धरती पर प्रकट होगा। यदि यह 1965 में प्रकट कर दिए गए, तब इसका अर्थ है कि स्वर्गारोहण हो चुका है।

स्वर्गारोहण का संदेश सातवीं मोहर/सात गर्जनों का प्रकाशन नहीं है।

वि0 मे0 ब्र0 576–7 (398) ''उसने इस सातवीं मोहर के प्रकाशन को छोड़ दिया। जब उसने सातवीं मोहर को खोला, प्रभु ने इसे दोबारा रहने दिया। देखा? अतः हम देखते हैं कि यह एक सम्पूर्ण भेद है, इस प्रकार, वह समय अभी नही आया है कि इस भेद को जाना जाए, इस प्रकार, जब यीशु इस धरती पर अपनी दुल्हन के लिए दोबारा प्रकट होगा तब वह समय होगा कि इसका बाकी का भाग हम जान सकें।'' (सातवीं मोहर 63–0324ई)

कु0 ले0 सं0 512 : प्रकाशित वाक्य 10:1–7 सातवीं मोहर है, और यह 1946–1965 का सम्पूर्ण संदेश है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : इस महान व्यक्ति को पता नहीं है कि वह क्या कह

रहा है। वह अति बुद्धिमान, भ्रमित और अपनी शिक्षा में गड़बड़ाया हुआ है। अपने पहले वक्तव्य में वह सातवी मोहर/सात गर्जनों के लिए अनुमान लगा रहा है, और कह रहा है कि यह सात मोहरे हैं। अब, वह कह रहा है कि यह भविष्यद्धक्ता की सम्पूर्ण संदेश श्रंखला है। ऐसा नहीं है। मोहरे दिव्य चंगाई और सुसमाचार प्रचार करने कि सेवकाई से पूर्णतः भिन्न है, जोंकि 1946 में आरम्भ हुई और निरन्तर 15 वर्षो तक चलती रही, तत्पश्चात बेदारी का समापन हो गया।

इस प्रकार प्रकाशित वाक्य 10:1–7 सातवीं मोहर नहीं है। प्रकाशित वाक्य 10:7 पुस्तक में लिखे हुए समस्त भेदों को प्रकट करता है। सातवी मोहर पुस्तक में नहीं लिखी गई है, यह सात गर्जन प्रकाशित वाक्य 10:1–4 में पाये जाते हैं, जोकि लिखे नहीं गए हैं और इसमें प्रभु का आगमन पाया जाता है। यह एक पूर्णतः भिन्न भेद है, जिसे भविष्यद्धक्ता ने कहा कि यह अभी प्रकट नहीं किया गया है।

वि0 मे0 ब्र0 : 17–3 "प्रभु ने इसे अपने पास ही रखा है। यह एक भेद है। और यही कारण है कि वहाँ पर आध घड़ी का सन्नाटा छा गया। और सात गर्जनों की सात आवाजें हुई, और यूहन्ना को उन्हें लिखने से रोक दिया गया (देखा?)––प्रभु का आगमन। यह एक ऐसी चीज है जिसे उसने अब तक प्रकट नहीं करा है, कि वह कैसे आएगा और कब आएगा।" (मसीह एक भेद 63–0728)

15 वर्षो तक दिव्य चंगाई की सेवकाई प्रभु का आगमन नहीं थी। यह सुसमाचार प्रचार करने की सेवकाई थी जो दिव्य चंगाई के एक वरदान को विश्व में ले जा रही थी।

जब वह संदेश देना आरम्भ करेगा

वि0 मे0 ब्र0 165 : "....वे भेद अन्तिम दिनों में प्रकट किए जाएंगे जब सातवां दूत संदेश दे रहा होगा, जब वह, तब नहीं जबकि वह इसे करना आरम्भ कर रहा होगा, परन्तु जब वह अपना संदेश दे रहा होगा। देखा? तैयारी के वर्षो में नहीं, परन्तु जब वह अपना संदेश दे रहा होगा वे भेद प्रकट कर दिए जाएंगे। और आप लोग इसके गवाह हो। (प्रभु की सेवा करने का प्रयत्न कर रहे है 65–0718एम)

कु0 ले0 सं0 513 : स्वर्गारोहण सातवी मोहर है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भाई ब्रन्हम के द्वारा प्रचार किया गया स्वर्गारोहण संदेश सातवीं मोहर नहीं है। नहीं, भाई ब्रन्हम ने उस संदेश में कहाँ ऐसे स्पष्ट किया है ; जबकि हम यह देखते हैं कि भविष्यद्धक्ता ने सातवीं मोहर के अपने विषय को और अधिक अनिश्चितता के साथ समाप्त किया और यह निष्कर्ष निकाला कि यह 1963 में प्रकट नहीं की गई (मोहरें पृष्ठ 567–578)। यदि उपरोक्त वक्तव्य की थोड़ी भी विश्वसनीयता

होती, तो भविष्यद्धक्ता ने यह अवश्य स्पष्ट किया होता कि स्वर्गारोहण का संदेश सातवी मोहर/सात गर्जनों का प्रकाशन है, परन्तु उसने सातवी मोहर की ओर संकेत तक नहीं किया। इस प्रकार उपरोक्त वक्तव्य कुपन्थीय और गैर जिम्मेदाराना है। स्वर्गारोहण के संदेश में भविष्यद्धक्ता ने दुल्हन रूपी कलीसिया के स्वर्गारोहण के विषय में बोला है। यह जानते हुए कि सात गर्जन स्वर्गारोहण के विश्वास के लिए हैं, उसने कहा कि स्वर्गारोहण एक प्रकाशन है और दुल्हन इसकी प्रतीक्षा करेगी। हमें एक भविष्यद्धक्ता का विश्वास करना है न कि धर्मशास्त्र के एक विद्धान का।

वि0 मे0 ब्र0 65 : परन्तु कलीसिया, दुल्हन के लिए स्वर्गारोहण एक प्रकाशन है। और उस पर प्रकट किया गया है कि मसीह की सच्ची दुल्हन स्वर्गारोहण के प्रकाशन की प्रतीक्षा करेगी। अब, यह एक प्रकाशन है, और प्रकाशन एक विश्वास होता हैं। प्रकाशन के विश्वास हुए बिना आप इसे नहीं पा सकते। (स्वर्गारोहण 65–1204)

142–1 (166) ".....सात गर्जन..... हम अभी नहीं जानते कि ये क्या हैं ; परन्तु मेरा विचार है कि वे शीघ्र ही प्रकट कर दिए जाएंगे। और जब ऐसा होगा, तब यह कलीसिया को स्वर्गारोहण के अनुग्रह के लिए विश्वास प्रदान करेंगे। (पहली मोहर 63–0318)

कु0 ले0 सं0 514 : मोहरे संदेश हैं और यह चोटी का पत्थर है, अन्यथा मैं नहीं जानता कि उसने क्या कहा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : निश्चय ही यह महान व्यक्ति जिसे तुमने डा0 आफ डिवनिटी कहा है नहीं जानता कि वह क्या कहता है। सात मोहरे चोटी का पत्थर नहीं हैं। चोटी का पत्थर आत्मा का एक उँडेला जाना है। भविष्यद्धक्ता ने चोटी के पत्थर के विषय को, 'एक सिद्ध मनुष्य के डील–डौल' नामक संदेश में विस्तार पूर्वक वर्णित किया है।

वि0 मे0 ब्र0 51–5 : आप पर छाप लगा दी गई है। और यह छाप अर्थात मोहर दोनों ओर से दिखाई देती है। चाहे आप जा रहे हों या आ रहे हों छाप बिलकुल एक सी दिखाई देती है। देखा? जब एक स्त्री या पुरुष के पास यह होती है, तब चोटी का पत्थर नीचे आता है और उन पर प्रभु के राज्य अर्थात पवित्र आत्मा में छाप लगा देता है। (एक सिद्ध मनुष्य का डील–डौल 62–1014एम)

22– "और अब, व्यक्तिगत रूप से, यह सद्‌गुण और अन्य चीजें (समझ एवं संयम)––हमारे विश्वास में जुड़ जाते हैं, तब जब चोटी का पत्थर आता है, तब पवित्र आत्मा इसे मजबूती से जोड़ देता है ; यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होता है। इसी लिए आज यह इतना कम पाया जाता है।" (ईशनिन्दा के नाम 62–1104एम)

सात गर्जनों के कुपन्थ

2008 में रहस्योद्घाटित

कुपन्थीय लेखन संख्या 753–762

अध्याय दस

सात मोहरो/सात गर्जनों और डा0 वेले के सुझाव कुपन्थों के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं। वे इसी विषय पर उस मुख्य भ्रान्ति से सम्बन्धित हैं जो उसने क0 काल पुस्तक पृष्ठ 327 में अन्तःक्षेपित की है। वे अति भ्रम पूर्ण हैं और उनका खुलासा होना आवश्यक है जबकि पास्टर कोसोरेक ने मेरे व्यक्तिगत वार्तालाप को सार्वजनिक करके डा0 वेले का घोर निरादर किया है।

यदि कभी प्रभु ने डा0 वेले को यह अनुग्रह प्रदान किया कि वह यह समझ पाए कि सात गर्जनों जैसे आधारभूत विषय पर उनके सुझाव गलत हैं, तो मैं 94 वर्ष के वृद्व मनुष्य के प्रति अपने सम्मान के रूप में उन तथ्यों को अपने कार्य में शामिल कर लूंगा। यह सम्पूर्ण विश्व में संदेश के असंख्य विश्वासियों के जीवन में छुटकारे को लेकर आएगा। जब तक पास्टर कोसोरेक प्रभावी भूमिका में हैं और डा0 वेले के लिए प्रश्नों के उत्तर एक हठपूर्ण रवैये के साथ दे रहे हैं, मैं इसके प्रति बहुत आशावादी नहीं हूँ। तौभी, डा0 वेले ने अपने सुझावों को ऐसे अनुमान जिनमें प्रकाशन का अभाव होता है के रूप में अयोग्य ठहराये जाने के लिए स्वयं को पर्याप्त रूप से व्यक्त कर दिया है। पहले कलीसियाई काल में कुपन्थों का आरम्भ यह कहने के साथ होता है : ''निकुलइयों के काम'', और बाद में यह एक स्थापित शिक्षा बन गई, जो अभी तक कैथोलिक कलीसिया की नींव है। बहुतेरे कह सकते हैं कि डा0 वेले का मन्तव्य कुपन्थों की रचना करना नहीं था, और यह सत्य भी हो सकता है। परन्तु हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि यह चीजें डा0 वेले और कोसोरेक की वेबसाइट पर हैं। कितने प्राण उसके सुझावों के द्वारा एक गलत प्रभाव में आ गए होंगे? इस प्रकार वे कुपन्थ हैं यदि यह सुझाव डा0 वेले की कलीसिया तक ही सीमित रहते तो भी स्वीकार्य हो सकते थे। परन्तु इनका अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होना पूर्णतः अस्वीकार्य है। इस खुलासे के द्वारा, प्रभु ने इन दोनो भाइयों को जानने का मौका दिया है, जैसे कि डा0 वेले ने बहुत विनम्रता के साथ कहा था कि वह जानने की इच्छा रखते हैं। मैं इस विनम्रता जोकि उसके समस्त सुझावों में व्यक्त की गई है का आगे भी प्रदर्शन देखना चाहता हूँ।

हमारा पता है : ई–मेल : माउन्टेनस्प्रिंग_@ हॉटमेल.कॉम

डा0 ली वेले : .....सात गर्जन क्या हैं?'' मेरे पास वह समझ नहीं है कि यह सब आपको दे सकूं। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–6)

डा0 ली वेले : .....एवं सातवीं मोहर, उसे सार्वजनिक रूप से खोला जाना था। वह एक तीन तहों की भाँति लपेटी गई थी। अब आप मुझे बताएं कि क्या स्वर्गारोहण तीन तहों की रीति पर नहीं है। ''ठीक है, मैं नहीं जानता कि मुझे इनकी इतनी गहन तुलना करने का अधिकार है या नहीं, परन्तु मैं केवल जानने में रुचि रखता हूँ।'' मैं केवल यह जानने में रुचि रखता हूँ कि क्या 4 दिसम्बर 1965 को सातवी मोहर सार्वजनिक रूप से खोल नहीं दी गई थी। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन सातवीं मोहर का भाग था। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)।

डा0 ली वेले..... मैं विश्वास करता हूँ कि मैं भाई ब्रन्हम के शब्दों के द्वारा यह प्रमाणित कर सकता हूँ कि स्वर्गारोहण ही सातवीं मोहर है। मैं विश्वास करता हूँ कि मैं तुम्हें दिखा सकता हूँ कि यह लोगों के सामने कब प्रकट की गई। ऐसा मैं समझता हूँ। मैं प्रकाशन के ऊपर एक और प्रकाशन प्रचार करने का प्रयत्न नहीं कर रहा हूँ ; केवल वह बताने का प्रयत्न कर रहा हूँ जो मैं विश्वास करता हूँ , और जो उसने सिखाया है। आओ हम प्रतीक्षा करें और देखें। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

डा0 वेले पहले ही इस बात से सहमत हैं कि जो अनुवाद उन्होंने दिया है वह ध ृष्टतापूर्ण है। इसका अर्थ है कि वह बिना अधिकार के ही जोखिम उठा रहे हैं। मैं उन्हें इस विषय पर प्रभु से अधिकार प्राप्त वि0 मे0 ब्र0 का संदर्भ प्रस्तुत करुंगा।

कु0 ले0 सं0 753 : मलिकिसिदक का प्रकाशन सात गर्जनों में से एक गर्जन का भाग है।

डा0 ली वेले : अब इस संदेश, ''यह मलिकिसिदक कौन है,'' भाई ब्रन्हम ने मलिकिसिदक की पहचान को स्थापित किया है, या सातवीं मोहर में अन्त समय के प्रकाशन के अनुसार मलिकिसिदक की पहचान को बताया है।

.....भाई ब्रन्हम ने कहा है कि यह केवल सातवीं मोहर में ही पाया जाता है और निश्चित रूप से यह एक गर्जन या सात गर्जनों में से एक गर्जन का एक भाग है। (ली वेले मलिकिसिदक मलिकिसिदक–1)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : अ. भविष्यद्धक्ता ने ऐसा संकेत नहीं किया है कि मलिकिसिदक सातवीं मोहर के अन्तर्गत है, परन्तु मोहरों के खुलने के साथ मलिकिसिदक के पहचान के भेद समेत समस्त भेद खोल दिए गए। अतः डा0 वेले ने भविष्यद्धक्ता को भ्रान्तिपूर्ण ढंग से उद्धृत किया है। उसके सुझाव गलत हैं।

वि0 मे0 ब्र0 : इस महान व्यक्ति के विषय में सोचें, कि यह व्यक्ति कितना महान होगा। और अब, प्रश्न यह है : ''यह व्यक्ति कौन है?'' इस विषय पर धर्मशास्त्रियों के भिन्न मत हैं, परन्तु सात मोहरों के खोले जाने से, यह भेदों की पुस्तक..... प्रकाशित वाक्य 10:1–7

के अनुसार, वह सारे भेद जो इस पुस्तक में लिखे गए थे और सुधारको के समय से वह छिपे हुए थे उन्हें अन्तिम कलीसिया काल क दूत के द्वारा सामने लाया जाना है। (यह मलिकिसिदक कौन है 65–0221ई)

ब. भविष्यद्धक्ता ने किसी एक विशेष मोहर की पहचान को निश्चित नहीं किया है न ही उसने यह कहा है कि इसे सात अज्ञात गर्जनों में छिपाया गया है। हम निश्चित रूप से यह कह सकते हैं कि मलिकिसिदक का भविष्यद्धक्ता द्वारा 1965 में प्रचारा गया प्रकाशन न तो एक गर्जन है और न ही किसी गर्जन का भाग है, क्योंकि भविष्यद्धक्ता ने कहा सातवीं मोहर/सात गर्जन न तो खोली गई, और न ही उस पर प्रकट की गई।

कु0 ले0 सं0 754 : प्रकाशित वाक्य 10:7 के द्वारा प्रकट किए गए भेदों में ही सात गर्जनों का भेद समाविष्ट है।

डा0 वेले : परन्तु सातवें दूत के शब्द देने के दिनों में जब वह तुरही फूंकने पर होगा तो प्रभु का गुप्त मनोरथ (कौन सा भेद?) वह भेद जो गर्जनों के अन्तर्गत है, वह प्रकट होने जा रहा है। यह समाप्त होने जा रहा है। (ली वेले मलिकिसिदक मलिकिसिदक–1)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक प्रचलित कुपन्थ है। भविष्यद्धक्ता ने वचन के उपरोक्त लेख का एक अलग रीति से अनुवाद किया है और डा0 वेल जो कह रहे हैं उससे बिलकुल विपरीत शिक्षा दी है। उसकी शिक्षा यह है कि सातवां दूत उन समस्त भेदों को प्रकट करने के लिए था जो बाइबिल में लिखे गए हैं ; इसमें सात गर्जन शामिल नहीं हैं, क्योंकि वे बाइबिल में नहीं लिखे गए हैं।

लिखित भेद सात गर्जनों से भिन्न हैं

वि0 में0 ब्र0 पृष्ठ 37–3 102....."सातवे दूत के शब्द देने के दिनों में समस्त भेद जो इस पुस्तक में लिखे हुए हैं पूरे हो जाएंगे।" उस दिन यह कार्य किया जाएगा। अब, क्या आप मेरा मन्तव्य समझ सकते हैं? यह समय प्रकाशित वाक्य 10 के सात शब्दों के प्रकट होने का है जब पुस्तक पूरी हो गई, तब केवल एक चीज बाकी बची, और वह गर्जन के सात भेदपूर्ण शब्द है जो पुस्तक के बाहर की ओर लिखे गए थे और यूहन्ना को जिन्हें लिखने से रोक दिया गया था..... उन्हें न लिख, और उन चीजों पर मोहर लगा दी जिनसे सात गर्जन उच्चारित हुए। यह पुस्तक के बाहर की ओर था। जब यह पुस्तक पूरी हुई..... अब, उसने यह नहीं कहा कि पुस्तक के अन्दर की ओर ; उसने कहा बाहर की ओर। जब यह सब समाप्त हो गया, तो केवल सात गर्जनो का शब्द ही था जो पुस्तक में शेष रह गया, जो प्रकट नहीं हुआ। यहाँ तक कि इसे पुस्तक के अन्दर लिखा भी नहीं गया। (श्रीमानों, क्या यही वह समय है? 30/12/62)

सातवां दूत छः मोहरों की सेवकाई के लिए है

270 : सातवां दूत छः मोहरो के भेद को खोलने के लिए था। (अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है 64–0816)

कु0 ले0 सं0 755 : सात गर्जन और मोहरें एक ही चीज हैं।

डा0 ली वेले : ..... उन गर्जनों के विषय में क्या? वे पुस्तक में हैं, क्योंकि गर्जन और मोहरे एक ही चीज हैं।

.....अब मलाकी 4 और प्रकाशित वाक्य 10:7 का यह संदेश वाहक दो कार्य करने जा रहा है। मलाकी 4 के अनुसार वह बालको के ह्रदयों को पिताओं की ओर फेरेगा। दूसरा : वह प्रकाशित वाक्य 10 में सात गर्जनों के भेदों को प्रकट करेगा। जो कि सात मोहरों में समाविष्ट प्रकाशन है (बिलकुल यही बात भविष्यद्धक्ता ने कही है) (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–4)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह वक्तव्य भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं के अनुरूप नहीं है। अगर यह वक्तव्य सच था, तो इसका अर्थ होगा कि जो घुड़सवार हैं, जोकि मसीह विरोध ी आत्मा हैं, वे गर्जन हैं। गर्जन मसीह विरोधी का नही वरन् मसीह का आगमन है। गर्जन और मोहरें एक चीज नहीं हैं। भविष्यद्धक्ता ने कहा है कि वे अलग हैं। डा0 वेले ने अपने कुपन्थ को समर्थन देने के लिए सात गर्जन की अपनी भ्रान्ति को क0 काल पुस्तक में घुसा दिया। दो गलत चीजें मिलकर एक सही चीज नहीं बना सकतीं। भविष्यद्धक्ता ने इस कुपन्थ से बिलकुल उलटा कहा है :

वि9 मे0 ब्र0 : 75–3 (49)..... यह पुस्तक सात मोहरों के द्वारा मोहर बन्द की गई है। देखा?..... सात मोहरों के खोले जाने तक यह पुस्तक पूर्णतः मोहर बन्द थी। यह सात मोहरों के द्वारा मोहर बन्द थी। अब, यह सात गर्जनों से अलग है। (दरार 63–0317ई)

कु0 ले0 सं0 756 : सातवीं मोहर भविष्यद्धक्ता के द्वारा 1963 में गुप्त रूप से खोली गई।

डा0 वेले : अधिकतर लोगों को यह तक नहीं मालूम कि सातवी मोहर खोली जा चुकी है। भाई ब्रन्हम ने कहा कि यह खुल चुकी है, परन्तु वहाँ पर सन्नाटा था। किन्तु उसने कहा, "यह खुल चुकी है, परन्तु सार्वजनिक रूप से नहीं।" और तब वह कहता है ; "प्रका0 10:1–7 सातवीं मोहर है।" लोग मुझे पत्र लिखकर कहते हैं, "ओह, यह नहीं खुली है। यह नहीं खुली है।" यह खोली जा चुकी है! प्रका0 10:1–7 सातवीं मोहर है! यह एक अन्तर्वेशन है ; यह सम्पूर्ण पुस्तक को खोलता है। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–7)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह सत्य नहीं है। प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने कहा कि यह

नहीं खुली है, उसने इसे प्रकट नहीं किया है, परन्तु जब यह आरम्भ होगा तो यह एक **सम्पूर्ण भेद होगा। डा0 वेले निश्चित रूप से गलत हैं भविष्यद्वक्ता सही है।**

वि0 मे0 ब्र0 : 564–2 (301)..... अतः स्मरण रखें, सातवीं मोहर, वह कारण कि यह खोली नहीं गई (देखा?), वह कारण कि यह प्रकट नहीं की गई, कि किसी को भी इसके विषय में जानना नहीं चाहिए।

.....अब ध्यान दें, अन्त समय के संदेश के लिए यह मोहर, आखिरकार..... प्रभु ने सभी छः मोहरों को प्रकट कर दिया, परन्तु सातवीं मोहर के विषय में उसने कुछ नहीं बोला। और अन्त समय की मोहर, जब यह आरम्भ होगी, तो बाइबिल के अनुसार यह पूरी रीति से एक भेद होगा। (सातवीं मोहर 63–0324ई)

575–6 (392)..... तब इन गर्जनों के सात शब्द होंगे जो उस समय महान प्रकाशन को प्रकट करेंगे।

.....यदि हम इसे नहीं जानते हैं, और.....यह उस समय तक जाना भी नहीं जाएगा, परन्तु यह उस दिन प्रकट होगा, उस समय में प्रकट होगा जो इसके लिए ठहराया गया है।

.....सातवीं मोहर सार्वजनिक रूप से तब तक नहीं खोली जा सकती जब तक कि इसका समय न आ जाए। (सातवीं मोहर 63–9324ई)

567–1 (322) अब, ध्यान दें। अतः मेरी सहायता करें, प्रभु जानता है कि मैं सत्य बोल रहा हूँ,, कि उन को मेरे लिए आत्मिक रूप से परखा गया है (देखा?), पवित्र आत्मा ने इन्हें परखा है। और उनमें से प्रत्येक ने बाइबिल में अपने स्थान की पहचान की है।

अब, वह क्या भेद है जो मोहर के पीछे छिपा हुआ है, मैं यह नहीं जानता हूँ। मैं इसे नहीं जान पाया। मैं इसे नहीं बता सकता था, कि यह क्या है और इसका क्या अर्थ है। परन्तु मैं यह जानता हूँ कि यह वह सात गर्जन थे और यह बड़ी समीपता से स्वयं को उच्चारित कर रहे थे, इन्होने सात भिन्न समयों में ध्वनि की, और जब यह खुला तो मैंने इसके अनुवाद की प्रतीक्षा की और मैं वह नहीं पा सका। मित्रों, यह बिलकुल सही है। देखा? अभी इसका समय नहीं आया है। (सातवी मोहर 63–0324ई)

कु0 ले0 सं0 757 : प्रका0 10:1 यहूदा के गोत्र का सिंह नहीं है।

डा0 वेले : (1) और मैंने एक और बली स्वर्गदूत (संदेशवाहक) को स्वर्ग से नीचे आते देखा।

.....3) और वह बड़ी आवाज के साथ चिल्लाया, जैसे कि सिंह गरजता है : और जब वह चिल्लाया तो गर्जन के सात शब्द हुए। अब वह आवाज सिंह की गर्जना नहीं थी, यह

सिंह की गर्जना के समान बहुत तेज आवाज थी। अतः यह वास्तव में यहूदा के गोत्र का सिंह नहीं था। परन्तु यह सिंह की सी ही शक्ति और उसके ही समान शब्दों में बोला। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–4)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक कुपन्थ है और भविष्यद्वक्ता की शिक्षाओं का स्पष्ट विरोधी है। उसने कहा :

वि0 मे0 ब्र0 : 207 सात मोहरें और इन में से आखिरी मोहर जब खुली, यह प्रका0 10 अध्याय में पाया जाता है। तब वहाँ पर एक बली स्वर्गदूत (जोकि मसीह था) नीचे उतरा और उसने अपना एक पांव धरती पर और एक समुद्र पर रखा।

.....उन में से अन्तिम प्रका0 10 है, एक पांव धरती पर और एक समुद्र पर ; परन्तु अब और देर न होगी ; छुटकारे का समय समाप्त हो चुका है ; वह सिंह की भाँति आता है। पहले वह एक मेमना था ; अब वह यहूदा के गोत्र के सिंह की भाँति आता है। (प्रका0 अध्याय 5 भाग 2 61–0618)

वचन कहता है कि यहूदा के गोत्र का सिंह, दाऊद का मूल, पुस्तक को खोलने और मोहरों को तोड़ने के योग्य है। यहाँ प्रका0 10 में वह अपने हाथ में खुली हुई पुस्तक को लिए खड़ा है।

कु0 ले0 सं0 758 : स्वर्गारोहण एक तीन तही रीति पर है।

डा0 ली वेले : ..... और सातवीं मोहर, उसे सार्वजनिक रूप से तोड़ा जाना था। वह एक तीन तही रीति पर थी। अब आप मुझे बताएं कि स्वर्गारोहण एक तीन तही रीति पर है या नहीं।

"मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे इतनी गहन तुलना करने का अधिकार है या नहीं, परन्तु मैं जानने में रुचि रखता हूँ ,कि क्या यह 4 दिसम्बर 1965 नहीं था जबकि सातवीं मोहर सार्वजनिक रूप से खोली गई। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन सातवी मोहर का भाग था। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : नहीं भाई वेले, स्वर्गारोहण एक तीन तही रीति पर नहीं है, आपको इसे सात मोहरों की तीन तही स्थिति से तुलना करने का कोई अधिकार नहीं है। वचन का कोई लेख ऐसा नहीं कहता। यह संदेश को दूषित करना है। प्रभु का आगमन तीन चरणों में है, सातवीं मोहर एक तीन तही रीति पर है, परन्तु स्वर्गारोहण नहीं। हम हवा में उससे मिलने के लिए उठाये जाएंगे, समयावधि! स्वर्गारोहण से पहले अन्य लेखों को पूरा होना है।

यदि हम सातवीं मोहर को जानना चाहते हैं, तो हमें भविष्यद्वक्ता के निर्देशों का

पालन करना होगा। उसने कहा कि सातवीं मोहर को लेकर हम किसी पन्थ या वाद का **निर्माण न करें, तुम एक मसीही जीवन जीओ, दीन बनो ; किसी चीज में हस्तक्षेप न करो, साधारण संदेश के साथ बने रहो ; और यदि हम कुछ जान जाएंगे तो प्रभु उसे भेज देगा। तुम्हारे सुझाव एक वाद हैं। आओ हम भविष्यद्धक्ता की आज्ञाओं का पालन करें। श्रीमान अपने हृदय को दीन करो।**

वि0 मे0 ब्र0 : 577–1 (400) और अब, यदि यह टेप कहीं पर किन्ही लोगों के हाथों में पहुँचे, तो इसके द्वारा किसी प्रकार के वाद का निर्माण करने का प्रयत्न न करे। आप केवल यह करें कि आप प्रभु की सेवा करते रहें, क्योंकि यह महान भेद इतना अधिक महान है कि प्रभु ने इसे यूहन्ना तक को लिखने से रोक दिया। यह गर्जन के साथ आया, परन्तु प्रभु..... यह जानते हुए..... हम से प्रतिज्ञा की कि यह खोल दिया जाएगा, परन्तु इस समय, यह खुला हुआ नहीं है। (सातवीं मोहर 63–0324ई)

459–5 (16) कलीसिया को वे चीजें नहीं जाननी हैं, अतः उनका अनुवाद या ऐसा कुछ न करें। आप जाएं और केवल वह स्मरण रखें जो आपको बताया गया है ; एक मसीही जीवन जीओ। अपनी कलीसिया में जाओ, और एक सच्चा प्रकाश बनो और केवल मसीह के लिए जलो, और लोगों को बताओ कि तुम प्रभु से कितना प्रेम करते हो। और अपनी गवाही को लोगों से हर समय प्रेम करने वाले व्यक्ति की बनाओ (देखा?), क्योंकि यदि पूरी रीति से आपने अपने को नहीं मोड़ लिया तो आप गलत रास्ते पर हैं।

प्रत्येक समय जब आप यह करने की प्रयत्न करते हैं तो आप कुछ और ही कर देते हैं। देखा? अतः आप बिलकुल–बिलकुल–बिलकुल भी इसका कोई अर्थ निकालने का प्रयत्न न करें। और विशेष रूप से आज रात्रि जबकि यह मोहर आपके सम्मुख है। देखा? आप इसका अनुवाद करने का प्रयत्न न करें। आप केवल अपने आप को दीन करें और उसी साध ाारण संदेश के साथ बने रहें। अब आप कहेंगे, ''भाई ब्रन्हम, जीवते प्रभु की कलीसिया होने के नाते, क्या हमें.....''

जैसा मैं प्रयत्न कर रहा था..... यहाँ देखें, मैं कहना चाह रहा हूँ.. ''मैं क्यों नहीं? मुझे यह चाहिए.....''

नहीं, नहीं। मैं.....नहीं..... यह मैं आपकी भलाई के लिए कह रहा हूँ। देखा, मैं यह इस लिए कह रहा हूँ कि आप समझ जाएं। अगर आप मुझ पर विश्वास करते हैं, तो जो मैंने आपको बताया है आप उस पर ध्यान दें। आप समझे? (मोहरो पर प्र0 एवं उ0 63–0324एम)

कु0 ले0 सं0 759 : सातवीं मोहर (मसीह का आगमन) लोगों के सामने चिल्लाहट, शब्द एवं तुरही, तीन तही रीति पर खोली गई।

डा0 ली वेले : अब, लगभग 90 वर्ष बीत चुके हैं, लगभग उसी तरह जब भाई ब्रन्हम को प्रचार आरम्भ किए सात माह बीते थे और वह 1946 से 1965 के बीच में सामने लाया गया था। जब उसने अपना अन्तिम संदेश प्रचार किया, तो मेरे अनुमान के अनुसार यह लोगों के सामने सातवीं मोहर का प्रकटीकरण था। ओर स्मरण रखें, उसने कहा कि प्रका0 10:1–7 सातवीं मोहर थी। आप इस विषय में क्या करने जा रहे हैं? और उसने कहा, ''प्रका0 10:7 एवं प्रका0 10:1 एक ही समय पर यहाँ पर थे।'' इसे एक तीन तही रीति पर सार्वजनिक किया गया–चिल्लाहट, शब्द, तुरही ; और प्रभु अपने वचन को अस्तित्व में लाने के द्वारा प्रकट करता है। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–4)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह भ्रान्तिपूर्ण है। डा0 वेले यह प्रचारित कर रहे हैं कि भविष्यद्धक्ता ने 1963 में सातवीं मोहर को खोल दिया था और इसका आरम्भ गुप्त में हुआ था। उसे हमें यह दर्शाने दें कि भाई ब्रन्हम ने कहा कि सातवीं मोहर की तीन तह चिल्लाहट, शब्द एवं तुरही है। जब तुरही फूंकी जाएगी तो जो मसीह में मरे हैं वह जीवित हो जाएंगे और स्वर्गारोहण होने लगेगा। भविष्यद्धक्ता ने केवल एक तह के विषय में बताया है। दो अन्य तह गुप्त रखी गई हैं। यह सात गर्जन में छिपी हुई हैं। यह प्रकट नहीं की गई है।

मैं तुम्हें एक तह के विषय में बताऊंगा

वि0 मे0 ब्र0 : 557–3 (245) और अब, यह उतना ही निश्चित है जितना आज रात्रि मेरा यहाँ इस मंच पर खड़ा होना, मुझे एक ऐसा प्रकाशन मिला जो प्रकट करता है..... यह तीन तही रीति पर है। अब प्रभु की सहायता से मैं तुम्हें एक तह के विषय में बताऊंगा। यहाँ यह प्रकाशन किस चीज के साथ आरम्भ होता है..... मैं आपको बताना चाहता हूँ कि यह क्या है। उन सात गर्जनों में क्या होता है जो उसने सुने थे और लिखने से रोक दिया गया था, और यही वह भेद है जो उन गर्जनो में छिपा हुआ है। अब, हमें इसे प्रमाणित करने दें। यह वह भेद है जिसे कोई नहीं जानता। यूहन्ना को इसे लिखने से, यहाँ तक कि इसके विषय कोई संकेत तक करने से रोक दिया गया था।

डा0 वेले के अन्य कुपन्थ

निम्नांकित डा0 वेले के कुपन्थ है, जिनका प्रभु के वचन एवं भविष्यद्धक्ता मलाकी 4:5–6 के संदेश के द्वारा खुलासा किया गया है।

कु0 ले0 सं0 760 : स्वर्गारोहण गुप्त रूप में है, और दुल्हन एक समय में एक या दो की संख्या में उठाई जाती है।

डा0 ली वेले : स्वर्गारोहण एक भेद है। और पुनुरुत्थान अन्य जातियों के लिए एक भेद है ; अतः वास्तविकता यह है कि इसके विषय में कोई नहीं जानता। और एक समय

में एक या दो की संख्या में दुल्हन उठायी जाती है। यह अत्यन्त गुप्त है। (स्वर्गारोहण–2 पृष्ठभूमि..एक गुप्त स्वर्गारोहण की गुप्त दुल्हन सितम्बर 25,1983)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह कुपन्थ काफी नवीन है, साथ ही हास्यास्पद एवं खतरे का सूचक है। बाइबिल कहती है कि हम बादलों में उससे मिलने के लिए एक साथ उठाए जाएंगे। यह महान मनुष्य क्या मूर्खता की बातें कर रहा है?

वि0 मे0 ब्र0 : 203 हे प्रभु, मुझे स्वर्गारोहण के लिए विश्वास दीजिए। क्योंकि बिछौने पर दो होंगे, एक ले लिया जाएगा एक छोड़ दिया जाएगा, वाहन में दो लोग बैठे होंगे, एक ले लिया जाएगा एक छोड़ दिया जाएगा। यह क्षण मात्र में हो जाएगा। (हे प्रभु केवल एक बार और 63–0628अ)

ई. 81 : ओह मेरे, कलीसिया किस तरह महिमा में अपने हाथों को लहरा रही है, प्रभु का धन्यवाद हो, प्रभु का धन्यवाद हो, किसी भी घड़ी वह परिवर्तन आ सकता है। बाइबिल कहती है कि यह विश्वव्यापी होगा। यीशु ने कहा, ''दो लोग अनाज पीसते होंगे, मैं एक को ले लूँगा एक छोड़ दूँगा ; दो खेतों में होंगे, मैं एक को ले लूँगा एक को छोड़ दूँगा ; दो बिछौने में होंगे,'' यह दर्शाता है कि यह पृथ्वी के दोनो ओर होगा, जबकि एक ओर रात होगी और दूसरी ओर दिन होगा, ''मैं एक को ले लूँगा और एक को छोड़ दूँगा।'' स्वर्गारोहण विश्वव्यापी होगा, और उनकी देहें परिवर्तित हो जाएंगी। (अब्राहम एवं उसके पश्चात उसका वंश 61–0423)

मेरा अनुमान है कि डा0 वेले वचन के इन लेखों की ओर संकेत कर रहे हैं कि दो बिछौने में होंगे, दो खेतों में, दो चक्की में अनाज पीस रहे होंगे। परन्तु बाइबिल कहती है कि एक ले लिया जाएगा और एक छोड़ दिया जाएगा। वचन और संदेश में कहीं भी इस कुपन्थ का संकेत तक नहीं है। यह दुष्ट का एक झूठ है और एक दूसरे कुपन्थ पर आध ाारित है कि स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है।

वि0 मे0 ब्र0 : 161 ओह, यह एक बहुत ही शानदार दिन होने जा रहा है। मैं आपको दिखाना चाहता हूँ कि पुनुरुत्थान सम्पूर्ण पृथ्वी पर एक साथ होगा, ''दो जन खेतों में होंगे, और मैं एक को ले लूँगा ; दो बिछौने पर होंगे, और मैं एक को ले लूँगा।'' देखा, एक स्थान पर रात होगी और पृथ्वी के दूसरे हिस्से पर दिन का उजाला होगा ; एक विश्वव्यापी पुनुरुत्थान, तब स्वर्गारोहण होगा। प्रभु की तुरही फूँकी जाएगी, और इनमें से प्रत्येक, इस छोटी कलीसिया में यहाँ, और इस छोटे झुंड में जो यहाँ आता है। (स्मुरना कलीसिया काल 60–1206)

716–141 : यहाँ एक झुंड के लिए, लोगों का संग्रहण गोत्रवादी नहीं होगा। यह एक विश्वव्यापी पुनुरुत्थान होगा, वे एक साथ इकट्ठे किए जाएंगे, और स्वर्गारोहण भी इसी रीति पर होगा। (प्रश्न एवं उत्तर 62–0527)

935–60 : ''बिछौने पर दो जन होंगे ; मैं एक को ले लुँगा और एक को छोड़ दूँगा,'' यह एक ही क्षण में होगा, ''खेत में दो जन होंगे ; मैं एक को ले लुँगा और एक को छोड़ दूँगा,'' पृथ्वी के जिस भाग में रात्रि होगी और जिस भाग में दिन होगा दोनो जगह से। देखा? यह एक विश्वव्यापी स्वर्गारोहण होगा। (प्र0 एवं उ0 64–0823)

कु0 ले0 सं0 761 : वह शब्द जिसने चिन्ह का अनुसरण किया वह स्वर्गारोहण नामक संदेश है।

डा0 ली वेले प्र0 51 : (156) तुम अन्धे लोग नहीं हो। तुम लोग ज्ञानवान हो। यदि मैं खड़ा हो कर यह कहने लगूं कि यह चीजें पूर्वाग्रह हैं..... मैं नहीं..... यह इस लिए है क्योंकि यह जीवन है। इन बातों को कहने के लिए मैं प्रभु के सामने जिम्मेदार हूँ। मुझे यह कहना ही है। और मेरा संदेश..... और प्रत्येक समय यह जानते हुए कि चंगाई एवं इस प्रकार के कार्य लोंगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए थे, यह जानते हुए कि संदेश को आना है। और यह आ गया।

वह तुम्हें बताता है, ''जिस संदेश को आना था वह आ गया है। और यह वही है।'' इस प्रकार, वह किस विषय में बता रहा है? वह स्वर्गारोहण एवं चिल्लाहट के विषय में बता रहा है। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–11)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह बहुत बड़ी भूल और निम्नलिखित उद्धरण में भविष्यद्धक्ता द्वारा कही गई बात का गलत अनुवाद है। भविष्यद्धक्ता कह रहे हैं कि वह संदेश जिसे चिन्ह का अनुसरण करना था वह मोहरों के खोले जाने के समय आया।

वि0 मे0 ब्र0 156 : तुम अन्धे लोग नहीं हो। तुम लोग ज्ञानवान हो। यदि मैं खड़ा हो कर यह कहने लगूं कि यह चीजें पूर्वाग्रह हैं..... मैं नहीं..... यह इस लिए है क्योंकि यह जीवन है। इन बातों को कहने के लिए मैं प्रभु के सामने जिम्मेदार हूँ। मुझे यह कहना ही है। और मेरा संदेश..... और प्रत्येक समय यह जानते हुए कि चंगाई एवं इस प्रकार के कार्य लोंगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए थे, यह जानते हुए कि संदेश को आना है। और यह आ गया। और वे खुली हुई सात मोहरें, वे भेद और उन चीजों को दिखा रहा है कि क्या घटित हुआ था। (स्वर्गारोहण 65–1204)

262 : ध्यान दें जिस दिन यह संदेश वाहक, वह दिन नहीं जब उसने आरम्भ किया, परन्तु जब उसने अपने संदेश को उद्घोषित करना आरम्भ किया। देखा? पहला खिंचाव, चंगाई ; दूसरा खिंचाव, भविष्यवाणियाँ तीसरा खिंचाव, भेदों का प्रकट किया जाना, वचन का खोला जाना। भविष्यद्धक्ताओं के अलावा प्रभु के पास वचन प्रकट करने का कोई अन्य श्रेष्ठ माध्यम नहीं है। परन्तु भविष्यद्धक्ता की परख के लिए वचन ही केवल एक मात्र तरीका है। स्मरण रखें तीसरा खिचाव वचन में मोहरबन्द किए हुए गुप्त सत्य को प्रकट करने के लिए इन सात मोहरों का खोला जाना था। (अन्त समय के अभिषिक्त 65–0725एम)

201 : और सातवे दूत के संदेश के दिनों में प्रभु ने यह प्रतिज्ञा की, कि सात मोहरें खोल दी जाएंगी ; और उसके शब्द देने के दिनों में, चंगाई की सेवकाई के दिनों में नहीं, (प्रका0 10) प्रभु का गुप्त मनोरथ पूरा हो जाएगा, वह संदेश जो चंगाई की सेवकाई का अनुसरण करता है। (मैंने सुना था परन्तु अब मैं देखता हूँ 65–1127ई)

कु0 ले0 सं0 762 : यह सहस्राब्दी में प्रवेश करने का समय है। मैं प्रवेश कर चुका हूँ।

डा0 ली वेले प्र0 25 : अब ऐसा कुछ नहीं है जिसका आरम्भ न हो चुका हो। या मैं तुम से अपने प्रभु के नाम में पूछता हूँ कि भीतर प्रवेश करना, या सहस्राब्दी में प्रवेश करना कहाँ है? ''ओह, भाई वेले, यह बिलकुल हमारे सामने है।'' मैं तुमसे असहमत होने के लिए क्षमा प्रार्थी हूँ। यह वही समय है, और मैं भीतर प्रवेश कर चुका हूँ। ओह, मैं जानता हूँ कि वे यह कह कर इसे नकारने जा रहे हैं कि, ''सातवी मोहर खोली नहीं गई थी।'' हो सकता है उनके लिए न खोली गई हो परन्तु मेरे लिए यह ठीक है। तुम इसे अपने तरीके से समझो। (ली वेले विरोधाभास विरोधाभास–3)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक पुराना कुपन्थ है जिसका भविष्यद्धक्ता को भी अपने जीवन काल में सामना करना पड़ा था। हम डा0 वेले को क्षमा करते हैं। वह और कुछ नहीं केवल थोड़ा और भ्रमित दिखाई पड़ रहा है।

सहस्राब्दी अभी चल रही है–नहीं आप भ्रमित न हों

वि0 मे0 ब्र0 : 516–2 (351) एक दिन हमारे यहाँ से जाने से ठीक पहले एक व्यक्ति यहाँ पर नार्थ कैरोलीना से आया, उसने कहा, ''प्रभु की महिमा होवे। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि वह महान व्यक्ति कहाँ पर था?'' और मैंने कहा, ''नही।'' ..... उसने कहा, ''ठीक है, तब आप यह बताएं कि सहस्राब्दी कहाँ पर है?'' मैंने कहा, ''मैं नहीं जानता।'' उसने कहा, ''अरे,.....तुम्हारे कहने का अर्थ यह है कि यह ठीक यहाँ पर हो रहा है और तुम्हें इसके विषय में पता ही नहीं है?'' और मैंने कहा, ''नहीं, श्रीमान, मैं नहीं जानता हूँ।'' और उसने कहा, ''ठीक है, प्रभु की महिमा होवे,'' और कहा, ''मेरे कुछ मित्रों ने मुझे यह बताया है, ''और कहा, ''मैं ने अपनी नौकरी छोड़ दी है!'' वह अभी तक अपनी नौकरी की पोशाक पहने हुए था। और उसने कहा, ''भाई, मैं सहस्राब्दी पाना चाहता हूँ।'' और मैंने कहा, ''ठीक है, मैं सोचता हूँ कि तुम थोड़े भ्रमित हो गए हो, भाई क्या वास्तव में ऐसा ही नहीं है?

.....उसने कहा, तुमने अपना नाम ब्रन्हम ही बताया था?'' ''....और तुम सहस्राब्दी के विषय में कुछ भी नहीं जानते हो?'' मैंने कहा, ''वास्तव में ऐसा ही है।'' मैंने कहा, ''मैं बाइबिल में इसे सही प्रकार समझ नहीं पाया हूँ।'' उसने कहा, ''नहीं, यह अभी हो रहा है। लोग सब दिशाओं से यहाँ आते हैं।'' मैंने कहा, ''यह कहाँ पर हो रहा है?'' उसने कहा, ''जैफरसनविल, इंडियाना, पुल के ठीक नीचे।'' (मोहरों पर प्र0 एवं उ0 63–0324एम)

कोसोरेक के कुपन्थ

कुपन्थीय लेखन संख्या 763–782

अध्याय ग्यारह

परिचय

यहूदा 1:1–16 यहूदा की ओर से जो यीशु मीह का दास और याकूब का भाई है,. .....और वे लाभ के लिए मुँह देखी बड़ाई करते हैं।

जैसा कि मैंने वादा किया था, अब मैं अपना ध्यान डा0 वेले और पास्टर कोसोरेक के संयुक्त कुपन्थों के खुलासे की ओर लगाता हूँ।

बेचैन कोसोरेक

पास्टर कोसोरेक अभी तक अपने पहले खुलासों से उबर नहीं पाए हैं और वह जल बिन मछली की तरह तड़प रहे हैं। उसके अपने विवेक ने उसकी भर्त्सना की है। उसके खुलासे से बचने के एक और निराशाजनक प्रयास में उसने अपनी वेबसाइट पर एक सावर्जनिक बहस आरम्भ कर दी, जैसे वह अभी भी मेरे साथ वार्तालाप कर रहा हो। परन्तु वह प्रत्येक आक्रमण के साथ स्वयं का ही भेद खोलता रहा। वह अन्त तक अपने झूठों एवं विद्वेषपूर्ण योजनाओं को थामे रखने के लिए दृढ़ निश्चयी है। वह यह कहने के द्वारा कि मैं संदेश, ब्रन्हम, क0 काल पुस्तक का विरोधी हूँ , आशा करता है कि लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दे, जोकि हमारे विचार विमर्श–क0 काल पुस्तक में डा0 वेले द्वारा अन्तःक्षेपित तीन मुख्य कुपन्थ, इन भ्रान्तियों एवं अपने कुपन्थों की रक्षा करने में पास्टर कोसोरेक की अयोग्यता, की ओर से भटका सकेगा। इस सबसे ऊपर वह अपने झूठों और हमारे वार्तालाप में प्रदर्शित क्रोधित बर्ताव को लेकर बेचैन एवं चिन्तित है। अपने प्रचंड आक्रमण के द्वारा वह मेरी एक स्वधर्मत्यागी की और अपनी एक भले वृद्ध याजक की छवि निर्मित करने का प्रयत्न कर रहा है, जब कि भविष्यद्धक्ता ने यीशु के विरुद्ध फरीसियों की लड़ाई एवं उनके सांसारिक हथियारों का बड़ा अच्छा वर्णन किया है।

डा0 वेले पर अश्लील प्रश्नों का दोषारोपण

आखिरकार पास्टर कोसोरेक के पास अब एक बहाना है कि मुझसे मेरे व्यक्तिगत जीवन और मेरी पत्नि के विषय में पूछते हुए इतने रूखे, अभद्र और अश्लील शब्दों का प्रयोग क्यों कर रहे थे। अपनी वेबसाइट पर उसने इसका दोष डा0 वेले पर मढ़ा है कि उन्होंने यह प्रश्न पूछने के लिए कहा था। मैं वृद्ध वेले के विरुद्ध इस दोषारोपण को स्वीकार करने

से इंकार करता हूँ। मुझे भली भाँति याद है कि पास्टर कोसोरेक ने भविष्यद्धक्ता की पत्नि के विषय में झूठ बोला था। उसके वचनों का विश्वास नहीं किया जा सकता। अपने परामर्शदाता के प्रति उसके दुष्ट कार्य एक चेतावनी है, उसने डा0 वेले का नाम संसार के सामने अश्लील प्रश्न पूछने वाले के रूप में प्रस्तुत किया है। पास्टर, श्रद्धेय कोसोरेक तुम्हें लज्जा आनी चाहिए! जब मैंने तुम्हें अपने वार्तालाप के समय चुनौती दी थी तब तुमने कभी भी डा0 वेले का नाम इस मुद्दे से नहीं जोड़ा था। यह तुम्हारे ई–मेल पत्र में भेजा गया तुम्हारा बहाना था।

पास्टर कोसोरेक 1 : ''मै केवल तुम से नाम बताने के लिए कह रहा हूँ क्योंकि तुम ने एक बात कही है और कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। और जबकि क0 काल पुस्तक में प्रत्येक शब्द वि0 ब्रन्हम के द्वारा बोला, लिखा और सम्पादित किया गया है अतः मैं यह इस लिए पूछ रहा हूँ कि तुमने कहा है कि बहुत से लोग क0 काल पुस्तक के कुपन्थों के द्वारा बर्बाद हो गए हैं।''

तुम एक बार फिर अन्तर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त करने के लिए इन्टरनैट की ओर दौड़ गए हो और उस वृद्ध एवं अशक्त मनुष्य को बली का बकरा बना रहे हो। तुम पूरी तरह से एक मर्द तक नहीं हो,, और उस कुड़कुड़ाती मुर्गी की तरह हो जिसके अन्डे खो गए हों। तुम इन झूठों के द्वारा अपना चेहरा नहीं बचा सकते हो। पश्चाताप करो!

स्वयं को उत्कर्ष दिखाने का स्वभाव

किसी भी परिस्थिति में डा0 वेले पास्टर कोसोरेक द्वारा उसे क0 काल पुस्तक में घुसाए गए तीन मुख्य कुपन्थों के साथ बड़े अभद्र रूप में दुनिया में विज्ञापित करने के दुष्ट कार्य को समझ नहीं सकते। यह पास्टर कोसोरेक के साथ एक व्यक्तिगत वार्तालाप था। परन्तु अपनी अति महत्वाकांक्षी आत्मा के द्वारा वह कूद कर इससे बाहर निकल गया और अपने आप को संदेश का सबसे बड़ा रक्षक प्रमाणित करने के लिए उसने इसे पूरे विश्व में फैला दिया। अब वह भेड़ के कान की एक किल्ली की भाँति है और हमारे वार्तालाप में लिखे हुए अपने बहुत से कुपन्थों का इंकार कर रहा है। वह अपना चेहरा बचाने को अपने शब्दों में परिवर्तन कर रहा है। यह उसकी सामान्य मनोवृति है जो सम्पूर्ण वार्तालाप में प्रकट हुई है। वे लोग जिन्होंने उस वार्तालाप के लेखों का निष्ठापूर्वक अध्ययन किया है वे इस मनुष्य के स्वयं को उन्नत दर्शाने के गन्दे स्वभाव को देख सकते हैं। उसके द्वारा उसकी सांसारिक प्राप्तियों एवं आत्मिक सफलताओं का विज्ञापन इस तथ्य को प्रकट करता है। (कृप्या "wikipedia the free encyclopedia." को देखें)। उसने खेलों, व्यवसाय, शिक्षा और ध र्म के विषय में अपनी प्रशंसा की है एवं शेखियाँ बघारी हैं। प्रभु ऐसा होने दें कि अपने जीवन से विदा होने या स्वर्गारोहण होने से पहले वह इस स्वभाव में परिवर्तन कर सके।

''भविष्यद्धक्ता''–मगरमच्छी प्रार्थनाएं

उसने मेरे लिए प्रार्थना करने का दावा किया एवं संसार के सम्मुख एक और झूठ बोला कि मैं सोचता हूँ कि मैं एक भविष्यद्धक्ता हूँ और मन की बातें प्रकट करने के साथ स्वयं को मसीह की तरह प्रकट करता हूँ परन्तु उसने झूठ बोला। इन मगरमच्छी प्रार्थनाओं ने वचन के लेखों के प्रति उसकी अज्ञानता को और अधिक प्रदर्शित किया, जैसे कि उसने ईशनिन्दा (इब्रानियों 6) के पाप के आरोप को एवं कैन के वंश एवं कैनवाद के आरोप को मुझ पर मढ़ा और मुझे और बहुतेरे लाँछनों के साथ श्वेत सिंहासन के न्याय के योग्य ठहरा दिया। वह स्वयं को अपने झूठे प्रेम के सुसमाचार के द्वारा अपने बचाव के एक भाग के रूप में प्रेम, दया और करुणा से भरा एक मनुष्य प्रमाणित करने के लिए दृढ़ निश्चयी है। और उसने 1यूहन्ना 5:16–17 को अनदेखा कर दिया, जो यह बताता है कि यदि कोई मनुष्य मृत्यु के पाप को करता है तो हमें उसके लिए प्रार्थना नहीं करनी चाहिए। वह क्रोधोन्मादित एवं आत्मविश्वास से भरा हुआ है। मैंने उसके झूठों से भरे हुए एवं मूर्खतापूर्ण वक्तव्यों का उत्तर देने में प्रभु के समय को व्यर्थ न करने का निश्चय किया है। मैं उस समय को उसके और अधिक निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा करने में लगाऊँगा।

वेबसाइट पर वचन विरुद्ध सुझाव

डा0 वेले के उत्तराधिकारी ने अपने परामर्शदाता एवं स्वयं के निष्ठापूर्वक शिक्षित होने के प्रति जितना अधिक शेखी बघारी, पास्टर कोसोरेक के वक्तव्यों में उतना ही अधिक यह देखा जा सकता है कि उन दोनो के विश्वास समान नहीं हैं। उसने विवाह एवं तलाक विषय पर क0 काल पुस्तक पृ 104 पर उसकी बहुत शिक्षाओं का इंकार किया है। वह गर्जनों के सम्बन्ध में सकारात्मक एवं दृढ़ निश्चयता से बोला है, जबकि भाई वेले सुझावात्मक रीति से बोले हैं। उसके पास अपनी एक शिक्षा है, जोकि स्वभाव में एक कुपन्थ है, और डा0 वेले के प्रसिद्धी एवं प्रभाव को अपने कुपन्थ का प्रचार करने में प्रयोग कर रहा है। मुझे आश्चर्य है कि उसने वेबसाइट पर उन सुझावों का विज्ञापन करने के लिए डा0 वेले की पूर्वानुमति ली या नहीं। शिक्षा सम्बन्धी सुझावों को एक पास्टर की कलीसिया के लिए छोड़ देना चाहिए परन्तु डा0 वेले ने 2 नवम्बर 2008 के अपने संदेश में यह स्पष्ट रूप से कहा कि कुपन्थीय सुझावों को इन्टरनैट के द्वारा सार्वजनिक किया गया :

डा0 वेले ने संदेशों को टेप करना या पुस्तक रूप में प्रकाशित करना कभी नहीं चाहा

डा0 ली वेले : .....मैं यह कहना चाहता हूँ और आप इसे साक्ष्य के रूप में लिख लें क्योंकि हो सकता है कि मैं यह अन्तिम बार सार्वजनिक रूप से कोई संदेश दे रहा हूँ.... . मैंने कभी नहीं चाहा कि कुछ टेप किया जाए, यद्यपि यदि लोग ऐसा करना चाहें, तो ठीक

है, मैं उन्हें रोकने वाला कौन होता हूँ ; और वैसे भी मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ। और तब वे उसका टेप बना कर वितरित करना चाहते हैं, और मैं यह भी नहीं चाहता हूँ। और तब ऐसा भी होता है कि लोग साथ में इसे पढ़ना भी चाहते हैं। मैं यह भी नहीं चाहता हूँ। यह सत्य है : मैंने इन चीजों को कभी नहीं चाहा, और आज के दिन तक भी मैं इनकी चाहना नहीं करता हूँ।

मैं मसीह की दुल्हन के विरुद्ध इस बड़े और घृणित अपराध को करने के लिए पास्टर कोसोरेक को दोषी मानता हूँ। पास्टर कोसोरेक डा0 वेले की वृद्धावस्था और मानसिक सक्रियता में कमी का लाभ उठा रहे हैं। निश्चय ही, वह कह सकता है कि डा0 वेले ने उसे अपनी सहमती दी है, परन्तु क्या डा0 वेले इन्टरनैट तकनीक एवं उस पर अपने नाम और सात गर्जनों के विनीत सुझावों के विज्ञापन को समझ पाने में सक्षम हैं।

यदि डा0 वेले की शिक्षा गलत है तो उस पर ध्यान न दें

डा0 ली वेले : उसे मेरे कथन की रीति से ग्रहण न करें कि जो मैं विश्वास करता हूँ वह सही है..... मुझे कोई प्रकटीकरण नहीं है..... यदि मैंने कोई चीज गलत बताई है.... . तब आप उसे न सुनें..... जितना मैं जानता हूँ, मैं विश्वास करता हूँ कि आज रात्रि जितना मैं कर सकता था मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर दिया है। यदि आप कोई दोष देख पाते हैं, तो मैं उसे सुननें के लिए सहर्ष तैयार हूँ। मैं यह कभी नहीं कहता कि यह यहोवा यूँ फरमाता वाला वचन है। परन्तु मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया है।

.....अब प्रभु आज रात्रि यदि इस संदेश में कोई विरोधाभास हो तो मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूँ,, प्रभु हम दोनों ही यह जानते हैं कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया है..... प्रभु मैं वास्तव में सत्य को देखना चाहता हूँ। और मैं आशा करता हूँ प्रभु,, कि मैं सही हूँ..... यदि मैंने कोई गलत बात कह दी हो, तो यह प्रभु के लोगों पर दुष्प्रभाव नहीं डालेगी। (सात मोहरे एवं सात गर्जन 1969)

डा0 ली वेले : ..... सात गर्जन क्या हैं? यह बताने के लिए मेरे पास इनकी समझ नहीं है। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–6)

डा0 ली वेले : ..... और सातवीं मोहर, उसे सार्वजनिक रूप से तोड़ा जाना था। वह एक तीन तही रीति पर थी। अब आप मुझे बताएं यदि स्वर्गारोहण एक तीन तही रीति में नहीं है। ''वैसे, मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे इनकी इतनी समीप तुलना करने का अधिकार है या नहीं, परन्तु मैं केवल जानने में रुचि रखता हूँ।'' मैं यह जानने में रुचि रखता हूँ कि क्या यह 4 दिसम्बर 1965 नहीं था जबकि सातवीं मोहर को सार्वजनिक रूप से तोड़ा गया था। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन तो सातवीं मोहर का भाग है। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

डा0 ली वेले : ..... मैं विश्वास करता हूँ कि मैं भाई ब्रन्हम के स्वयं के शब्दों में आपको यह प्रमाणित कर सकता हूँ कि स्वर्गारोहण नामक संदेश ही सातवी मोहर है। मैं विश्वास करता हूँ कि मैं प्रमाणित कर सकता हूँ के सार्वजनिक रूप से कहाँ खोली गई। मैं ऐसा समझता हूँ। मैं प्रकाशन के ऊपर एक और प्रकाशन प्रचार करने का प्रयत्न नहीं कर रहा हूँ ; मैं गलत भी हो सकता हूँ। आओ हम प्रतीक्षा करें और देखें। (ली वेल स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

मसीह के प्रकट होने की एक व्यक्ति द्वारा पहचान

सात गर्जन के विषय पर डा0 वेले की सुझावात्मक शिक्षा पद्धति प्रकाशन के उसके अज्ञान की पूर्ण घोषणा करती है। उसने अत्यधिक अनिश्चितता को प्रदर्शित किया है। पास्टर वेले ने इस पर ध्यान नहीं दिया और उनको सिद्ध व सुनिश्चित शिक्षाओं के रूप में विकृत कर दिया, और डा0 वेले के विषय में कहा कि केवल वही मनुष्य ऐसा है जो संदेश में सही रीति से शिक्षित किया गया है। डा0 वेले ने स्वयं कभी किसी ऐसे पद का या भविष्यद्धक्ता द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किए जाने का दावा नहीं किया। उसने कभी भविष्यद्धक्ता या संदेशवाहक के पद पर होने का दावा नहीं किया, परन्तु पास्टर कोसोरेक उसकी इस छवि का प्रचार करता हैं। और ऐसा करने के द्वारा वह अपने आप को संसार के सामने एक ऐसे व्यक्ति के रूप में ऊँचा उठाता है जिसे डा0 वेले के उत्तराधिकारी के रूप में शिक्षित किया गया है। अपने पुनरागमन कुपन्थों में वह मसीह के एक मनुष्य के रूप में प्रकट होने की पहचान कर रहा है। वह उस मनुष्य के विषय में वर्तमान काल में बात कर रहा है। निश्चय ही वह डा0 वेले के विषय में नहीं कह रहा होगा, क्योंकि उसने स्वयं अपने पास किसी प्रकटीकारण के एवं ''यहोवा यूँ फरमाता है'' के होने का इंकार किया है। तब वह व्यक्ति कौन है? उसने उस मनुष्य की पहचान को बड़ा गुप्त रखा है। यह तथ्य उसके ''पुनरागमन, मसीह की उपस्थिति'' प्र0 एवं उ0 पुस्तिका में देखा जा सकता है। उसने निष्ठापूर्वक शिक्षित किए गए होने का दावा किया है। क्या वह स्वयं इस सेवकाई का दावा कर रहा है। इसे मलाकी 4:5–6 के लिए छोड़ा गया है।

दो भिन्न अनुवाद

तम्बू के दर्शन के विषय पर, डा0 वेले ने कहा कि यदि यह यथातथ्य हो तो यह इस संसार के अनुरूप नहीं होगा, उसने इसे आत्मिकीकरण कर दिया और निष्कर्ष निकाल दिया कि यह यथातथ्य नहीं है, जबकि पास्टर कोसोरेक इसे भिन्न विश्वास करते हैं :

डा0 ली वेले : यदि वहाँ पर एक वास्तविक तम्बू और वास्तविक स्त्री थे तो भाई ब्रन्हम का यह प्रचार करना कि स्त्री प्रचार नहीं कर सकती या अधिकार नहीं दर्शा सकती, एक शोर मचाना ही था। यदि वह एक यथातथ्य दर्शन था तो जहाँ तक मैं देख पाता हूँ यह

दर्शन संसार में आगे नहीं जा सकता था।

पास्टर कोसोरेक : अब यह प्रश्न उठता है, कि आप तम्बू एवं पुनुरुत्थान के सम्बन्ध ा में क्या सोचते हैं। मैं बिलकुल वही विश्वास करता हूँ जिसकी भाई ब्रन्हम ने शिक्षा दी है। प्रभु के द्वारा उन्हें स्वर्गीय घर ले जाए जाने से थोड़ा ही समय पहले उन्होंने इसके विषय में अपनी पत्नि मीडा को बताया था, उसने कहा था, ''मीडा, मुझे वह तम्बू मिलने जा रहा है, चाहे वह केवल एक सभा के लिए ही हो।'' अतः क्या मैं यह विश्वास करता हूँ कि वहाँ पर एक तम्बू होगा? जी हाँ! कितने समय के लिए? मैं नहीं जानता हूँ परन्तु मैं विश्वास करता हूँ कि कम से कम एक सभा के लिए होगा। (प्र0 एवं उ0 14 19 अगस्त 2007 पासटर ब्रायन कोसोरेक)

पास्टर ब्रायन कोसोरेक के कुपन्थ

–डा0 वेले ने प्रभु से अपनी डाक्टरेट प्रभु के भविष्यद्धक्ता वि0 मे0 ब्र0 ओठों से प्राप्त की।

–यदि कोई ऐसा मनुष्य जीवित है जो संदेश को समझता हो, तो वह डा0 वेले हैं।

–भाई ब्रन्हम ने कहा यदि कोई सेवक या सामान्य जन संदेश के विषय कोई प्रश्न पूछना चाहता है तो वह ली वेल से पूछे। इसमें संदेश के सेवक एवं विश्वासी शामिल हैं।

–पास्टर कोसोरेक सम्पूर्ण विश्व के सेवको के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अधिकृत थे।

–जो मनुष्य क0 काल पुस्तक की भ्रान्तियों को चुनौती देगा उसके अन्दर कोई प्रकाश नहीं है।

–डा0 वेले सुसमाचार के लेखक हैं। उससे असहमत लोग भ्रान्त हैं।

–प्रभु कभी ऐसा नहीं करता कि एक क्षेत्र से वह एक मनुष्य को उठा खड़ा करे और तब अकस्मात उसमें परिवर्तन करके संसार के किसी और भाग से किसी और व्यक्ति को उठा खड़ा करे।

–प्रभु कभी उस व्यक्ति से प्रकाश का परिवहन नहीं करता जो भविष्यद्धक्ता को नही जानता हो।

–प्रभु आगामी पीढ़ियों के लिए प्रकाश का परिवहन करता है, और यह कार्य वह उन मनुष्यों के द्वारा करता है जो भविष्यद्धक्ता को जानते और उसके द्वारा शिक्षित किए गए हों।

–ब्रायन कोसोरेक संदेश के सेवकों के मध्य एक आत्मिक अगुवा है।

–प्रका0 10 में पृथ्वी और समुद्र यूरोप एवं अमरीका हैं जहाँ आग का खम्भा प्रकट हुआ था।

–स्वर्गारोहण एक प्रक्रिया है जो लूथर के काल में आरम्भ हुई थी।

–पुराने नियम के सन्तों के प्राण उनकी देहों से पहले जाग जाएंगे।

–वह आत्मा जिसने यीशु को मृतकों में जिला दिया वह पुराने नियम के सन्तों में थी।

–पुराने एवं नये नियम में एक समान पवित्र आत्मा था।

–पुराने एवं नये नियम के सन्तों से दुल्हन बनी है।

–एक विश्वव्यापी बेदारी हो रही हैं।

–स्वर्गारोहण एवं पुनरागमन कुपन्थ।

–स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है।

–पुनुरुत्थान आरम्भ हो चुका है।

–पुनुरुत्थान का शब्द सोई हुई कवाँरियों को जगाता है।

–उत्पत्ति में पहली ज्योति प्रभु का पुत्र यीशु था।

–प्रभु ने अपने पुत्र यीशु को आरम्भ में, उत्पत्ति में जन्माया था।

–उत्पत्ति का आरम्भ प्रभु के पुत्र यीशु के जन्म के साथ हुआ।

–आरम्भ में दो जन एक साथ थे ; एक प्रभु था और एक प्रभु का पुत्र था जो प्रभु नहीं था।

–यीशु का यरदन नदी में बपतिस्मा होने तक प्रभु उसमें नहीं था।

–वह (मसीह), जिसके विषय में कुलुस्सियों में बताया गया है और जो आरम्भ में प्रभु के साथ था, वह प्रभु नहीं था।

पास्टर कोसोरेक और डा0 वेले के कुपन्थ

–स्वर्गारोहण चिल्लाहट, शब्द एवं तुरही तीन स्तरों में है।

–जब मोहरें खुल गईं यीशु अपने पिता के सिंहासन पर बैठ गया और वह अभी तक बिचवई का कार्य कर रहा है।

डा0 वेले

–तम्बू का दर्शन आत्मिक रूप से बोला गया है न कि यह एक वास्तविक **तम्बू है।**

–तम्बू का दर्शन सातवीं मोहर का प्रतीक था ; गर्जनों का एक भाग था।

–आध घड़ी का सन्नाटा 21 वर्षो की अवधि है ;1955–1976 की अवधि जो हमें 1977 या उससे पहले सहस्राब्दि में ले जाती है।

–विवाह एवं तलाक सातवीं मोहर सात गर्जनों का प्रतीक था।

–जब भविष्यद्धक्ता ने ''मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप'' संदेश प्रचारित किया तब इन प्रतीकों का अनुवाद हुआ।

–प्रतीक का यह अनुवाद ''मेरे लोगों को क्षमा मिली है।'' यह एक महान भेद है।

–किसी और प्रचारक के पास कोई और प्रकटीकरण नहीं है। यह केवल भविष्यद्धक्ता के पास था।

पास्टर कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा

कु0 ले0 सं0 763 : डा0 वेले ने प्रभु से अपनी डाक्टरेट प्रभु के भविष्यद्धक्ता वि0 मे0 ब्र0 ओठों से प्राप्त की।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट से : ..... ली वेले, संदेश के एक प्रमुख शिक्षक जिसने संदेश में अपनी डाक्टरेट स्वयं प्रभु से उसके अन्त समय के भविष्यद्धक्ता विलियम ब्रन्हम के द्वारा पाई है।

मैंने केवल यह सोचा कि मैं उन उपहास उड़ाने वाले लोगों को चुप कर सकूं जो इस तथ्य को हमेशा प्रयोग करने का प्रयत्न करते हैं कि प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने भाई ली वेले को डा0 वेले कहकर पुकारा था, जबकि वे नहीं जानते कि ली वेले कभी भी सैमनरी नहीं गए थे, परन्तु स्वयं प्रभु ने अपने भविष्यद्धक्ता के ओठों द्वारा उन्हें यह तमगा दिया था। (प्र0 एवं उ0 सं0 3)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : इस कुपन्थ का समर्थन करने के लिए भाई ब्रन्हम के वचन के लेख या कोई वक्तव्य मौजूद नहीं है। भविष्यद्धक्ता ने निश्चित रूप से भूलवश यह समझा होगा कि भाई वेले ने वास्तव में यह डिग्री हासिल की है, इसके अलावा जिस तरीके से वह भाई ब्रन्हम के साथ तर्क किया करते थे उससे यह विचार उत्पन्न होना स्वाभाविक था कि वह एक विद्धान हैं।

वि0 मे0 ब्र0 : 24–6 भाई ली वेले, वास्तव में, एक विद्धान हैं और डा0 आफ डिवनिटी हैं। उन्होंने वास्तव में यह डिग्री हासिल की है। (यीशु की ओर देखो 63–1229ई)

पास्टर कोसोरेक ने भविष्यद्धक्ता की भूल को लिया और इसका दोष प्रभु पर मढ़

दिया। यह डा0 वेले को ऊँचा उठाने के लिए पास्टर कोसोरेक की एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण कल्पना है। और ऐसा करने के द्वारा वह स्वयं को ऊँचा उठा रहा है। पवित्र आत्मा का प्रेरणा से, प्रभु ने इस प्रकार की सभी पदवियों जैसे डी0डी0, एल0एल0डी0, पी0एच0डी0 प्रचारकों और उनके लाइसेंसों की निन्दा की है। तब भाई वेले को उसी पवित्र आत्मा से किस प्रकार यह प्रेरणा मिल सकती थी कि प्रेरणा के अन्तर्गत डा0 वेले को यह पदवी प्रदान करते। पास्टर कोसोरेक भविष्यद्धक्ता द्वारा भूल से ली वेले को डा0 वेले कहने का दोष प्रभु पर लगा रहे हैं। भविष्यद्धक्ता भाई के विचारों को समझते थे ''विद्धान'', ''डाक्टर'', ''ध र्मविज्ञानी'' जैसी पदवियों को उन्होंने विशेषण के रूप में प्रयोग किया। पास्टर कोसोरेक ने इसको एक भविष्यवाणी में परिवर्तित कर दिया, जैसे कि यह ''यहोवा यूँ फरमाता'' हो जिसका अर्थ है ''प्रभु ने कहा''। संदेश में कोई डा0 नहीं होता। बाइबिल के इतिहास में प्रभु ने कभी भी अपने किसी सेवक को यह उपाधियाँ प्रदान नहीं कीं।

डा0 आफ डिवनिटी–डिग्री–दलीला की रस्सी

वि0 मे0 ब्र0 : 15 तब उन्होनें दलीला की तरह कलीसिया को एक और रस्से से बाँध दिया..... प्रभु की बुलाहट प्राप्त मनुष्य होने के स्थान पर, वे मनुष्य जो पवित्र आत्मा द्वारा बुलाए गए होते हैं, सम्भव है कि वे उनका क,ख,ग भी न जानते हों, परन्तु वे मसीह को जानते थे। तब कलीसिया राजनीतिक प्रचारको के पश्चात फैशन परस्त और नये तौर तरीकों वाली हो गई। और उन्होंने अपने प्रचारकों को डा0 की डिग्री प्रदान की, उनमें से प्रत्येक डा0 आफ डिवनिटी होने लगा। लोग सैमनरी में जा कर अध्ययन करने लगे, और प्रत्येक सैमनरी ने यही प्रयास किया कि वह बेहतर विद्धानों का उत्पादन करें जिससे उनकी कलीसिया शेखी मार सके। ''हमारा पास्टर एक डा0 आफ डिवनिटी है।'' .....प्रभु की दृष्टि में यह एक अर्थहीन बात है। (संसार के द्वारा छली गई कलीसिया 59–0628एम)

ई–4 अभी कुछ ही समय पहले किसी ने मुझे एक डा0 डिग्री देने का प्रयत्न किया। और मैंने कहा, ''मैं उसके लिए ज्यादा चतुर हूँ।'' मैंने कहा, ''मैं बेहतर जानता हूँ ; और अन्य लोग भी।'' अतः..... यदि एक मनुष्य अपनी सीमाओं को जानता हो एवं ..... अब मेरी पुरानी कैन्टुकी "his", "hain'ts," "fetch", "carry" लोग जानते हैं कि मैं क्यों एक डा0 आफ डिवनिटी नहीं हो सकता। अतः मैं केवल भाई ब्रन्हम हूँ , आप समझे। (उसकी सुनो 56–0611)

डाक्टर, डाक्टर–प्रभु से दूर

268–2 (286) ''आप डा0 आफ डिवनिटी एवं इसी तरह की अन्य बातें एवं आप किस तरह बातें कर रहे हैं..... और अपनी परिचय दे रहे है– 'डाक्टर', 'डाक्टर', 'डाक्टर'। (तीसरी मोहर 63–0320)

185– ''संस्कृति, विज्ञान, सुन्दर प्रार्थना भवन, ऊँची मीनारें, दमकते प्रचारक, शिक्षा

: डी0ए0, पी0एच0डी0, एल0एल0डी0, डा0 आफ लिटरेचर, डा0 आफ डिवनिटी, डाक्टर्स.. ... जितनी बार यह उच्चारित करते हैं, उतना अधिक आप उसे प्रभु से दूर ले जाते हैं, आप उसे किसी गढ़हे में फेंक देते है। ''(रुपान्तरण की सामर्थ 65–1031)''

डा0 वेले का संदेश दिनांक 02/11/08 : डा0 ली वेले : ''मैं एक डा0 आफ डिवनिटी नहीं हूँ। मैं किसी भी चीज का डा0 नहीं हूँ। या शायद खराब औषधियों का।

कु0 ले0 सं0 764 : यदि कोई ऐसा मनुष्य जीवित है जो संदेश को समझता हो, तो वह डा0 वेले हैं।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट से : यदि कोई ऐसा मनुष्य जीवित है जो संदेश को समझता हो तो वह केवल एक है जिसे स्वयं भाई ब्रन्हम ने अपने सहकर्मी के रूप में जाना था, और वह ली वेले है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह बहुत अच्छा है कि पास्टर कोसोरेक अपने पास्टर को इतना श्रेष्ठ समझते हैं। परन्तु यह बात हम नहीं कह सकते। यह बात निर्विवाद रूप से प्रमाणित हो चुकी है कि उसने क0 काल पुस्तक में तीन मुख्य कुपन्थों को घुसाया है, जिसकी पास्टर कोसोरेक रक्षा करने में असफल रहे हैं। यह बात यहीं समाप्त हो जाती है।

कु0 ले0 सं0 765 : भाई ब्रन्हम ने कहा यदि कोई सेवक या सामान्य जन संदेश के विषय कोई प्रश्न पूछना चाहता है तो वह ली वेल से पूछे। इसमें संदेश के सेवक एवं विश्वासी शामिल हैं।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट से : भाई ली वेले भाई ब्रन्हम द्वारा निर्दिष्ट एक मात्र व्यक्ति थे जिन्हें भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं से सम्बन्धित सम्भावित प्रश्नों का उत्तर देने की सेवकाई सौंपी गई थी। भाई ब्रन्हम ने कहा, यदि आपके पास हमारे (भाई ब्रन्हम या भाई वेले) प्रचार से सम्बन्धित कोई प्रश्न है तो यह आपका अधिकार है कि आप उसका उत्तर जानने के लिए हमारे (भाई ब्रन्हम या भाई वेले) के पास आएं।

इस संदेश में जो लोग हमारे पास हैं उन्हें किसी तीसरे स्रोत से सुनी बात पर विश्वास करने से बेहतर है कि वह बात को उसके मूल रूप में जाने।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : ऐसा प्रतीत होता है, पास्टर कोसोरेक यह संकेत दे रहें हैं कि पूरे विश्व के विश्वासियों को अपने प्रश्न डा0 वेले को भेजने चाहिए। भविष्यद्धक्ता का यह वक्तव्य केवल उन लोगों के लिए था जो उसके प्रचार अभियानों में उपस्थित हुआ करते थे, उस समय डा0 वेले उन अभियानों के प्रबन्धक, सहायक और उसकी शिक्षाओं के प्रतिनिधि हुआ करते थे। पास्टर कोसोरेक भविष्यद्धक्ता के वक्तव्य का गलत अनुवाद कर रहे हैं और इसको संदर्भ से बाहर प्रयोग कर रहे हैं। भविष्यद्धक्ता के अभियानों से परे और उसकी कब्र से परे, बहुत से शब्दों में, यह कहने के लिए पर्याप्त संकेतों के साथ, कि डा0

वेले भाई ब्रन्हम के पश्चात दूसरी क्रम संख्या पर थे, और पास्टर कोसोरेक इस सिलसिले की तीसरी कड़ी हैं। मुझे संदेह है कि 94 वर्ष की आयु का वृद्ध प्राचीन इस कुपन्थ से अवगत है या नहीं जो उसके महत्वाकांक्षी उत्तराधिकारी के द्वारा अविष्कृत की गई है। उसने स्वयं को एक ऐसी सेवकाई में सिद्ध स्थापित कर लिया है जो एक विशिष्ट पद की ओर संकेत कर रही है। क्या कोई नौवां संदेशवाहक भी है?

कु0 ले0 सं0 766 : पास्टर कोसोरेक सम्पूर्ण विश्व के सेवको के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अधिकृत थे, क्योंकि उनको ऐसा करने के लिए डा0 वेले ने अधिकृत किया था, जोकि संदेश से सम्बन्धित किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए स्वयं भविष्यद्धक्ता द्वारा अधिकृत किए गए थे।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट से : ..... मैं यह बात उन लोगों से कहूंगा जो मेरे कार्यो का उपहास करते हैं और कहते हैं, ''तुम्हें सम्पूर्ण विश्व के प्रश्नों का उत्तर देने का क्या अधिकार है?''

मैंने भाई वेले से पूछा कि क्या वह लोगों के प्रश्नों का उत्तर देने में रुचि रखते हैं क्योंकि भाई ब्रन्हम ने ऐसा कहा :

यीशु मसीह कल आज और युगानयुग एक सा है 58–0323 पृ0 22 ओर यदि कुछ आपको समझ न आया हो तो मेरे सहयोगी भाई वेले आप प्रचारक भाइयों या आप कोई भी हों, के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए यहाँ हर समय उपलब्ध हैं। यदि हमने कुछ ऐसा प्रचार किया हो, या कार्य किया हो जोकि बाइबिल में प्रभु की प्रतिज्ञा के रूप में न पाया जाता हो, तो भाई होने के नाते आपका अधिकार है कि आप हमारे पास आएं और हमसे इस विषय में पूछें.....

.....अतः इस बात को ध्यान में रखते हुए, मैंने उनसे पूछा कि यदि वे इस कार्य को करेंगे, और वह ऐसा करने के लिए सहमत हो गए। परन्तु जब उनकी पत्नि बीमार हो गईं तब उन्होंने कहा कि उनके पास इस कार्य के लिए समय नहीं है और कहा, ''ब्रायन, तुम किसी भी अन्य व्यक्ति से अधिक संदेश को जानते हो, अतः तुम ही क्यों नहीं इन प्रश्नों के उत्तर दे देते, और यदि तुम्हें सहायता की आवश्यकता होगी, तो तुम मुझसे सम्पर्क करना और जो कुछ भी मैं कर सकता होऊँगा वह मैं करुंगा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह कुपन्थ और भी यह प्रमाणित करता है कि वह विश्वास करता है कि भाई ब्रन्हम के पश्चात भाई वेले को संदेश को आगे बढ़ाने के कार्य के लिए रखा गया था, और अब पास्टर कोसोरेक को उत्तराधिकार में इसे प्राप्त करना है, वह इस पद को सम्पूर्ण विश्व के प्रचारकों के प्रश्नों के उत्तर देने, उन्हें शिक्षित करने और उनकी अगुवाई करने के लिए प्रयोग कर रहा है।

इस हालिया बार्तालाप में उसने इस दावे को झूठा, गैर जिम्मेदाराना प्रमाणित किया है।

कु0 ले0 सं0 767 : जो मनुष्य क0 काल पुस्तक की भ्रान्तियों को चुनौती देगा उसके अन्दर कोई प्रकाश नहीं है।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : आगामी वक्तव्य इस लिए दिया जा रहा है क्योंकि कुछ प्रचारकों ने क0 काल पुस्तक की कुछ बातों को यह कह कर चुनौती दी है कि यह बातें भाई ब्रन्हम की नहीं वरन ली वेले की शिक्षा हैं। अतः भाई ब्रन्हम उन्हें बताते हैं कि यह सत्य है और यदि उनके अन्दर थोड़ा भी प्रकाश है तो वह इसे ग्रहण करेंगे।

अन्त समय के अभिषिक्त 65–0725एम अनु : 139 भाई ली वेले आपका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है। आपको यह निश्चय है कि आपका नाम लिखा हुआ है। और आप सभों को भी जो यहाँ नहीं हैं और रेडियो आदि के द्वारा सुन रहें हैं। डा0 ली वेले यहाँ उपस्थित हैं, सात कलीसिया काल नामक पुस्तक के व्याकरण इत्यादि का संशोधन कर रहे हैं, जिसमें मेमने की जीवन की पुस्तक से आपके नाम काटे जाने के विषय में समस्या उत्पन्न हुई। इसने बहुत से प्रचारकों को व्याकुल कर दिया ; परन्तु आप उस पुस्तक को प्राप्त करने की प्रतीक्षा करें, यदि आपमें थोड़ी सी भी ज्योंति होगी तो आप इसे समझ जाएंगे। यदि आप इसे समझना नहीं चाहते तो आप इस पर ध्यान भी नहीं देंगे।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पास्टर कोसोरेक उपरोक्त उद्धरण को यह दर्शाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं कि कलीसिया काल पुस्तक पर प्रश्न नहीं किए जा सकते, और यदि लोगों ने इसे स्वीकार नहीं किया तो उनके अन्दर प्रकाश नहीं है। परन्तु उसने उद्धरण को विकृत कर दिया है। यह एक विशेष शिक्षा के विषय में बात कर रहा है : ''मेमने की जीवन की पुस्तक में नाम''। क्या उसने भविष्यद्धक्ताओं की शिक्षा का निष्ठापूर्वक प्रलेखन किया था? विचार योग्य प्रश्न यह है।

कु0 ले0 सं0 768 : डा0 वेले एक सुसमाचार लेखक हैं। जो उससे असहमत हैं यह भूल कर रहे हैं।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : अब क्या तुम ऐसा सोचते हो कि जिन लोगों ने बाइबिल लिखी थी वे नहीं जानते थे कि वे क्या लिख रहे हैं? क्या तुम ऐसे मनुष्य हो जो सुसमाचार लेखकों को चुनौती दोगे, क्या तुम उनसे ज्यादा जानते हो जिन्होंने इसे लिखा है? जो व्यक्ति इन्हें लिखने वाले लोगों से असहमत होगा वह गलती पर होगा, न कि लेखक। तब किसी को प्रभु के कार्य करने की व्यवस्था को परिवर्तित करने का प्रयत्न क्यों करना चाहिए। यदि कोई ऐसा मनुष्य जीवित है जो इस संदेश को समझ सकता हो तो वह केवल एक मनुष्य है जिसे भाई ब्रन्हम ने अपने सहकर्मी के रूप में वर्णित किया था, और वह ली वेले है।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह वक्तव्य कुपन्थीय, भ्रान्तिपूर्ण एवं वचन के विरुद्ध है और भविष्यद्धक्ता के संदेश का विरोध करता है। इस प्रकार के वक्तव्य मलाकी 4:5–6 विलियम ब्रन्हम एवं धरती पर उससे कहीं कम किसी मनुष्य के साथ नहीं जोड़े जा सकते। एक व्यक्ति ऐसा कह कर केवल भाई ब्रन्हम के लिए जाल बुन रहा है :

वि0 मे0 ब्र0 : 274 अब, कोई मुझसे, बहुतेरे लोग मुझसे कह रहे थे, और धर्म विज्ञानियों ने कहा, ''भाई ब्रन्हम, यदि प्रभु .....'' कहा, ''....जो अनुभव प्रभु ने आपको उसके लोगों के लिए दिया है,'' मैं इसे विन्रमता के साथ कह रहा हूँ , उन्होंने कहा, ''आप स्वयं एक बाइबिल लिखने में सक्षम हो, आप का बोला गया वचन प्रभु अस्तित्व में लाता है।'' (प्रभु का बेपर्दा होना 64–0614एम)

दूसरे शब्दों में, एक सुसमाचार लेखक होना। भविष्यद्धक्ता ने ऐसी बात को एक कुपन्थ कह कर अस्वीकार कर दिया : ''वचन में जोड़ना।''

मैंने कहा, ''वह सच हो सकता है।'' वह मुझे फांसने का प्रयत्न कर रहा था। और मैंने कहा, ''परन्तु मैं इसे नहीं कर सकता हूँ।'' उसने कहा, ''क्यों नही कर सकते हो? तुम्हारे पास सब योग्यता है।'' मैंने कहा, ''परन्तु, तुम देखो, एक शब्द जोड़ा या घटाया नहीं जा सकता।'' और उसने कहा, ''तब क्या वह सात गर्जन प्रकट होने नहीं जा रहे हैं, क्या वह प्रकाशन किसी मनुष्य को नहीं दिया जाएगा?''

मैंने कहा, ''नहीं श्रीमान, यह इसमें से कुछ जोड़ना या घटाना हो जाएगा।'' यह सब इसमें प्रकट किया जा चुका है और सात मोहरे इसका प्रकाशन प्रकट करेंगी। (प्रभु का बेपर्दा होना 64–0614एम)

भविष्यद्धक्ता सही थे ; गर्जनों में मसीह का आगमन छिपा है, जिसे प्रकट नहीं किया गया परन्तु स्वर्गारोहण के समय इसे प्रकट कर दिया जाएगा।

और अधिक सुसमाचार लेखक नहीं हो सकते हैं। बाइबिल एक सम्पूर्ण पुस्तक है। इसकी अन्तिम पुस्तक प्रका0, एक मोहर या प्रभु के सम्पूर्ण प्रकाशन, लिखित और अलिखित भेदों का चर्मोत्कर्ष है। इसे जोड़ा या घटाया नहीं जा सकता।

प्रका0 22:18 मैं हर एक को जो इस पुस्तक की भविष्यवाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूँ,, कि यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए, तो प्रभु उन विपत्तियों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं उस पर बढ़ाएगा।

पास्टर कोसोरेक डा0 वेले के साथ इस वृद्धावस्था में क्या करने का प्रयत्न कर रहा है? क्या उसने कभी ऐसे ईशनिन्दा के शब्दों को बोला है? मैं देख सकता हूँ कि यह महत्वाकांक्षी उत्तराधिकारी डा0 वेले के नाम में बहुत से कुपन्थों का प्रचार कर रहा है क्योंकि उसकी दृष्टि और श्रवण शक्ति 94 वर्ष की आयु में कमजोर हो गई है। पास्टर

कोसोरेक को शर्म आनी चाहिए।

वि0 मे0 ब्र0 : 13–5..... मैं विश्वास करता हूँ कि कोई भी शब्द जो इस बाइबिल में जोड़ा गया हो और जो इस कार्य को करने का दोषी हो उसका भाग इस जीवन की पुस्तक से निकाल दिया जाएगा :प्रका0 22, ''जो कोई भी इसमें जोड़े या घटाए....'' मैं किसी ध र्मसिद्धान्त को नहीं परन्तु प्रभु के वचन को प्रभु की योजना मानता हूँ। इसके अलावा प्रत्येक चीज पापमय है और प्रभु उससे निबटेगा और वह हमेशा के लिए नाश हो जाएगी ; कोई मनुष्य, कोई धर्मसिद्धान्त, कोई भी धार्मिक संस्था जो भी इसमें कुछ जोड़ेगा या घटायेगा।

.....वचन क्या है। अब, यह अनन्त है। इसके साथ छेड़ छाड़ नहीं की जानी चाहिए, कुछ जोड़ना या घटाना। समझे? इसमें कोई परिवर्तन नहीं करना चाहिए ; प्रभु इसका पलटा लेगा। इसमें कुछ भी जोड़ा नहीं जाना चाहिए। कुछ भी इसमें घटाया नहीं जाना चाहिए क्योंकि यह अनन्त है। समझे? अब, जो मैं कहने का प्रयत्न कर रहा हूँ , उसका आधार यदि मैं आपको दिखाऊँ तो यह उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक है और इसमें कोई और चीज मिलानी नहीं चाहिए। (बोला गया वचन ही मूल बीज है 62–0318एम)

कु0 ले0 सं0 769 : प्रभु कभी ऐसा नहीं करता कि एक क्षेत्र से वह एक मनुष्य को उठा खड़ा करे और तब अकस्मात उसमें परिवर्तन करके संसार के किसी और भाग से किसी और व्यक्ति को उठा खड़ा करे।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : तब क्यों कोई प्रभु के कार्य करने की व्यवस्था में परिवर्तन करने का प्रयत्न करे..... प्रभु कभी ऐसा नहीं करता कि एक क्षेत्र से वह एक मनुष्य को उठा खड़ा करे और तब अकस्मात उसमें परिवर्तन करके संसार के किसी और भाग से किसी और व्यक्ति को उठा खड़ा करे।

नि. कु0 का खु0 का उत्तर : मैं इस उपरोक्त वक्तव्य में पास्टर कोसोरेक के विचार को समझता हूँ। वह संकेत दे रहा है कि सुसमाचार भाई ब्रन्हम से डा0 ली वेले को हस्तान्तरित हुआ और तब एक उत्तराधिकारी के रूप में स्वयं उसे, क्योंकि वे तीनों एक ही क्षेत्र से हैं। डा0 वेले ने कभी भी एक विशेष पद का दावा नहीं किया। पास्टर कोसोरेक उसे इसमें बिठाने का प्रयत्न कर रहे हैं। उसे भय है कि प्रभु डा0 वेले द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किए गए एक मात्र व्यक्ति को छोड़ कर किसी और देश से किसी और मनुष्य को प्रयोग कर सकता है। प्रभु कुपन्थ नहीं वरन प्रभु का वचन उपलब्ध कराता है। कोसोरेक के शब्द विभिन्न अर्थों में वचन विरुद्ध हैं। प्रेरित पौलुस से लेकर विलियम मेरियन ब्रन्हम तक सुसमाचार भिन्न–भिन्न संदेशवाहकों को संसार के भिन्न–भिन्न भागों में प्रदान किया गया। उनमें से अधिकतर आपस में कभी नहीं मिले। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि जिस व्यक्ति से प्रेरित मिले और उसे सुसमाचार प्रचार करने से रोक दिया। यीशु ने उन्हें आज्ञा दी कि उसे मत रोको। यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण वक्तव्य है जिस पर समय व्यर्थ करने

की आवश्यकता नहीं है।

कु0 ले0 सं0 770 : प्रभु कभी उस व्यक्ति से प्रकाश का परिवहन नहीं करता जो भविष्यद्वक्ता को नही जानता हो।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : **156–2 स्मुरना कलीसिया काल–कलीसिया कालों की पुस्तक** अध्याय 4 प्रत्येक काल में हम इसी नमुने को देखते हैं। किसी निश्चित क्षेत्र में प्रभु द्वारा प्रदत्त संदेशवाहक के द्वारा प्रकाश आता है, और तब उस संदेश वाहक से प्रकाश, उन अन्य सेवकों के द्वारा जिन्हें निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया हो, चारों ओर फैलता है।

.....प्रभु निरन्तरता का प्रभु है, और वह ऐसे मनुष्यों को उठा खड़ा करता है जिनके ह्रदय में शिष्य होने की एवं एक प्राचीन के चरणों में बैठ कर अध्ययन करने की आकांक्षा हो। यह वह मनुष्य होतें हैं जो प्रकाश को फैलाते हैं। प्रभु कभी ऐसे मनुष्य से प्रकाश का परिवहन नहीं करता जो संदेश वाहक को नहीं जानता हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह प्रभु के साधारण शब्दों के प्रति घोर अज्ञानता है। पास्टर कोसोरेक डा0 वेले की सेवकाई के उत्तराधिकार में इस प्रकार डूबे हुए हैं कि वह एक हस्ताान्तरित किए जा सकने वाले धर्म और संदेश को समाने लाने का प्रयत्न कर रहे हैं। वह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रत्येक मनुष्य उनकी पदस्थिति को ''डाक्टर, प्रेरित, भविष्यद्वक्ता'' पद नामों का प्रयोग किए बिना ही जान एवं समझ ले। पॉलुस संदेश वाहक को कभी भी व्यक्तिगत रूप से नहीं जान पाया, जबकि प्रेरितों की शिक्षा मसीह की सेवकाई में हुई थी, और फिर भी प्रभु ने प्रकाश को अन्यजातियों तक ले जाने के लिए उसी का अभिषेक किया। वह नए नियम की सच्ची व्यवस्था को दूषित कर रहा है। और यह वही विकार है जिसने पतरस के उत्तराधिकार और रोम के पोपों का अविष्कार किया था।

पौलुस को किसी ने प्रकाशन की शिक्षा नहीं दी (गलतियों 1:1–8)। यह उसे हस्तान्तरित नहीं किया गया था। इस तथ्य के प्रकाश में तुम्हारे उत्तराधिकार की योजना कहाँ पाई जाती है? मेरा अनुमान है कि यह केवल तुम्हारी अहंकारपूर्ण कल्पनाओं में है। इसके अलावा क0 कालों के संदेशवाहक सैकड़ों वर्षो के अन्तराल में हुए और उन्होंने अपने सें पहले वाले संदेश वाहक से शिक्षा प्राप्त नहीं की। उदाहरण के लिए ; दो संदेशवाहकों के बीच का अन्तराल लगभग एक हजार वर्षो के अंधकारपूर्ण काल का हुआ। जी हाँ यह सही है कि मनुष्य एक दूसरे के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किए जाते रहे हैं। परन्तु जब आप इस तथ्य को आज की एक तिकड़ी तक सीमित कर देते हैं, तब आप गलत हो जाते हैं। यह एक कुपन्थ का अविष्कार करता है। यह नीकुलइवाद है। तुम कलीसिया पर अधिकार जमाना और मसीह की पंचतही सेवकाई को अपने कुपन्थों की गठरी में बांधने का प्रयत्न कर रहे हो। प्रभु के सच्चे सेवक इस पोप के शासन के सम्मुख समर्पण नहीं कर सकते हैं।

वि0 मे0 ब्र0 : 38 परन्तु जब उस छोटे फरीसी पौलुस ने हनन्याह के द्वारा बपतिस्मा लेते समय पवित्र आत्मा पाया, और वह अराबा को चला गया और उसने वहाँ तीन वर्षो तक अध्ययन किया, वह वापस आया, और चौदह वर्षो तक उसने कलीसिया से किसी विषय पर सलाह नहीं ली, और जब उसकी पतरस से मुलाकात हुई, जोकि येरुशलेम में कलीसिया का अध्यक्ष था तब वचन की शिक्षा को लेकर एक दूसरे के आमने सामने आ गए। क्यों, क्योंकि दोनो के पास एक ही पवित्र आत्मा था। जहाँ पतरस का यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ था, पौलुस ने भी किसी के द्वारा बताए बिना ऐसा ही किया। जहाँ पतरस ने पवित्र आत्मा के बपतिस्में, पवित्रीकारण इत्यादि की शिक्षा दी, पौलुस ने भी कलीसिया से सलाह लिए बिना ऐसा ही किया, क्योंकि दोनों का मार्गदर्शक एक ही था। (एक मार्गदर्शक 62–1014ई)

यह बिल्कुल ऐसा ही है जैसे अन्य कलीसिया काल संदेशवाहक आपस में कभी नहीं मिले, परन्तु उनके पास अपने काल के लिए प्रदान किया गया प्रकाश था। सम्पूर्ण विश्व में हजारों सेवकों ने भविष्यद्धक्ता के संदेश को केवल टेप्स और पुस्तकों से जाना है और वे संदेश प्रचार करते हैं और उन्होंने प्रभु के राज्य के लिए हजारों प्राणों को जीता है। तुम यह कह रहे हो कि यदि वे पास्टर कोसोरेक की सेवकाई के अन्तर्गत नहीं आते, तो वे निष्ठापूर्वक शिक्षित नहीं हुए हैं। जब प्रारम्भिक कलीसिया के विरुद्ध उत्पीड़न आरम्भ हुआ तब वह सुसमाचार प्रचार करने के लिए प्रत्येक स्थान पर गए। उन्हें किसने शिक्षित किया? पिन्तेकुस्त की आशीष के द्वारा शिक्षक उनके भीतर ही था। पिन्तेकुस्त का एक पुनःआगमन होगा, परन्तु तुम इस पर विश्वास नहीं करते हो। अतः तुम एक महान शिक्षक हो।

कु0 ले0 सं0 771 : प्रभु आगामी पीढियों के लिए प्रकाश का परिवहन करता है, और यह कार्य वह उन मनुष्यों के द्वारा करता है जो भविष्यद्धक्ता को जानते और उसके द्वारा शिक्षित किए गए हों।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : .....प्रभु निरन्तरता का प्रभु है..... प्रभु ऐसे मनुष्यों से प्रकाश का परिवहन नहीं करता जो भविष्यद्धक्ता को न जानते हों।

उसने ऐसे मनुष्यों का प्रयोग किया जो भविष्यद्धक्ता को जानते थे और उसकी तरह शिक्षा पाई थी और तब जब वह पीढ़ी समाप्त हो गई तो प्रकाश उन लोगों के द्वारा जो निष्ठापूर्वक शिक्षित किए गए थे निरन्तर आगे बढ़ता रहा। इस प्रकार प्रत्येक पीढ़ी को सत्य हस्तान्तरित किया जाता रहा।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक कुपन्थ है, जो इससे पहले कुपन्थ पर आधारित है। वे सब कभी भी संदेशवाहक के द्वारा शिक्षित नहीं किए गए थे। उनके मध्य में सैकड़ों वर्षों का अन्तराल था और वे आपस में कभी नहीं मिले, और अपनी पूर्व पीढ़ी के द्वारा अंश मात्र ही शिक्षित किए गए। सत्य का नाश हो गया था, तब प्रभु ने उस युग के सत्य को

लाने के लिए एक संदेशवाहक को भेजा। प्रभु एक पंचतही सेवकाई के द्वारा प्रकाश की निरन्तरता को बनाए रखता है। क्या पास्टर कोसोरेक अकेले पंचतही सेवकाई के हैं? भविष्यद्धक्ता ने पंचतही सेवकाई का प्रशिक्षण देने के लिए कब उनका अभिषेक किया। तुमने स्वयं को "Taking sides with Jesus", के वक्तव्यों में स्थापित कर लिया है और तुम ऐसा मानने लगे हो कि तुम भविष्यद्धक्ता की अभिलाषा को पूरा करने के लिए एक मात्र मनुष्य हो और तुम विश्व के महाद्वीपों में एक बेदारी लेकर जा रहे हो। यह शैतान का एक झूठ है। प्रभु की पंचतही सेवकाई का प्रशिक्षण कुपन्थों के द्वारा नहीं दिया जाता। पास्टर कोसोरेक के प्रचारकों, 183 राष्ट्रों एवं सत्य से प्रेम करने वालों के लिए पास्टर कोसोरेक का यह खुलासा पर्याप्त है।

कु0 ले0 सं0 772 : पास्टर कोसोरेक संदेश की सच्चाइयों की निष्ठापूर्वक शिक्षा दे रहे हैं क्योंकि वह डा0 वेले के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किए गए हैं, जो स्वयं वि0 में0 ब्र0 के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित पूर्वक किए गए है।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : मैं भाई वेले से 1976 में मिला था और 1979 से उन्होनें मुझे परामर्श देना आरम्भ किया। मैं उस व्यक्ति के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया हूँ जोकि स्वयं भाई ब्रन्हम के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया है। निष्ठापूर्वक शिक्षित किए जाने के लिए ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो शिक्षा के लिए एवं अपना मूँह बन्द रख कर, सुनने और समझने के लिए निष्ठावान हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह उसके पूर्व कुपन्थ की एक और शाखा है जो उसकी महत्वाकांक्षा, गर्व और स्वार्थी उद्देश्यों को प्रदर्शित करती है। उसे साथ मेरे वार्तालाप ने इसे एक कुपन्थ प्रमाणित किया है। वह बहुत से कुपन्थों को फैला रहा है, उन में से कुछ कुपन्थों का मेरे द्वारा खुलासा कर दिया गया है, जिसका उसके पास कोई उत्तर नहीं है, यदि कुछ है तो वह केवल अक्खड़पन, झूठ, क्रोध, मूर्खतापूर्ण वक्तव्य एवं डा0 वेले के विषय में शेखियाँ हैं। पास्टर यहाँ आकर तुम असफल हो जाते हो। तुम कभी चुप नहीं हुए तुमने कभी सुना नहीं और तुम कभी शिक्षित नहीं किए गए। यह तुम्हारे अशक्त वार्तालाप और प्रभु के वचन को अपने विचारों के अनुरूप प्रयोग करने से स्पष्ट दिखाई देता है।

कु0 ले0 सं0 773 : ब्रायन कोसोरेक संदेश के सेवकों के मध्य एक पारांगत शिक्षक एवं आत्मिक अगुवा है, और उन्हें वचन की गहरी बातें सिखा रहा है।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : प्रश्न : तुम संदेश की शिक्षा को सिखाने के लिए प्रचारकों की सभाओं को करने के लिए पूरे विश्व में क्यों जाते हो?

उत्तर : क्योंकि भाई ब्रन्हम ने कहा है कि हमें ऐसा करना चाहिए। उसने कहा कि संदेश की गहरी बातें इस रीति से सिखाई जानी चाहिए। भाई ब्रन्हम ने भाई वेले को एक पारंगत शिक्षक कहा और कहा कि यदि किसी प्रचारक या कलीसिया के सदस्य को संदेश

के विषय में कोई प्रश्न पूछना है तो वह ली वेले से पूछे।

मैं उस व्यक्ति के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया हूँ जो कि स्वयं भाई ब्रन्हम के द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित किया था।

वर्ष 2000 में मैंने भाई ब्रन्हम के कहे अनुसार करने के लिए पवित्र आत्मा की अगुवाई को अनुभव किया..... मैंने व्यक्तिगत रूप से 1700 सेवकों को यीशु मसीह के प्रकाशन की शिक्षा दी है..... अब क्योंकि उनके प्याले उमड़ने लगे अतः वे दूसरों को इसकी शिक्षा देने से स्वयं को रोक नहीं पाए।

Taking sides with Jesus 62-0601 p:49 और तब अपने झुंडों में प्रशिक्षण प्राप्त करो, अन्य सेवकों, मनुष्यों जिन्हें आप देखते हैं जिनके जीवन में सेवकाई के लिए बुलाहट है। उन नौजवानों को प्रशिक्षित करो ; उन्हें यहाँ प्राचीनों के पास लेकर आओ। आप सब मिल कर एक साथ सेवकों की सभा में बैठें और वहाँ पर प्रभु की गहरी बातें सिखाएं। किसी बुरे अन्त पर न पहुँचें। किसी ऐसे व्यक्ति को लें जिसमें आपका नेतृत्व करने का हौसला हो।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह भविष्यद्धक्ता की अभिलाषाओं को पूर्ण नहीं कर रहा है। वह निर्विवाद रूप से उन्हें कुपन्थों की शिक्षा दे रहा है। भविष्यद्धक्ता ने ऐसे मनुष्यों की अपेक्षा की थी जो दूसरों को शिक्षा देने के लिए वचन से निष्ठापूर्वक शिक्षित हुए हों, ऐसे लोगों की नहीं जो कुपन्थों के प्रति निष्ठावान हों। इस संदेश में उसका ज्ञान इतना उथला है कि उसे मसीहियत की आधारभूत शिक्षाओं और सिद्धान्तों का ज्ञान भी नहीं है। निश्चय ही उसे प्रभु की गहरी बातों का ज्ञान नहीं है। पिन्तेकुस्त के तत्व को पुराने नियम के सन्तों के साथ जोड़ना यहाँ तक कि नये जन्म के बिना ही, यह कहना, ''प्रभु ने डा0 वेले को एक डाक्टरेट दी है और वह एक सुसमाचार लेखक है ; एक तलाकशुदा स्त्री पुनर्विवाह कर सकती है ; दुल्हन में एक बेदारी हो रही है ; सात मोहरें खुल चकी हैं इत्यादि, जैसे साधारण प्रश्नों के उत्तरों में भंयकर गड़बड़ियाँ इस बात का पुष्ट प्रमाण हैं।

कु0 ले0 सं0 774 : पास्टर कोसोरेक संदेश की शिक्षा देने के लिए योग्य मनुष्य हैं वह संदेश में मनुष्यों को शिक्षित करने के द्वारा भविष्यद्धक्ता की आकांक्षाओं को पूर्ण कर रहे हैं।

पास्टर कोसोरेक अपनी वेबसाइट पर : मेरा अभिप्राय यह सुनिश्चित करना था कि यह सभाएं केवल एक व्यक्ति पर ही केन्द्रित होकर न रह जाएं, क्योंकि मैं यह नहीं चाहता कि लोग उत्तरों के लिए मेरी ओर देखें। मैं यह विश्वास नहीं करता कि प्रभु के पास शिक्षा देने के लिए केवल एक ही मनुष्य है, और मैं ऐसा करने के लिए पूरी दुनिया में घूमने वाला एक मात्र मनुष्य नहीं बनना चाहता। मैं यह विश्वास नहीं करता कि प्रभु का यही अभिप्राय है।

Taking sides with Jesus 62-0601 p:49 में भाई ब्रन्हम ने कहा, और तब अपने झुंडों में प्रशिक्षण प्राप्त करो, अन्य सेवकों, मनुष्यों जिन्हें आप देखते हैं जिनके जीवन में सेवकाई के लिए बुलाहट है। उन नौजवानों को प्रशिक्षित करो ; उन्हें यहाँ प्राचीनों के पास लेकर आओ।

.....और लोगों के एक समूह को प्रशिक्षण देना। और यदि मैं सुसमाचार प्रचार करने के कार्य में होता तो मैं उन्हें पूरे विश्व में कार्य करने के लिए नियुक्त कर देता।

.....और यदि मेरे पास लोगों का एक झुंड होता, संदेश में प्रशिक्षण पाए नौजवान (देखा?) और यह कहता, ''अब आप थोड़ी देर के लिए ठहरो, इससे पहले कि मैं यहाँ से जाऊँ हम इन कलीसियाओं को व्यवस्थित कर देते हैं। मैंने एक मनुष्य को यहाँ के लिए सूचित कर दिया है, और वह रास्तें में है कि यहाँ पर आ करके कलीसिया की जिम्मेदारी ले ले, वह एक भला आदमी है। ओर उसके साथ दो या तीन नौजवान होंगे जो कि उसके सहायक होंगे।

.....अतः हम व्यक्तियों के समूह के साथ यात्रा करते जिन्हें हम उन सेवकों के साथ काम करने के लिए अपने पीछे छोड़ सकते थे जिन्हें बेहतर शिक्षा और संदेश की सही समझ की आवश्यकता होती। (सर्वोत्तम कृति अफ्रीका मिशन यात्रा वृतान्त 2006)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक बड़ा झूठ है जोकि नये कुपन्थों के खुलासे में पहले ही प्रमाणित किया जा चुका है यह पूरे विश्व में कुपन्थों का प्रचार करने जा रहा है साथ ही अपने कुपन्थों के खुलासे का भी। मुझे उन लोगों पर दया आती है जो बैठ कर उसकी बातों को सुनेंगे।

कु0 ले0 सं0 775 : प्रका0 10 में पृथ्वी और समुद्र योरोप एवं अमेरिका हैं जहाँ आग का खम्भा प्रकट हुआ था।

पास्टर कोसोरेक : और उसके हाथों में एक छोटी सी खुली हुई पुस्तक थी..... और उसने अपनी दाहिना पांव समुद्र पर एवं बाया पांव पृथ्वी पर रखा, (अब समुद्र लोगों, भीड, राष्ट्रों और भाषाओं को प्रदर्शित करता है, और पृथ्वी अमेरिका है। और वे दो स्थान जहाँ आग के खम्भे का चित्र खींचा गया अमेरिका और योरोप थे, पृथ्वी और समुद्र।) (सर्वोत्तम कृति 120 वह अभी तक दया के सिंहासन पर है 1अप्रैल 2007 ब्रायन कोसोरेक)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : इस कुपन्थ का समर्थन करने के लिए वचन का एक लेख व एक उद्धरण प्रस्तुत करो। मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ। तुम इसे प्रमाणित नहीं कर सकते। लोगों का प्रतिनिधित्व करने जैसी बातें, और तुम किस तरह इसे केवल योरोप के लिए निर्धारित कर सकते हो और बाकी राष्ट्रों को छोड़ सकते हो?

क्या पास्टर कोसोरेक यह संकेत इस लिए कर रहे हैं क्योंकि उस स्वर्गदूत के पांव

आग के खम्भे की भाँति थे और आग के खम्भे के योरोप और अमेरिका वाले दो प्रकटीकरण प्रका0 10:1 के पांवों से मेल खाते हैं? मूर्खतापूर्ण! यदि ऐसा है तो वह पारनेल की तरह बातें कर रहा है। मैं नहीं सोचता कि वह इतना मूर्ख है, परन्तु हमें यह बताने के द्वारा कि वह इस कुपन्थ पर कैसे पहुँचा वह ऐसा ही प्रमाणित करेगा ; क्योंकि इस कुपन्थ की रचना करने में यही एक मात्र मूर्खतापूर्ण विचार है जो वह प्रयोग कर सकता है।

इस कुपन्थ के समर्थन के लिए वचन का कोई भी लेख अथवा भाई ब्रन्हम का कोई उद्धरण नहीं है। यह नितान्त अस्वीकार्य, अत्यन्त विद्धता पूर्ण एवं पेट में चिपक जाने वाला है।

कु0 ले0 सं0 776 : मोहरों के खुलने में और पूरा होने में अन्तर है।

पास्टर कोसोरेक : जब मोहरें खोली गई तो उसी समय पर प्रकट नहीं की गई। खोले जाने में और क्या खोला गया है यह प्रकट किए जाने में अन्तर है। (यीशु के दृष्टान्त सं0 15 न्याय और करुणा का सिंहासन 4 जनवरी 2004)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : बिलकुल ऐसे ही एक कुपन्थ का इस पुस्तक में ''कु0 ले0 सं0 741'' के रूप में पहले ही खुलासा किया जा चुका है। तौभी यह उसी कुपन्थ का एक नया संस्करण है। यह बेचारा धोखा खाया हुआ भाई, संदेश का उस्ताद, डा0 वेले का उत्तराधिकारी, बलशाली शिक्षक, 3000 सेवक प्रचारकों का परामर्शदाता, जिसने उसने उन सभी महाद्वीपों की यात्रा की है जहाँ मानव निवास करता है, नहीं जानता कि खोला जाना प्रकट किया जाना एक ही बात है और यह उन मोहरों का खोला जाना है जो पिछले समयों में प्रकट नहीं की गई थी। इस कुपन्थ का सम्पूर्ण वर्णन केवल यह प्रमाणित करने के लिए है कि वि0 मे0 ब्र0 के द्वारा सातवी मोहर खोल दी गई थी परन्तु उस समय प्रकट नहीं की गई थी वह बाद में प्रकट की गई। यह एक झूठ है।

कु0 ले0 सं0 777 : जब यीशु बड़े शब्द से चिल्लाया तब पुराने नियम के सन्तों के प्राण उनकी देहों से पहले जाग गए।

पास्टर कोसोरेक : मत्ती 27:50 में हम पढ़ते हैं, जब यीशु बड़े शब्द चिल्लाया,..... कब्रें खुल गई ; और बहुत से संतों की देहें जी उठीं और यीशु के पुनूरुत्थान के पश्चात कब्रों से बाहर आ गई..... अतः हम देखते हैं कि उस बड़े शब्द के द्वारा उनके प्राण तो जाग गए परन्तु उनकी देहें कब्रों से बाहर नहीं आई, दूसरे शब्दों में, जब तक यीशु तीन दिनों के पश्चात पुनर्जीवित न हो गया कोई पुनुरुत्थान नहीं हुआ।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक बड़ा कुपन्थ है। जब यीशु का पुनुरुत्थान हुआ उसकी देह और प्राण दोनों साथ ही बाहर आए। पास्टर कोसोरेक प्राण के सोने का प्रचार कर रहे हैं। भविष्यद्धक्ता द्वारा इसकी भर्त्सना की गई है, और यह एक एडवेन्टिस्ट शिक्षा

है। संतों के प्राण सोने के लिए नहीं जाते हैं। अतः उनका देहों से पहले जागने का कोई कारण ही नहीं है। वचन स्प्ष्टतः देह कहता है जो सो रही थीं और जी उठीं, प्राण नहीं। उनके प्राण एवं उनकी अलौकिक देह स्वर्गीय अयाम–परादीस से उनकी देहों के साथ मिल जाने के लिए लौट आएंगे। पुनुरुत्थान, देहों के परिवर्तन एवं स्वर्गारोहण की घटनाओं के समय इसका दोहराया जाना होगा।

वि0 मे0 ब्र0 : 109 1थिस्सलुनीकियों हमें बताता है कि प्रभु की तुरही फूंकी जाएगी ; और जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे ; तब हम जो जीवित और बचे हुए हैं वे उनके साथ उठा लिए जाएंगे कि हवा में प्रभु से मिलें।

.....इस प्रकार यदि आपकी मृत्यु हो जाती है और आप अलौकिक देह में प्रवेश कर जाते हैं, तब क्या होता है? अलौकिक देह धरती पर छुटकारा प्राप्त देह को लेने के लिए आती है। और यदि आप यहाँ हवा में हैं, तो आप अलौकिक देह से मिल जाने के लिए उस देह को ले लेते हैं, और उठा लिए जाएंगे और प्रभु से मिलने के लिए हवा में जाएंगे। (यह मलिकिसिदक कौन है 65–0221ई)

कु0 ले0 सं0 778 : वह आत्मा जिसने यीशु को मृतकों में जिलाया वह पुराने निसम के संतों में थी।

पास्टर कोसोरेक : जब यीशु मृतकों में से जी उठा तब वे लोग जो उसके साथ जी उठे..... वे पुराने नियम के संत थे। प्रेरित पौलुस ने हमें बताया कि यदि वह आत्मा जो यीशु में थी हम में भी हो तो वह हमें भी ऐसे ही मृतकों में से जिला उठा देगी। तब उन संतों में कौन सी आत्मा थी जिसने उन्हें जिला उठाया? किस आत्मा ने उनकी नश्वर देहों को जिला दिया? मैं आपको बता दूँ कि यह वही आत्मा थी जिसने यीशु को जिला उठाया।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पास्टर कोसोरेक संसार को यह बता रहे हैं कि जो आत्मा यीशु में थी वही आत्मा पुराने नियम के संतों में भी थी। यह कुपन्थ पवित्र आत्मा से सम्बन्धित अन्य कुपन्थों के लिए पास्टर कोसोरेक का एक महान आधारभूत कुपन्थ है। उसने पिन्तेकुस्त के दिन दिये गए पवित्र आत्मा के परिमाण को घटा कर पुराने नियम के संतों को दिए गए पवित्र आत्मा के परिमाण के बराबर कर दिया है। पिन्तेकुस्तल पवित्र आत्मा पिता की प्रतिज्ञा, प्रभु का राज्य थी जिसकी कि पुराने नियम के समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने इसे पवित्र आत्मा और अग्नि के आगमन के सदृश बताया। और यीशु, प्रेरित यूहन्ना ने इसे आने वाला राज्य कहा, जोकि पिन्तेकुस्त के दिन भविष्यवाणी के पूरा होने के द्वारा आया। यह यीशु के अधिकार में था और पिन्तेकुस्तल पिताओं ने इसे पिन्तेकुस्त के दिन प्राप्त किया। इस लिए प्रभु यीशु ने कहा यह अभी तक दिया नहीं गया था। यह नई वाचा के द्वारा आया और वह वाचा भी पिता की प्रतिज्ञा थी (इब्रानियों 8–9)। पास्टर कोसोरेक इस बात से चूक गए। यहाँ तक कि धर्मशास्त्री भी जानते

और मानते हैं। मैं चकित हूँ कि संदेश का एक सेवक जो हजारो विश्वासियों पर नियंत्रण रखता है वह एक ऐसे कुपन्थ को इस सीमा तक प्रचार कर सकता है कि वह महान पवित्र आत्मा जो यीशु के अधिकार में थी पुराने नियम के विश्वासियों के साथ जोड़ने लगे। वे इसे प्राप्त नहीं कर सकते थे क्योंकि उनका नया जन्म नहीं हुआ था। यह केवल नये नियम के संतों के लिए था जिन्होने नया जन्म पाया था। (यूहन्ना 3:3–5)। वे उस राज्य में प्रवेश करना तो दूर उसे देख या समझ भी नहीं सकते थे, जोकि पवित्र आत्मा था जो पिन्तेकुस्त के दिन आया।

पवित्र आत्मा प्रभु का राज्य है

366–452 : पवित्र आत्मा प्रभु का राज्य है। (इब्रानियों अध्याय 7 भाग 2 सी0 ओ0 डी0 57–0922)

राज्य–पवित्र आत्मा तुम में

67 :.....राज्य का अर्थ पवित्र आत्मा के आपके अन्दर होने से है (अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है 64–0816)

पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा राज्य हृदय में आता है

ई 27 : प्रभु का राज्य पवित्र आत्मा की सामर्थ से हृदय में आता है। यह प्रभु के आत्मा को अभिषिक्त कलीसिया के ऊपर लेकर आता है कि वह यह प्रमाणित करने के लिए यीशु के समान चिन्ह और चमत्कार करे कि मसीहा राज्य का राजा है। (मसीहा 61–0117)

राज्य–पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा सामर्थ में आया 187–239 : प्रभु ने कहा, ''तू शिमौन है और मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुँजी दूँगा..... स्वर्ग का राज्य क्या है? पवित्र आत्मा। बाइबिल ने कहा..... ''स्वर्ग का राज्य तुम में है.....'' मेरे कहने का अर्थ है, ''प्रभु का राज्य, ...अब, उसने कहा, ''तुम में से कुछ हैं जो प्रभु का राज्य देख न लें तब तक नहीं मरेंगे।'' केवल कुछ दिन पश्चात पिन्तेकुस्त तक। देखा?.....

''.....वह..... कूस पर चढ़ाया गया, मर गया, तीसरे दिन जी उठा, लोगों के मध्य चालीस दिन रहा, स्वर्ग पर चढ़ गया, उन लोगों को बता गया कि वे प्रतीक्षा करें जब तक कि प्रभु के राज्य को अपने ऊपर आता न देख लें ; उस समय पिता उन्हें राज्य आत्मिक रूप से फेर देगा। वे येरुशलेम को चले गए और वहाँ उन्होंने दस दिन एवं रात्रियों तक प्रतीक्षा की, और अक्समात् ही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा (प्रभु का राज्य) सामर्थ के साथ उनके ऊपर आ गया। क्या यह सही है? (प्र0 एवं उ0 पशु की मूरत 54–0515)

पिन्तेकुस्त की यह सामग्री मनुष्यों तक यीशु मसीह को महिमा प्रदान होने के द्वारा ही आ सकती थी। वचन इस तथ्य को यूहन्ना 7:38–39 में बताता है। पुराने नियम में यीशु

को महिमा प्रदान नहीं की गई थी ; इस लिए वे इसे नहीं पा सकते थे। उन्होंने पवित्र आत्मा का वह भाग प्राप्त किया जोकि वाचा उन्हें पशुओं के लहू के माध्यम से उपलब्ध कराती थी। यीशु मसीह के लहू ने आरम्भिक कलीसिया को वह प्राप्त करने का अनुग्रह प्रदान किया जो कि यीशु के अधिकार में था। यह ईश्वरत्व की सदेह परिपूर्णता थी जोकि आरम्भिक कलीसिया में सामूहिक रीति से आई।

पास्टर कोसोरेक द्वारा वचन का जो उद्धरण प्रयोग किया है वह पुराने नियम के संतों पर लागू नहीं होता, परन्तु यह केवल नये नियम के संतों और प्रथम पुनुरुत्थान के लिए है। यह पुराने नियम के संतों के लिए हो ही नहीं सकता था। क्योंकि वे नया जन्म पाए हुए नहीं थे और न ही जब तक यीशु को महिमा प्रदान की गई थी। इस कुपन्थ के द्वारा, इसने इसे भ्रान्तिपूर्ण ढंग से अन्य कुपन्थों को प्रमाणित करने के लिए लागू किया है। प्रभु ने यीशु को एक असीमित परिमाण में पवित्र आत्मा दिया था।

संत यूहन्ना 3:34 क्योंकि जिसे प्रभु ने भेजा है, वह प्रभु की बातें कहता है : क्योंकि वह आत्मा नाप–नाप कर नहीं देता।

संत यूहन्ना 7:38 जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में आया है उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी।

(उसने यह वचन उस आत्मा का विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करने वाले पाने पर थे ; क्योंकि आत्मा अभी तक न उतरा था ; क्योंकि यीशु अब तक अपनी महिमा को न पहुँचा था।) यीशु ने आत्मा के उस परिमाण के विषय में बताया जो आरम्भिक कलीसिया पिन्तेकुस्त के दिन प्राप्त करने को थी। यह अभी तक दी नहीं गई थी। इस प्रकार इस परिमाण में यह पहले कभी किसी के पास नहीं थी। यह प्रभु की छाप थी जो किसी भी भविष्यद्धक्ता के अधिकार में नहीं थी। केवल यीशु के पास वह छाप थी।

संत यूहन्ना 6:27 नाशमान भोजन के लिए परिश्रम न करो, परन्तु उस भोजन के लिए जो अनन्त जीवन तक ठहरता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा, क्योंकि पिता अर्थात् प्रभु ने उसी पर छाप कर दी है।

प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने भी बिलकुल यही शिक्षा दी। यह एक भिन्न परिमाण था यहाँ तक कि उससे भी भिन्न जो उनके पास मध्य कालों के दौरान था। पास्टर कोसोरेक पुराने एवं नए नियम के भागों को समान देख रहे हैं। यह दर्शाता है कि पवित्र आत्मा पर उसका ज्ञान कितना उथला है। जैसे कि वह शेखी मारता है वह निष्ठापूर्वक शिक्षित नहीं किया गया है। अतः उसे दूसरों को शिक्षित नहीं करना चाहिए। नि0 कु0 का खु0 पुस्तक 14 : ''पिन्तेकुस्तलवाद के 100 वर्ष बनाम् पिन्तेकुस्त'' पवित्र आत्मा पर बहुत से कुपन्थों का खुलासा करती है। इस कुपन्थ की जड़ें पिन्तेकुस्तलवाद में ही हैं।

वि0 मे0 ब्र0 : ई–61 आदम के पास सम्भवतः पवित्र आत्मा थी। यह सही बात है। सारे भविष्यद्धक्ता पवित्र आत्मा के चलाए चलते थे। परन्तु यूहन्ना ने कहा कि पवित्र आत्मा अभी दिया नहीं गया, क्योंकि यीशु अभी अपनी महिमा को नहीं पहुँचा। यह सही बात है। (गदारा का विक्षिप्त मनुष्य 54–0720ए)

कु0 ले0 सं0 779 : जब यीशु ने कहा कि पवित्र आत्मा अभी दिया नहीं गया, उसका तात्पर्य सभी लोगों द्वारा उसे प्राप्त करने से था।

पास्टर कोसोरेक : यूहन्ना 7:39..... क्योंकि पवित्र आत्मा अभी दिया नहीं गया था ;.... अब, जो वचन दिया गया है वह मूल रूप से कहता है ''पवित्र आत्मा अभी नहीं था''। अभी नहीं क्या? हमें बताया गया कि पवित्र आत्मा अभी नहीं था। हम जानते हैं कि पवित्र आत्मा पुराने नियम में बोला था, और हम यह प्रमाण भी देखते हैं कि इसने उस समय भी कुछ लोगों में निवास किया, परन्तु अभी यह उस रीति से नहीं आया था कि इसे जो भी चाहे यह उसके लिए उपलब्ध हो। (सर्वोत्तम कृति–62 प्रभु ने आदम और मसीह को क्यों मारा? अनु.10)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक बहुत ही भ्रान्तिपूर्ण कुपन्थ है। यह भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं का इंकार करता है। यह ये प्रमाणित करने के लिए एक और झूठ है कि पुराने नियम के संतों के पास पिन्तेकुस्त का भाग और बिलकुल वही पवित्र आत्मा था जो यीशु ने यरदन नदी के तट पर प्राप्त किया था। यद्यपि कूस ने सब मनुष्यों पर आत्मा उँडेले जाने का मार्ग खोल दिया है, परन्तु यह वह नहीं है जिसके विषय यीशु बात कर रहा है। वह उस काल के लिए निश्चित किए गए आत्मा के परिमाण के विषय कह रहा था। जोकि पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा के परिमाण से भिन्न थी। वचन के लेखों में इसे इन शब्दों मतें वर्णित किया गया : ''प्रभु की छाप, चोटी का पत्थर, पिता की प्रतिज्ञा, लेपालकपन इत्यादि।'' यह केवल नये नियम के संतों के लिए है जो नया जन्म पाए हुए हैं। यीशु इसका अधिकारी था क्योंकि उसने वचन से जन्म लिया था। उन 120 लोगों ने इसे पाया क्योंकि पिन्तेकुस्त के दिन से पहले उन्होंने वचन के द्वारा नया जन्म पाया था (यूहन्ना 5:24)।

कु0 ले0 सं0 780 : जब तक आपके अन्दर वचन है तब तक पवित्र आत्मा भी है, क्योंकि वचन ही आत्मा और जीवन है।

पास्टर कोसोरेक : जो लोग यह कहते हैं कि पुराने नियम के संतों के पास पवित्र आत्मा नहीं था वे नहीं जानते पवित्र आत्मा है क्या? यीशु ने यूहन्ना 6:63 में कहा, ''मेरा वचन आत्मा है और जीवन है।'' ''आदि में वचन था और वचन प्रभु था,'' और प्रभु आत्मा है और पवित्र है, इस प्रकार प्रभु जोकि वचन है, वही पवित्र आत्मा है। 1यूहन्ना 1:4 ।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जी हाँ, पुराने नियम के संतों के पास एक परिमाण में और संभवतः आदम के समान पवित्र आत्मा था। यह कुपन्थ उसी गलत अवधारणा को

प्रकट कर रहा है कि पुराने नियम के संतों के पास पवित्र आत्मा का वही भाग था जो यीशु के पास था और जिसे आरम्भिक कलीसिया ने पिन्तेकुस्त के दिन प्राप्त किया था। यीशु वचन की देह में पैदा हुआ था–यूहन्ना 1:14 ; परन्तु पवित्र आत्मा के द्वारा उसका बपतिस्मा 30 वर्षो के पश्चात हुआ। वचन बीज है। आत्मा वह जन है जो पिन्तेकुस्त के दिन उस बीज पर गिरा। वचन आत्मा और जीवन है परन्तु यह पिन्तेकुस्त का हिस्सा नहीं है। यीशु के पास आपने पवित्र आत्मा के बपतिस्में से पहले वचन भी था और आत्मा भी था। महोदय अपना धैर्य बनाए रखो! यही तुम्हारे लिए भले की बात होगी।

वि0 मे0 ब्र0 : 42–6 और जब ऐसा हुआ, मसीह के आरम्भिक दिनों भाँति बाइबिल दोबारा प्रकट हुई। क्योंकि तुम मसीह की भाँति पहले से ठहराए गए बीज हो ; और जब वर्षा बीज पर गिरती है, तब जीवन उत्पन्न होता है। जब पवित्र आत्मा उन बीजों पर गिरती है जिन्हें यीशु ने कहा कि उन्हें उसने चुन लिया। कब चुन लिया? इस संसार की नींव रखी जाने से पहले। तब वे एक चुने हुए बीज थे। क्या यह सही है? तब वे बीज स्वयं को ऊपर की कोठरी में ले गए, और वचन उनके भीतर जीवन रहित स्थिति में पड़ा हुआ था। और अचानक से स्वर्ग से ऐसी आवाज आई जैसे जल के सोते उमड़ पड़े हों। और उसने वास्तव में उस घर को जहाँ वे बैठे हुए थे भर दिया। और बीज उगना शुरु हो गए। इसने अपने आपको प्रकट करना आरम्भ कर दिया, प्रभु का वचन प्रकट होने लगा। (बोला गया वचन ही मूल बीज है 62–0318एम)

कु0 ले0 सं0 781 : केवल नए नियम के संतों के द्वारा ही दुल्हन का निमार्ण नही होगा।

पास्टर कोसोरेक : कुछ लोग यहाँ तक कहते हैं कि नये नियम के संत ही दुल्हन हैं। मैं यह जानना चाहूँगा कि ऐसा वे किस आधार पर कहते हैं?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : हम ऐसा भविष्यद्धक्ता के संदश के आधार पर कहते हैं। उसने हर जगह ऐसा कहा है। तुम किस तरह पढ़ते हो? यह दर्शाता है कि तुम निष्ठापूर्वक शिक्षित नहीं हो। इसके साथ ही, भविष्यद्धक्ता ने सिखाया है कि पुराने नियम के संत यहोवा की दुल्हन हैं; और नये नियम के संत यीशु की दुल्हन हैं।

तीन दुल्हन : आदम की–यीशु की–प्रभु की

वि0 मे0 ब्र0 : 81–4 आदम की दुल्हन.....प्रभु के वचन के साथ बनी नहीं रही..... यहाँ तीन हैं : आदम, यीशु, प्रभु..... क्या कारण था कि यहोवा की दुल्हन को त्याग दिया गया, क्योंकि उसने प्रभु के वचन, भविष्यद्धक्ता..... को अस्वीकार किया था। यीशु की दुल्हन को तलाक दिये जाने का कारण यह था कि उसने प्रभु के वचन को अस्वीकार दिया था। इससे पहले कि उनके पति उनके पास जा पाते वे गर्भवती हो गई थी। (बोला गया वचन ही मुल बीज है 62–0318)

इस्राएल के पास दुल्हन होने का अधिकार था–क्रूस के द्वारा आशीष अन्यजाति के पास चली गई

153–1 (239) ध्यान दें, और जब यूसुफ अपने भाइयों द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया, तो उसे एक अन्यजाति दुल्हन दी गई..... क्यों? इस्राएल के पास दुल्हन होने का अधिकार था, उन्होंने उसे अस्वीकार किया और अपना जन्म सिद्ध अधिकार बेच दिया, और यह पुराने बेटे इस्राएल से नये अन्यजाति के पास चला गया, और क्रूस के द्वारा आशीषें वहाँ से दुल्हन के पास चली गईं। (पहली मोहर 63–0318)

नये नियम की कलीसिया मसीह की दुल्हन

31–1 चौथा भेद, यहूदी और अन्यजाति दोनो को मिलाकर नये नियम की कलीसिया का एक देह होना : इफिसियों 3:1–11, रोमियों 16:25, साथ ही इफिसियों 6:19, कुलस्सियों 4:3 ।

पांचवाँ भेद कलीसिया का मसीह की दुल्हन होना : इफिसियों 5:28–32 । (श्रीमानों क्या यही वह समय है 62–1230ई)

अन्यजातियों में से एक झुंड उसकी दुल्हन होने के लिए है

ई–84 इस्राएल एक ही बार में सम्पूर्ण रूप से बदल जाएगा। वे एक लोग हैं। वे एक जाति हैं। प्रभु इस्राएल के साथ एक जाति के रूप में व्यवहार करता है ; परन्तु अन्यजातियों में से एक झुंड उसकी दुल्हन होने के लिए है। (उसके आने का चिन्ह 62–0407)

कु0 ले0 सं0 782 : एक विश्वव्यापी बेदारी हो रही है।

पास्टर कोसोरेक : इस समय दुल्हन के मध्य एक विश्वव्यापी बेदारी हो रही है, और अधिकतर अमेरिकी जो संदेश पर विश्वास करने का दावा करते हैं वे यह तक नहीं जानते कि प्रभु क्या कर रहा है, और न केवल वह कर रहा है बल्कि चिन्हों और चमत्कारों के द्वारा उसकी पुष्टि भी कर रहा है। (प्र0 एवं उ0–18 नया जन्म क्या है? ब्रायन कोसोरेक 23 सितम्बर 2007)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यदि ऐसा है भी, तो यह अत्यन्त ही लघु होगी। भविष्यद्वक्ता की बेदारी ने समाप्त होने से पूर्व विश्व को सात बार हिला कर रख दिया था। उसने कहा कि बेदारी समाप्त हो चुकी है अब कोई और बेदारी न होगी। अगली बेदारी दुल्हन की बेदारी है।

वि0 मे0 ब्र0 : 253–2 (182) यह मत सोचों कि हमें बेदारियां प्राप्त हुई हैं। ऐसा नहीं है। उनके पास कलीसिया में लाखों सदस्य हैं, परन्तु एक भी बेदारी नहीं है। नहीं।

दुल्हन की अभी बेदारी नहीं हुई है। दुल्हन को हिलाने के लिए प्रभु का प्रकटीकरण नहीं हुआ है। हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुल्हन का जागृत किया जाना उन सात अज्ञात गर्जनों के द्वारा होगा। वह इसे अवश्य भेजेगा। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। (तीसरी मोहर 63–0320)

इसे अभी होना है और इसके होने के लिए सात अज्ञात गर्जनों की आवश्यकता है, वि0 मे0 ब्र0 के द्वारा गर्जन प्रकट नहीं किए गए, न ही यह अभी तक लोगों के सम्मुख खोले गए। पास्टर कोसोरेक यह मानते हैं कि वह सात गर्जनों की महान बेदारी में हैं। पास्टर कालमैन के पास भी यही झूठी धारणा है और उन्होंने भी संदेश के हजारों विश्वासियों को छला है। सात गर्जनों की बेदारी सामर्थ और उसके प्रदर्शन में होकर आती है ; इसमें नया नाम और बोले गए वचन की सेवकाई आदि है। वे चीजें कहाँ हैं? श्रीमान यह हवाई जहाज पर सवारी करने से कहीं अधिक है! प्रभु चंगा करता है, उद्धार करता है, चिन्ह और चमत्कार दिखाता है, परन्तु जो दुल्हन के लिए प्रतिज्ञा की गई है वह इससे बहुत अधिक महान है (यूहन्ना 14:12)। वह कहाँ है? तुम शैतान के एक मोह पाश में हो। प्रभु ने दुल्हन की एक सच्ची बेदारी की प्रतिज्ञा की है।

एक और बेदारी

वि0 मे0 ब्र0 : 4 मैं काफी वृद्ध हो गया हूँ , और मैं सोचता हूँ , "कि क्या एक और बेदारी होगी, क्या मैं एक बार और इसे देख पाऊँगा?" एवं स्मरण रखें पश्चिम से एक श्वेत घुड़सवार आएगा। हम इस पथ पर दोबारा चलेंगे। यह सही है। जितनी शीघ्र हम तैयार हो जाएंगे। यह एक प्रतिज्ञा है। (प्रभु द्वारा प्रदत प्रार्थना का एक मात्र स्थान 65–1128)

यह इतना महान था कि इसने अविश्वासी वैज्ञानिकों तक को अपनी ओर आकर्षित कर लिया था (और इसे जानता नहीं है 65–0815)। एक विश्वव्यापी बेदारी के जितने भी दावे हो रहे हैं वह सब झूठे हैं और ऐसे हृदयों से निकले हैं जो वचन से यह नहीं जानते कि वास्तविक बेदारी क्या होती है। भविष्यद्वक्ता ने बताया कि प्रभु के सामर्थ में विचरण करने को बेदारी कहते हैं, और जब दुल्हन की बेदारी आरम्भ होगी तो जीवते प्रभु की कलीसिया की सामर्थ से यह संसार हिल उठेगा।

और यदि तुम यह दावा करते हो कि विश्व के सब महाद्वीपों में तुम्हारी यात्राओ के द्वारा सब राष्ट्रों में सुसमाचार प्रचार हो रहा है ; तो तुम गलत हो। सारे विश्व में घूमना और प्रचारकों की सभाओं में अपने कुपन्थ का प्रचार करना न तो सुसमाचार प्रचार करना होता है न ही एक सच्ची बेदारी होती है। प्रत्येक बेदारी वचन को लेकर चलती है।

बेदारी–वचन में एक नया अवसर

वि0 मे0 ब्र0 : 18–4 इसी कारण से प्रत्येक पीढ़ी की अपनी एक बेदारी होती है, यह वचन में एक अवसर होता है। (बोला गया वचन ही मूल बीज है 62–0318एम)

जब भी कभी बेदारी की ध्वजा तले कुपन्थों का प्रचार किया जाता है तो यह एक सच्ची बेदारी नहीं होती है। परन्तु फिर भी यह भविष्यद्धक्ता के दर्शन का पूरा होना है कि एक मनुष्य काले वस्त्र पहन कर,संसार में घूम रहा है और विरोध के बीज बो रहा है। यह एक धोखेबाज व्यक्ति है उसने उत्पत्ति में संदेशवाहक के लिए झूठ कहा। वह आज भी यही कर रह है, और यहाँ तक कि उसने भविष्यद्धक्ता संदेशवाहक की पत्नि के विषय में झूठ बोला, ताकि विरोध के बीज बोए जा सकें।

प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने कहा कि सुसमाचार का तब तक प्रचार नहीं किया जा सकता जब तक कि उसके पीछे चिन्ह और चमत्कार न हों। यदि तुम्हें निष्ठापूर्वक शिक्षित किया गया होता तब तुम्हें अवश्य पता होता कि तब तक तुम यह कार्य नहीं कर सकते हो जब तक इसके साथ चिन्ह और चमत्कार और यीशु के कार्य बल्कि उससे भी बढ़कर कार्य प्रभु के प्रकट किए गए पुत्रों में होते हुए तीसरे खिचाव की सेवकाई के द्वारा, जिनकी कि इस अन्त समय के लिए प्रतिज्ञा की गई है, न जुड़े हों। यह संसार को हिला देगा। तुम्हारी बेदारी क्या कर रही है?

बेदारी संसार को हिला देती है

वि0 मे0 ब्र0 : ई–3 ''परन्तु यदि सब फुल गॉस्पल लोग एक मन और आत्मा हो जाएं, तब एक ऐसी बेदारी होगी जो सम्पूर्ण विश्व को हिला देगी। और इसके होने के एक घन्टे के समय के भीतर ही सम्पूर्ण आत्मिक वरदान कलीसिया के मध्य प्रकट हो जाएंगे। प्रेरितों के द्वारा किए गए चिन्ह और चमत्कार हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्यो के सम्मुख बहुत छोटी बात हो जाएंगे, परन्तु यदि हम कलीसिया को एक कर पाए तब। इसे होना ही है। यह होगा। हो सकता है मेरे दृश्य पर से हट जाने के पश्चात।'' (प्रभु का दूत 48–0304)

ई–62 : ''मैं विश्वास करता हूँ कि जीवते प्रभु की कलीसिया एक ऐसे समय में जा रही है कि यह सम्पूर्ण संसार को हिला देगी..... वह अभिषेक जीवते प्रभु की समूची कलीसिया से आ टकराएगा, और वह प्रयाण को तत्पर एक बलशाली सेना की भाँति अपने पैरों पर खड़ी हो जाएगी। रोगी एक शब्द से चंगे हो जाएंगे ; अन्धें देखने लगेंगे ; बहरे सुनने लगेंगे ; मृतक जी उठेंगे ; और प्रभु की सामर्थ जीवते प्रभु की कलीसिया के द्वारा इस संसार को झकझोर कर रख देगी। हम अब इस प्रक्रिया में हैं। मैं विश्वास करता हूँ कि यह शीघ्र ही प्रभु की कलीसिया से टकराने जा रही है। मैं विश्वास करता हूँ कि यह बिलकुल इसी रीति से होगा, और यह एक बेदारी को आरम्भ कर देगा जो सम्पूर्ण संसार को हिला कर रख देगी।'' (इस पर्वत से कह 59–1123)

80 : ''अब, यह संसार एवं सृष्टि प्रभु के पुत्रों के प्रकट होने के लिए कराह एवं रो रही है, जब सच्चे पुत्र, नया जन्म पाए पुत्र, आत्मा से भरे पुत्र वचन बोलें और वह अस्तित्व में आ जाएगा।'' (लेपालकपन 60–0522ई)

कोसोरेक के कुपन्थ

स्वर्गारोहण, पुनुरुत्थान आरम्भ–पुनरागमन

कुपन्थीय लेखन संख्या 783–788

अध्याय बारह

2पतरस 2:1–19 और जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्धक्ता थे..... .....क्योंकि जो व्यक्ति जिस से हार गया है, वह उसका दास बन जाता है।

स्वर्गारोहण कुपन्थों का आधार–पुनरागमन–उपस्थिति

बहुत से कुपन्थों की जड़ ''पुनरागमन'' सिद्धान्त में है। पुनरागमन का सामान्य अर्थ ''मसीह की उपस्थिति'' है। यह शब्द एक साधारण शिक्षा को भेदपूर्ण, परम–आत्मिक और महत्वाकांक्षी मनुष्यों को ऊपर उठाने के लिए है। यह 1थिस्सलुनीकियों 4:16 से सम्बन्धित है : प्रभु पहले पुनुरुत्थान, देहों के परिवर्तन और स्वर्गारोहण से पहले ललकार, शब्द एवं तुरही के साथ स्वर्ग से नीचे उतरेगा।

यह भविष्यद्धक्ता के संदेश और लिखित संदेश में बिलकुल स्पष्ट है कि मोहरों के घटनाक्रम के समय स्वयं प्रभु स्वर्ग से नीचे उतरेगा, उसकी उपस्थिति उसकी चुनी हुई दुल्हन और मसीह की सेवकाई के साथ होगी जिसके पास वचन और मलाकी 4:5–6 के संदेश का प्रकाशन होगा। इस प्रकार, वे सब जो ''पुनरागमन'' को भेदपूर्ण रूप में प्रयोग करते है, वे मसीह की उपस्थिति के साथ पहचाने नहीं जाएंगे न ही मसीह अपनी उपस्थिति को उन लोगों के साथ पहचाने जाने देगा जो कुपन्थों का प्रचार करते हैं।

आत्मिक होने के लिए और प्रभु की उपस्थिति का अनुभव पानें के लिए यह आवश्यक नहीं है कि पुनरागमन शब्द का प्रयोग किया जाए। यदि संदेश के विश्वासी सत्य में बने रहें, प्रभु के प्रति ईमानदार एव्र निष्ठावान बने रहें, तो वे प्रभु की उपस्थिति का अनुभव पा सकते हैं। यदि वे निरन्तर अपने ह्रदयों को दीन बनाएं रखें, तो प्रभु उन्हें वह सब प्रदान करेगा जो आत्मा के आगामी उँडेले जाने और स्वर्गारोहण के लिए आवश्यक है।

संदेश के अधिकांश प्रचारक जो पुनरागमन का प्रचार करते हैं ने कभी प्रभु की उपस्थिति का अनुभव नहीं किया होता है। यह स्पष्ट है कि यदि एक मनुष्य कुपन्थों का प्रचार करता है, वह स्वतः ही स्वयं को प्रभु की उपस्थिति से अलग कर लेता है। कैन ने लहु के प्रकाशन को अस्वीकार कर दिया। और जब प्रभु ने उसकी भूल सुधारी तो वह अक्खड़, क्रोधी और अहंकारी हो गया, और वह प्रभु की उपस्थिति से बाहर निकल गया। इसी प्रकार, उसकी उपस्थिति भूमि पर अधिकार करने में अविश्वास के कारण मूसा के

नियंत्रण वाले इस्राएल से अलग हो गई। यह पवित्र आत्मा के आगामी उँडेले जाने का नमुना है।

पास्टर कोसोरेक ने अपनी पुनरागमन शिक्षाओं में स्वर्गारोहण से पहले की घटनाओं का आत्मिकीकरण कर दिया है। (पास्टर कोसोरेक की पुस्तक : ''पुनरागमन–मसीह की उपस्थिति''।) उसने पुनरागमन की वास्तविक शिक्षा के ऊपर एक कुपन्थ का प्रचार किया है, वह कहता है कि यह प्रभु का प्रकट होना है। प्रभु का प्रकट होना वि0 मे0 ब्र0 की सेवकाई में पूरा हो चुका है। यह चिन्हों चमत्कारों और आश्चर्यकर्मो के साथ हुआ था, जिन्होंने प्रभु के आगमन की उद्घोषणा की थी, और इसकी मन के विचारों को परखने के द्वारा भी पुष्टि की गई थी, यह बिलकुल ऐसा ही था जब प्रभु अब्राहम के सम्मुख प्रकट हुआ था। कोसोरेक ने आगे स्वर्गारोहण से पहले की घटनाओं को भी विकृत किया–पहला पुनुरुत्थान, देहों का परिवर्तन एवं स्वयं स्वर्गारोहण। वह शिक्षा दे रहा है कि प्रभु का प्रकटीकरण एक मनुष्य में हुआ है, परन्तु यह गुप्त रीति पर है एवं उस मनुष्य की पहचान के विषय में होठों को बन्द कर दिया गया है। यह कुपन्थ किसी भी कुपन्थ से बड़ा है जिसकी कि कल्पना की जा सकती हो।

1थिस्सलुनीकियों 4:16–17 क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा ; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और प्रभु की तुरही फूँकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

कु0 ले0 सं0 783 : स्वर्गारोहण एक प्रक्रिया है जो लूथर के समय आरम्भ हुई।

पास्टर कोसोरेक : ध्यान दें, भाई ब्रन्हम ने कहा कि एक जन दूसरे के लिए मार्ग तैयार करता है। उसने हमें स्वर्गारोहण संदेश में यह भी बताया कि स्वर्गारोहण एक प्रक्रिया है जो लूथर के काल में आरम्भ हुई, जोकि भूमि में से बीज के बाहर आने का प्रतिरूप था। ध्यान दें रोम के शासन में जो बीज रूपी कलीसिया, अल्फा कलीसिया को शहीद कर दिया गया और उस शहादत में बीज भूमि के अन्दर चला गया। (सर्वोत्तम कृति 72–2 जुलाई 2006 पास्टर ब्रायन कोसोरेक)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्वक्ता ने कहीं भी यह नहीं कहा कि स्वर्गारोहण एक प्रक्रिया है, और न ही यह लूथर या अन्य किसी काल, वर्ष या समय में आरम्भ हुआ। यह एक प्रक्रिया नही परन्तु कुछ घटनाओं का परिणाम है। सुधार का कार्य कभी भी स्वर्गारोहण नहीं हो सकता था। यहाँ तक यदि तुम एक नमुना बना रहे हो, तब भी यह सही नहीं बैठता है यह एक कुंद शिक्षा है। स्वर्गारोहण देहों के परिवर्तित होने के पश्चात है। लूथर की देह परिवर्तित नहीं हुई थी। और स्वर्गारोहण का जो रूप तुम प्रचार रहे हो वह एक कुपन्थ और वचन के साधारण लेखों को विकृत करना है। यह कैसे हुआ कि तुमने

यह कभी नही कहा कि स्वर्गारोहण प्रेरितों एवं आरम्भिक कलीसिया के साथ आरम्भ हुआ? उनके प्राण वचन और प्रभु की उपस्थिति के कारण सिद्ध थे। वे स्वर्गारोहण से बाल बराबर दूरी पर थे ; पर तौभी किसी व्यक्ति द्वारा यह कहना कि स्वर्गारोहण उनके समय में आरम्भ हो गया था, एक कुपन्थ होगा। यह दर्शाता है कि इस कुपन्थ में अविश्वास और नास्तिकता का निवेश किया गया है।

1थिस्स. 4:16 के पूरा होने तक स्वर्गारोहण नहीं हो सकता है। यह अन्त समय में घटित होता है, न कि लूथर या किसी और पूर्वकाल मैं। इस प्रकार, मसीह के पुनरागमन का तुम्हारा सिद्धान्त भ्रान्तिपूर्ण एवं कुपन्थीय है, और पुनरागमन के सच्चे प्रकाशन का विकृतिकरण है। रोमन कैथोलिक पुजारी लेटिन में बोल कर लोगों को धोखा देते हैं परन्तु तुम सम्पूर्ण विश्व में संदेश के विश्वासियों को छलने के लिए ग्रीक में बोलते हो। यदि स्वर्गारोहण लूथर के समय में आरम्भ हो गया तब ललकार, शब्द एवं तुरही उसके साथ ही आरम्भ हो गई। असम्भव! इसे मोहरों के खोले जाने के लिए रखा गया है। उन घटनाओं के पश्चात, उठाया जाना होगा।

कु0 ले0 सं0 784 : पुनुरुत्थान आरम्भ हो चुका है। हमारा आत्मिक रूप से पहले ही पुनुरुत्थान हो चुका है।

पास्टर कोसोरेक : .....प्रेरित पौलुस ने कहा, और ऐसा ही भाई ब्रन्हम ने भी सिखाया, कि हमारा आत्मिक रूप से पहले ही मृतकों में से पुनुरुत्थान हो चुका है। इसलिए ही हमें पहले मरना नहीं होगा। एक झुंड ऐसा है जो जीवित रहेगा, और हम जो प्रभु के पुनरागमन तक जीवित और बचे रहेंगे, तुरही फूँके जाने पर क्षण मात्र में, पलक झपकते ही बदल जाएंगे।

.....इस संध्या हम देह परिवर्तन की इस प्रक्रिया को देखने जा रहे हैं। हम जानते हैं कि वह बड़ा शब्द एक ललकार है, इस कारण से, मैं विश्वास करता हूँ कि पुनुरुत्थान पहले ही आरम्भ हो चुका है। यह एक प्रक्रिया है जोकि एक समयावधि में घटित होती है। जो जीवते हैं उनका आत्मिक पुनुरुत्थान या एक गहरी निद्रा से जागना हो चुका है, और तब वे जो कब्रों में सोए हुए हैं। परन्तु जो जीवते हैं वह पहिले जिलाए गए और तब मृतक जीवित हुए। (प्र0 एवं उ0 19–नया जन्म क्या है? भाग2 पास्टर ब्रायन कोसोरेक, सितम्बर 29. 2007)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह हुमिनयुस और फिलेतुस की शिक्षा से बहुत अलग नहीं है। उन्होंने प्रचार किया कि पुनुरुत्थान हो चुका है और तुम प्रचार करते हो कि यह आरम्भ हो गया है। यह कुपन्थ की वही आत्मा है। उनकी शिक्षा ने लोगों को एक नासूर(canker) की तरह खाया था और तुम्हारी वाली कैंसर की तरह खाएगी। वे भ्रान्त थे, तुम भी भ्रान्त हो। यह अशुद्ध बकवास और अभक्ति है।

2 तिमुथियुस 2:16–18 पर अशुद्ध बकवास से बचा रह ; क्योंकि ऐसे लोग और भी अभक्ति में बढ़ते जाएंगे। और उनका वचन सड़े घाव की नाईं फैलता जाएगा : हुमिनयुस

और फिलेतुस उन्हीं में से हैं। जो यह कहकर कि पुनुरुत्थान हो चुका है सत्य ***से भटक गए है, और कितनों के विश्वास को उलट–पुलट कर देते हैं।***

पहला पुनुरुत्थान आरम्भ नही हुआ है। तुम भविष्यद्धक्ता से ज्यादा आत्मिक हो। यदि ऐसा हुआ होता, तो वह मोहरो के खोले जाने के समय इसकी घोषणा कर देता। तुमने पौलुस के लिए झूठ बोला। यदि वह यहाँ होता, तो वह तुम्हें शैतान के हाथों में दे देता कि तुम सीख जाओ कि ईशनिन्दा नहीं करनी चाहिए। भाई ब्रन्हम ने ऐसे किसी वक्तव्य को प्रयोग नहीं किया है। तुमने पहले उसकी पत्नि के विषय में झूठ बोला, और अब अपने पुनरागमन कुपन्थ में तुम हर जगह उसके विषय में झूठ बोल रहे हो। भविष्यद्धक्ता ने कहीं भी 1थिस्स. 4:16 के पुनुरुत्थान का अध्यात्मीकरण नहीं किया है। वह मसीह के पुनरागमन के विषय में पुनरागमन के कुपन्थियों से कहीं ज्यादा जानता था, और उसने कभी भी ऐसा मूर्खतापूर्ण वक्तव्य नहीं दिया। यह संदेश के अनुयायिओं को भटकाने के लिए और उनके विश्वास को नाश करने के लिए शैतान के द्वारा रचा गया है। जैसे हुमिनयुस और फिलेतुस ने अपने समय के कुछ लोगों के विश्वास को गड़बड़ा दिया था।

और मैं भविष्यद्धक्ता के उस वक्तव्य से भली भाँति परिचित हूँ जिसमें उसने कहा कि ''हमारे पास हमारे पुनुरुत्थान की सम्भावनाएं हैं, जब मसीह जी उठा हम उसके साथ जी उठे, जब हमने पवित्र आत्मा प्राप्त किया हमारा पुनुरुत्थान हो गया और हम अभी स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं और उसके अन्दर हमारा पुनुरुत्थान हुआ है।'' हम उन चीजों का विश्वास और प्रचार करते हैं, और भाई ब्रन्हम यह बातें कहते समय बिलकुल सही थे। परन्तु यह बिलकुल अलग प्रकाश में है एवं प्राणो के पुनुरुत्थान से सम्बन्धित है। यह रोमियों 8:30 के अनुसार है जो यह कहता है कि हमें धर्मी ठहराया गया है और महिमा दी गई है।

वि0 मे0 ब्र0 : 22–1 आइये हम इस जिला उठाने वाली आत्मा के ऊपर ध्यान दें जो अन्य लोगों के ऊपर आई, जैसेकि पिन्तेकुस्त के दिन..... वे जानते थे कि वह मर गया था और फिर जी उठा..... परन्तु पिन्तेकुस्त के दिन, पवित्र आत्मा, सारे, विश्वासियों के ऊपर गिरा और उसने उन्हें मसीह के पुनुरुत्थान का एक अंश बना दिया.... पवित्र आत्मा आया और उसने यह पुष्टी की कि वे जिला उठाए जाएंगे, क्योंकि आंशिक रूप से उनका पुनुरुत्थान कायरों से वीर मनुष्य के रूप में परिवर्तित होने से हो गया था। (ईस्टर की छाप 65–0410)

19–1 : वही आत्मा जिसने मसीह को जिला उठाया, सच्चे विश्वासी को अनन्त जीवन के लिए जिला उठाती है। अब, स्मरण रखें कि यदि उसकी आत्मा.....(प्रभु, जोकि पवित्र आत्मा है).....जिसने यीशु को जिलाया, तुम में निवास करती है तो..... अब, यह बात है : यदि दूल्हे की आत्मा दुल्हन में निवास करती है। (सूर्य का उदित होना 65–0418एम)

भाई ब्रन्हम ने कभी भी इसे 1थिस्स. से नहीं जोड़ा क्योंकि वह उन चीजों का

प्रकटीकरण है जो पहले से ठहराई गई हैं। तुम्हें किसने इसे 1थिस्स. 4:16 से जोड़ने का अधिकार दिया है? तुम मुझे दिखाओ कि भविष्यद्धक्ता ने भी ऐसा किया है।

वचन का यह लेख देहों के पुनुरुत्थान के विषय में बता रहा है। तुमने अपने पुनरागमन द्वारा प्राणों के पुनुरुत्थान का अध्यात्मीकरण कर दिया है और कुपन्थपूर्ण तरीके से इसे देहों के पुनुरुत्थान पर लागू कर दिया है। भविष्यद्धक्ता ने इस रीति से 1थिस्स. 4:16 को प्रयोग नहीं किया, और न ही पौलुस ने। तब तुम कौन हो? निश्चित रूप से कम से कम प्रभु का प्रकटीकरण तो नहीं।

कु0 ले0 सं0 785 : पुनुरुत्थान का शब्द सोई हुई दुल्हन को जगाता है।

पास्टर कोसोरेक : ....ललकार पहले ही हो चुकी है। प्रभु पहले ही ललकार के साथ उतर चुका है। और वह ललकार एक संदेश है जो उसके लागों को बड़ी शीघ्रता से एकत्र कर रहा है। तब दूसरी चीज शब्द है जोकि यदि आपको स्मरण हो तो यीशु मसीह की अल्फा सेवकाई में, जब वह बड़े शब्द से चिल्लाया, तो कब्रें खुल गईं और यीशु के पुनुरुत्थान के पश्चात बहुत से सोए हुए संत उनमें से बाहर निकल आए। इस प्रकार शब्द, ललकार के साथ शब्द सोई हुई दुल्हन को जगाने के लिए है जैसा कि हमने मत्ती 25 में भी देखा कि बुद्धिमान कुँवारी अपनी नींद से जाग गई।

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पास्टर, वचन से और संदेश से तुम यह प्रमाणित नहीं कर सकते कि छुटकारे के शब्द ने सोई हुई दुल्हन को जगाया। यह एक चिल्लाहट थी जिसने कुँवारियों को जगा दिया। भविष्यद्धक्ता ने इसे ललकार कहा और वह उसका संदेश था।

वि0 मे0 ब्र0 : 141 जब उसने स्वर्ग से नीचे उतरना शुरु किया तो जो पहली चीज आई वह थी एक ललकार। वह क्या थी? वह लोगों को एकत्र करने के लिए एक संदेश था। पहले एक संदेश आता है। अब, ''मशालों को सही करने का समय, जागो और अपनी मशालों की बत्तियाँ सही कर लो।'' वह कौन सा पहर था? सातवां न की छठा। ''देखो दूल्हा आता है। उठो और अपनी मशालें सही कर लो।'' और उन्होंने ऐसा ही किया। उनमें से कुछ ने पाया कि उनकी मशालों में तेल नहीं है। देखा? परन्तु यह मशालों को सही करने का समय है। यह मलाकी 4 का समय है जब तुम..... यह लूका 17 है। (स्वर्गारोहण 65–1204)

यदि यह होता है, तो इसका अर्थ है कि मूर्ख कुँवारियाँ स्वर्गारोहण में जा रही हैं, क्योंकि तुम्हारी शिक्षा के अनुसार कि बुद्धिमान कुँवारियों की भाँति उनमें भी प्रथम पुनुरुत्थान आरम्भ होगा। अतः अब, तुम्हारा सिद्धान्त कहाँ गया? यह गलत, अर्थहीन, वचन विरुद्ध और संदेश पर आधारित नहीं है। जो भी पुनुरुत्थान के शब्द को सुनता है वह भेड़, दुल्हन का सदस्य है और वह स्वर्गारोहण में जाएगा, क्योंकि यह शब्द उनके प्राणों का रुपान्तरण कर उन्हें नया जन्म प्रदान करता है। मूर्ख कुँवारियाँ न तो नया जन्म प्राप्त दुल्हन

की सदस्य और न ही पवित्र आत्मा के द्वारा बपतिस्मा पाए थीं, अतः वे स्वर्गारोहण में शामिल होने से चूक गई। यह पुनरागमन के नाम से एक और मूर्खता है वचन से जिसका समर्थन नहीं किया जा सकता।

समरूप कुपन्थ

कु0 ले0 सं0 786 : स्वर्गारोहण के भिन्न स्तर हैं। स्वर्गारोहण के तीन स्तर ललकार, शब्द और तुरही हैं।

पास्टर कोसोरेक : आप जानते ही हैं कि हमने अपने परिवर्तन को ललकार, शब्द और तुरही के अन्तर्गत प्राप्त किया है जो कि स्वर्गारोहण के तीन स्तर हैं। (मसीह अपने वचन में प्रकट हुआ है–111, यह मलिकिसिदक कौन है–1 18जून 1997)

.....प्रभु स्वर्ग से उतरता है और वह अपने आगे एक ललकार को भेजेगा। वह स्वर्गारोहण का प्रथम चरण है। (प्रभु द्वारा प्रदत प्रार्थना का एक मात्र स्थान 15अक्टूबर 1995)

.....अब, हम जानते हैं कि स्वर्गारोहण कि प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है क्योंकि एक प्रमाणित भविष्यद्धक्ता ने हमें यह बताया है कि प्रभु ने अपने नीचे उतरने में तीन चीजें करी, एक ललकार, एक शब्द एवं एक तुरही। और उसने हमें बताया कि यह ललकार संदेश है. .... दूसरी चीज शब्द है जिसे उन्होंने पुनुरुत्थान कहा, वही शब्द जिसने लाजर को कब्र में से जीवित कर दिया था। और वह प्रभु के पुत्र का शब्द नहीं था परन्तु पुत्र में निवास करने वाले प्रभु का शब्द था। उसने कहा लाजर बाहर आ और वह आ गया।

अन्तिम चीज तुरही है जो कि उठाया जाना है। और यही है जो हमें यहाँ से ले जाएगा। अतः यहाँ पर स्वर्गारोहण के तीन चरणों में समय मूल घटक है। (प्र0 एवं उ0 सं0 14 अगस्त 19 2007 पास्टर ब्रायन कोसोरेक)

डा0 ली वेले : .....और सातवीं मोहर जिसे सार्वजनिक रूप से तोड़ा जाना था। वह एक तीन तही रीति पर थी। अब आप मुझे बताएं कि क्या स्वर्गारोण एक तीन तही रीति पर नहीं है।

"अब, मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे इतनी समीप तुलना करने का अधिकार **है कि नहीं, परन्तु मैं जानने की रुचि रखता हूँ।**" **मैं जानने में रुचि** रखता हूँ , कि क्या यह 4 दिसम्बर 1965 नहीं था जबकि सातवीं मोहर को सार्वजनिक रूप से तोड़ा गया था। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन सातवीं मोहर का भाग था। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पास्टर कोसोरेक एवं डा0 वेले के उपरोक्त वक्तव्यों से, उनके कुपन्थ एक से हैं। डा0 वेले के इस कुपन्थ का खुलासा "कु0 ले0 सं0 758, पृ0 115 : स्वर्गारोहण तीन तही रीति पर है" में किया गया है। प्रभु का आगमन तीन तही रीति पर है, परन्तु स्वर्गारोहण तीन तही रीति पर नहीं है। और यह तथ्य कि ललकार के तहत हमने अपने परिवर्तन को प्राप्त नहीं किया है का कारण भी यही है। यहाँ दोबारा से परिवर्तित देह का अर्थ प्राण बता कर तुम इसका झूठा अध्यात्मीकरण कर रहे हो। उस ललकार ने प्राण को परिवर्तित नहीं किया। यह प्रभु के आगमन को उद्घोषित करने वाली चिल्लाहट थी। मसीह का शब्द भेड़ों के प्राण को मसीह के एक प्रकाशन के द्वारा परिवर्तित करता है, संत यूहन्ना 10.। भविष्यद्धक्ता ने कहा कि स्वर्गारोहण एक प्रकाशन है। हमें निश्चित रूप से पता है कि प्रकाशन न तो पास्टर कोसोरेक और नही डा0 वेले को दिया गया है, क्योंकि यह गर्जनों में बन्द है जोकि स्वर्गारोहण के विश्वास को पैदा करता है। और गर्जन उन दोनों में से किसी पर प्रकट नहीं किए गए हैं। डा0 वेले के सुझाव गलत हैं। पास्टर कोसोरेक के कुपन्थ डा0 वेले के सुझावों पर आधारित है।

स्वर्गारोहण एक प्रकाशन है–दुल्हन इसकी प्रतीक्षा कर रही है

वि0 मे0 ब्र0 : 65 परन्तु कलीसिया, दुल्हन के लिए स्वर्गारोहण एक प्रकाशन है। मसीह की सच्ची दुल्हन स्वर्गारोहण के प्रकाशन की प्रतीक्षा कर रही है। (स्वर्गारोहण 65–1204)

सात गर्जन–स्वर्गारोहण का विश्वास

128–2 (75) : और तब वे सात भेदपूर्ण गर्जन आते हैं जिनको लिखा तक नहीं गया है। यह सही है। और मैं विश्वास करता हूँ कि दुल्हन को स्वर्गारोहण के विश्वास में एकत्रित करने के लिए अन्तिम दिनों में सात गर्जनों को प्रकट किया जाएगा ; क्योंकि इस समय जो हमारे पास है, इससे हम वह करने में समर्थ नही होंगे। हमारे पास दिव्य चंगाई तक के लिए पर्याप्त विश्वास नहीं है, अतः यहाँ कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे कि हम अपने कदमों को आगे बढ़ा सकें। हमें क्षण मात्र में बदल जाने के लिए एवं इस धरती से उठा लिए जाने के लिए हमारे पास पर्याप्त विश्वास होना चाहिए। (पहली मोहर 63–0318)

कोई भी उस सुझावात्मक रीति का अवलोकन कर सकता है जिसमें डा0 वेले ने स्वर्गारोहण के तीन स्तरों में होने की घोर भ्रान्ति को प्रस्तुत किया है। पास्टर कोसोरेक ने इसी कुपन्थ के विषय में बड़े सकारात्मक एवं निश्चयपूर्वक ढंग से बातें की हैं। यह दर्शाता है कि अपनी पुनरागमन शिक्षा को विकृत करने में वह कितना ज्यादा छला गया है। यदि डा0 वेले अपनी वृद्धावस्था के कारण पहले जैसे सतर्क नहीं रह गए हैं, तब मैं सोचता हूँ कि पास्टर कोसोरेक जैसे एक स्वस्थ, सामर्थी मनुष्य को डा0 वेले की सहायता करनी चाहिए, न कि उसके सुझावों को आधारभूत शिक्षाओं में परिवर्तित करके संसार में हजारों लोगों को छलना चाहिए। क्या उसके पास डा0 वेले के सुझावों का सार्वजनिक रूप से

विज्ञापन करने की अनुमति है? मुझे संदेह है।

डा0 ली वेले : .....और सातवीं मोहर जिसे सार्वजनिक रूप से तोड़ा जाना था। वह एक तीन तही रीति पर थी। अब आप मुझे बताएं कि क्या स्वर्गारोण एक तीन तही रीति पर नहीं है।

''अब, मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे इतनी समीप तुलना करने का अधिकार है कि नहीं, परन्तु मैं जानने की रुचि रखता हूँ।'' मैं जानने में रुचि रखता हूँ , कि क्या यह 4 दिसम्बर 1965 नहीं था जबकि सातवीं मोहर को सार्वजनिक रूप से तोड़ा गया था। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन सातवीं मोहर का भाग था। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : नहीं भाई वेले, स्वर्गारोहण तीन तही रीति पर नहीं है, तुम्हारे पास इसे सातवीं मोहर के तीन तहों से तुलना करने का कोई अधिकार नहीं है। वचन का कोई भी लेख या उद्धरण ऐसा नहीं कहता है। यह संदेश को विकृत करना है। प्रभु का आगमन तीन चरणों में है, सातवीं मोहर तीन तही रीति पर है, परन्तु स्वर्गारोहण नहीं। हम उससे हवा में मिलने के लिए उठाए जाएंगे, अवधि! वचन के अन्य लेख स्वर्गारोहण अर्थात उठाए जाने से पहले पूरे हो जाएंगे, परन्तु इनको स्वर्गारोहण के स्तर नहीं कहा जा सकता।

यदि हमें सातवीं मोहर को जानने के विषय में रुचि है तो हमें भविष्यद्धक्ता के निर्देशों का पालन करना होगा। उसने कहा सातवीं मोहर को लेकर कोई वाद निर्मित न करें, जाओ और एक मसीही जीवन जीओ, दीन बनों ; किसी चीज का अनुवाद न करो, साधारण संदेश के साथ बने रहो ; और यदि प्रभु कुछ भेजेगा तो हम उसे जान जाएंगे। तुम्हारे सुझाव एक''वाद'' हैं। आओ हम भविष्यद्धक्ता के कहे अनुसार करें। भाई कोसोरेक अपने ह्रदय को दीन करो, सात गर्जनों पर किसी वाद का निमार्ण न करो।

किसी ''वाद'' का निर्माण न करो

वि0 मे0 ब्र0 : 577–1 (400) और अब यदि यह टेप कहीं किन्हीं लोगों के हाथों में गया, तो इसके द्वारा किसी प्रकार के ''वाद'' को निर्मित करने का प्रयत्न न करें। केवल आप यह करें कि आप प्रभु की सेवा करना जारी रखें, क्योंकि यह महान भेद इतना महान है कि प्रभु ने इसे यूहन्ना को लिखने नहीं दिया। यह गर्जनाओं के साथ आया, परन्तु प्रभु ने हमसे प्रतिज्ञा की है कि इसे खोल दिया जाएगा। परन्तु इस समय तक यह खुला नहीं है। (सातवीं मोहर 63–0324ई)

459–5 (16) :परन्तु यदि कलीसिया को यह चीजें नहीं जाननी चाहिए,अतः किसी चीज का अनुवाद न करो। देखा? आप केवल वह स्मरण रखें जो आपको बताया गया है

एक मसीही जीवन जीओ। अपनी कलीसिया को जाओ, और जहाँ भी रहो एक सच्ची ज्योति बन कर रहो, और केवल मसीह के लिए जलो, और लोगों को बता दो कि तुम उससे कितना प्रेम करते हो। और अपनी गवाही को लोगों के साथ हर समय प्रेम करने वाली बनाओ।

प्रत्येक समय जब भी तुमने यह करने का प्रयत्न किया है, तुम कुछ और कर बैठे हो। अतः कोई अनुवाद करने का प्रयत्न न करो। और विशेषकर आज रात्रि जबकि वह मोहर आप के सम्मुख लाई गयी है, इसका अनुवाद करने का प्रयत्न न करो। दीन बनो और उसी साधारण संदेश के साथ बने रहो। अब तुम कहोगे, ''भाई ब्रन्हम, जीवते प्रभु की कलीसिया होने के नाते, क्या हमें.....'' नहीं..... स्मरण रखो, मैं यह तुम्हारे भले के लिए कह रहा हूँ। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ कि तुम समझ जाओ। यदि तुम मुझ पर विश्वास करते हो, जो मैंने कहा है सुनो। (मोहरों पर प्र0 एवं उ0 63–0324एम)

कु0 ले0 सं0 787 : स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है।

पास्टर कोसोरेक : वह एक ललकार के साथ उतरेगा। यह पहला चरण है। (प्रभु द्वारा प्रदत आराधना का स्थान–86, परिपूर्णता। ब्रायन कोसोरेक, अक्टूबर 15. 1995)

डा0 ली वेले : और उसने स्वर्गदूतों के बादल को बिलकुल आग के खम्भे के साथ रखा जो हयूस्टन में दिखाई दिया–कहा, ''वही चीज''–पवित्र आत्मा के साथ मूर्त रूप में सात बली संदेशवाहक जो सात मोहरों, एवं सातवीं मोहर जिसे लोगों के मध्य तोड़ा जाना था, की रूपरेखा के साथ आए। वह एक तीन तही रीति पर था। अब आप मुझे बताएं कि स्वर्गारोहण तीन तही रीति पर है या नहीं।

''अब, मैं नहीं जानता हूँ कि मुझे इतनी समीप तुलना करने का अधिकार है कि नहीं, परन्तु मैं जानने की रुचि रखता हूँ।'' मैं जानने में रुचि रखता हूँ , कि क्या यह 4 दिसम्बर 1965 नहीं था जबकि सातवीं मोहर को सार्वजनिक रूप से तोड़ा गया था। कम से कम स्वर्गारोहण का जबरदस्त प्रकाशन सातवीं मोहर का भाग था। (ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–3)

ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–4 अनु.50 हम कब्रों से मृतकों के निकल आने के अर्थ में स्वर्गारोहण में नहीं है। हम एक स्थान में स्वर्गारोहण में हैं जो जीवतों के लिए है।

ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–11 अनु.60 मैं आपको कुछ बताना चाहता हू,, या तो यह सत्य है, या इसे भूल जाएं। या तो भविष्यद्धक्ता ने हमें सत्य बताया है और यह पहला चरण है, मोहरें संदेश हैं, और यह चोटी का पत्थर है, अब यदि यह कोई और बात है, तो मैं नहीं जानता हूँ कि उसने क्या कहा है।

ली वेले स्वर्गारोहण स्वर्गारोहण–7 मैं दोबारा आपको बताना चाहता हूँ : जहाँ तक

मैं समझता हूँ , स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका है। लोग जो चाहें वह कर सकते हैं। तुम कहते हो, "वे तुम पर हँसने जा रहे हैं।" वे तुम से लड़ने जा रहे हैं। मुझे उनकी क्या परवाह है?

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह दर्शाता है कि पास्टर कोसोरेक कितनी निष्ठापूर्वक शिक्षित किए गए हैं। यह डा0 वेले के कुपन्थों की अनुकृति है। स्वर्गारोहण अभी आरम्भ नहीं हुआ है। इसे होने में एक समयावधि नहीं लगेगी। स्वर्गारोहण एक उठाया जाना है जोकि मसीह के आगमन के परिणाम स्वरूप घटित होगा।

यहाँ तक कि स्वर्गारोहण भविष्यद्वक्ता की मृत्यु के समय तक भी आरम्भ नहीं हुआ था। उसने 1965 में कहा कि दुल्हन स्वर्गारोहण के प्रकाशन की प्रतीक्षा करेगी। डा0 वेले ने कहा कि भविष्यद्वक्ता के जीवित रहते ही स्वर्गारोहण आरम्भ हो चुका था। हमें किसका विश्वास करना चाहिए? भविष्यद्वक्ता ने ऐसी शिक्षा का प्रचार कभी नहीं किया। तुम उससे ज्यादा आत्मिक नहीं हो। तुम वचन को विकृत कर रहे हो। इससे पहले कि दुल्हन उठाई जाये उसकी देह का परिवर्तन होना है। यह प्रभु की व्यवस्था है। अब यदि तुम में थोड़ा भी प्रकाश है तो मैं माँग करता हूँ, कि तुम मुझे दिखाओ कि देहों के परिवर्तन जोकि एक क्षण मात्र में होने वाली घटना है, से पूर्व स्वर्गारोहण, किस प्रकार आरम्भ हो सकता है। मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूँ कि तुम यह नहीं समझते हो कि देहों का परिवर्तन स्वर्गारोहण से भिन्न है। अपने पुनरागमन की बकवास से अलग हट कर तुम प्रभु के वचन के पास आ जाओ। तुम लोगों को छल रहे हो। भविष्यद्वक्ता ने अपने संदेशों में इस मूर्खतापूर्ण शिक्षा का संकेत तक नहीं दिया है। तुम किसी को भी यह नहीं दिखा सकते हो कि स्वर्गारोहण आरम्भ हो गया है। इसके स्थान पर नए जन्म और बपतिस्में के द्वारा प्राणों के परिवर्तन को प्रयोग करना गलत है। तुम 1 थिस्स. 4:16 के अपने गलत अनुवाद के द्वारा वचन को गलत संदर्भ में प्रयोग कर रहे हो।

स्वर्गारोहण का प्रकाशन जिसका दुल्हन प्रतीक्षा कर रही है, सात गर्जनों में बन्द है, क्योंकि गर्जन स्वर्गारोहण का विश्वास उत्पन्न करने के लिए हैं।

कु0 ले0 सं0 788 : करुणा के द्वार अभी तक खुले हैं..... जब मोहरें खुलीं तो यीशु अपने पिता के सिंहासन पर बैठ गया और अभी तक वह हमारे पश्चातापों के लिए बिचवई का कार्य कर रहा है।

पास्टर कोसोरेक : .....वे विश्वास करते हैं कि यीशु प्रभु के सिंहासन से आया और उसने पुस्तक ली और उसे लेकर नीचे उतर आया, परन्तु यह ऐसे नहीं हुआ था। यह मेमना नहीं था जो खुली हुई पुस्तक लेकर नीचे आया। यह प्रभु था। यहाँ क्या हुआ था कि मेमना प्रभु के सम्मुख खड़ा था, और वह पुस्तक को खोलने के लिए आगे आया, और तब वह उस पुस्तक को अपने पिता को देता है जोकि प्रभु के सिंहासन पर बैठा हुआ है। तब जबकि प्रभु अपने सिंहासन से उतर कर धरती पर आता है। यह 1थिस्स. 4:13–18 एवं प्रका0 10:1–7 में है। इस समय जबकि पिता नीचे आता है, मेमना पिता के सिंहासन पर बैठ गया, जोकि प्रभु का सिंहासन है, और वह वहाँ तब तक रहेगा जब तक प्रभु कार्य को पूरा न कर दे।

.....अतः आपने देखा कि उसने इस पुस्तक को खोल कर अपने पिता के हाथों में दे दिया तब पिता अपने सिंहासन से उतर आया और मेमना पिता के सिंहासन पर बैठ गया जबकि प्रभु स्वयं धरती पर उतरा कि सब चीजों को अपने पुत्र के पांवों तले कर दे। (सर्वोत्तम कृति 120 वह अभी तक करुणा के सिंहासन पर है अप्रैल 1, 2007 ब्रायन कोसोरेक)

पास्टर कोसोरेक : ध्यान दें कि करुणा के द्वार अभी तक खुले हुए हैं। इस प्रकार जब मोहरें खुलीं तो यीशु ने अपने करुणा के कार्य को समाप्त नहीं कर दिया। वह अपने पिता के करुणा के सिंहासन पर बैठ गया। और अभी तक हमारे पश्चातापों के बिचवई का कार्य कर रहा है। (यीशु के दृष्टान्त सं0 15 करुणा और न्याय का सिंहासन जनवरी 4, 2004 ब्रायन कोसोरेक)

डा0 ली वेले : परन्तु, इसे मुझे आपको तथ्यात्मक रूप से कहने दें; पुत्र सिंहासन के पीछे अनुग्रह स्थल (Mercy Seat)पर था। और जब वह जो सिंहासन पर था, अर्थात स्वयं सर्वशक्तिमान प्रभु जिसके सिर पर मेघ धनुष था, के हाथ की पुस्तक को खोलने के लिए पुकार लगाई गई, तब यह मेमना था जो आया और उसने उसके जोकि सिंहासन पर बैठा था के हाथ से पुस्तक को ले लिया, (यहाँ पर दो लोग हैं) और उसने पुस्तक को खोला, मोहरों को खोला, और वापस उसके जोकि सिंहासन पर था, के हाथ में दे दिया। और भविष्यद्वक्ता ने प्रकाशन के द्वारा हमें बताय कि जो सिंहासन पर था वह यहाँ नीचे उतर आया, और पुत्र सिंहासन पर बैठ गया। (ली वेले, ईश्वरत्व–8 प्र0 एवं उ0 प्रभु अपने वचन में है, मार्च 5, 2007)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : डा0 वेले और पास्टर कोसोरेक इस कुपन्थ के ऊपर सहमत हैं। इसका समर्थन करने के लिए वचन का कोई भी लेख या उद्धरण नहीं है। मैं उन दोनों को इस कुपन्थ को प्रमाणित करने की चुनौती देता हूँ। हाँ, यह सत्य है कि करुणा का द्वार अभी तक खुला हुआ है परन्तु उन्होंने जो इसका अनुवाद किया है वह गलत है।

यह कुपन्थ इस तथ्य को उचित ठहराना चाहता है कि यीशु के प्रायश्चित का लहू पापियों के लिए अभी तक प्रभावी है, यह इसको आधार बनाना चाहता है कि लहूलुहान मेमना 1963 से प्रभु के खाली सिंहासन पर उसके मध्यस्थता के कार्य को करने के लिए बैठा हुआ है। इसी कुपन्थ का एक और संस्करण यह कहता है कि सात मोहरों को खोलने के पश्चात वह अपने मध्यस्थता के कार्य को करने के लिए वापस अपने अनुग्रह स्थल पर चला गया।

यह कुपन्थ कह रहा है कि मेमने ने अपने अनुग्रह स्थल को छोड़ा, पुस्तक को लिया,

मोहरों को खोला, और उसी समय, वह जो सिंहासन पर बैठा था 1थिस्स. 4:16 के अनुसार स्वर्ग से धरती पर उतर आया, और तब मेमना प्रभु के सिंहासन पर बैठ गया, और हमारे लिए बिचवई का कार्य करने लगा।

यह कुपन्थ प्रायश्चित एवं पुराने एवं नये नियम के लेखों में समान रूप से प्रलेखित इसकी साधारण योजना के विषय में घोर अज्ञानता को प्रदर्शित करता है। प्रभु के पास उसके मन्दिर में केवल एक ही ऐसा स्थान है जहाँ पापियों के छुटकारे के लिए प्रायश्चित का लहू स्वीकार किया जाता है, और वह परम पवित्र स्थान में दूसरे पर्दे के पीछे का अनुग्रह स्थल या प्रायश्चित का ढक्कन है। पुराने नियम के मन्दिर का नमूना स्वर्ग के मन्दिर के नमूने से लिया गया है। मसीह यीशु अर्थात् मेमना एक बार स्वर्गीय मन्दिर के परम पवित्र स्थान में दाखिल हुआ और उसने पापियों के छुटकारे के लिए स्वयं अपना लहू अनुग्रह स्थल अर्थात् प्रायश्चित के ढक्कन पर चढ़ाया। यदि मसीह मध्यस्था हेतु दो बार वहाँ प्रवेश करता है तब वह मलिकिसिदक याजक नहीं बल्कि घटकर हारून महायाजक हो जाता है। इस प्रकार यह कुपन्थ एक झूठ है जो महान मलिकिसिदक के अनन्त जीवन के याजकपन को कम करके आंकता है।

इब्रानियों 9:12 और बकरों और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लहू के द्वारा एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया।

केवल स्वर्ग में ही एक मात्र स्थान है जहाँ मसीह के लहू के द्वारा मध्यस्था हो सकती है। (इब्रानियों अध्याय 8 एवं 9) इस प्रकार मैं कह सकता हूँ कि इस कुपन्थ का वचन या संदेश में कोई आधार नहीं है। इसने पुराने यहूदी मन्दिर के समस्त प्रकारों एवं प्रतिछायाओं जो मूसा द्वारा प्रभु की आज्ञाओं के द्वारा तय किए गए थे को तोड़ दिया है। यह सम्पूर्ण रूप से इब्रानियों की पुस्तक में प्रेरित पौलुस के प्रकाशन का निरादर करता है जहाँ उसने स्वर्गीय मन्दिर और परम पवित्र स्थान की शिक्षा दी है जहाँ यीशु ने मलिकिसिदक की रीति पर महायाजक के रूप में अपने मध्यस्था के कार्यो को करने के लिए प्रवेश किया।

वचन का कोई भी लेख और न ही भाई ब्रन्हम का उद्धरण यह प्रमाणित करता है कि सात मोहरों की पुस्तक को खोलने के पश्चात मेमना प्रभु के न्याय के सिंहासन पर बैठ गया।

इस कुपन्थ के विपरीत भाई ब्रन्हम ने यह सिखाया कि जब मेमने ने पुस्तक ली और मोहरों को खोला तो उसके लिए यह समय मोल चुकाए हुओं अर्थात् चुनी हुई दुल्हन का दावा करने का था। क्योकि उसके बिचवई के कार्य करने का समय समाप्त हो गया था।

वि0 मे0 ब्र0 : ''यूहन्ना ने पहले कभी मेमने पर ध्यान नहीं दिया। क्यों? क्योंकि वह वहाँ पीछे अपना मध्यस्थता का कार्य कर रहा था, क्योंकि वह लोगों के लिए बिचवई का कार्य करते करते लहूलुहान था क्योंकि इस जगत की नींव रखे जाने से पहले जितनों के नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिख दिए गए उनमें से प्रत्येक प्राण भीतर प्रवेश कर

ले। अतः तब जब अन्तिम प्राण भी भीतर प्रवेश कर गया, तब छुटकारे का समय समाप्त हो गया। तब मेमना अपने उस अधिकार को जिसका उसने छुटकारा किया था दावा करने के लिए आगे आता है।'' (मोहरें 233–234)

वि0 मे0 ब्र0 : ''वध होने के पश्चात मेमना दोबारा जीवित हो गया और वह सिंहासन पर बैठा था और सिंहासन के पीछे वह उन सब प्राणों के लिए मध्यस्थता कर रहा था जिनको अभी भीतर प्रवेश करना था। तब जब अन्तिम प्राण भी आ गया तब यह कार्य पूर्ण हो गया, प्रभु अभी भी छुटकारे की पुस्तक को थामे हुए था।'' (मोहरें पृ0 234)

प्रकाशित वाक्य अध्याय 4–न्याय का सिंहासन

वि0 मे0 ब्र0 : ''आइये हम कुछ समय के लिए इस सिंहासन की बात करें। यह करुणा का सिंहासन नहीं था, करुणा का सिंहासन समाप्त हो चुका है। अब और करुणा शेष नहीं बची, अब यह करुणा रहित है..... जब श्वेत सिंहासन का न्याय हो रहा हो तो करुणा कहाँ होगी? करुणा का एक छोटा सा कण भी नहीं दिया जाएगा। न्याय के सिंहासन के सम्मुख आप दया के लिए तब तक चिल्ला सकते हैं जब तक कि आप से और न चिल्लाया जाए, क्योंकि अब वहाँ करुणा है ही नहीं।'' (प्रका0 अध्याय 4, भाग 3–करुणा एवं न्याय का सिंहासन, 61–0108, अनु.91)

वि0 मे0 ब्र0 : ''मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि अब यह अनुग्रह का सिंहासन नहीं था..... लहू वहाँ से हटा लिया गया था..... प्रायश्चित के ढक्कन पर अब और लहू नहीं था। और अब यह एक न्याय स्थल बन गया था क्योंकि इससे से गर्जनों की और बिजली कड़कने की आवाजें निकल रहीं थी। क्या यह सही है?'' (पृ 662–प्रका0 अध्याय 4,भाग 2, 24 प्राचीन, 61–0101, अनु. 207)

यह निन्दा योग्य कुपन्थ कह रहा है कि मेमना अपना मध्यस्थता का कार्य प्रभु के सिंहासन पर जारी रखे हुए है, जोकि एक न्याय सिंहासन है। वचन प्रभु के मन्दिर में केवल एक स्थान के विषय में बताता है ; जोकि अनुग्रह का स्थल अथवा प्रायश्चित का ढक्कन है और परम पवित्र स्थान में है। इस प्रकार प्रभु का सिंहासन (प्रका0 4) बिचवई के कार्य का स्थान नहीं है। मोहरों के घटनाक्रम के समय यह न्याय का सिंहासन है। प्रभु इसे करुणा के सिंहासन में परिवर्तित नहीं कर सकता था। घायल मेमना बली स्थल से हट गया था। पास्टर कोसोरेक को भविष्यद्धक्ता द्वारा दी गई शिक्षा का बिलकुल भी ज्ञान नहीं है जो पापियों के लिए अभी भी उद्धार प्राप्त करने के विषय और 1964 में यीशु के प्रभु के दाहिनी ओर बैठ कर मध्यस्थता का कार्य करने के विषय मे है। और इसकी तुलना में वह यह कहता है कि जब मोहरें खुल गईं तब बिचवई का कार्य पूरा होने के पश्चात मेमने ने पुस्तक को ले लिया। मोहरें 1963 में खुलीं, तब इस कुपन्थ का अविष्कार हुआ। अपने हृदय को दीन किए बिना वह इसे कभी भी नहीं समझ पाएगा। यह पुनरागमन का एक और कुपन्थ है जो यह दावा करता है कि मेमना बिचवई का कार्य करने के लिए न्याय सिंहासन पर बैठ

गया, जबकि प्रभु चुनों को बचा रहा था।

बिचवई का कार्य सिंहासन के पीछे होता है

कुछ समाप्त होने के पश्चात, उसके बिचवई का कार्य पूरा होने के पश्चात, वह आगे आता है, और प्रभु के हाथों से उस पुस्तक को ले लेता है।'' (मोहरें, 63–0320, पृ0 234)

मसीह 1964 में मध्यस्थता के कार्य को कर रहा है

''वह आज रात्रि प्रभु के दाहिनी ओर बैठा हुआ अपना मध्यस्थता का कार्य कर रहा है। और जब छुटकारा पाए हुए अन्तिम प्राण का भी उद्धार हो जाएगा, जिसे प्रभु ने जगत की नींव रखे जाने से पहले ही देख और जान लिया था, जब अन्तिम प्राण बचा लिया जाएगा, पुस्तक बन्द हो जाएगी।'' Christ is identified the same, 64-0415, par E-5.

मैं विश्वास करता हूँ कि करुणा के द्वार अभी तक खुले हुए हैं जब तक कि अन्तिम प्राण का भी उद्धार न हो जाए जैसा कि भविष्यद्वक्ता ने ऊपर बताया भी है, परन्तु यह विश्वास न करें कि वह प्रभु के न्याय सिंहासन पर बैठकर उन प्राणों के लिए मध्यस्थता कर रहा है। यह एक कुपन्थ है और उद्धार की योजना का घोर विकृतिकरण है।

कोसोरेक के कुपन्थ–ईश्वरत्व

कुपन्थीय लेखन संख्या 789–794

अध्याय तेरह

परिचय

पास्टर कोसोरेक ने 1994 में ''ईश्वरत्व'' के नाम से एक पुस्तिका प्रकाशित की। हमारे संज्ञान में उसकी सामग्री वर्ष 2000 के पश्चात लाई गई। इस पुस्तक के सघन अध्ययन के पश्चात, बहुत से कुपन्थों की पहचान की गई। उस समय तक वह नि0 कु0 का खु0 का एक नियमित अंशदाता बन चुका था एवं वह उन में से एक था जिन्होंने एक विनम्र मनोवृति का परिचय दिया था। उसके साथ मेरे अच्छे वार्ता सम्बन्ध होने के कारण एवं संसार के विभिन्न भागों में फैले कुपन्थों पर हमारे मध्य होने वाले विचार विमर्श के कारण मैं उसे एक मित्र, भाई और संदेश का सेवक समझता था। डा0 वेले के साथ उसके सम्पर्को को जानते हुए, मैं उसका और भी ज्यादा आदर करता था क्योंकि डा0 वेले ने क0 काल पुस्तक में अन्तःक्षेपित की गई भ्रान्तियों पर हमारे एक सम्पादक के साथ वार्तालाप में एक विनम्र मनोवृति एवं निष्कपट टिप्पणियों को प्रदर्शित किया था। जब मैंने पास्टर कोसोरेक के ईश्वरत्व सम्बन्धी कुपन्थों का खुलासा किया जोकि मुझे अन्य कुपन्थों के साथ 2003 में भेजी गई थी, तो मैं सतर्क था कि पास्टर कोसोरेक की पहचान उन कुपन्थों के साथ चिन्हित न हों। यह नि0 कु0 का खु0 की पुस्तक 9 पृष्ठ 107 में इसी रीति से प्रकाशित हुआ, मैंने डा0 वेले की पहचान को गुप्त रखते हुए सात मोहर/सात गर्जन पर आधारित उनके कुछ कुपन्थों को प्रकाशित किया। पुस्तक 12 पृष्ठ 89 में एक लघु लेख में इसी कुपन्थ को वर्णित किया गया, इसमें डा0 वेले का नाम शामिल तो था परन्तु पूरे आदर और प्रेम के साथ। यह वर्ष 2008 में मेरे और पास्टर कोसोरेक के मध्य एक वार्तालाप का आधार बना, जिसका परिणाम इस पुस्तक को लिखने के रूप में सामने आया, जिसकी कि मैं आशा करता हूँ कि यह संसार में बहुतेरों की भलाई का माध्यम बनेगी।

कोसोरेक ने वेले को बेपर्दा किया

हमारे वार्तालाप की प्रक्रिया के मध्य पास्टर कोसोरेक ने डा0 वेले और उसके कुपन्थों को संसार के सामने बेपर्दा कर दिया। यह उपरोक्त वक्तव्यों से स्पष्ट है कि मैं न डा0 वेले और न ही उसके वारिस कोसोरेक का सार्वजनिक रूप से खुलासा करना चाहता था। जब वह नि0 कु0 का खु0 के प्रभाव को नष्ट करने के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति व समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से इन्टरनेट पर गया, तो मैं उसके दुष्टतापूर्ण आक्रमणों का सार्वजनिक रूप से प्रत्युत्तर देने के लिए बाध्य हो गया। मैं विश्वास करता हूँ कि उसका यह मूर्खतापूर्ण

कदम बहुतों के लिए आशीष का कारण बनेगा, और वे कुपन्थों से छुटकारा प्राप्त कर सकेंगे।

एकत्व के कुपन्थ के खुलासे का प्रयास–भारी भूलें

ईश्वरत्व के विषय पर पास्टर कोसोरेक द्वारा दी गई रूप रेखा पिता के अपने पुत्र यीशु के साथ सम्बन्ध से सम्बन्धित सत्य को स्थापित करना और इस प्रकाशन को प्रभु की ''त्रिएकत्ववाद'', ''एकत्ववाद'' एवं 'केवल यीशु'' अवधारणाओं से अलग दिखलाना चाहती थी। मैं उसके प्रयासों की सराहना करता हूँ , क्योंकि वैश्विक स्तर पर संदेश के प्रचारकों में से अधिकांश ने ''केवल यीशु'' की अवधारणा को थामा हुआ है, वे सोच रहे हैं कि वे ईश्वरत्व को बिलकुल उसी तरह प्रचार कर रहे हैं जिस रीति से भाई ब्रन्हम ने इसे घोषित किया था, परन्तु वे ईश्वरत्व के सच्चे प्रकाशन से चूक गए हैं। फिर भी, पास्टर कोसोरेक ने ईश्वरत्व के प्रकाशन को भाई ब्रन्हम की रीति से सिखाने के प्रयास में अनजाने में कुछ भंयकर भूलें कर दी हैं। इन भूलों ने यह खुलासा किये जाने का आध ाार निर्मित किया। उसका नाम उसके ईश्वरत्व के कुपन्थ के साथ पहचाना जाना चाहिए, क्योंकि उसने अन्य बहुत से कुपन्थों का अविष्कार, प्रचार और प्रकाशन किया है जोकि संदेश के विश्वासियों एवं अन्य लोगों के लिए भी अत्यन्त हानिकारक है। उसने अपने अन्दर सुधार करने से इंकार कर दिया और एक बहुत ही अप्रीतिकर मनोवृति का प्रदर्शन किया।

वे लोग जिनके पास ईश्वरत्व का प्रकाशन नहीं है वे मनुष्य के पुत्र के प्रकाशन (लूका 17:30), प्रभु के स्वर्ग से नीचे उतरने ; 1थिस्स. 4:16, प्रका0 10:1–4, यीशु के द्वितीय आगमन और प्रकट होने को समझ नहीं सकते हैं। वे न तो नया जन्म पा सकते हैं और न ही पवित्र आत्मा का आगामी उँडेला जाना प्राप्त कर सकते हैं जो उन्हें स्वर्गारोहण के योग्य बनाएगा।

वि0 मे0 ब्र0 : 309–1 यदि लोग ईश्वरत्व की सच्चाई को नहीं देख सकते हैं, वरन इसका विरोध करते हैं ; तो वे बाकी सत्य को भी कभी समझ नहीं पाएंगे क्योंकि प्रकाशन अर्थात यीशु अपनी कलीसिया में है और सात कालों के लिए उसके कार्य उसकी कलीसिया के मध्य में हैं। (फिलदेलफिया कलीसिया काल–क0 काल पुस्तक अध्याय 8)

पास्टर कोसोरेक ने अपने कुपन्थों के द्वारा यह प्रमाणित कर दिया है कि उसे इस सच्चाई का ठीक रीति से ज्ञान नहीं है अतः उपरोक्त उद्धरण उसके ऊपर बिलकुल ठीक बैठता है ; साधारण विषयों जैसे नया जन्म, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, 1थिस्स. 4:16, सात गर्जन इत्यादि पर उसकी समझ की कमी उसके बहुत से कुपन्थों के अविष्कार का कारण है, जोंकि संदेश के विश्वासियों के लिए हानिकारक है।

कोसोरेक एवं डाक्टर वेले–ईश्वरत्व

डा0 वेले और कोसोरेक की शिक्षाओं एवं उनके कुपन्थों का कुपन्थों से तुलनात्मक अध्ययन तथा मनोवृति, विनम्रता एवं अन्य विशिष्टताओं के मूल्यांकन के पश्चात यह स्पष्ट है कि कुछ विषयों पर पास्टर कोसोरेक डा0 वेले से भिन्न विश्वास करता है। यद्यपि वह दावा करता है कि भविष्यद्धक्ता डा0 वेले का परामर्शदाता था एवं डा0 वेले उसके परामर्शदाता हैं, यह पूर्ण रूप से एक भ्रमपूर्ण बात है। यह केवल डा0 वेले के प्रभाव और प्रसिद्धी को प्रयोग करने के द्वारा लोगों के सामने विज्ञापन करके अपनी सेवकाई को पोषित करने के लिए है। इस सम्पूर्ण कार्य में यही मेरा प्रस्तुतिकरण है। यदि वह डा0 वेले के अनुरूप विश्वास नहीं करता है, तो उसके बचाव के लिए अपनी गरदन क्यों तुड़वा रहा है?

इन शिक्षाओं में वह डा0 वेले से मत भिन्नता रखता है ; ''आदम का पाप यह नहीं था कि उसने अपनी वापस स्वीकार कर लिया ; प्रका0 10:7 पूरा नहीं हुआ था, और तम्बू का दर्शन अपने शाब्दिक अर्थों के अनुसार है।'' यह शिक्षाएं हालाँकि एक दूसरे से परस्पर भिन्न हैं पर वे एक ही वेबसाइट पर प्रकाशित हुई। यह स्पष्ट है कि उन दोनों की शिक्षाओं में गम्भीर सैद्धान्तिक विरोधाभास है तौभी कोसोरेक का बचाव यह प्रमाणित करने पर आध ाारित है कि मैं डा0 वेले, संदेश और ब्रन्हम का, संक्षेप में मै मसीह विरोधी हूँ और दुष्ट से हूँ।

कोसोरेक के कुपन्थ

डा0 वेले एवं भविष्यद्धक्ता की शिक्षाओं से यह स्पष्ट है कि ईश्वरत्व के विषय पर कोसोरेक का विश्वास वेले से भिन्न है। ईश्वरत्व का उसका कुपन्थ प्रभु की त्रिएकत्व ध ाारणा पर आधारित है। यद्यपि वह न तो त्रिएकतावादी है, न एकत्ववादी और न ही केवल यीशुवादी है, उसने ईश्वरत्व के सच्चे प्रकाशन के नाम पर एक नये संस्करण का अविष्कार कर लिया है। त्रिएकत्ववादी ऐसा विश्वास करते हैं :

अ. प्रभु ने यीशु नाम के एक अनन्त पुत्र को जन्म दिया।

ब. यीशु ईश्वरत्व में दूसरा व्यक्ति है।

स. यीशु पिता और पवित्र आत्मा के समान सामर्थ रखता है।

द. यीशु, जो आत्मा के रूप में था, प्रभु की माँ मरियम के द्वारा देह में प्रकट हुआ।

कोसोरेक :

अ. प्रभु ने अपने पुत्र यीशु को उत्पत्ति 1:3 की ज्योति के रूप में आत्मा के रूप में जन्म दिया।

ब. आत्मा के रूप में यीशु अपने पिता के समान सामर्थी नहीं था। उसका पद द्वितीय स्तर का था।

स. आत्मिक पुत्र यीशु कुँवारी के द्वारा देहधारी हुआ। यरदन के तट पर जब पवित्र आत्मा उसके अन्दर आया तो वह प्रभु बन गया।

- उत्पत्ति की पहली ज्योति प्रभु का पुत्र यीशु था।
- प्रभु ने उत्पत्ति में अपने पुत्र यीशु को जन्म दिया।
- जब प्रभु ने यीशु को जन्म दिया, उत्पत्ति 1:1–3, तब उत्पत्ति का आरम्भ हुआ।
- आरम्भ में दो जन साथ थे ; एक स्वयं प्रभु एवं एक प्रभु का पुत्र जो प्रभु नहीं था।
- यरदन नदी में बपतिस्मा होने तक प्रभु यीशु के अन्दर नहीं था।
- वह (यीशु) कुलु. 1, और जो प्रभु के साथ था, वह प्रभु नहीं था।

मैं पास्टर कोसोरेक के कुपन्थों का खुलासा करने के लिए डा0 वेले की कुछ शिक्षाओं का प्रयोग करुँगा, क्योंकि समान्यतः उनकी ईश्वरत्व की शिक्षा भविष्यद्धक्ता की शिक्षा के समान है। डा0 वेले ने अपनी ईश्वरत्व सम्बन्धी शिक्षा का समर्थन करने के लिए निरन्तर भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं का उदाहरण दिया है। कोसोरेक की तरह उसकी शिक्षा त्रिएक अवधारणा पर आधारित नहीं है। उसने यूहन्ना 1:1 पर जोर दिया और सुस्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया कि लोगोस एक अन्य रूप में स्वयं प्रभु था, जो बाद में, प्रभु के पुत्र यीशु मसीह के रूप में प्रकट हुआ।

डा0 वेले की ईश्वरत्व सम्बन्धी शिक्षाएं

- एक अणु के अस्तित्व में आने से पहले लोगोस वहाँ था।
- यूहन्ना 1:1–लोगोस प्रभु है।
- लोगोस प्रभु की अभिव्यक्ति था।
- लोगोस प्रभु के साथ था, परन्तु वहाँ दो प्रभु नहीं थे।
- वहाँ पर लोगोस से अलग प्रभु की कोई पहचान नहीं हो सकती थीं।

डा0 वेले के वक्तव्य

''प्रभु ने इकलौते पुत्र को तब जन्म दिया जब वहाँ कुछ नहीं था, वरन केवल स्वयं प्रभु था।'' (ईश्वरत्व प्र0 एवं उ0–2)

''ज्योंति की सृष्टि करने से पहले किसी और चीज की सृष्टि नहीं की गई, जिसका अर्थ है प्रभु ने उस पुत्र को जन्म दिया।'' (ईश्वरत्व 1994 अनु. 21)

''लोगोस प्रभु के साथ था ;'' .....और यह प्रभु था। रेमा, लोगोस–यहोवा–इलोहीम–एक प्रभु,, ग्रीक भाषा में है। (ईश्वरत्व–1 अनु. 96)

''परन्तु यदि लोगोस वास्तव में प्रभु था, तब प्रभु किस तरह प्रभु के साथ हो सकता था? प्रभु दो नहीं केवल एक ही है।'' (ईश्वरत्व–10 अनु.63)

''लोगोस प्रभु की अभिव्यक्ति है। यह अपने अन्दर जीवन या सच्चाई समेटे हुए है, और यह लोगोस है।'' (ईश्वरत्व–7 अनु. 46)

''.....अतः इस प्रकार आरम्भ में हमारे पास कुछ है जिसके साथ प्रभु ने अपनी पहचान को दर्शाया है, और यह वास्तव में प्रभु का ही था, और अवश्य ही वह प्रभु का ऐसा अंश था कि यह जो कुछ भी था इसके बिना प्रभु की कोई पहचान नहीं थी, यह 'लोगोस' कहलाया, अतः प्रभु भी लोगोस के रूप में जाना गया। (ईश्वरत्व–12 अनु. 15)

हम डा0 वेले को शुभ कामनाएं देते हैं, हमें नहीं पता था कि ईश्वरत्व के विषय पर उन्हें इतना ज्ञान है, और हम उसकी निष्ठा, ईमानदारी, प्रेम, और उद्धार को लेकर पहले से अधिक सुनिश्चित हैं।

प्रेम में होते हुए खुलासा

मैं इन कुपन्थों का खुलासा 2003 की तरह ही प्रेम और समझ की आत्मा के साथ करना चाहता हूँ। मैं नहीं सोचता कि जब पास्टर कोसोरेक ने ईश्वरत्व के विषय पर उस पुस्तक को लिखा था तो उसने जान बूझ कर भूल करना या कुपन्थों की रचना करना चाहा था। मैं सुधार के अपन तरीके में तभी परिवर्तन करता हूँ जब लोग चेतावनी ग्रहण करने से इंकार कर देते हैं। ऐसा हो कि भाई कोसोरेक को यह अनुग्रह प्राप्त हो कि वह समझ सकें कि इस विषय पर उनकी शिक्षा गलत है, यद्यपि वह स्वयं संदेश में एकत्व के कुपन्थ के खुलासे का प्रयत्न कर रहे हैं, यहाँ तक कि 1968 से मैंने भी यही किया है। भविष्यद्धक्ता ने अपनी सम्पूर्ण सेवकाई में इस शिक्षा की निन्दा की है। यह कुपन्थ इस विचार पर आधारित है कि ''प्रभु एवं उसका पुत्र यीशु एक ही व्यक्ति है, और पुत्र पिता का देहावतरण है।''

एकत्ववाद–यीशु केवल आत्मा–मतान्धता

वि0 मे0 ब्र0 : ई 96 केवल एक प्रभु है। और मैं पिन्तेकुस्त संगठन से भिन्न हूँ जो एकत्ववाद को ऐसे प्रदर्शित करते हैं जैसे आप एक अंगुली उठा कर एक कहें। यह गलत हैं। निश्चय ही, यह गलत है। प्रभु.....यीशु स्वयं अपना पिता नहीं हो सकता था, और यदि

प्रभु एक मनुष्य है तो, तब यीशु लैंगिक अभिलाषाओं से पैदा होता न कि कुँवारी से। यह सब चीजों को स्पष्ट कर देता है। तुमने देखा? यदि वह आपकी एक अंगुली की तरह एक है, तब क्या? तब वह अपना पिता स्वयं था। ऐसा कैसे हो सकता था? यह गलत है। उसका एक पिता था। (हमें पिता को दिखा 53–0907ए)

ई–71 और कुछ लोग कहते हैं, ''वह एक 'केवल यीशु पन्थी' है,'' आप यहाँ गलती पर हैं मेरे ऊपर उस प्रकार का आत्मा नहीं है। वह एक हठधर्मी, अपवित्र चीज कि....नही, श्रीमान। मैं एकत्ववादी नहीं हूँ। मैं त्रिएकवादी भी नहीं हूँ। मैं एक मसीही हूँ। मैं प्रभु में विश्वास करता हूँ। मैं उस प्रभु पर विश्वास करता हूँ जो तीन पदों पर प्रकट हुआ। अब उसका पद या कार्यस्थल मेरे व आपके हृदयों में है। एक और प्रभु किसी और स्थान पर नहीं ; एक प्रभु कहना सबसे बड़ी मूर्तीपूजा और विधर्म है। नीसिया की सभा से पहले ऐसा कभी सोचा भी नहीं गया था। बाइबिल में या इतिहास में ढूँढें–उस समय तक ऐसा कहीं नहीं था। (अब्राहम की वाचा सुनिश्चित की गई है 61–0318)

पास्टर कोसोरेक के ईश्वरत्व कुपन्थ के खुलासे पर उसकी प्रतिक्रिया यह प्रमाणित करेगी कि उसके पास कुछ ईमानदारी, निष्ठा या विनम्रता है या नहीं, क्योंकि उसके कुपन्थ लिखित वचन और संदेश के द्वारा निर्विवाद रूप से अस्वीकारे जा चुके हैं। इस सबसे पहले कुपन्थ जिसका में उसकी पुस्तक से खुलासा करने जा रहा हूँ, वह इस विषय पर उसके बाकी कुपन्थों को रद्द कर देता है। मैं लिखित वचन और संदेश से स्पष्ट रूप से यह घोषित करता हूँ कि यीशु आत्मा के रूप में प्रभु के साथ सहअस्तित्व में नहीं था, परन्तु वचन प्रभु था–यूहन्ना 1:1 वह देहधारी हुआ, यूहन्ना 1:14 वह कुँवारी के द्वारा पैदा हुआ और उसका नाम यीशु रखा गया। यहाँ तक कि यदि भविष्यद्धक्ता ने उसे आत्मा का पुत्र कहा तो वह यीशु की नही बल्कि प्रभु की अभिव्यक्ति थी, वचन प्रभु, लोगोस था। यह आगामी कुपन्थ के खुलासे का आधार है।

कु0 ले0 सं0 789: उत्पत्ति में जो पहले उजियाले की सृष्टि की गई थी वह प्रभु का पुत्र यीशु था।

पास्टर कोसोरेक : अब तीसरे पद में हम पढ़ते हैं कि प्रभु का आत्मा जल के ऊपर मंडराया। हम देखते हैं कि बिलकुल आरम्भ में प्रभु ने अपने पुत्र को जन्म दिया। .....इस प्रकार, हम देख सकते हैं कि उत्पत्ति 1:3 में जो पहिला उजियाला है वह प्रभु का पुत्र है। (ईश्वरत्व) और प्रभु ने कहा, उजियाला हो जा : और उजियाला हो गया.....और प्रभु ने उजियाले को दिन कहा.....वह उजियाला सूर्य नही था क्योंकि उसकी सृष्टि 14वें पद में की गई.....मैं भाई ब्रन्हम की शिक्षा के अनुसार विश्वास करता हूँ कि यह प्रभु के पुत्र के विषय में बात कर रहा है। (ईश्वरत्व)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता ने इस भ्रान्ति की शिक्षा कभी नहीं दी,

उसने किसी और समय में किसी और उजियाले के विषय में कहा है। यह घोर भ्रान्ति ईश्वरत्व के विषय में कोसोरेक के कुपन्थ का आधार है। यह कुपन्थ कहता है कि उत्पत्ति 1:3 का उजियाला आरम्भ से था। ऐसा नहीं है। यह प्रभु की सृष्टि करने के सप्ताह के पहले दिन आया–उत्पत्ति 1:4–5.। भविष्यद्धक्ता ने कहा कि आरम्भ में जब प्रभु ने आकाश और पृथ्वी की रचना की तो वह उत्पत्ति के समय से खरबो वर्ष पहले का समय हो सकता है।

उत्पत्ति 1:4–5 और प्रभु ने उजियाले को देखा कि अच्छा है ; और प्रभु ने उजियाले को अन्धियारे से अलग किया। और प्रभु ने उजियाले को दिन और अन्धियारे को रात कहा। तथा सांझ हुई फिर भोर हुआ इस प्रकार पहिला दिन हो गया।

सृष्टि किया गया पहिला उजियाला प्रभु का पुत्र यीशु नहीं था। यह भी एक बड़ा कुपन्थ है उस उजियाले को प्रभु ने विशेष रूप से धरती पर 1000 वर्ष के दिनों को विभक्त करने के लिए रचा था। वे दिन संध्या से प्रातः तक थे–उत्पत्ति 1:5.। इस उजियाले को सृष्टि के प्रथम दिन रचा गया था, न कि आरम्भ अर्थात उत्पत्ति 1:1 में। भविष्यद्धक्ता ने आरम्भ और उत्पत्ति के मध्य में खरबों वर्षों का अन्तर बताया है।

वि0 मे0 ब्र0 : हो सकता है कि उसने इसका निर्माण करने में अरबों खरबों वर्षो का समय लिया हो.....परन्तु जब प्रभु ने इसे आरम्भ किया तब सृष्टि ने एक दूसरे समय में निर्मित होना आरम्भ कर दिया। (अधोमुखी गणना 62–0909 एम)

प्रभु ने पृथ्वी को छः दिनों में बनाया और सातवें दिन विश्राम किया। दो बड़ी ज्योंति सूर्य और चन्द्रमा की रचना उसने चौथे दिन करी जो चौबीस घन्टे के दिन को विभक्त करते हैं। प्रभु द्वारा सृष्टि के कार्य को सम्पूर्ण करने के समय से वचन पहले रचे गए उजियाले के विषय में खामोश है। प्रभु ने उजियाले को इसलिए रचा क्योंकि गहिरे जल के ऊपर अन्धि ायारा था। पहला उजियाला प्रभु के हजार वर्षो के दिनों को विभक्त करने के लिए था और दूसरी ज्योति मनुष्य के चौबीस घन्टों को।

उत्पत्ति 1:2–3 और पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी ; और गहिरे जल के ऊपर अन्धियारा था : तथा प्रभु का आत्मा जल के ऊपर मंडराता था। तब प्रभु ने कहा, उजियाला हो ; तो उजियाला हो गया।

छः दिन–छः हजार वर्षो में प्रभु ने संसार को रचा

वि0 मे0 ब्र0 : ई–33 छः हजार वर्षो में प्रभु ने संसार को रचा। सात हजार सहस्त्राब्दी का नमूना है, उसका विश्राम.....क्योंकि प्रभु ने श्रम किया और संसार को छः दिनों में बनाया, छः हजार वर्षो में (जोकि हम जानते हैं कि वचन बताता है स्वर्ग में एक दिन हजार वर्षो के बराबर हैं।) (संगति 60–0611बी)

10–4 शैतान ने इसे जीत लिया, और इसे ले लिया। और उसे अपने अदन का निर्माण

करने में छः हजार वर्षो का समय लगा, जैसे प्रभु को अपने अदन निर्माण कार्य पूरा करने में छः हजार वर्षो का समय लगा था। (शैतान की अदन वाटिका 65–0829)

2पतरस 3:8 हे प्रियो, यह एक बात तुम से छिपी न रहे कि प्रभु के यहाँ एक दिन हजार वर्ष के बराबर है।

मैं दृढ़तापूर्वक यह कहता हूँ कि उत्पत्ति 1:3 का उजियाला प्रभु का पुत्र यीशु मसीह नहीं था। यह यूहन्ना 1:1–3 का लोगोस नहीं था। लोगोस सृष्टि की रचना से पहिले रचा गया था। डा0 वेले ने यही शिक्षा दी है। कोसोरेक गलत है!

उजियाले से पहले किसी भी चीज की सृष्टि नहीं की गई

डा0 वेले : अब बाइबिल स्पष्ट रूप से कहती है कि प्रभु ने यीशु मसीह के द्वारा सब चीजों की सृष्टि की.....और यह कालों के विषय में बात नहीं कर रही है। यह निर्बाध, परिशुद्ध सृष्टि की बात कर रही है.....परन्तु उजियाले की सृष्टि से पहिले किसी चीज की सृष्टि नहीं की गई थी, जिसका अर्थ था कि प्रभु ने अपने पुत्र को जन्म दिया। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व 1994 अनु.21)

कु0 ले0 सं0 790 : प्रभु ने अपने पुत्र यीशु को आरम्भ में, उत्पत्ति में जन्म दिया।

पास्टर कोसोरेक : .....उत्पत्ति में जो पहिला उजियाला है वह क्या है। ''प्र0 एवं उ0 उत्पत्ति 53–0729 010 में उसने कहा, ''प्रभु से लोगोस बाहर निकला जो प्रभु का पुत्र था ;

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यीशु मरियम का पुत्र था, जोकि पवित्र आत्मा ; पिता प्रभु–मत्ती 1:18 के द्वारा गर्भवती हुई थी। यह लगभग 2000 वर्ष पहिले हुआ था न कि छः हजार वर्ष पहिले उत्पत्ति में। वचन उसे इकलौता पुत्र बताता है जो कैलवरी पर लहू बहाने के द्वारा मानव जाति को बचाने आया था।

पास्टर कोसोरेक ने लोगोस अथवा वचन, 'जोकि आरम्भ में अस्तित्व में आया था,' की भविष्यद्वक्ता की शिक्षा को गलत तौर पर समझने के कारण, इस प्रकटीकरण को प्रभु के पुत्र यीशु मसीह के साथ जोड़ दिया है। यीशु कभी भी अपने पिता के साथ सहअस्तित्व में नहीं था। वह इस पृथ्वी पर तभी अस्तित्व में आया जब उसने मरियम के द्वारा जन्म लिया। वह मानवीय और दिव्य दोनों था, क्योंकि वह एक मात्र मनुष्य था जो इस पृथ्वी पर प्रभु के था। उस समय से पहिले, वह खरबों वर्षो तक वचन–लोगोस था–यूहन्ना 1:1, उत्पत्ति 1:1, कुल. अध्याय 1.। डा0 वेले को अपने छात्रों को शिक्षा देने दो।

उजियाला अर्थात प्रभु के पुत्र की रचना

डा0 ली वेले : अब आप उत्पत्ति में वापस जाएं, और देखें यदि आप आदम के जन्म

को वहाँ पा सकें। वहाँ ऐसा नहीं है। इकलौते पुत्र को वास्तव में तब जन्म दिया गया जब वहाँ कुछ भी नहीं वरन केवल प्रभु था। अतः जब, जैसा कि भाई ब्रन्हम ने कहा, ''उजियाला या प्रभु के पुत्र की रचना की गई'' तब वह हमें उसके उत्पन्न करने के विषय में बता रहा है, जैसा कि वचन में कहा गया है। (ईश्वरत्व प्र0 एवं उ0–2)

डा0 वेले : जब प्रभु ने कहा, ''मैं एक पुत्र चाहता हूँ,'' तब क्या सामने आया? एक उजियाला उत्पन्न हुआ, और इसकी रचना प्रभु में से ही हुई, क्योंकि वहाँ और कुछ भी नहीं था। (ईश्वरत्व–8 अनु. 43)

कु0 ले0 सं0 791– प्रभु ने अपने पुत्र यीशु को आरम्भ में, उत्पत्ति में जन्म दिया।

पास्टर कोसोरेक : हम देखते हैं कि बिलकुल आरम्भ में प्रभु ने अपने लिए एक पुत्र को जन्म दिया.....

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि उत्पत्ति 1:3 का उजियाला प्रभु का पुत्र है। (ईश्वरत्व)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह एक बड़ी भूल है जो पास्टर कोसोरेक ने ईश्वरत्व की अपनी व्याख्या में की है। उसने आदि को इस धरती के ऊपर सृष्टि के आरम्भ होने के समय से जोड़ दिया है। वह यह पहचानने में असफल रहा कि उस समय से पहिले आदि में एक समय था जब प्रभु ने प्रधानताओं, शक्तियों एवं स्वर्गदूतों की रचना की थी। इसमें लूसीफर और उसके दूत और अन्य सब चीजें शामिल थीं जो इस धरती पर सृष्टि आरम्भ किए जाने से पहिले सृजी गई थीं। यदि पास्टर कोसोरेक इसे अस्वीकार करेंगे तो उन्हें हमें यह बताना होगा कि मिखाएल और उसके दूतों और अजगर और उसके दूतों के मध्य युद्ध कब हुआ था, एवं अन्य आत्मिक क्रिया कलाप कब घटित हुए थे।

प्रका0 12:7–9 फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मिकाएल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले, और अजगर और उसके दूत उससे लड़े। परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उनके लिए फिर जगह न रही। और वह बड़ा अजगर अर्थात वही पुराना साँप, जो इबलीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमाने वाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया ; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।

यहजकेल 28:13–15 तू प्रभु की एदेन नाम बारी में था ; तेरे पास आभूषण, माणिक, पदमराग, हीरा, फिरोजा, सुलैमानी मणि, यशब, नीलमणि, मरकद, और लाल सब भाँति के मणि और सोने के पहिराबे थे ; तेरे डफ और बाँसुलियाँ तुझी में बनाई गई थीं ; जिस दिन तू सिरजा गया था ; उस दिन वे भी तैयार की गई थीं। तू छाने वाला अभिषिक्त करूब था, मैंने तुझे ऐसा ठहराया कि तू प्रभु के पवित्र पर्वत पर रहता था ; तू आग सरीखे चमकने वाले मणियों के बीच चलता फिरता था। जिस दिन से तू सिरजा गया, और जिस दिन तक तुझमें कुटिलता न पाई गई, उस समय तक तू अपनी सारी चाल चलन में निर्दोष रहा।

यशायाह 14:12–15 हे भोर के चमकने वाले तारे लूसीफर तू क्योंकर आकाश से गिर पड़ा है? तू जो जाति–जाति को हरा देता था, तू अब कैसे काट कर भूमि पर गिराया गया है? तू मन में कहता तो था कि मैं स्वर्ग पर चढ़ूँगा ; मैं अपने सिंहासन को प्रभु के तारागण से अधिक ऊँचा करुँगा ; और उत्तर दिशा की छोर पर सभा के पर्वत पर विराजूँगा ; मैं मेघों से भी ऊँचे–2 स्थानो के ऊपर चढ़ूँगा, मैं परम प्रधान के तुल्य हो जाऊंगा। परन्तु अधोलोक में उस गड़हे की तह तक उतारा जाएगा।

अय्यूब 38:4–7 जब मैंने पृथ्वी की नींव डाली, तब तू कहाँ था? यदि तू समझदार हो तो उत्तर दे। उसकी नाप किसने ठहराई, क्या तू जानता है उस पर किसने सूत खींचा? उसकी नींव कौन सी वस्तु पर रखी गई, व किस ने उसके कोने का पत्थर बिठाया, जबकि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और प्रभु के सब पुत्र जय–जयकार करते थे?

वि0 मे0 ब्र0: 140....अय्यूब ने कहा....जब मैंने पृथ्वी की नींव डाली तब तू कहाँ था? जबकि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और प्रभु के सब पुत्र जय–जयकार करते थे? इस संसार की नींव धरी जाने से लाखों वर्ष पहिले। आमीन। यह सही है। (गवाह 53–0405ई)

इस प्रकार की गतिविधि का छः दिनों की सृष्टि रचना में समा जाना असम्भव है। स्वर्ग और पृथ्वी आदि में रची गई थी। यह वह समय था जब लोगोस, वचन, जिसका अर्थ है विचार एवं अभिव्यक्ति, का प्रकटीकरण हुआ। लोगोस, खीस्त, वचन पभु में से उत्पन्न हुआ। उसका जन्म प्रभु से गौंण, अलग, व्यक्तिगत रूप में नहीं हुआ, जो लोगोस को ईश्वरत्व में क्रमशः दूसरा व्यक्ति बना देता। आदि में या उत्पत्ति में प्रभु के सृष्टि करने के समय यीशु अस्तित्व में नहीं था, परन्तु वह तभी अस्तित्व में आया जब प्रभु ने उसे मरियम के गर्भ में सृजित कर दिया। शब्द–लोगोस ने केवल यूहन्ना 1:1–14 में देह धारण किया। उससे पहिले यह आत्मा रूप में पूर्ण प्रभु था। प्रभु देह रूप में आया–1 तिमु. 3:16.। त्रिएकवाद कहता है कि प्रभु का एक यीशु नाम का आत्मिक पुत्र था जिसने कालान्तर में देह धारण किया। कोसोरेक का भी यही विचार है। कदापि नहीं। यह तो स्वयं प्रभु था जिसने देह धारण की थी। उत्पत्ति में केवल प्रभु था जिसे जीवन का वृक्ष कहा गया था।

भविष्यद्वक्ता ने बताया कि यह आदि का समय, उत्पत्ति के समय से खरबों वर्ष पहिले हो सकता है। और इतने ही अन्तर से कोसोरेक ईश्वरत्व के प्रकाशन से चूक गया है। इस प्रकार आदि जो लोगोस के विषय में बताता है वह उत्पत्ति का पहिला दिन नहीं है, परन्तु यूहन्ना 1:1–3, कुल. 1:14–19 एवं उत्पत्ति 1:1, सभी तीनों लेख एक घटना के विषय में बताते हैं।

उत्पत्ति 1:1 आदि खरबों वर्ष पहिले

वि0 मे0 ब्र0 : 26 कुछ समय पहिले मेरी एक सभा में कोई मुझ से इस विषय में विचार

विमर्श कर रहा था। मैं मनुष्य के क्रमिक विकास पर बोल रहा था, और मैंने कहा कि मनुष्य की उत्पत्ति केवल छः हजार वर्ष पहिले हुई। और उस व्यक्ति ने कहा, ''भाई ब्रन्हम हम यह प्रमाणित कर सकते हैं कि संसार लाखों वर्ष पुराना है। अतः आप जो बात कर रहे हो उसमें आप पूरी रीति से गलत हो।''

मैंने कहा, ''क्या तुम बाइबिल पर विश्वास नहीं करते हो?'' .....''बाइबिल कभी गलत नहीं हो सकती,'' उसने कहा, ''और प्रभु ने इस संसार को छः दिनों में बनाया.....'' मैंने कहा, ''अब बाइबिल ऐसा नहीं कहती है। तुम ऐसा सोच लिया कि बाइबिल ऐसा कहती है।'' मैंने कहा, ''आओं हम वापस चलें और तुम्हारे तर्को को सुलझाएं। उत्पत्ति का पहला अध्याय कहता है, ''आदि में प्रभु ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया,'' कालावधि। इसे बनाने में प्रभु ने कितना समय लगाया, यह मैं नही जानता हूँ। उसने हमें यह बताया भी नहीं है। परन्तु, आदि में प्रभु ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया, कालावधि। तब, 'और पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी'।'' तब प्रभु ने इसे प्रयोग करना आरम्भ किया।

.....प्रभु ने जगत की रचना की। हो सकता है उसने इसमें खरबों वर्षो का समय लिया हो ; मैं नहीं जानता हूँ कितना, परन्तु उसने इसे बनाया, और इससे हमारा कोई मतलब भी नहीं है। उसने केवल कहा, ''आदि में प्रभु ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की,'' समयावधि। और यह सब चीजें सही कर देता है। यही सब कुछ है। उसने यह करने में कितना समय लिया, यह .....परन्तु तब सृष्टि किसी और समय और काल में अस्तित्व में आनी शुरु हुई, जब उसने इसे बनाना आरम्भ किया। (अधोमुखी गणना 62–0909 एम)

इससे पहिले कि एक अणु हो, लोगोस वहाँ था

15–28 .....दिव्य दृष्टि से देखने पर अगली चीज हम देखते हैं कि एक श्वेत प्रकाश उत्पन्न हो रहा है। यह क्या है? बाइबिल के पाठक इसे ''लोगोस'' या ''अभिषिक्त'' या ''अभिषेक'' .....कहते हैं,.....यह प्रभु का वचन था। अब, प्रभु ने स्वयं इस पुत्र को तब जन्म दिया जब एक अणु भी अस्तित्व में नहीं था–यहाँ तक कि हवा भी नहीं थी कि अणु बन पाता। (प्र0 एवं उ0 उत्पत्ति 53–0729)

कु0 ले0 सं0 792 : आदि में दो जन शामिल थे। एक तो प्रभु था और एक प्रभु का पुत्र था जो प्रभु नहीं था।

पास्टर कोसोरेक : भाई ब्रन्हम हमें बताते हैं कि जब प्रभु ने यीशु को जन्म दिया तो उसमें दो जन शामिल थे। एक प्रभु था और प्रभु का पुत्र था।

.....यह प्रत्यक्ष है कि वचन किसी एक ऐसे के विषय में बात करता है जो आदि में प्रभु के साथ था, पर प्रभु नहीं था। (ईश्वरत्व)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : जिस आदि को यहाँ संदर्भित किया गया है वह एक

घोर भ्रान्ति है। इसको उत्पत्ति 1:3 के साथ संदर्भित कर दिया गया है जब प्रभु ने सृष्टि करना आरम्भ किया था, जबकि वास्तविक आदि काल यूहन्ना 1:1 होना चाहिए, जब आत्मा का पुत्र, वचन, लोगोस प्रभु में से उत्पन्न हुआ। इसी अध्याय में यह स्पष्ट किया गया है कि सभी चीजें उसी के द्वारा रची गई हैं।

यूहन्ना 1:1–3 आदि में वचन था, और वचन प्रभु के साथ था, और वचन प्रभु था। यही आदि में प्रभु के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।

बाद में, आदि के पश्चात एवं उत्पत्ति के पहिले दिन उजियाले की रचना किए जाने के समय, यीशु ख्रीस्त प्रभु की सृष्टि का आरम्भ बन गया, प्रभु का इकलौता पुत्र, यूहन्ना 3:16, बहुत से भाइयों के मध्य पहिलौठा, रोमियों 8:29 ; कलीसिया काल पुस्तक 336.।

पास्टर कोसोरेक ने वृहद् रूप से यूहन्ना 1:1 के गलत अनुवाद एवं दो शुरुआतो को गलत स्थान पर रखने के द्वारा, और इसमें आत्मा के पुत्र को पिता के इकलौते पुत्र यीशु मसीह, 'जो स्त्री के वंश के रूप में आया,' के साथ जोड़ कर भ्रम को बढ़ा दिया है, अतः यह कुपन्थ है। जबकि कहने में यह सत्य है कि प्रभु एवं उसका इकलौता पुत्र स्वभाव में दो थे एवं प्रभु प्रभु था, परन्तु यीशु का प्रभु के पुत्र के रूप में संदर्भ लिया जाए तो प्रभु का पुत्र प्रभु नहीं था। प्रभु के लिए एवं उसकी आत्मा के पुत्र, जोकि ईश्वरत्व के तत्व का अभिव्यक्त स्वरूप है : प्रभु एक और रूप में, कुल.1 के लोगोस–वचन, के लिए एक ही बात लागू करना वचन के विरुद्ध है। यह वचन भविष्यद्धक्ता और यहाँ तक कि डा0 वेले द्वारा भी प्रमाणित किया गया है :

इब्रानियों 1:3 वह उसकी महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है : वह पापों को धोकर ऊँचे स्थानों पर महामहिम के दाहिने जा बैठा।

लोगोस रेमा प्रभु था

डा0 वेले : रेमा और लोगोस अंतरपरिवर्तनीय हैं..... "आदि में लोगोस था, और लोगोस प्रभु के साथ था ;" यह आपको बिलकुल स्पष्ट रूप से बताता है कि पूर्ण प्रकटीकरण प्रभु के साथ जीवित समागम में था, और यह प्रभु था। ग्रीक में, रेमा लोगोस–इलोहीम–एक प्रभु। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–1 अनु. 96)

इलोहीम वास्तव में लोगोस है

डा0 वेले : परन्तु यदि प्रभु वास्तव में लोगोस है तो प्रभु किस तरह प्रभु के साथ हो सकता है? प्रभु दो नहीं वरन एक है। अतः हम देखें कि यह किस प्रकार कार्य कर सकता है। प्रभु को मूल रूप से इलोहीम के रूप में वर्णित किया गया है, लोगोस के रूप में नहीं।

वह पूर्ण रूप से एक स्वयं अस्तित्व में आए हुए के रूप में जाना जाता है ; परन्तु लोगोस का स्वभाव उसके अन्दर ही समाविष्ट है। परन्तु अभी तक उसने इस सम्बन्ध में कुछ नही किया है। अब वह करना आरम्भ करता है। अब वह यहोवा इलोहीम, एक स्वयं अस्तित्व में आया हुआ है जिसका अपने भीतर की विशेषताओं या विचारों के साथ एक सम्बन्ध है, जो उसके भीतर तो है परन्तु अभी उनको प्रदर्शित नहीं किया गया है।

अतः लोगोस होने एवं उसकी क्षमता रखने के द्वारा, इलोहीम लोगोस, अब वह वास्तव में लोगोस है ; और वह उसे बाहर प्रकट करता है, यह सब वहाँ है, वह उसे उठाता है, जोड़ता है, इकट्ठा करता है, इस पर आगे बढ़ता है। एक सच्चा लोगोस होने के कारण जो उसके भीतर है उसके साथ उसका एक सम्बन्ध है। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–10 अनु. 63)

लोगोस प्रभु का सर्वस्व है

वि0 मे0 ब्र0 : ई–55 .....जैसे ही प्रभु ने इसे सूर्य की ओर खिसकाना आरम्भ किया, यह पिघलना आरम्भ हो गया। तब प्रभु ने पवित्र आत्मा को अधिकृत किया। जो पहिला व्यक्ति सामने आया वह प्रभु था : प्रभु,, उत्पत्ति में, आदि में प्रभु था।

और जिस दूसरे से हमारा परिचय होता है वह पवित्र आत्मा या लोगोस है जोकि प्रभु में बाहर निकला फिर भी यह प्रभु का सर्वस्व था जो एक तत्व में बाहर निकला। (मसीहियत की नकल 56–0120 एम)

77 : वह न तो यहूदी था न अन्यजाति। वह प्रभु था, लोगोस, वचन जोकि प्रभु में से निकला। (बीज भूसी के संग वारिस नहीं है 65–0429ब)

ई–15 और अब, बाइबिल हमें बताती है कि लोगोस प्रभु में से बाहर निकला। आइये देखें यह कैसा दिखाई देता है। किसी ने भी कहीं, कभी भी पिता को नहीं देखा है और न ही कभी देखेगा। (आग का खम्भा 53–0509)

यह लोगोस था जो प्रभु का आत्मा था जिसने जल के ऊपर संतानोत्पत्ति की

वि0 मे0 ब्र0 : 79 जब उसने पृथ्वी के ऊपर संतानोत्पत्ति आरम्भ की, और समुद्री जीवन प्रकट किया.....जब प्रभु का आत्मा, लोगोस, शब्द,जो कि प्रभु ने कहा, "ऐसा हो जा," और लोगोस गया, जोकि वचन है.....और लोगोस पृथ्वी के ऊपर सांस लेने लगा, तब समुद्र में जीवन प्रकट हुआ, इसने पक्षियों के जीवन का निर्माण किया, पशुओं का जीवन रचा। और तब उसके प्रतिनिधित्व के रूप में कुछ सामने आया : एक मनुष्य जो बिलकुल प्रभु के स्वरूप में था। (बीज भूसी के साथ वारिस नहीं है 65–0429बी)

कृप्या ध्यान दें कि कोसोरेक का कुपन्थ यह स्थापित करता है कि वचन या लोगोस उत्पत्ति 1:3 में सृजा गया। भविष्यद्धक्ता ने ठीक इसके विपरीत कहा है। लोगोस, वचन सृष्टि

कर रहा था और वह पहिले ही स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि कर चुका था (उत्पत्ति 1:1), साथ ही प्रधानताओं और शक्तियों और अन्य उन सब चीजों की जो उस समय से पहिले सृजित की जा चुकी थी।

कुल. 1:13, 15–17 उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया :

.....वह तो अदृश्य प्रभु का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है। क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएं, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार, सारी वस्तुए उसी के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई हैं। और वही सब वस्तुओं में प्रथम है और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती है।

यह प्रभु के पुत्र की ओर संकेत करता है, यह यूहन्ना पहिले अध्याय से मेल खाता है परन्तु उन वचनों के साथ मेल नहीं खाता जो यूहन्ना 3:16 के बली किए गए मेमने के रूप में प्रभु के इकलौते पुत्र के साथ प्रासंगिक है। वचन के उपरोक्त लेखों में यूहन्ना और पौलुस दोनों ने मसीह के प्रकाशन को पाया था। वे पहिले आदि को एवं उसके आत्मा के पुत्र की विशेषताओं को संदर्भित कर रहे थे। इन्होंने इस प्रकाशन को अलग रखा और उसे प्रभु के इकलौते पुत्र यीशु के साथ मिश्रित कर दिया। उन्होंने घोषित किया कि शब्द–लोगोस आदि के समय का प्रभु था। वि0 मे0 ब्र0 ने उसे आदि के समय का प्रभु कहा, और तीनों ने ही उसे प्रभु कहा एवं जब उसने मरियम से एक निष्कलंक पद्धति से जन्म लिया तो उसे प्रभु का पुत्र भी कहा।

लोगोस–वचन–अभिषेक

वि0 मे0 ब्र0 :15–26 अब, ''किसी मनुष्य ने पिता को नहीं देखा।'' किसी मनुष्य ने पिता को दैहिक स्वरूप में नहीं देखा है, क्योंकि प्रभु देह रूप में नहीं है ; प्रभु आत्मा है। देखा?

.....अब, परन्तु ध्यान दें, वहाँ कुछ नहीं था ; वहाँ केवल शून्य था। न वहाँ प्रकाश था न अन्धेरा था ; वहाँ कुछ नहीं था। परन्तु वहाँ पर एक महान दिव्य उपस्थिति थी, जो यहोवा प्रभु था, और वह उपस्थिति समस्त आकाश पर छाई हुई थी। वह अनन्त काल से था ; और वह सृष्टि का आरम्भ था। वह सर्वशक्तिमान प्रभु था। मैं कुछ नहीं देख सकता हूँ , कुछ सुन नहीं सकता हूँ , मैं हवा में एक अणु तक नहीं देख सकता हूँ ,परन्तु फिर भी प्रभु वहाँ पर था। वह प्रभु था।

.....तब थोड़े समय पश्चात मैंने एक दिव्य श्वेत प्रकाश को आकार लेते देखा, जो एक लघु प्रभामंडल की भाँति था ;

.....हम एक लघु श्वेत प्रकाश को आकार लेते हुए देखते हैं। यह क्या है? बाइबिल के पाठकों द्वारा उसे ''लोगोस'', या ''अभिषिक्त'',या ''अभिषेक'' पुकारा गया है, या जैसा मैं कहने जा रहा था था, कि प्रभु का एक अंश इस रूप में विकसित होने लगा कि मानव जाति को यह पता चल सके कि यह क्या था.....यह एक लघु प्रकाश विचरण कर रहा था. ....यह प्रभु का वचन था। (उत्पत्ति पर प्र0 एवं उ0 53–0729)

वचन प्रभु के साथ था–यहोवा इलोहीम वचन है

डा0 वेले : पिछली रात्रि हमने यूहन्ना 1:1 को देखा, ''आदि में वचन था और वचन प्रभु के साथ था, और वचन प्रभु था।'' अब जिस रीति से बाइबिल लिखी गई है आप उससे एक क्षण के लिए भी इंकार नहीं कर सकते। हम पढ़ते हैं : ''आदि में वचन था,'' तब हम बाह्य शब्दों को छोड़ देते हैं : ''और वचन प्रभु के साथ था।'' अतः अब हम पढ़ते हैं : ''आदि में वचन था और वचन प्रभु था।'' अतः प्रभु ,यहोवा इलोहीम वचन है।

अतः इस प्रकार आदि में हमारे पास कुछ ऐसा था जिसकी पहचान प्रभु के साथ थी, और वह वास्तव में प्रभु का ही था, और प्रभु का ऐसा अंश था जिससे अलग प्रभु की कोई पहचान नहीं थी, यह ''लोगोस'' कहलाया, अतः प्रभु भी ''लोगोस'' कहलाया। (ईश्वरत्व ईश्वरत्व–2अनु.15)

कु0 ले0 सं0 : 793 यरदन नदी बपतिस्मे से पहिले यीशु में प्रभु नहीं था।

पास्टर कोसोरेक : भाई ब्रन्हम प्रभु के विषय बताते हैं कि यरदन में बपतिस्में से पहिले वह यीशु में नहीं था।

विरोधाभास–64–0206 1एम, 282 और इस 12 वर्षीय छोटे बालक में, जिसके पास बुद्धि नहीं है। उस समय पिता ने उसमें निवास नहीं किया; क्योंकि वह उस दिन आया जिस दिन उसने उसे बपतिस्मा दिया, ''उसने प्रभु के आत्मा को नीचे आते देखा, और वह उसमें समा गया।'' परन्तु देखें, यह 12 वर्षीय बालक, वचन होने के कारण ; वह अभिषिक्त के रूप में पैदा हुआ, अभिषिक्त होने के लिए।

ध्यान दें भाई ब्रन्हम ने हमें बताया कि इस समय तक पिता ने यीशु में वास नहीं किया था। उसने हमें बताया कि यरदन में बपतिस्में के समय प्रभु पुत्र के अन्दर आया। (ईश्वरत्व)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : पास्टर कोसोरेक ने भविष्यद्धक्ता को गलत उद्धरित किया है। उसने यह नहीं कहा कि प्रभु यीशु में नहीं था, परन्तु पिता ने उसकी 12 वर्ष की आयु में उसमें वास नहीं किया। यरदन पर प्रभु के उसमें समा जाने से पहिले उसके पास आत्मा, बुद्धि और प्रभु का अनुग्रह था। लूका यीशु के विषय कह रहा है :

लूका 2:40 और बालक बढ़ता, और बलवन्त होता, और बुद्धि से परिपूर्ण होता गया ; और प्रभु का अनुग्रह उस पर था।

प्रभु ने उसमें अपने शब्द–लोगोस–आत्मा के द्वारा वास किया। इस उपरोक्त वक्तव्य में वि0 मे0 ब्र0 ने कहा, ''वचन होने के कारण ; वह एक अभिषिक्त के रूप में पैदा हुआ, एक अभिषिक्त के रूप में।'' उसका वक्तव्य यीशु के जन्म पर स्वर्गदूतों के होने से मेल खाता था।

लूका 2:11 कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।

वह खीस्त प्रभु के रूप में पैदा हुआ। जिसका अनुवाद 'इलोहीम' किया गया। वह जिसने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया वह गौशाला में खीस्त प्रभु के रूप में पैदा हुआ।

वचन का आगामी लेख भविष्यद्धक्ता की शिक्षा से मेल खाता है कि यीशु खीस्त के रूप में पैदा हुआ था।

यूहन्ना 1:1, 14. आदि में वचन था, और वचन प्रभु के साथ था, और वचन प्रभु था।

.....और वचन देहधारी हुआ ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के इकलौते की महिमा।

यीशु खीस्त प्रभु के वचन के रूप में पैदा हुआ और वचन प्रभु है। वचन देहधारी हुआ, जिसका अर्थ है कि वचन जोकि प्रभु है अपने पुत्र यीशु खीस्त में छिपा हुआ था।

यशायाह 9:6 क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है ; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी प्रभु, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

यशायाह 7:14 इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनों, एक कुँवारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इमानुएल रखेगी।

मत्ती 1:22,23 यह सब कुछ इसलिए हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्धक्ता के द्वारा कहा था ; वह पूरा हो। कि, देखो एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिसका अर्थ यह है ''प्रभु हमारे साथ''।

भविश्यद्धक्ता ने अपना प्रकाशन उपरोक्त वचनों पर आधारित किया और यह घोषित किया कि यीशु का जन्म एक विशिष्ट चिन्ह था 'यहोवा प्रभु खाद के एक ढेर पर रो रहा है। प्रभु रो रहा था।'। यहोवा प्रभु मनुष्य बन गया। वह शिशु की भाँति खेला परन्तु वह इम्मानुएल था।

वि0 मे0 ब्र0 : परन्तु उसने कहा, ''मैं तुम्हें एक चिन्ह दूँगा, एक विशिष्ट अनन्तकाल के लिए चिन्ह। एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक बालक जनेगी।''

.....उसे एक स्थान का चुनाव करना था, जहाँ यह बालक जन्म ले सकता.....और यह चिन्ह चरवाहों को बताया गया, ''तुम उसे गौशाला में कपड़े में लिपटा पाओगे।'' यह विशिष्ट चिन्ह था, वह खाद के ढेर पर पैदा हुआ.....यहोवा प्रभु मनुष्य बना.....

.....जब वह नन्हा दन्तहीन मुँह उस गौशाला में खुला, उस प्रथम क्रिसमस की सुबह को, उस छोटे से पालने में जब वह पहली बार चिल्लाया तो वह प्रभु रो रहा था। यहोवा एक मनुष्य के रूप में रो रहा था। वह प्रभु के पास से आया था ; और वह मनुष्य था हर तरह से वह मनुष्य था।

.....वह गौशाला में एक शिशु की भाँति रोया। वह मार्ग पर एक बालक की भाँति खेला, परन्तु तौभी वह इम्मानुएल था। यह विशिष्ट चिन्ह है : प्रभु ने अपने द्वारा सृजित की गई सृष्टि में वास किया। (विशिष्ट चिन्ह 59–1227 एम)

141 : और वह महान सृष्टिकर्ता मेरा उद्धारकर्ता बन गया, वह नीचु एक छोटी रक्त कोशिका के पास आया, किसी पुरुष के द्वारा नहीं परन्तु कुँवारी मरियम के द्वारा ; और उसने स्त्री के एक छोटे पराग को लिया और स्वयं को एक निवास बना कर उसमें वास किया। ओह इसे विस्मयकारी होना चाहिए। यहोवा, यहोवा एक भूसे की कोठरी में खाद के ढेर के ऊपर रोता हुआ : यहोवा घास फूस से बनी गौशाला में। यह एक अनन्तकाल का चिन्ह है.....यहोवा, प्रभु एक रोता हुआ शिशु (हालेलूय्याह) एक बदबूदार अस्तबल में।

.....यहोवा खाद के ढेर के ऊपर, एक छोटे शिशु की भाँति रोते हुए अस्तबल में लेटा है।

.....प्रभु ने कहा, ''मैं तुम्हें अनन्तकाल के लिए एक चिन्ह दूँगा।'' यह एक सच्चा चिन्ह है। यहोवा, एक बालक की तरह खेलता हुआ। यहोवा, बढ़ई की तरह कार्य करता हुआ। हालेलूय्याह, यहोवा, मछुआरों के पैर धोता हुआ। ''मैं तुम्हें एक चिन्ह दूँगा।'' (स्मुरना कलीसिया काल 60–1206)

197 : यहोवा धरती पर एक मनुष्य के रूप में आया, और उसने अपने आप को प्रचार किया, उसने अपने तम्बू को यहोवा से मनुष्य बनकर लज्जा और स्राप का सामना करने के लिए विस्तारित किया। छोटा यहोवा खाद के ढेर पर लेट कर गौशाला में रो रहा है। (सुलेमान से महान 63–0628ई)

यरदन के तट पर यहोवा यीशु में उसे प्रभु या मसीहा बनाने के लिए नहीं समाया। पिता ने उसके भीतर पवित्र आत्मा की सामर्थ को भर दिया और उसे उसकी सेवकाई प्रारम्भ करने हेतु सामर्थ से सम्पन्न कर दिया।

लूका 4:1,14 फिर यीशु पवित्र आत्मा से भरा हुआ, यरदन से लौटा ; और चालीस दिन तक आत्मा के सिखाने से जंगल में फिरता रहा। और शैतान उसकी परीक्षा करता रहा।

...फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा, और उसकी चर्चा आस पास के सारे देश में फैल गई।

कु0 ले0 सं0 794 : कुलस्सियों एक यीशु के बारे में बात करता है, आदि में यीशु प्रभु के साथ था, परन्तु प्रभु नहीं था।

पास्टर कोसोरेक : अब यह द्वित्व तब आरम्भ नहीं हुआ जब वह देह में था। हम आदि में देखते हैं कि प्रभु ने अपने लिए एक पुत्र को जन्म दिया और तब प्रभु ने सृष्टि करने के लिए उसमें होकर कार्य किया।

.....यह स्पष्ट है कि वचन का लेख उस एक के विषय में बताता है जो आदि में प्रभु के साथ था, वह प्रभु नहीं था परन्तु प्रभु का सहचर था। कुल. 1:16–17 में हम मसीह के विषय में पढ़ते हैं कि, ''क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो या पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएं, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई हैं।'' अतः हम देखते हैं कि यह जो प्रभु नहीं है, तौभी यह प्रभु है जिसने उसमें होकर सभी वस्तुओं की सृष्टि की। हम यूहन्ना 1:3 में भी देखते हैं कि सब चीजें उसी के द्वारा सृजी गईं।

*कुल. 1:15–19 में हम पढ़ते हैं.....''वह तो अदृश्य प्रभु का प्रतिरूप, और सारी सृष्टि में पहिलौठा है ; उसमें होकर सारी वस्तुएं सृजी गई हैं.....*यहाँ पर प्रभु एक पुत्र को सामने ला रहा है और उस पुत्र के द्वारा वह अपनी सृष्टि करने की समस्त गतिविधियों को कर रहा है। तौभी यह पुत्र प्रभु नहीं था, परन्तु प्रभु का पुत्र था। वह पिता नहीं था, परन्तु वह पिता के स्वरूप में आया।

आदि–लोगोस प्रभु का प्रथम दृश्य रूप है

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : यह कहना कि आदि में मसीह (यूहन्ना 1:1 एवं कुल. 1) प्रभु नहीं था भ्रान्तिपूर्ण एवं कुपन्थ है। उसे प्रभु के पुत्र के रूप में **पदवनत करना जो कि प्रभु नहीं है उसे एक द्वितीय स्तर का प्रभु बना देता है। यह वह आधारशिला है जिस पर त्रिएकता का कुपन्थ आधारित है। मसीह जो वचन, लोगोस है जोकि प्रभु का विचार एवं अभिव्यक्ति है वह एक अन्य रूप में प्रभु ही है। भविष्यद्धक्ता ने इस महान भेद का एक स्पष्ट चित्रांकन किया है। उसने कहा कि लोगोस प्रभु का प्रथम दृश्य रूप है, जबकि वह पहले अदृश्य था। कोसोरेक की यह बहुत बड़ी भूल है कि वह उसका प्रभु का पुत्र होने का कुपन्थ रच रहा है और कह रहा है कि आदि में वह प्रभु नहीं था। उसने आदि का गलत स्थान निर्धारित किया है। कुल.1 के इस गलत अनुवाद के ऊपर उसने ईश्वरत्व के अपने अधिकतर कुपन्थों का अविष्कार किया है। यह प्रथम आरम्भ आदि की बात कर रहा है जब समय आरम्भ हुआ, जब संसार अनन्ता से निकल समय में प्रविष्ट हुआ। यह किसी भी चीज की सृष्टि से पहले का समय था जब वचन प्रभु था और प्रभु के साथ था।**

उत्पत्ति 1:3–पृथ्वी पर सृष्टि

उत्पत्ति 1:3 पृथ्वी पर सृष्टि का आरम्भ है जब हजार वर्षो के दिन को विभक्त करने के लिए प्रभु ने वचन बोलकर उजियाले की सृष्टि की। यह पृथ्वी पर चीजों की सृष्टि करने के लिए किया था। यह आरम्भ प्रथम आरम्भ से पूर्णतः भिन्न था। कुलस्सियों प्रथम अध याय सब वस्तुओं दृश्य अदृश्य, प्रधानताओं एवं प्रभुताओं की सृष्टि से सम्बन्धित है। जबकि उत्पत्ति में इस प्रकार की सृष्टि का कोई लेखा नहीं है। यह वह वचन का लेखा है जिसे भविष्यद्धक्ता ने प्रयोग किया और वह इसे यूहन्ना 1:1–3 के साथ, प्रभु में से लोगोस के बाहर आने के अपने मानसिक चित्र का चित्रांकन करने के लिए सम्बन्धित करता है। अपने सबसे पहले दृश्यमान अभिव्यक्तिकरण में वह इसे प्रभु घोषित करता है। लोगोस वचन की परिपूर्णता और प्रभु के गुण हैं। भविष्यद्धक्ता ने भी इसे लोगोस और प्रभु का पुत्र कहा है। परन्तु यह प्रभु ही है। मूसा को प्रभु के इस रूप के केवल पहले भाग को देखने की अनुमति मिली थी। जैसा कि कुल.1 में कहा गया है यह अदृश्य प्रभु का स्वरूप भी था। प्रभु ने स्वयं अपने स्वरूप में मनुष्य को बनाया है। यह कहता है कि उसने अपने स्वरूप में मनुष्य को बनाया, एक द्वितीय स्तरीय प्रभु या प्रभु के पुत्र के स्वरूप में नहीं, परन्तु स्वयं अपने स्वरूप में। यह प्रमाणित करता है कि प्रभु और उसका स्वरूप एक है। साथ ही यह बताता है कि हम वचन के किसी विरोधाभास के बिना प्रभु के पुत्र के स्वरूप में भी हैं। वह प्रभु का वचन, लोगोस, विचार और अभिव्यक्ति है।

यीशु अस्तित्व में नहीं

प्रभु का पुत्र यीशु,, इस समय तक अस्तित्व में नहीं था। वह केवल प्रभु के अनन्त विचारों में जगत की उत्पत्ति से वध किए हुए मेमने के रूप में था (प्रका013:8) चार हजार वर्ष पश्चात प्रभु की सृष्टि में उसने मुँह से बोले गए वचन के द्वारा जन्म लिया। पहिले से ठहराया हुआ मेमना, यीशु प्रकट हुआ था। उसके जन्म के समय उसके साथ लोगोस था ; इसलिए स्वर्गदूतों ने उसे खीस्त प्रभु कहा। वह ''इम्मानुएल, प्रभु हमारे साथ'' कहलाया। यीशु के प्रभु के पद पर पहुँचने का एकमात्र कारण यह तथ्य था कि वह लोगोस के साथ मिलकर एक हो गया। यदि आदि का वह लोगोस प्रभु नहीं था तो हमारे पास प्रभु के दो पुत्र थे, दूसरा जो मरियम से पैदा हुआ। परन्तु क्योंकि आत्मा का पुत्र स्वयं प्रभु था, अतः उसने यीशु को अपना इकलौता पुत्र घोषित किया। स्वर्ग और पृथ्वी ने एक दूसरे को बाहों में भर कर चूम लिया।

सृष्टि यीशु के द्वारा नहीं

प्रभु ने संसार की सृष्टि यीशु के द्वारा नहीं की। यह एक कुपन्थ है क्योंकि वह स्वयं एक सृष्टि था (प्रका0 3:14) वह बहुत से भाइयों के मध्य पहिलौठा था, परन्तु प्रभु ने संसार की सृष्टि अपने आत्मा के पुत्र के द्वारा की। कुलस्सियों एक इस भेदपूर्ण कार्य का लेखा रखता है जब यह कहता है कि यीशु ने संसार की सृष्टि की। क्योंकि हमारे पास दो सृष्टिकर्ता (अर्थात प्रभु एवं उसका पुत्र) नहीं है, यह स्पष्ट है कि लोगोस, वचन, आत्मा का पुत्र, प्रभु का स्वरूप, प्रभु की पथम दृश्यमान अभिव्यक्ति स्वयं पुत्र है।

कुलस्सियों 1:15–19 वह तो अदृश्य प्रभु का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है। क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रधानताएं, क्या प्रभुताएं, क्या अधिकार सारी वस्तुएं उसी के द्वारा ओर उसी के लिए सृजी गई हैं। और वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती हैं। और वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है ; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही *प्रधान ठहरे। क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उसमें सारी परिपूर्णता वास करे।*

लोगोस प्रभु की अभिव्यक्ति है

डा0 वेल : अतः यह सीधा पुराना नियम है। परन्तु लोगोस, ग्रीक में, नये नियम में भी समान चीज है। प्रभु, जो कि वचन है, उसने जो कहा था कि वह क्या और कैसे है के अनुसार वह जीवित प्रभु बन गया या अस्तित्व में आ गया। आदि में लोगोस था, प्रभु ने वही कहा जो वह वास्तव में था और वास्तव में है, जोकि एक शपथ में दृढ़ता से बंधा हुआ है, वह प्रभु है, और वह लोगोस है। अतः वह लोगोस है या प्रभु का वचन है। वह सर्वव्यापी वचन है। वास्तव में वह यही है।

.....अतः प्रभु, जोकि वचन है बिलकुल अपने कहने के अनुसार जीविता प्रभु बन गया। अतः लोगोस सत्यता की अभिव्यक्ति है। ''मैं मार्ग सच्चाई और ज्योति हूँ।'' लोगोस प्रभु की अभिव्यक्ति है। यह वह तत्व है जिसमें जीवन या सत्य है, और यही लोगोस है। (ली वेले ईश्वरत्व ईश्वरत्व–7 अनु.46)

सृष्टि से पहले प्रभु

वि0 मे0 ब्र0 :15–26 अब, ''किसी मनुष्य ने पिता को नहीं देखा।'' किसी मनुष्य ने पिता को दैहिक स्वरूप में नहीं देखा है, क्योंकि प्रभु देह रूप में नहीं है ; प्रभु आत्मा है। देखा?

.....अब, परन्तु ध्यान दें, वहाँ कुछ नहीं था ; वहाँ केवल शून्य था।

न वहाँ प्रकाश था न अन्धेरा था ; वहाँ कुछ नहीं था। परन्तु वहाँ पर एक महान दिव्य उपस्थिति थी, जो यहोवा प्रभु था, और वह उपस्थिति समस्त आकाश पर छाई हुई थी। वह अनन्त काल से था ; और वह सृष्टि का आरम्भ था। वह सर्वशक्तिमान प्रभु था। मैं कुछ नहीं देख सकता हूँ , कुछ सुन नहीं सकता हूँ , मैं हवा में एक अणु तक नहीं देख सकता हूँ ,परन्तु फिर भी प्रभु वहाँ पर था। वह प्रभु था।.....तब थोड़े समय पश्चात मैंने एक दिव्य श्वेत प्रकाश को आकार लेते देखा, जो एक लघु प्रभामंडल की भाँति था ;.....हम एक लघु श्वेत प्रकाश को आकार लेते हुए देखते हैं। यह क्या है? बाइबिल के पाठकों द्वारा उसे ''लोगोस'', या ''अभिषिक्त'',या ''अभिषेक'' पुकारा गया है, या जैसा मैं कहने जा रहा था था, कि प्रभु का एक अंश इस रूप में विकसित होने लगा कि मानव जाति को यह पता चल सके कि यह क्या था.....यह एक लघु प्रकाश विचरण कर रहा था.....यह प्रभु का वचन था। (उत्पत्ति पर प्र0 एवं उ0 53–0729)

लोगोस–प्रभु ने वचन में निर्मित किया

ई–22 आइये हम आँखें बन्द करके कल्पना करें.....इससे पहले कि कुछ होता। समस्त अनन्तता का उदगम प्रेम, आनन्द, ईमानदारी और सिद्धता में सत्य की आत्मा थी। और तब पिता के अस्तित्व में लोगोस बाहर गया, जो कि पुत्र था, वह थिऑफनि देह थी, जो कि महान यहोवा प्रभु की दिव्य देह थी। वह लोगोस था। जीवन के उस महान उदगम में से होकर वचन बोला। और वहाँ थिऑफनि थी, जिसे प्रभु ने वचन में निर्मित किया था। (जीवन 57–0602)

लोगोस देहधारी हुआ

54–121 स्वर्ग का और पृथ्वी का समस्त अधिकार मुझे दिया गया है। यह क्या है? मनुष्य और प्रभु मिलकर एक हो गए। लोगोस देहधारी हुआ, मारा गया, ओर हमें निर्दोष ठहराए जाने के लिए पुनः जी उठा, और तब वह हमेशा–हमेशा के लिए अभिषिक्त इम्मानुएल हो गया। प्रभु ने अपने निवास स्थान को अर्थात स्वर्ग को परिवर्तित करके अपने अपने पुत्र यीशु के हृदय को सर्वदा के लिए अपना निवास स्थान बना लिया। प्रभु यीशु में था। वह आत्मा के विश्राम का अन्तिम स्थल है। (इब्रानियों अध्याय 2 भाग 2 57–0825ई)

142–132 आदि में प्रभु आत्मा था। और तब प्रभु में से लोगोस या थिऑफनि निकली जो कि एक मनुष्य की (पूर्वकल्पित) आकृति में थी और वह प्रभु का पुत्र कहलाई। वह यीशु मसीह में आने से पहले भी एक देह में होकर धरती पर आया.....जब मूसा ने उसे देखा.. ...उसने कहा कि यह एक मनुष्य का कमर की ओर का भाग था। वह थिऑफनि थी। (इब्रानियों अध्याय 4 57–0901 ई)

अब हम अपना ध्यान डा0 वेले के गर्जनों के कुपन्थों की ओर देंगे, जिसमें तम्बू का दर्शन भी शामिल है। यह प्रमाणित करेगा कि पास्टर कोसोरेक तम्बू के दर्शन पर अपने

परामर्शदाता से बिलकुल अलग विश्वास करते हैं। यह दर्शाता है कि वह डा0 वेले द्वारा निष्ठापूर्वक शिक्षित नहीं किए गए हैं।

डा0 वेले के 1969 के संदेश के कुपन्थ

"सात मोहरें एवं सात गर्जन"

कुपन्थीय लेखन संख्या 195–800

अब हमारे पास प्रमाण है कि डा0 वेले उन पहले प्रचारकों में से एक हैं जिन्होंने 7मुहर/7 गर्जनों का अनुवाद करने का जोखिम उठाया है। बाकी अन्यों का समय काल हमारे पूर्व ज्ञान के अनुसार 1973 या बाद का है। क0 काल का वितरण दिसम्बर 1965 से किया गया था। यह जानते हुए कि उसने क0 काल पुस्तक के पृष्ठ 327 पर क्या उल्लेख किया है, वह जानता था कि उसने लोगों को एक व्याख्या प्रदान की है और उसे यह पहचान करानी है कि अपने प्रस्थान से पूर्व भविष्यद्वक्ता ने कहाँ पर गर्जनों का प्रचार किया था। यदि उसका प्रकाशन सत्य है, तो वह उस ज्ञान पर 1969 पर ही क्यों आ पाया? वह क0 काल पुस्तक के लेखन के कारण भविष्यद्धकता के बहुत निकट था, अतः वह उसके पास जा सकता था और गर्जनों के प्रकट होने के विषय पूछ सकता था, उसने उसकी मृत्यु के पश्चात 1969 तक प्रतीक्षा क्यों की? सात गर्जनों के प्रकट होने के विषय पर डा0 वेले का रवैया ईमानदार एव्र विन्रम था। वह हमेशा सूझावात्मक रीति से ही बोला। यह निम्नांकित अनुच्छेद हमें उसके अपने शब्दों से ही स्पष्ट है।

डा0 ली वेले : .....मेरे कहने कहने के अनुसार इसे ग्रहण न करें कि मैं क्या विश्वास करता हूँ.....मेरे पास इसका प्रमाण नहीं है.....यदि मैंने कुछ गलत शिक्षा दी हो.....तब आप उसे न सुनें.....जहाँ तक मैं समझता हूँ.....मैं विश्वास करता हूँ कि आज रात्रि जो मैं सर्वोत्तम कर सकता था मैंने किया। यदि आप कोई दोष देखते हैं तो मैं प्रसन्नतापूर्वक सुनने के लिए तैयार हूँ। मैं ऐसा नहीं दर्शाता हूँ कि मुझे सब कुछ सही पता है... और मैं ऐसा नहीं दर्शाता हूँ कि यह यहोवा यूँ फरमाता है। मैं आपको ऐसा नहीं कह सकता हूँ। परन्तु मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया है।

.....अब प्रभु आज रात्रि मैं प्रार्थना करता हूँ, कि यदि इस संदेश में कोई विरोधाभास पाया जाता है तो प्रभु हम दोनों जानते हैं कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया है.....प्रभु मैं वास्तव में ही सत्य को देखना चाहता हूँ। और प्रभु मैं आशा करता हूँ कि मैं सही हूँ..... यदि मैंने कुछ गलत कह दिया हो तो यह प्रभु के लोगों को प्रभावित नहीं करेगा। (सात गर्जन एवं सात मोहर 1969)

डा0 वेले ने आगे उल्लेख किया है कि तम्बू के दर्शन के समय 1955 से 1977 तक का आध घड़ी का सन्नाटा, 1977 से पहले या इस दौरान आपको सहस्राब्दि में ले जाता है। यह समय बीत जाना बताता है कि उसकी शिक्षा भ्रान्तिपूर्ण थी और वह इतना विन्रम तो था ही कि उसने बाद में यह स्वीकार कर लिया कि वह नहीं जानता था कि तम्बू के दर्शन का अर्थ क्या है।

डा0 ली वेल : अब भाई ब्रन्हम वापस आते हैं, या जब वह वापस आते हैं.....वह कैसे वापस आते हैं.....किस चीज के साथ वापस आते हैं। मुझे इस अर्थ में रुचि नही है कि मैं नहीं जानता हूँ कि तम्बू के दर्शन का क्या अर्थ है, और न ही उसने हमें कभी यह बताया ; और यह उसका दर्शन है न कि मेरा, अतः मैं जिम्मेदार नहीं हूँ। (उपस्थिति, राज्य की यात्रा, 07 फरवरी 1999)

डा0 वेले अपनी शिक्षा में गलत हैं परन्तु अपनी आत्मा में सही हैं

यह प्रदर्शित करता है कि डा0 वेले यद्यपि अपनी शिक्षा में गलत हैं, परन्तु अपने आत्मा में सही हैं। सही आत्मा एक मसीही से, यदि वह गलती पर हैं तो पश्चाताप कराएगी।

बेदारी फैलाने वाला और मलाकी 4:5–6 के प्रथम शहीद पास्टर राबर्ट ली लैम्बर्ट ने मुझे कुछ ऐसा बताया जिसने मुझे हमेशा मध्यम पंक्ति पर बनाए रखा। वह डा0 वेले से बहुत प्रेम करते थे और उन्होंने कहा, "डा0 वेले दुल्हन के सदस्य हैं।" और यह इस बात से प्रमाणित हुआ जब 2 दिसम्बर 2008 को डा0 वेले ने प्रचार मंच से अपनी गलत शिक्षाओं के लिए क्षमा मांगी, और यह सारे संसार के सामने इन्टरनेट पर प्रकाशित हुआ।

ड0 ली वेले : "आज रात्रि यह बहुत ही कष्टकारी होने जा रहा है, क्योंकि मैं उन तीन बातों को देखने जा रहा हूँ जिनमें मैंने भूल की है.....

.....अब सबसे पहले हम सुधार से आरम्भ करते हैं, और सुधार प्रका0 10:1 से आता है। और वहाँ पर वह बली स्वर्गदूत स्वर्ग से नीचे उतरता है उसके सिर पर मेघ धनुष है, और एक पांव समुद्र पर और एक धरती पर है और वह एक बड़े शब्द से चिल्लाया कि, "अब और देर न होगी।" अब मैंने इस पर एक भूल कर दी है क्योंकि जब भाई ब्रन्हम ने कहा कि सातवीं मोहर प्रका0 10:1–7 है, मैंने किसी तरह अपने मस्तिष्क और शिक्षा में इसे संक्षिप्त कर दिया : कि यदि प्रका0 10:1–7 इस धरती पर वास्तव में भाई ब्रन्हम की सेवकाई थी ; जोकि 1933–1965 तक थी क्योंकि इसी समय में सभी मुख्य दर्शन आए थे और तब भाई ब्रन्हम की मृत्यु हो गई।

अतः आपको इसके लिए मुझे क्षमा कर देना होगा ".....जैसा मैंने कहा कि प्रका0 10:1–7 भाई ब्रन्हम की सेवकाई की तरह दिखाई देती है। परन्तु ऐसा नहीं है। यह सातवीं मोहर है और सातवीं मोहर भाई ब्रन्हम की सेवकाई के अन्तर्गत खोली जाती है।"

प्रभु की आशीष डा0 वेले पर हो, और ऐसा हो कि प्रभु द्वारा नियत समय पर वह शान्ति में प्रस्थान कर जाएं।प्रभु ने कभी मुझे उसे कुपन्थी कहने या पद लोलुप समझने की अगुवाई नहीं की। उन्होंने उसी दिन अपनी गवाही में इसकी पुष्टि की :

डा0 ली वेले : ''.....यदि मुझे अभी तीस वर्ष और जीना होता.....तो यह बिलकुल इसी भाँति होता : नेतृत्व या अधिकार करने या कुछ ऐसा प्राप्त करने जो किसी के पास न हो के एक भी विचार से रहित। यह केवल एक भाई या बहन की मनोवृति है। और केवल यही मेरे पास हमेशा रही है.....मेरा उद्देश्य केवल लोगों को वह बताना है जो मैंने देखा है।

अतः जब तक यह बातें टेप पर उपलब्ध हैं और लोग जानते हैं कि मैं कहाँ से आ रहा हूँ कि मेरी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है ; और न कभी थी। उसकी सेवा करने की? जी हाँ, भाई ब्रन्हम के लिए सहायक होने की थी, और आपके लिए सहायक होने की है, या किसी के लिए भी, क्योंकि प्रभु धर्मी और अधर्मी दोनों पर ही सूर्य की रोशनी और मेह प्रदान करता है।

मैं सचमुच विश्वास करता हूँ कि इस वार्तालाप की सामग्री को डा0 वेले को प्रदर्शित नहीं किया गया है, और यदि किया भी गया है तो उसके वास्तविक स्वरूप में नहीं किया गया है अन्यथा वह अवश्य पश्चाताप कर लेता। उसने स्वयं को ऐसे सम्मान का हकदार प्रमाणित किया है। मैं यह भी विश्वास करता हूँ कि पास्टर कोसोरेक के पास हमेशा पश्चाताप की गुंजाइश है। मैं उसके लिए श्वेत सिंहासन के न्याय को नहीं ठहराता, न ही इब्रानियों 6:4–6 को, परन्तु उसकी वचन विरुद्ध शिक्षाओं की निन्दा करता हूँ। ऐसा हो कि प्रभु उसे देख पाने की क्षमता प्रदान करे।

कु0 ले0 सं0 795 : यदि तम्बू का दर्शन अपने शाब्दिक अर्थों में है तो यह संसार में सही नहीं बैठता है।

डा0 ली वेले : भाई ब्रन्हम ने कहा,.....तम्बू का दर्शन संसार में तीन खिंचावो के साथ गया। मैं वहाँ पर किसी स्त्री के लिए कोई वचन नहीं पाता हूँ, या कोई प्रार्थना पंक्ति को जो प्रार्थना के कार्ड ले रही हो ; या कोई स्त्री जो लोगों से बात कर रही हो.....मेरे लिए यदि यह एक वास्तविक तम्बू है और वास्तविक स्त्री है, तो भाई ब्रन्हम ने यह व्यर्थ ही कहा था कि स्त्री प्रचार या अधिकार नहीं जमा सकती। यदि यह दर्शन अपने वास्तविक अर्थो में है तो जहाँ तक मैं देखता हूँ यह संसार में इतने आगे तक नहीं जा सकता था। मैंने कहा, जहाँ तक मैं देख पाता हूँ। मैं गलत भी हो सकात हूँ। प्रभु मुझे यह उलझने सुलझाने में सहायता करने जा रहा है। (सात मुहर एवं सात गर्जन 1969)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : अपने अन्त समय तक भविष्यद्धक्ता ने एक वास्तविक तम्बू की प्रतीक्षा की। उसने प्रभु की प्रतिज्ञा में अविश्वास के द्वारा कभी इसका अध्

यात्मीकरण करने का प्रयत्न नहीं किया। सभी तीनों खिंचाव वास्तविक हैं ; अतः तम्बू भी वास्तविक है क्योंकि तम्बू तीसरे खिंचाव के लिए सामर्थ की परपिूर्णता में प्रकटीकरण का स्था है।

वि0 मे0 ब्र0 : 6–1 .....तीसरा खिंचाव अब प्रमाणित हो गया है... अब, यह अस्तित्व में है.....यह अभी घटित हुआ है, अतः इसकी उपस्थिति को आपको मध्य में पहचाना जा सकता है। देखा? परन्तु जब तक इस सभा को कसा नहीं जाएगा तब तक यह बड़े पैमाने पर प्रयोग नहीं होगा.....जब सतावा आएगा, तब आपने जो अभी अस्थाई रूप से देखा है उसे उसकी सामर्थ की परिपूर्णता में प्रकट होता हुआ देखेंगे। (यीशु की ओर देखो 63–1229 ई)

तम्बू का दर्शन तीन खिंचावों के नमूने में भविष्यद्धक्ता की सेवकाई के विभिन्न चरणों का एक भाग है। जी हाँ डा0 वेल, यह वचन में ''वे प्राण जो कैद में हैं'' नामक संदेश द्वारा प्रमाणित है।

वि0 मे0 ब्र0 : 41–3 यीशु की सेवकाई में तीन खिंचावों का समावेश है..... प्रथम खिंचाव रोगियों को चंगा करना था। द्वितीय संस्थाओं को धमकाना एवं उनके द्वारा विगत में किए गए कार्यो की भविष्यवाणी कि वे क्या थे और क्या होने वाला है.....परन्तु उसका तीसरा खिंचाव नाश होने वालों को प्रचार करना था.....नर्क में उन प्राणों को, जिन्होंने अनुग्रह को स्वीकार नहीं किया परन्तु हमेशा के लिए प्रभु की उपस्थिति से विलग हो गए।

नूह की सेवकाई, सब प्रचारकों ने ऐसा ही किया.....वह नाव में चला गया, और तब सात दिनों तक कुछ नहीं हुआ। उसकी गवाही सदोम और अमोराह के नाश होने वालों को प्रचार की गई। यीशु ने उन नगरों का मनुष्य के पुत्र के आने से पहले के चिन्ह के रूप में उल्लेख किया है। जैसा नूह के दिनों में हुआ, जैसा सदोम के दिनों में हुआ।

उसने नूह का उल्लेख किया। नूह के पास तीन खिंचाव थे, और तीसरा खिंचाव नाव के द्वार बन्द होने के पश्चात था। प्रभु ने उसे वहाँ बैठाया जहाँ से न कोई बाहर जा सकता था और न भीतर प्रवेश कर सकता था।

.....सदोम के दिनों में, पहला खिंचाव धार्मिक लूत के लिए था। और बाइबिल कहती है, ''सदोम के पाप उसके धर्मपरायण प्राण को प्रतिदिन कष्ट दिया करते थे,''.....

.....तब उसने ओर संदेशवाहको को भेजा, वे दो थे, और वे वहाँ गए। यह उसका दूसरा खिंचाव था जो लूत के लिए–सदोम के लिए था।

.....पर उस अन्तिम संदेशवाहक ने नाश होने वालों को प्रचार किया। वह वहाँ गया वचन यह नहीं बताता कि वहाँ क्या हुआ, परन्तु अगली प्रातः वहाँ अग्नि वर्षा हुई। यह सही है। (वे प्राण जो कैद में हैं 63–1110 एम)

मरकुस 11:23 वचन को बोलने की सेवकाई की पुष्टि करता है।

मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे ; कि तू उखड़ जा, ओर समुद्र में जा पड़, और अपने मन में संदेह न करे, वरन प्रतीति करे, कि जो कहता है वह हो जाएगा, तो उसके लिए वही होगा।

इस कुपन्थ का समर्थन करने के लिए वचन का कोई लेख नहीं है। जी हाँ, डा0 वेले आप गलत हैं।

कु0 ले0 सं0 796 : तम्बू का दर्शन सातवीं मुहर का प्रतीक है और उसका बनुवाद गर्जनों का एक भाग है।

ली वेले : अतः तम्बू का दर्शन क्या है? जहाँ तक मैं जानता हूँ, यह समानान्तर सातवीं मुहर है, क्योंकि सातवीं मुहर का कोई प्रतीक नहीं है, ओर तौभी यह वहाँ है.....अतः मेरे लिए तम्बू का दर्शन, सातवीं मुहर और उसके अनुवाद का प्रतीक है। (सात मुहर एवं सात गर्जन 1969)

.....मेरे लिए, सातवीं मुहर एक चिन्ह थी, और तम्बू का प्रतीक और उसका अनुवाद दुल्हन को दिया गया प्रकाशित वचन.....यह गर्जन का भाग है। (सातवी मुहर एवं सात गर्जन 1969)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने सातवीं मुहर के विषय में ऐसी बात का संकेत तक नहीं किया है। यह केवल डा0 वेले की अटकल बाजी है। इस भयंकर भूल के लिए डा0 वेले की विनम्र घोषणा अनन्य है। प्रत्येक जन को भाइ की ईमानदारी की प्रशंसा करनी चाहिए। जी हाँ, भाई वेले आपकी शिक्षा गलत है।

कु0 ले0 सं0 797 : तम्बू का दर्शन सातवीं मुहर का प्रतीक है। अतः आध घड़ी का सन्नाटा 21 वर्षो की अवधि है, जो कि तम्बू के दर्शन के समय 1955 से 1976 तक है, ओर जो 1977 या उससे पहले आपको सहस्राब्दि में ले जाता है।

डा0 ली वेले : आध घड़ी का समय.....एक दिन को यदि हजार वर्षो के बराबर गिना जाए.....ओर यदि 30 मिनट लें ओर 1000 को विभाजित करें.....आपको ठीक 21 दिन मिलेंगे. ....भाई ब्रन्हम को तम्बू का दर्शन कब मिला? 1955 में .....यदि तम्बू का दर्शन सातवीं मुहर का प्रतीक है, एवं स्वर्ग से आध घड़ी का समय सम्पूर्ण सातवीं मुहर है.....अतः तम्बू पर वापस जाने ओर 1955 से आरम्भ करके इसमें 21 जोड़ने पर 1976 पाएंगे, और 1977 में उसने कहा कि सब समाप्त हो गया है। आध घड़ी की अवधि पूरी तरह से.....एक प्रतीक के सात सातवीं मुहर के खुलने का आरम्भ जो आपको 77 में या पहले सहस्राब्दि में ले जाता है। (सात गर्जन एवं सात मोहर 1969)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : मुझे निश्चय है कि इस समय तक डा0 वेले को अपनी भूल का अहसास हो गया होगा, क्योंकि उसकी गणितीय गणना गलत थी, 1977 आया और चला गया। और यह दशकों के अन्तर से इससे चूक गया।

कु0 ले0 सं0 798 : प्रतीक का अनुवाद इस प्रकार हुआ ''मेरे लोगों को क्षमा मिली है। जिन्होने मेरा एवं इस संदेश का अनुसरण किया उनके पाप क्षमा किए गए।'' यह एक महान भेद है।

डा0 ली वेले : विवाह एवं तलाक एक सांसारिक मानवीय नीतिवचन की तरह नहीं प्रचार किया गया था। यह पूर्णतः मसीह और दुल्हन के प्रतीक के रूप में प्रचारा गया.... .और वह प्रतीक के अनुवाद के साथ वापस आया, जो कि ''मेरे लोग क्षमा किये गए हैं, था। जिन्होंने मेरा एवं इस संदेश का अनुसरण किया उनके पाप क्षमा किए गए''..... वह एक महान भेद के साथ वापस आया : ''तुम्हें क्षमा कर दिया गया है।'' किस चीज की क्षमा? तुम्हारे व्यभिचार की, क्यों? क्योंकि तुमने अपने मार्ग को बदला, और अब तुम पुरानी व्यवस्था से विवाहित नहीं हो, जोकि मृत्यु है। वह मर गया और चला गया, जैसा कि उसने श्रेवपोर्ट में कहा, कि अब तुम आकर मेमने के ब्याह के भोज में शामिल हो सकते हो। (7 मोहरें 7 गर्जन 1969)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : प्रभु के भविष्यद्धक्ता ने अपने किसी संदेश में इसे इस रीति से कभी लागू नहीं किया। यद्यपि यह एक नमूना हो सकता है परन्तु यह एक कुपन्थ नहीं बनना चाहिए। यीशु ने कूस पर कहा, ''पूरा हुआ''। यदि वह सत्य था, तो भविष्यद्धक्ता इसे कलीसिया के लिए घोषित करने हेतु प्रर्याप्त आत्मिक था। असंभव होने वाली पापों की क्षमा एक बड़ा भेद नहीं है। प्रभु ने पहले भी ऐसा किया है। उसने व्यभिचारिणी स्त्री से कहा : ''मैं तुझे दोषी नहीं पाता, जा अब और पाप न करना''। व्यवस्था के अनुसार तो उसके लिए मृत्यु निश्चित थी। इस कलीसिया और संदेश के लोगों की क्षमा, विवाह एवं तलाक के दृष्टिगोचर असंभव प्रतीत होती है। परन्तु प्रभु की करुणा उन्हें क्षमा कर देती है।

कु0 ले0 सं0 799 : विवाह एवं तलाक 7 मुहर एवं 7 गर्जन का प्रतीक था। 7 मुहर 7 गर्जन का प्रतीक था, मसीह एवं दुल्हन के प्रतीक में भविष्यद्धक्ता के विवाह एवं तलाक संदेश में प्रचारा गया। इस प्रतीक का अनुवाद तब हुआ जब भविष्यद्धक्ता ने मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप नामक संदेश प्रचार किया।

डा0 ली वेले : ..... उसने कहा सात गर्जन धूमिल पड़ गए वे किसी ऐसी चीज में चले गए जिसका वह अनुवाद नहीं कर सकता था। अब, वो क्या जिसका वह अनुवाद नहीं कर सकता है? एक भेद। एक प्रतीक। यह एक प्रतीक में चले गए, जिसका उस समय वह अनुवाद नहीं कर सकता था। वह वापस टक्सन चला गया और जब वह फरवरी 1965 में वापस आया,

उसने विवाह एवं तलाक को एक प्रतीक में प्रचार किया.....मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप एवं विवाह एवं तलाक समानार्थक संदेश हैं ओर वह प्रतीक के अनुवाद के साथ वापस आया, जो कि : ''मेरे लोगों को क्षमा किया गया है। (7 मुहर एवं 7 गर्जन 1969)

मैं विश्वास करता हूँ कि 7 मुहरें, या सबसे पहले 7 गर्जन क्या थे? सात मुहरें.....तब क्या आया? प्रतीक ; विवाह एवं तलाक.....(7 मुहरे एवं 7 गर्जन 1969)

नि0 कु0 का खु0 का उत्तर : भविष्यद्धक्ता ने कहीं पर भी न तो ऐसी शिक्षा दी और न ही कभी ऐसा संकेत किया कि विवाह एवं तलाक सातवीं मुहर का प्रतीक था, जिसका वह अनुवाद नहीं कर सका, और 'अदृश्य मिलाप'' प्रचार करने के द्वारा भविष्यद्धक्ता के लिए भेद यह था कि मसीह कब और कैसे आएगा। प्रतीक का अनुवाद हो गया। इन संदेशों में से किसी ने भी उस महान प्रकाशन को उद्घोषित नहीं किया है।

वि0 मे0 ब्र0 : 17–3 यीशु जब पृथ्वी पर था तो वे जानना चाहते थे कि वह कब आएगा। उसने कहा, ''.....पुत्र भी नहीं जानता यह कब होने जा रहा है।'' प्रभु ने यह अपने तक ही सीमित रखा है। यह एक भेद है। और यही कारण है कि वहाँ स्वर्ग में आध घड़ी का सन्नाटा छा गया था। और गर्जन की सात आवाजें हुई और यूहन्ना को उन्हें लिखने से रोक दिया गया (देखा?) प्रभु का आगमन। यह एक मात्र चीज है जिसे उसने अभी तक प्रकट नहीं किया है, कि कब और कैसे उसका आगमन होगा। (यीशु एक भेद 63–0728)

कु0 ले0 सं0 800 : .....मेरे पास कोई समर्थन नहीं है, और न ही किसी पास्टर या प्रचारक के पास है..... केवल भविष्यद्धक्ता के पास ही एक समर्थन था।

नि0 कु0 का ख़ु0 का उत्तर : अपनी सेवकाई के लिए ऐसी ईमानदार एवं विनम्र स्वीकारोक्ति करना डा0 वेले के लिए सम्मान सूचक है, परन्तु यह अन्य लोगों के लिए भी इतना ही सत्य नहीं है। भविष्यद्धक्ता ने कहा कि सुसमाचार वास्तविक रूप से तब तक नहीं प्रचारा जा सकता जब तक की उसे चिन्हों व आश्चर्य कर्मो का समर्थन प्राप्त न हो। इस प्रकार समर्थन केवल भविष्यद्धक्ता के लिए ही नहीं था परन्तु सुसमाचार के सभी प्रचारको, साथ ही सभी सच्चे विश्वासियों के लिए है (यूहन्ना 14:12)

मरकुस 16:15–17 और उसने उनसे कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। और विश्वास करने वालों में यह चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे।

चिन्हों एवं चमत्कारों के लिए समस्त सच्चे विश्वासियों के साथ प्रतिज्ञा की गई है कि वे जगत के अन्त तक उनके साथ बने रहेंगे।

वि0 मे0 ब्र0 : ई–27 यीशु ने कहा, जब मृतकों में जी उठा, उसने कहा.....''जो काम मैंने किए हैं वह तुम भी करोगे।'' वह विश्वासियों के लिए एक चिन्ह होगा। और हमने देखा है कि उसने क्या काम किए थे।

तब उसने कहा, ''मैं तुम्हारे साथ जगत के अन्त तक रहूँगा।'' और पृथ्वी पर रहते हुए जो उसने मानव जाति को पहला कार्य भार सौंपा था.....आप जानते हैं कि वह क्या था? मत्ती 10 : ''रोगियों को चंगा करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, मृतको को जिलाओ, दुष्टात्माओं को निकालो। जैसे सेंतमेत तुमने पाया, सेंतमेत ही तुम भी दो।''

क्या यह सही है? पहला कार्य भार..... एवं अन्तिम कार्य भार..... ''संसार में जाओ और सब जातियों के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो, जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा उद्धार पाएगा। और जो विश्वास करेगा नाश नहीं होगा। और यह चिन्ह (बहुवचन) उसका अनुसरण करेंगे। क्या यह सही है?

'' मेरे नाम से वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे ; वे अन्य भाषाओं में बोलेंगे ; वे सांपों को उठा लेंगे या नाशक वस्तुएं भी पीलेंगे तो उन्हें कुछ हानि न होगी : यदि वे अपने हाथ रोगियों पर रखेंगे तो वे चंगे हो जाएंगे।'' क्या यह सही है?

और उसे स्वर्ग में उठा लिया गया और शिष्य प्रचार करने हर जगह गए, प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और चिन्हों के द्वारा वचन की पुष्टि करता रहा। (जीवित प्रभु ख्रीस्त 53–0906 ई)

ई–67 .....पृथ्वी को छोड़ कर जाते समय उसके अन्तिम शब्द वह आर्शीवचन थे जो उसने अपने शिष्य को कहे, ''संसार में जाओ (इसमें शिकागो भी शामिल था, क्या नहीं?) और प्रत्येक प्राणी को सुसमाचार प्रचार करो। वह जो विश्वास करेगा, नाश न होगा बल्कि उद्धार पाएगा। और विश्वास करने वालों जगत के अन्त ये चिन्ह अनुसरण करेगे।'' कितने समय तक?.....प्रेरितों के अन्त समय तक? जगत के अन्त तक। ''मेरे नाम से वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई–नई भाषाओं में बोलेंगे। और यदि वह नाशक वस्तुए भी पी लेंगे तो उन्हें हानि न होगी। और यदि वे अपने हाथों को रोगियों पर रखेंगे तो वे चंगे हो जाएंगे।'' उसने यही कहा था। (निर्गमन की पुस्तक 55–1006ई)

मोहरों का खोला जाना तीसरा खिंचाव था, जो कि सम्पूर्ण वचन के प्रकटीकरण के लिए था, और जब दुल्हन वचन को बोलने की तीसरे खिंचाव की सेवकाई में आती है **तो इसे दुल्हन में इसकी पूर्ण सामर्थ में प्रमाणित होना अवश्य है।**

वि0 मे0 ब्र0 : 100 प्रकाशितवाक्य 10, सात मोहरों के खोले जाने के समय, सम्पूर्ण वचन को प्रकटीकरण में दोबारा जन्म लेना है और प्रभु के आत्मा के द्वारा पूर्ण सामर्थ में प्रमाणित होना है, बिलकुल ऐसे ही जब यह पृथ्वी पर था। आमीन। इब्रानियों 13:8 कहता है कि, यीशु मसीह कल, आज और युगानयुग एक सा है। (बीज भूसी के वारिस नहीं है 65–0218)

उपलब्ध पुस्तकों की सूची

1. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा अनुवाद की बाधाएं''

2. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा यरदन के तट पर माम्बा नामक सर्प''

3. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा झूठे अभीषिक्त''

4. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा संदेश के विश्वासियों के मध्य पांच मुख्य सैद्धान्तिक मतभेद''

5. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा सात मुहरें/सात गर्जन दो विचार धाराएं''

6. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–पवित्रीकरण के संदेश के पैमाने, झेठे गर्जनों की असफलता''

7. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा इक्कीसवीं शताब्दी के प्राणों की फसल 'बनाम' अविश्वास''

8. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा 8 पहचानें–7 गर्जनों की सेवकाई 'बनाम' नकलची''

9. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''प्र0 एवं उ0–विवाद–7वीं मुहर/गर्जन/ईश्वरत्व एवं पुनुरुत्थान''

10. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–चरवाहे, किराए के टट्टू ,बकरियाँ, भेड़िये एवं भेड़–प्र0 एवं उ0''

11. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''7मुहरों से सम्बन्धित कुपन्थ : क्या,कौन,क्यों व कब? 'बनाम' सच्चा प्रकाशन–प्रश्न एवं उत्तर''

12. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''सात गर्जनों के कुपन्थ 'बनाम' प्रभु का वास्तविक कार्यक्रम''

13. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''सात गर्जन प्रश्न एवं उत्तर–नि0 कु0 का खु0 को चुनौती''

14. ''निन्दायोग्य कुपन्थों का खुलासा–''स्वर्गारोहण की सामर्थ के लिए पवित्र आत्मा का अन्तिम रूप से उँडेला जाना''

15. ''पिन्तेकुस्तलवाद, 100वर्ष, 'बनाम' पिन्तेकुस्त–पवित्र आत्मा का अन्तिम रूप से उँडेला जाना''

16. ''संदेश के अन्तर्गत पिन्तेकुस्तलवाद 'बनाम' यहोशु की पीढ़ी''

17. ''आत्मा के अन्तिम उँडेले जाने व स्वर्गारोहण की अन्तिम तैयारी''

''मलाकी 4:5–6 के संदेश का प्रथम शहीद''
राबर्ट ली लैम्बर्ट की जीवन कथा